| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-2:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:18 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:18 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-5:1 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-5:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-5:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-5:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:20 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-8:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-11:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-11:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-11:4 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-11:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-11:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:43 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:50 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-13:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-13:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-13:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-15:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-15:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-15:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:20 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-16:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:32 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:13 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-18:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-20:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-20:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-20:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-20:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:12 | Moses |

04872 Mosheh EXO-24:13 Moses

04872 Mosheh EXO-24:13 Moses

04872 Mosheh EXO-24:15 Moses

04872 Mosheh EXO-24:16 Moses

04872 Mosheh EXO-24:18 Moses

04872 Mosheh EXO-24:18 Moses

04872 Mosheh EXO-25:1 Moses

04872 Mosheh EXO-30:11 Moses

04872 Mosheh EXO-30:17 Moses

04872 Mosheh EXO-30:22 Moses

04872 Mosheh EXO-30:34 Moses

04872 Mosheh EXO-31:1 Moses

04872 Mosheh EXO-31:12 Moses

04872 Mosheh EXO-31:18 Moses

04872 Mosheh EXO-32:1 Moses

04872 Mosheh EXO-32:1 Moses

04872 Mosheh EXO-32:7 Moses

04872 Mosheh EXO-32:9 Moses

04872 Mosheh EXO-32:11 Moses

04872 Mosheh EXO-32:15 Moses

04872 Mosheh EXO-32:17 Moses

04872 Mosheh EXO-32:19 Moses

04872 Mosheh EXO-32:21 Moses

04872 Mosheh EXO-32:23 Moses

04872 Mosheh EXO-32:25 Moses

04872 Mosheh EXO-32:26 Moses

04872 Mosheh EXO-32:28 Moses

04872 Mosheh EXO-32:29 Moses

04872 Mosheh EXO-32:30 Moses

04872 Mosheh EXO-32:31 Moses

04872 Mosheh EXO-32:33 Moses

04872 Mosheh EXO-33:1 Moses

04872 Mosheh EXO-33:5 Moses

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-33:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-36:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-36:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-36:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-36:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-38:21 | Moses |

04872 Mosheh EXO-38:22 Moses

04872 Mosheh EXO-39:1 Moses

04872 Mosheh EXO-39:5 Moses

04872 Mosheh EXO-39:7 Moses

04872 Mosheh EXO-39:21 Moses

04872 Mosheh EXO-39:26 Moses

04872 Mosheh EXO-39:29 Moses

04872 Mosheh EXO-39:31 Moses

04872 Mosheh EXO-39:32 Moses

04872 Mosheh EXO-39:33 Moses

04872 Mosheh EXO-39:42 Moses

04872 Mosheh EXO-39:43 Moses

04872 Mosheh EXO-39:43 Moses

04872 Mosheh EXO-40:1 Moses

04872 Mosheh EXO-40:16 Moses

04872 Mosheh EXO-40:18 Moses

04872 Mosheh EXO-40:19 Moses

04872 Mosheh EXO-40:21 Moses

04872 Mosheh EXO-40:23 Moses

04872 Mosheh EXO-40:25 Moses

04872 Mosheh EXO-40:27 Moses

04872 Mosheh EXO-40:29 Moses

04872 Mosheh EXO-40:31 Moses

04872 Mosheh EXO-40:32 Moses

04872 Mosheh EXO-40:33 Moses

04872 Mosheh EXO-40:35 Moses

04872 Mosheh LEV-1:1 Moses

04872 Mosheh LEV-4:1 Moses

04872 Mosheh LEV-5:14 Moses

04872 Mosheh LEV-6:1 Moses

04872 Mosheh LEV-6:8 Moses

04872 Mosheh LEV-6:19 Moses

04872 Mosheh LEV-6:24 Moses

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | LEV-7:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-7:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-7:38 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:36 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:10 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | LEV-9:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-11:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-12:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-13:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-14:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-14:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-15:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-16:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-16:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-16:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-17:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-18:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-19:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-20:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-21:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-21:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-21:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-22:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-22:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-22:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:9 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | LEV-23:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-25:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-26:46 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-27:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-27:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:48 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:54 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-2:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-2:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-2:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:38 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:39 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:42 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:44 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-3:49 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:51 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:51 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:37 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:37 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:45 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:45 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:46 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:49 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:49 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-5:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-5:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-5:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-5:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-6:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-6:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:89 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:22 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-8:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:8 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-12:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:36 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:39 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:36 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:37 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:15 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-16:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:18 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:36 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:42 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:43 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:46 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:47 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:50 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-18:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-19:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:12 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-20:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:32 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:52 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:59 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:63 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:64 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:18 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-27:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-28:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-29:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-29:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-30:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-30:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:42 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:47 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:47 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:48 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:49 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:51 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:54 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:28 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-32:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-33:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-33:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-33:50 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-34:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-34:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-34:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-35:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-35:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-36:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-36:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-36:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-36:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-1:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-1:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-1:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-4:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-4:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-4:45 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-4:46 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-5:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-27:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-27:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-27:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-29:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-29:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:14 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | DEU-31:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-32:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-32:45 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-32:48 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-33:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-33:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-3:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-4:10 | Moses |

04872 Mosheh JOS-4:12 Moses

04872 Mosheh JOS-4:14 Moses

04872 Mosheh JOS-8:31 Moses

04872 Mosheh JOS-8:31 Moses

04872 Mosheh JOS-8:32 Moses

04872 Mosheh JOS-8:33 Moses

04872 Mosheh JOS-8:35 Moses

04872 Mosheh JOS-9:24 Moses

04872 Mosheh JOS-11:12 Moses

04872 Mosheh JOS-11:15 Moses

04872 Mosheh JOS-11:15 Moses

04872 Mosheh JOS-11:15 Moses

04872 Mosheh JOS-11:20 Moses

04872 Mosheh JOS-11:23 Moses

04872 Mosheh JOS-12:6 Moses

04872 Mosheh JOS-12:6 Moses

04872 Mosheh JOS-13:8 Moses

04872 Mosheh JOS-13:8 Moses

04872 Mosheh JOS-13:12 Moses

04872 Mosheh JOS-13:15 Moses

04872 Mosheh JOS-13:21 Moses

04872 Mosheh JOS-13:24 Moses

04872 Mosheh JOS-13:29 Moses

04872 Mosheh JOS-13:32 Moses

04872 Mosheh JOS-13:33 Moses

04872 Mosheh JOS-14:2 Moses

04872 Mosheh JOS-14:3 Moses

04872 Mosheh JOS-14:5 Moses

04872 Mosheh JOS-14:6 Moses

04872 Mosheh JOS-14:7 Moses

04872 Mosheh JOS-14:9 Moses

04872 Mosheh JOS-14:10 Moses

04872 Mosheh JOS-14:11 Moses

04872 Mosheh JOS-17:4 Moses

04872 Mosheh JOS-18:7 Moses

04872 Mosheh JOS-20:2 Moses

04872 Mosheh JOS-21:2 Moses

04872 Mosheh JOS-21:8 Moses

04872 Mosheh JOS-22:2 Moses

04872 Mosheh JOS-22:4 Moses

04872 Mosheh JOS-22:5 Moses

04872 Mosheh JOS-22:7 Moses

04872 Mosheh JOS-22:9 Moses

04872 Mosheh JOS-23:6 Moses

04872 Mosheh JOS-24:5 Moses

04872 Mosheh JUD-1:16 Moses

04872 Mosheh JUD-1:20 Moses

04872 Mosheh JUD-3:4 Moses

04872 Mosheh JUD-4:11 Moses

04872 Mosheh 1SA-12:6 Moses

04872 Mosheh 1SA-12:8 Moses

04872 Mosheh 1KI-2:3 Moses

04872 Mosheh 1KI-8:9 Moses

04872 Mosheh 1KI-8:53 Moses

04872 Mosheh 1KI-8:56 Moses

04872 Mosheh 2KI-14:6 Moses

04872 Mosheh 2KI-18:4 Moses

04872 Mosheh 2KI-18:6 Moses

04872 Mosheh 2KI-18:12 Moses

04872 Mosheh 2KI-21:8 Moses

04872 Mosheh 2KI-23:25 Moses

04872 Mosheh 1CH-6:3 Moses

04872 Mosheh 1CH-6:49 Moses

04872 Mosheh 1CH-15:15 Moses

04872 Mosheh 1CH-21:29 Moses

04872 Mosheh 1CH-22:13 Moses

04872 Mosheh 1CH-23:13 Moses

04872 Mosheh 1CH-23:14 Moses

04872 Mosheh 1CH-23:15 Moses

04872 Mosheh 1CH-26:24 Moses

04872 Mosheh 2CH-1:3 Moses

04872 Mosheh 2CH-5:10 Moses

04872 Mosheh 2CH-8:13 Moses

04872 Mosheh 2CH-23:18 Moses

04872 Mosheh 2CH-24:6 Moses

04872 Mosheh 2CH-24:9 Moses

04872 Mosheh 2CH-25:4 Moses

04872 Mosheh 2CH-30:16 Moses

04872 Mosheh 2CH-33:8 Moses

04872 Mosheh 2CH-34:14 Moses

04872 Mosheh 2CH-35:6 Moses

04872 Mosheh 2CH-35:12 Moses

04872 Mosheh EZR-3:2 Moses

04872 Mosheh EZR-7:6 Moses

04872 Mosheh NEH-1:7 Moses

04872 Mosheh NEH-1:8 Moses

04872 Mosheh NEH-8:1 Moses

04872 Mosheh NEH-8:14 Moses

04872 Mosheh NEH-9:14 Moses

04872 Mosheh NEH-10:29 Moses

04872 Mosheh NEH-13:1 Moses

04872 Mosheh PSA-77:20 Moses

04872 Mosheh PSA-90:1 Moses

04872 Mosheh PSA-99:6 Moses

04872 Mosheh PSA-103:7 Moses

04872 Mosheh PSA-105:26 Moses

04872 Mosheh PSA-106:16 Moses

04872 Mosheh PSA-106:23 Moses

04872 Mosheh PSA-106:32 Moses

04872 Mosheh ISA-63:11 Moses

04872 Mosheh ISA-63:12 Moses

04872 Mosheh JER-15:1 Moses

04872 Mosheh DAN-9:11 Moses

04872 Mosheh DAN-9:13 Moses

04872 Mosheh MIC-6:4 Moses

04872 Mosheh MAL-4:4 Moses

~~~~~~

~~~~~~

04872 LEV 008 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 034 035 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > the face <06440 +paniym > of Moses <{04872} +Mosheh > , that the skin <05785 +<owr > of Moses <04872 +Mosheh > face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > : and Moses <04872 +Mosheh > put <07725 +shuwb > the vail <04533 +macveh > upon his face <06440 +paniym > again <07725 +shuwb > , until <05704 +<ad > he went <00935 +bow> > in to speak <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 035 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > gathered <06950 +qahal > all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > together , and said <00559 +>amar > unto them , These <00428 +>el - leh > [ are ] the words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath commanded <06680 +tsavah > , that [ ye ] should do <06213 +<asah > them .

04872 EXO 035 004 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <00559 +>amar > unto all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , This <02088 +zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 035 020 . And all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > departed <03318 +yatsa> > from the presence <06440 +paniym > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 035 029 The children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > brought <00935 +bow> > a willing <05071 +n@dabah > offering unto the LORD <03068 +Y@hovah > , every <03605 +kol > man <00376 +>iysh > and woman <00802 +>ishshah > , whose <00834 +>aher > heart <03820 +leb > made them willing <05068 +nadab > to bring for all <03605 +kol > manner of work <04399 +m@la>kah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > to be made <06213 +<asah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 035 030 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , See <07200 +ra>ah > , the LORD <03068 +Y@hovah > hath called <07121 +qara> > by name <08034 +shem > Bezaleel <01212 +B@tsal>el > the son <01121 +ben > of Uri <00221 +>Uwriy > , the son <01121 +ben > of Hur <02354 +Chuwr > , of the tribe <04294 +matteh > of Judah <03063 +Y@huwdah > ;

04872 EXO 036 002 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > Bezaleel <01212 +B@tsal>el > and Aholiab <00171 +>Oholiy>ab > , and every <03605 +kol > wise <02450 +chakam > hearted <03820 +leb > man <00376 +>iysh > , in whose <00834 +>aher > heart <03820 +leb > the LORD <03068 +Y@hovah > had put <05414 +nathan > wisdom <02451 +chokmah > , [ even ] every <03605 +kol > one whose <00834 +>aher > heart <03820 +leb > stirred <05375 +nasa> > him up to come <07126 +qarab > unto the work <04399 +m@la>kah > to do <06213 +<asah > it :

04872 EXO 036 003 And they received <03947 +laqach > of Moses <{04872} +Mosheh > all <03605 +kol > the offering <08641 +t@ruwmah > , which <00834 +>aher > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > had brought <00935 +bow> > for the work <04399 +m@la>kah > of the service <05656 +<abodah > of the sanctuary <06944 +qodesh > , to make <06213 +<asah > it [ withal

] . And they brought <00935 +bow> > yet <05750 +<owd > unto him free <05071 +n@dabah > offerings every morning <01242 +boqer > .

04872 EXO 036 005 And they spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , The people <05971 +<am > bring <00935 +bow> > much <07235 +rabah > more <07235 +rabah > than enough <01767 +day > for the service <05656 +<abodah > of the work <04399 +m@la>kah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > to make <06213 +<asah > .

04872 EXO 036 006 And Moses <{04872} +Mosheh > gave commandment <06680 +tsavah > , and they caused it to be proclaimed <05674 +<abar > throughout the camp <04264 +machaneh > , saying <00559 +>amar > , Let neither <00408 +>al > man <00376 +>iysh > nor <00408 +>al > woman <00802 +>ishshah > make <06213 +<asah > any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > work <04399 +m@la>kah > for the offering <08641 +t@ruwmah > of the sanctuary <06944 +qodesh > . So the people <05971 +<am > were restrained <03607 +kala> > from bringing <00935 +bow> > .

04872 EXO 038 021 . This <00428 +>el - leh > is the sum <06485 +paqad > of the tabernacle <04908 +mishkan > , [ even ] of the tabernacle <04908 +mishkan > of testimony <5715> , as it was counted <06485 +paqad > , according <05921 +<al > to the commandment <06310 +peh > of Moses <{04872} +Mosheh > , [ for ] the service <05656 +<abodah > of the Levites <03881 +Leviyiy > , by the hand <03027 +yad > of Ithamar <00385 +>Iythamar > , son <01121 +ben > to Aaron <00175 +>Aharown > the priest <03548 +kohen > .

04872 EXO 038 022 And Bezaleel <01212 +B@tsal>el > the son <01121 +ben > of Uri <00221 +>Uwriy > , the son <01121 +ben > of Hur <02354 +Chuwr > , of the tribe <04294 +matteh > of Judah <03063 +Y@huwdah > , made <06213 +<asah > all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 001 . And of the blue <08504 +t@keleth > , and purple <00713 +>argaman > , and scarlet , they made <06213 +<asah > cloths <00899 +beged > of service <08278 +s@rad > , to do service <08334 +sharath > in the holy <06944 +qodesh > [ place ] , and made <06213 +<asah > the holy <06944 +qodesh > garments <00899 +beged > for Aaron <00175 +>Aharown > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 005 And the curious girdle <02805 +chesheb > of his ephod <00642 +>ephuddah > , that [ was ] upon it , [ was ] of the same , according to the work <04639 +ma<aseh > thereof ; [ of ] gold <02091 +zahab > , blue <08504 +t@keleth > , and purple <00713 +>argaman > , and scarlet , and fine twined <07806 +shazar > linen <08336 +shesh > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 007 And he put <07760 +suwm > them on <05921 +<al > the shoulders <03802 +katheph > of the ephod <00646 +>ephowd > , [ that they should be ] stones <68> for a memorial <02146 +zikrown > to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 021 And they did bind <07405 +rakac > the breastplate <02833 +choshen > by his rings <02885 +tabba<ath > unto the rings <02885 +tabba<ath > of the ephod <00646 +>ephowd > with a lace <06616 +pathiyl > of blue <08504 +t@keleth > ,

that it might be above <05921 +<al > the curious girdle <02805 +chesheb > of the ephod <00646 +>ephowd > , and that the breastplate <02833 +choshen > might not be loosed <02118 +zachach > from the ephod <00646 +>ephowd > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 026 A bell <06472 +pa<amon > and a pomegranate <07416 +rimmown > , a bell <06472 +pa<amon > and a pomegranate <07416 +rimmown > , round <05439 +cabiyb > about the hem <07757 +shuwl > of the robe <04598 +m@<iyl > to minister <08334 +sharath > [ in ] ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 029 And a girdle <73> [ of ] fine twined <07806 +shazar > linen <08336 +shesh > , and blue <08504 +t@keleth > , and purple <00713 +>argaman > , and scarlet , [ of ] needlework <07551 +raqam > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 031 And they tied <05414 +nathan > unto it a lace <06616 +pathiyl > of blue <08504 +t@keleth > , to fasten <05414 +nathan > [ it ] on high <04605 +ma<al > upon the mitre <04701 +mitsnepheth > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 032 . Thus was all <03605 +kol > the work <05656 +<abodah > of the tabernacle <04908 +mishkan > of the tent <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > finished <03615 +kalah > : and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 EXO 039 033 And they brought <00935 +bow> > the tabernacle <04908 +mishkan > unto Moses <{04872} +Mosheh > , the tent <00168 +>ohel > , and all <03605 +kol > his furniture <03627 +k@liy > , his taches <07165 +qerec > , his boards <07175 +qeresh > , his bars <01280 +b@riyach > , and his pillars <05982 +<ammuwd > , and his sockets <00134 +>eden > ,

04872 EXO 039 042 According to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > made <06213 +<asah > all <03605 +kol > the work <05656 +<abodah > .

04872 EXO 039 043 And Moses <04872 +Mosheh > did look <07200 +ra>ah > upon all <03605 +kol > the work <04399 +m@la>kah > , and , behold <02009 +hinneh > , they had done <06213 +<asah > it as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > , even so <03651 +ken > had they done <06213 +<asah > it : and Moses <{04872} +Mosheh > blessed <01288 +barak > them .

04872 EXO 039 043 And Moses <{04872} +Mosheh > did look <07200 +ra>ah > upon all <03605 +kol > the work <04399 +m@la>kah > , and , behold <02009 +hinneh > , they had done <06213 +<asah > it as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > , even so <03651 +ken > had they done <06213 +<asah > it : and Moses <04872 +Mosheh > blessed <01288 +barak > them .

04872 EXO 040 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 040 016 . Thus did <06213 +<asah > Moses <{04872} +Mosheh > : according to all <03605 +kol > that the LORD <03068

+Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > he .

04872 EXO 040 018 And Moses <{04872} +Mosheh > reared <06965 +quwm > up the tabernacle <04908 +mishkan > , and fastened <05414 +nathan > his sockets <00134 +>eden > , and set <07760 +suwm > up the boards <07175 +qeresh > thereof , and put <05414 +nathan > in the bars <01280 +b@riyach > thereof , and reared <06965 +quwm > up his pillars <05982 +<ammuwd > .

04872 EXO 040 019 And he spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > the tent <00168 +>ohel > over <05921 +<al > the tabernacle <04908 +mishkan > , and put <07760 +suwm > the covering <04372 +mikceh > of the tent <00168 +>ohel > above <04605 +ma<al > upon it ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 021 And he brought <00935 +bow> > the ark <00727 +>arown > into <00413 +>el > thetabernacle <04908 +mishkan > , and set <07760 +suwm > up the vail <06532 +poreketh > of the covering <04539 +macak > , and covered <05526 +cakak > the ark <00727 +>arown > of the testimony <5715> ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 023 And he set <06186 +<arak > the bread <03899 +lechem > in order <06186 +<arak > upon it before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 025 And he lighted <05927 +<alah > the lamps <05216 +niyr > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 027 And he burnt <06999 +qatar > sweet <05561 +cam > incense <07004 +q@toreth > thereon <05921 +<al > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 029 And he put <07760 +suwm > the altar <04196 +mizbeach > of burnt <05930 +<olah > offering [ by ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <04908 +mishkan > of the tent <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , and offered <05927 +<alah > upon it the burnt <05930 +<olah > offering and the meat offering <04503 +minchah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 031 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > washed <07364 +rachats > their hands <03027 +yad > and their feet <07272 +regel > thereat :

04872 EXO 040 032 When they went <00935 +bow> > into <00413 +>el > the tent <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , and when they came <07126 +qarab > near <07126 +qarab > unto the altar <04196 +mizbeach > , they washed <07364 +rachats > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 033 And he reared <06965 +quwm > up the court <02691 +chatser > round <05439 +cabiyb > about the tabernacle <04908 +mishkan > and the altar <04196 +mizbeach > , and set <05414 +nathan > up the hanging <04539 +macak > of the court <02691 +chatser > gate <08179 +sha<ar > . So Moses <{04872} +Mosheh > finished <03615 +kalah > the work <04399 +m@la>kah > .

04872 EXO 040 035 And Moses <{04872} +Mosheh > was not able
<03201 +yakol > to enter <00935 +bow> > into <00413 +>el > the
tent <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > ,
because <03588 +kiy > the cloud <06051 +<anan > abode <07931
+shakan > thereon <05921 +<al > , and the glory <03519 +kabowd >
of the LORD <03068 +Y@hovah > filled <04390 +male> > the
tabernacle <04908 +mishkan > .

04872 LEV 001 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121
+qara> > unto Moses <{04872} +Mosheh > , and spake <01696 +dabar
> unto him out of the tabernacle <00168 +>ohel > of the
congregation <04150 +mow<ed > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 004 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 005 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 006 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 006 008 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 006 019 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 006 024 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 007 022 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 007 028 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 007 038 Which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah
> commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > in mount
<02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , in the day <03119 +yowmam
> that he commanded <06680 +tsavah > the children <01121 +ben >
of Israel <03478 +Yisra>el > to offer <07126 +qarab > their
oblations <07133 +qorban > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , in
the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 EXO 034 035 And the children <01121 +ben > of Israel
<03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > the face <06440 +paniym >
of Moses <04872 +Mosheh > , that the skin <05785 +<owr > of
Moses <{04872} +Mosheh > face <06440 +paniym > shone <07160
+qaran > : and Moses <04872 +Mosheh > put <07725 +shuwb > the
vail <04533 +macveh > upon his face <06440 +paniym > again
<07725 +shuwb > , until <05704 +<ad > he went <00935 +bow> > in
to speak <01696 +dabar > with him .

04872 LEV 008 004 And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah
> as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him ;
and the assembly <05712 +<edah > was gathered <06950 +qahal >
together unto the door <06607 +pethach > of the tabernacle
<00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 LEV 008 005 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto the congregation <05712 +<edah > , This <02088
+zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher >
the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > to be done
<06213 +<asah > .

04872 LEV 008 006 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <07126 +qarab > Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > , and washed <07364 +rachats > them with water <04325 +mayim > .

04872 LEV 008 009 And he put <07760 +suwm > the mitre <04701 +mitsnepheth > upon his head <07218 +ro>sh > ; also upon the mitre <04701 +mitsnepheth > , [ even ] upon his forefront , did he put <07760 +suwm > the golden <02091 +zahab > plate <06731 +tsiyts > , the holy <06944 +qodesh > crown <05145 +nezer > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 010 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the anointing <04888 +mishchah > oil <08081 +shemen > , and anointed <04886 +mashach > the tabernacle <04908 +mishkan > and all <03605 +kol > that [ was ] therein , and sanctified <06942 +qadash > them .

04872 LEV 008 013 And Moses <04872 +Mosheh > brought <07126 +qarab > Aaron s <00175 +>Aharown > sons <01121 +ben > , and put <03847 +labash > coats <03801 +k@thoneth > upon them , and girded <02296 +chagar > them with girdles <73> , and put <02280 +chabash > bonnets <04021 +migba<ah > upon them ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 013 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <07126 +qarab > Aaron s <00175 +>Aharown > sons <01121 +ben > , and put <03847 +labash > coats <03801 +k@thoneth > upon them , and girded <02296 +chagar > them with girdles <73> , and put <02280 +chabash > bonnets <04021 +migba<ah > upon them ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 008 015 And he slew <07819 +shachat > [ it ] ; and Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the blood <01818 +dam > , and put <05414 +nathan > [ it ] upon the horns <07161 +qeren > of the altar <04196 +mizbeach > round <05439 +cabiyb > about with his finger <00676 +>etsba< > , and purified <02398 +chata> > the altar <04196 +mizbeach > , and poured <03332 +yatsaq > the blood <01818 +dam > at <00413 +>el > the bottom <03247 +y@cowd > of the altar <04196 +mizbeach > , and sanctified <06942 +qadash > it , to make reconciliation <03722 +kaphar > upon it .

04872 LEV 008 016 And he took <03947 +laqach > all <03605 +kol > the fat <02459 +cheleb > that [ was ] upon the inwards <07130 +qereb > , and the caul <03508 +yothereth > [ above ] the liver <03516 +kabed > , and the two <08147 +sh@nayim > kidneys <03629 +kilyah > , and their fat <02459 +cheleb > , and Moses <{04872} +Mosheh > burned <06999 +qatar > [ it ] upon the altar <04196 +mizbeach > .

04872 LEV 008 017 But the bullock <06499 +par > , and his hide <05785 +<owr > , his flesh <01320 +basar > , and his dung <06569 +peresh > , he burnt <08313 +saraph > with fire <00784 +>esh > without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 019 And he killed <07819 +shachat > [ it ] ; and Moses <{04872} +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the altar <04196 +mizbeach > round <05439 +cabiyb > about .

04872 LEV 008 020 And he cut <05408 +nathach > the ram <00352 +>ayil > into pieces <05409 +nethach > ; and Moses <{04872} +Mosheh > burnt <06999 +qatar > the head <07218 +ro>sh > , and the pieces <05409 +nethach > , and the fat <06309 +peder > .

04872 LEV 008 021 And he washed <07364 +rachats > the inwards <07130 +qereb > and the legs <03767 +kara< > in water <04325 +mayim > ; and Moses <04872 +Mosheh > burnt <06999 +qatar > the whole ram <00352 +>ayil > upon the altar <04196 +mizbeach > : it [ was ] a burnt <05930 +<olah > sacrifice for a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > , [ and ] an offering made by fire unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 021 And he washed <07364 +rachats > the inwards <07130 +qereb > and the legs <03767 +kara< > in water <04325 +mayim > ; and Moses <{04872} +Mosheh > burnt <06999 +qatar > the whole ram <00352 +>ayil > upon the altar <04196 +mizbeach > : it [ was ] a burnt <05930 +<olah > sacrifice for a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > , [ and ] an offering made by fire unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 008 023 And he slew <07819 +shachat > [ it ] ; and Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > of the blood <01818 +dam > of it , and put <05414 +nathan > [ it ] upon the tip <08571 +t@nuwk > of Aaron s <00175 +>Aharown > right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <07272 +regel > .

04872 LEV 008 024 And he brought <07126 +qarab > Aaron s <00175 +>Aharown > sons <01121 +ben > , and Moses <04872 +Mosheh > put <05414 +nathan > of the blood <01818 +dam > upon the tip <08571 +t@nuwk > of their right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumbs <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > hands <03027 +yad > , and upon the great toes <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > feet <07272 +regel > : and Moses <{04872} +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the altar <04196 +mizbeach > round <05439 +cabiyb > about .

04872 LEV 008 024 And he brought <07126 +qarab > Aaron s <00175 +>Aharown > sons <01121 +ben > , and Moses <{04872} +Mosheh > put <05414 +nathan > of the blood <01818 +dam > upon the tip <08571 +t@nuwk > of their right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumbs <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > hands <03027 +yad > , and upon the great toes <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > feet <07272 +regel > : and Moses <04872 +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the altar <04196 +mizbeach > round <05439 +cabiyb > about .

04872 LEV 008 028 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > them from off <05921 +<al > their hands <03709 +kaph > , and burnt <06999 +qatar > [ them ] on the altar <04196 +mizbeach > upon the burnt <05930 +<olah > offering : they [ were ] consecrations <04394 +millu> > for a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > : it [ is ] an offering made by fire unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 LEV 008 029 And Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > the breast <02373 +chazeh > , and waved <05130 +nuwph > it [ for ] a wave <08573 +t@nuwphah > offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > : [ for ] of the ram <00352 +>ayil

> of consecration <04394 +millu> > it was Moses <04872 +Mosheh > part <04940 +mishpachah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 029 And Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > the breast <02373 +chazeh > , and waved <05130 +nuwph > it [ for ] a wave <08573 +t@nuwphah > offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > : [ for ] of the ram <00352 +>ayil > of consecration <04394 +millu> > it was Moses <{04872} +Mosheh > part <04940 +mishpachah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 008 029 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the breast <02373 +chazeh > , and waved <05130 +nuwph > it [ for ] a wave <08573 +t@nuwphah > offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > : [ for ] of the ram <00352 +>ayil > of consecration <04394 +millu> > it was Moses <04872 +Mosheh > part <04940 +mishpachah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 008 030 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > of the anointing <04888 +mishchah > oil <08081 +shemen > , and of the blood <01818 +dam > which <00834 +>aher > [ was ] upon the altar <04196 +mizbeach > , and sprinkled <05137 +nazah > [ it ] upon Aaron <00175 +>Aharown > , [ and ] upon his garments <00899 +beged > , and upon his sons <01121 +ben > , and upon his sons <01121 +ben > garments <00899 +beged > with him ; and sanctified <06942 +qadash > Aaron <00175 +>Aharown > , [ and ] his garments <00899 +beged > , and his sons <01121 +ben > , and his sons <01121 +ben > garments <00899 +beged > with him .

04872 LEV 008 031 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > and to his sons <01121 +ben > , Boil <01310 +bashal > the flesh <01320 +basar > [ at ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > : and there <08033 +sham > eat <00398 +>akal > it with the bread <03899 +lechem > that [ is ] in the basket <05536 +cal > of consecrations <04394 +millu> > , as I commanded <06680 +tsavah > , saying <00559 +>amar > , Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > shall eat <00398 +>akal > it .

04872 LEV 008 036 So Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > did <06213 +<asah > all <03605 +kol > things <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 009 001 . And it came <00935 +bow> > to pass on the eighth <08066 +sh@miyniy > day <03117 +yowm > , [ that ] Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > , and the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > ;

04872 LEV 009 005 And they brought <03947 +laqach > [ that ] which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > before the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > : and all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > drew near <07126 +qarab > and stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 LEV 009 006 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , This <02088 +zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > that ye should do <06213 +<asah > : and the

glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah > shall appear <07200 +ra>ah > unto you .

04872 LEV 009 007 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Go <07126 +qarab > unto the altar <04196 +mizbeach > , and offer <06213 +<asah > thy sin <02403 +chatta>ah > offering , and thy burnt <05930 +<olah > offering , and make an atonement <03722 +kaphar > for thyself , and for the people <05971 +<am > : and offer <06213 +<asah > the offering <07133 +qorban > of the people <05971 +<am > , and make an atonement <03722 +kaphar > for them ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > .

04872 LEV 009 010 But the fat <02459 +cheleb > , and the kidneys <03629 +kilyah > , and the caul <03508 +yothereth > above <04480 +min > the liver <03516 +kabed > of the sin <02403 +chatta>ah > offering , he burnt <05930 +<olah > upon the altar <04196 +mizbeach > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 009 021 And the breasts <02373 +chazeh > and the right <03225 +yamiyn > shoulder <07785 +showq > Aaron <00175 +>Aharown > waved <05130 +nuwph > [ for ] a wave <08573 +t@nuwphah > offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ; as Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > .

04872 LEV 009 023 . And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <00935 +bow> > into <00413 +>el > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , and came <03318 +yatsa> > out , and blessed <01288 +barak > the people <05971 +<am > : and the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah > appeared <07200 +ra>ah > unto all <03605 +kol > the people <05971 +<am > .

04872 LEV 010 003 . Then Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , This <01931 +huw> > [ is it ] that the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > , saying <00559 +>amar > , I will be sanctified <06942 +qadash > in them that come <07138 +qarowb > nigh <07138 +qarowb > me , and before all <03605 +kol > the people <05971 +<am > I will be glorified <03513 +kabad > . And Aaron <00175 +>Aharown > held <01826 +damam > his peace <01826 +damam > .

04872 LEV 010 004 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > Mishael <04332 +Miysha>el > and Elzaphan <00469 +>Eliytsaphan > , the sons <01121 +ben > of Uzziel <05816 +<Uzziy>el > the uncle <01730 +dowd > of Aaron <00175 +>Aharown > , and said <00559 +>amar > unto them , Come <00935 +bow> > near <07126 +qarab > , carry <05375 +nasa> > your brethren <00251 +>ach > from before <06440 +paniym > the sanctuary <06944 +qodesh > out of the camp <04264 +machaneh > .

04872 LEV 010 005 So they went <07126 +qarab > near <07126 +qarab > , and carried <05375 +nasa> > them in their coats <03801 +k@thoneth > out of the camp <04264 +machaneh > ; as Moses <{04872} +Mosheh > had said <01696 +dabar > .

04872 LEV 010 006 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , and unto Eleazar <00499 +>El<azar > and unto Ithamar <00385 +>Iythamar > , his sons <01121 +ben > , Uncover <06544 +para< > not your heads <07218 +ro>sh > , neither <03808 +lo> > rend <06533 +param > your clothes <00899 +beged > ; lest <03808 +lo> > ye die <04191 +muwth > , and lest wrath <07107 +qatsaph > come upon all <03605 +kol > the people <05712 +<edah > : but let your brethren <00251 +>ach > , the whole <03605 +kol > house <01004 +bayith > of

Israel <03478 +Yisra>el > , bewail <01058 +bakah > the burning <08316 +s@rephah > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath kindled <08313 +saraph > .

04872 LEV 010 007 And ye shall not go <03318 +yatsa> > out from the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , lest <06435 +pen > ye die <04191 +muwth > : for the anointing <04888 +mishchah > oil <08081 +shemen > of the LORD <03068 +Y@hovah > [ is ] upon you . And they did <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 010 011 And that ye may teach <03384 +yarah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > all <03605 +kol > the statutes <02706 +choq > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken <01696 +dabar > unto them by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 010 012 . And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , and unto Eleazar <00499 +>El<azar > and unto Ithamar <00385 +>Iythamar > , his sons <01121 +ben > that were left <03498 +yathar > , Take <03947 +laqach > the meat offering <04503 +minchah > that remaineth <03498 +yathar > of the offerings of the LORD <03068 +Y@hovah > made by fire , and eat <00398 +>akal > it without <04682 +matstsah > leaven <04682 +matstsah > beside <00681 +>etsel > the altar <04196 +mizbeach > : for it [ is ] most <06944 +qodesh > holy <06944 +qodesh > :

04872 LEV 010 016 And Moses <{04872} +Mosheh > diligently sought <01875 +darash > the goat <08163 +sa<iyr > of the sin <02403 +chatta>ah > offering , and , behold <02009 +hinneh > , it was burnt <08313 +saraph > : and he was angry <07107 +qatsaph > with Eleazar <00499 +>El<azar > and Ithamar <00385 +>Iythamar > , the sons <01121 +ben > of Aaron <00175 +>Aharown > [ which were ] left <03498 +yathar > [ alive ] , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 010 019 And Aaron <00175 +>Aharown > said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Behold <02005 +hen > , this day <03117 +yowm > have they offered <07126 +qarab > their sin <02403 +chatta>ah > offering and their burnt <05930 +<olah > offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ; and such <00428 +>el - leh > things have befallen <07122 +qara> > me : and [ if ] I had eaten <00398 +>akal > the sin <02403 +chatta>ah > offering to day <03117 +yowm > , should it have been accepted <03190 +yatab > in the sight <05869 +<ayin > of the LORD <03068 +Y@hovah > ?

04872 LEV 010 020 And when Moses <{04872} +Mosheh > heard <08085 +shama< > [ that ] , he was content .

04872 LEV 011 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and to Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > unto them ,

04872 LEV 012 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 013 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 014 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 014 033 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696

+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175
+>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 015 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and to Aaron <00175
+>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 016 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > after <00310 +>achar >
the death <04194 +maveth > of the two <08147 +sh@nayim > sons
<01121 +ben > of Aaron <00175 +>Aharown > , when they offered
<07126 +qarab > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah
> , and died <04191 +muwth > ;

04872 LEV 016 002 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Speak <01696 +dabar >
unto Aaron <00175 +>Aharown > thy brother <00251 +>ach > , that
he come <00935 +bow> > not at all <03605 +kol > times <06256
+<eth > into <00413 +>el > the holy <06944 +qodesh > [ place ]
within <01004 +bayith > the vail <06532 +poreketh > before the
mercy <03727 +kapporeth > seat , which <00834 +>aher > [ is ]
upon the ark <00727 +>arown > ; that he die <04191 +muwth > not :
 for I will appear <07200 +ra>ah > in the cloud <06051 +<anan >
upon the mercy <03727 +kapporeth > seat .

04872 LEV 016 034 And this <02063 +zo>th > shall be an
everlasting <05769 +<owlam > statute <02708 +chuqqah > unto you ,
 to make an atonement <03722 +kaphar > for the children <01121
+ben > of Israel <03478 +Yisra>el > for all <03605 +kol > their
sins <02403 +chatta>ah > once <00259 +>echad > a year <08141
+shaneh > . And he did <06213 +<asah > as the LORD <03068
+Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 017 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 018 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 019 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 020 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 021 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Speak <00559 +>amar >
unto the priests <03548 +kohen > the sons <01121 +ben > of Aaron
<00175 +>Aharown > , and say <00559 +>amar > unto them , There
shall none <03808 +lo> > be defiled <02930 +tame> > for the dead
<05315 +nephesh > among his people <05971 +<am > :

04872 LEV 021 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 021 024 And Moses <{04872} +Mosheh > told <01696
+dabar > [ it ] unto Aaron <00175 +>Aharown > , and to his sons
<01121 +ben > , and unto all <03605 +kol > the children <01121
+ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 LEV 022 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 022 017 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 022 026 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 009 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 023 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 026 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 033 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 044 And Moses <{04872} +Mosheh > declared <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > the feasts <04150 +mow<ed > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 LEV 024 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 024 011 And the Israelitish <03482 +Yisr@>eliyth > woman s <00802 +>ishshah > son <01121 +ben > blasphemed <05344 +naqab > the name <08034 +shem > [ of the LORD ] , and cursed <07043 +qalal > . And they brought <00935 +bow> > him unto Moses <{04872} +Mosheh > : ( and his mother s <00517 +>em > name <08034 +shem > [ was ] Shelomith <08019 +Sh@lomiyth > , the daughter <01323 +bath > of Dibri <01704 +Dibriy > , of the tribe <04294 +matteh > of Dan <01835 +Dan > : )

04872 LEV 024 013 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh> , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 024 023 And Moses <04872 +Mosheh > spake <01696 +dabar > to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that they should bring <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > him that had cursed <07043 +qalal > out of the camp <04264 +machaneh > , and stone <07275 +ragam > him with stones <68> . And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 024 023 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that they should bring <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > him that had cursed <07043 +qalal > out of the camp <04264 +machaneh > , and stone <07275 +ragam > him with stones <68> . And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 025 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 026 046 These <00428 +>el - leh > [ are ] the statutes <02708 +chuqqah > and judgments <04941 +mishpat > and laws <08451 +towrah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > made <05414 +nathan > between <00996 +beyn > him and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > by the hand <03027 +yad >

of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 027 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 027 034 These <00428 +>el - leh > [ are ] the commandments <04687 +mitsvah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > for the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 001 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > , in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , on the first <00259 +>echad > [ day ] of the second <08145 +sheniy > month <02320 +chodesh > , in the second <08145 +sheniy > year <08141 +shaneh > after they were come <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 001 017 . And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > took <03947 +laqach > these <00428 +>el - leh > men <00582 +>enowsh > which <00834 +>aher > are expressed <05344 +naqab > by [ their ] names <08034 +shem > :

04872 NUM 001 019 As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so he numbered <06485 +paqad > them in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 001 044 . These <00428 +>el - leh > [ are ] those that were numbered <06485 +paqad > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > numbered <06485 +paqad > , and the princes <05387 +nasiy> > of Israel <03478 +Yisra>el > , [ being ] twelve men <00376 +>iysh > : each <00376 +>iysh > one <00259 +>echad > was for the house <01004 +bayith > of his fathers <1> .

04872 NUM 001 048 For the LORD <03068 +Y@hovah > had spoken <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 001 054 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 NUM 002 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 002 033 But the Levites <03881 +Leviyiy > were not numbered <06485 +paqad > among <08432 +tavek > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 002 034 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > : so <03651 +ken > they pitched <02583 +chanah > by their standards <01714 +degel > , and so <03651 +ken > they set <05265 +naca< > forward <05265 +naca< > , every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > after their families <04940 +mishpachah > , according <05921 +<al > to the house

<01004 +bayith > of their fathers <1> .

04872 NUM 003 001 . These <00428 +>el - leh > also [ are ] the generations <08435 +towl@dah > of Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <04872 +Mosheh > in the day <03117 +yowm > [ that ] the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > with Moses <{04872} +Mosheh > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 003 001 . These <00428 +>el - leh > also [ are ] the generations <08435 +towl@dah > of Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > in the day <03117 +yowm > [ that ] the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > with Moses <04872 +Mosheh > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 003 005 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 003 011 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 003 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 003 016 And Moses <{04872} +Mosheh > numbered <06485 +paqad > them according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , as he was commanded <06680 +tsavah > .

04872 NUM 003 038 But those that encamp <02583 +chanah > before <06440 +paniym > the tabernacle <04908 +mishkan > toward the east <06924 +qedem > , [ even ] before <06440 +paniym > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > eastward <04217 +mizrach > , [ shall be ] Moses <{04872} +Mosheh > , and Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > , keeping <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the sanctuary <04720 +miqdash > for the charge <04931 +mishmereth > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and the stranger <02114 +zuwr > that cometh <07131 +qareb > nigh <07126 +qarab > shall be put to death <04191 +muwth > .

04872 NUM 003 039 All <03605 +kol > that were numbered <06485 +paqad > of the Levites <03881 +Leviyiy > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > numbered <06485 +paqad > at <05921 +<al > the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , throughout their families <04940 +mishpachah > , all <03605 +kol > the males <02145 +zakar > from a month <02320 +chodesh > old <01121 +ben > and upward <04605 +ma<al > , [ were ] twenty <06242 +<esriym > and two <08147 +sh@nayim > thousand <00505 +>eleph > .

04872 NUM 003 040 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Number <06485 +paqad > all <03605 +kol > the firstborn <01060 +b@kowr > of the males <02145 +zakar > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > from a month <02320 +chodesh > old <01121 +ben > and upward <04605 +ma<al > , and take <05375 +nasa> > the number <04557 +micpar > of their names <08034 +shem > .

04872 NUM 003 042 And Moses <{04872} +Mosheh > numbered <06485 +paqad > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him , all <03605 +kol > the firstborn <01060 +b@kowr > among the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 003 044 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 003 049 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the redemption <06306 +pidyowm > money <03701 +keceph > of them that were over <05736 +<adaph > and above <05921 +<al > them that were redeemed <06306 +pidyowm > by the Levites <03881 +Leviyiy > :

04872 NUM 003 051 And Moses <04872 +Mosheh > gave <05414 +nathan > the money <03701 +keceph > of them that were redeemed <06306 +pidyowm > unto Aaron <00175 +>Aharown > and to his sons <01121 +ben > , according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 003 051 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > the money <03701 +keceph > of them that were redeemed <06306 +pidyowm > unto Aaron <00175 +>Aharown > and to his sons <01121 +ben > , according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 004 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 004 017 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 004 021 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh> , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 004 034 . And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > and the chief <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > numbered <06485 +paqad > the sons <01121 +ben > of the Kohathites <06956 +Qohathiy > after their families <04940 +mishpachah > , and after the house <01004 +bayith > of their fathers <1> ,

04872 NUM 004 037 These <00428 +>el - leh > [ were ] they that were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah > of the Kohathites <06956 +Qohathiy > , all <03605 +kol > that might do <05647 +<abad > service <05647 +<abad > in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , which <00834 +>aher > Moses <04872 +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > did number <06485 +paqad > according <05921 +<al > to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 004 037 These <00428 +>el - leh > [ were ] they that were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah > of the Kohathites <06956 +Qohathiy > , all <03605 +kol > that might do <05647 +<abad > service <05647 +<abad > in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > did number <06485 +paqad > according <05921 +<al > to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 004 041 These <00428 +>el - leh > [ are ] they that were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah > of the sons <01121 +ben > of Gershon , of all <03605 +kol > that might do <05647 +<abad > service <05647 +<abad > in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , whom <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > did number <06485 +paqad > according <05921 +<al >

to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 NUM 004 045 These <00428 +>el - leh > [ be ] those that were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah > of the sons <01121 +ben > of Merari <04847 +M@rariy > , whom <00834 +>aher > Moses <04872 +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > numbered <06485 +paqad > according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 004 045 These <00428 +>el - leh > [ be ] those that were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah > of the sons <01121 +ben > of Merari <04847 +M@rariy > , whom <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > numbered <06485 +paqad > according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 004 046 All <03605 +kol > those that were numbered <06485 +paqad > of the Levites <03881 +Leviyiy > , whom <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > and the chief <05387 +nasiy> > of Israel <03478 +Yisra>el > numbered <06485 +paqad > , after their families <04940 +mishpachah > , and after the house <01004 +bayith > of their fathers <1> ,

04872 NUM 004 049 According <05921 +<al > to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > they were numbered <06485 +paqad > by the hand <03027 +yad > of Moses <04872 +Mosheh > , every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > according <05921 +<al > to his service <05656 +<abodah > , and according <05921 +<al > to his burden <04853 +massa> > : thus were they numbered <06485 +paqad > of him , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 004 049 According <05921 +<al > to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > they were numbered <06485 +paqad > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > , every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > according <05921 +<al > to his service <05656 +<abodah > , and according <05921 +<al > to his burden <04853 +massa> > : thus were they numbered <06485 +paqad > of him , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 005 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 005 004 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > so <03651 +ken > , and put <07971 +shalach > them out without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > : as the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 005 005 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 005 011 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 006 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 006 022 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 007 001 . And it came <01961 +hayah > to pass on the day <03117 +yowm > that Moses<{04872} +Mosheh > had fully <03615 +kalah > set <06965 +quwm > up the tabernacle <04908 +mishkan > , and had anointed <04886 +mashach > it , and sanctified <06942 +qadash > it , and all <03605 +kol > the instruments <03627 +k@liy > thereof , both the altar <04196 +mizbeach > and all <03605 +kol > the vessels <03627 +k@liy > thereof , and had anointed <04886 +mashach > them , and sanctified <06942 +qadash > them ;

04872 NUM 007 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 007 006 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the wagons <05699 +<agalah > and the oxen <01241 +baqar > , and gave <05414 +nathan > them unto the Levites <03881 +Leviyiy > .

04872 NUM 007 011 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , They shall offer <07126 +qarab > their offering <07133 +qorban > , each <00259 +>echad > prince <05387 +nasiy> > on his day <03117 +yowm > , for the dedicating <02598 +chanukkah > of the altar <04196 +mizbeach > .

04872 NUM 007 089 And when Moses <{04872} +Mosheh > was gone <00935 +bow> > into <00413 +>el > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > to speak <01696 +dabar > with him , then he heard <08085 +shama< > the voice <06963 +qowl > of one speaking <01696 +dabar > unto him from off <05921 +<al > the mercy <03727 +kapporeth > seat that [ was ] upon the ark <00727 +>arown > of testimony <5715> , from between <00996 +beyn > the two <08147 +sh@nayim > cherubims <03742 +k@ruwb > : and he spake <01696 +dabar > unto him .

04872 NUM 008 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 008 003 And Aaron <00175 +>Aharown > did <06213 +<asah > so ; he lighted <05927 +<alah > the lamps <05216 +niyr > thereof over against the candlestick <04501 +m@nowrah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 008 004 And this <02088 +zeh > work <04639 +ma<aseh > of the candlestick <04501 +m@nowrah > [ was of ] beaten <04749 +miqshah > gold <02091 +zahab > , unto the shaft <03409 +yarek > thereof , unto the flowers <06525 +perach > thereof , [ was ] beaten <04749 +miqshah > work : according unto the pattern <04758 +mar>eh > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had shewed <07200 +ra>ah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > he made <06213 +<asah > the candlestick <04501 +m@nowrah > .

04872 NUM 008 005 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 008 020 And Moses <04872 +Mosheh > , and Aaron <00175 +>Aharown > , and all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , did <06213 +<asah > to the Levites <03881 +Leviyiy > according unto all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > concerning the Levites <03881 +Leviyiy > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > unto them .

04872 NUM 008 020 And Moses <{04872} +Mosheh > , and Aaron <00175 +>Aharown > , and all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , did <06213 +<asah > to the Levites <03881 +Leviyiy > according unto all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > concerning the Levites <03881 +Leviyiy > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > unto them .

04872 NUM 008 022 And after <00310 +>achar > that went <00935 +bow> > the Levites <03881 +Leviyiy > in to do <05647 +<abad > their service <05656 +<abodah > in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > before <06440 +paniym > Aaron <00175 +>Aharown > , and before <06440 +paniym > his sons <01121 +ben > : as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > concerning <05921 +<al > the Levites <03881 +Leviyiy > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they unto them .

04872 NUM 008 023 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 009 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > , in the first <07223 +ri>shown > month <02320 +chodesh > of the second <08145 +sheniy > year <08141 +shaneh > after they were come <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 009 004 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that they should keep <06213 +<asah > the passover <06453 +pecach > .

04872 NUM 009 005 And they kept <06213 +<asah > the passover <06453 +pecach > on the fourteenth day <03117 +yowm > of the first <07223 +ri>shown > month <02320 +chodesh > at <00996 +beyn > even <06153 +<ereb > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > : according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 009 006 And there were certain men <00582 +>enowsh > , who <00834 +>aher > were defiled <02931 +tame> > by the dead <05315 +nephesh > body <05315 +nephesh > of a man <00120 +>adam > , that they could <03201 +yakol > not keep <06213 +<asah > the passover <06453 +pecach > on that day <03117 +yowm > : and they came <07126 +qarab > before <06440 +paniym > Moses <{04872} +Mosheh > and before <06440 +paniym > Aaron <00175 +>Aharown > on that day <03117 +yowm > :

04872 NUM 009 008 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , Stand <05975 +<amad > still , and I will hear <08085 +shama< > what <04100 +mah > the LORD <03068 +Y@hovah > will command <06680 +tsavah > concerning you .

04872 NUM 009 009 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 009 023 At <05921 +<al > the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > they rested <02583 +chanah > in the tents , and at <05921 +<al > the commandment <06310 +peh >

of the LORD <03068 +Y@hovah > they journeyed <05265 +naca< > :
they kept <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of
the LORD <03068 +Y@hovah > , at <05921 +<al > the commandment
<06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027
+yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 010 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 010 013 And they first <07223 +ri>shown > took their
journey <05265 +naca< > according <05921 +<al > to the
commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the
hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 010 029 . And Moses <04872 +Mosheh > said <00559
+>amar > unto Hobab <02246 +Chobab > , the son <01121 +ben > of
Raguel <07467 +R@<uw>el > the Midianite <04084 +Midyaniy > ,
Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859
+chathan > , We are journeying <05265 +naca< > unto the place
<04725 +maqowm > of which <00834 +>aher > the LORD <03068
+Y@hovah > said <00559 +>amar > , I will give <05414 +nathan >
it you : come <03212 +yalak > thou with us , and we will do thee
good <02895 +towb > : for the LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken
<01696 +dabar > good <02896 +towb > concerning <05921 +<al >
Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 010 029 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto Hobab <02246 +Chobab > , the son <01121 +ben > of
Raguel <07467 +R@<uw>el > the Midianite <04084 +Midyaniy > ,
Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859
+chathan > , We are journeying <05265 +naca< > unto the place
<04725 +maqowm > of which <00834 +>aher > the LORD <03068
+Y@hovah > said <00559 +>amar > , I will give <05414 +nathan >
it you : come <03212 +yalak > thou with us , and we will do thee
good <02895 +towb > : for the LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken
<01696 +dabar > good <02896 +towb > concerning <05921 +<al >
Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 010 035 And it came <01961 +hayah > to pass , when the
ark <00727 +>arown > set <05265 +naca< > forward <05265 +naca< >
, that Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Rise
<06965 +quwm > up , LORD <03068 +Y@hovah > , and let thine
enemies <00341 +>oyeb > be scattered <06327 +puwts > ; and let
them that hate <08130 +sane> > thee flee <05127 +nuwc > before
<06440 +paniym > thee .

04872 NUM 011 002 And the people <05971 +<am > cried <06817
+tsa<aq > unto Moses <04872 +Mosheh > ; and when Moses <{04872}
+Mosheh > prayed <06419 +palal > unto the LORD <03068 +Y@hovah >
, the fire <00784 +>esh > was quenched <08257 +shaqa< > .

04872 NUM 011 002 And the people <05971 +<am > cried <06817
+tsa<aq > unto Moses <{04872} +Mosheh > ; and when Moses <04872
+Mosheh > prayed <06419 +palal > unto the LORD <03068 +Y@hovah >
, the fire <00784 +>esh > was quenched <08257 +shaqa< > .

04872 NUM 011 010 Then Moses <04872 +Mosheh > heard <08085
+shama< > the people <05971 +<am > weep <01058 +bakah >
throughout their families <04940 +mishpachah > , every man
<00376 +>iysh > in the door <06607 +pethach > of his tent <00168
+>ohel > : and the anger <00639 +>aph > of the LORD <03068
+Y@hovah > was kindled <02734 +charah > greatly <03966 +m@<od > ;
Moses <{04872} +Mosheh > also was displeased .

04872 NUM 011 010 Then Moses <{04872} +Mosheh > heard <08085
+shama< > the people <05971 +<am > weep <01058 +bakah >

throughout their families <04940 +mishpachah > , every man <00376 +>iysh > in the door <06607 +pethach > of his tent <00168 +>ohel > : and the anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > was kindled <02734 +charah > greatly <03966 +m@<od > ; Moses <04872 +Mosheh > also was displeased .

04872 NUM 011 011 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , Wherefore <04100 +mah > hast thou afflicted <07489 +ra<a< > thy servant <05650 +<ebed > ? and wherefore <04100 +mah > have I not found <04672 +matsa> > favour <02580 +chen > in thy sight <05869 +<ayin > , that thou layest <07760 +suwm > the burden <04853 +massa> > of all <03605 +kol > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > upon me ?

04872 NUM 011 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh> , Gather <00622 +>acaph > unto me seventy <07657 +shib<iym . > men <00376 +>iysh > of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > , whom <00834 +>aher > thou knowest <03045 +yada< > to be the elders <02205 +zaqen > of the people <05971 +<am > , and officers <07860 +shoter > over them ; and bring <03947 +laqach > them unto the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , that they may stand <03320 +yatsab > there <08033 +sham > with thee .

04872 NUM 011 021 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , The people <05971 +<am > , among <07130 +qereb > whom <00834 +>aher > I [ am ] , [ are ] six <08337 +shesh > hundred <03967 +me>ah > thousand <00505 +>eleph > footmen <07273 +ragliy > ; and thou hast said <00559 +>amar > , I will give <05414 +nathan > them flesh <01320 +basar > , that they may eat <00398 +>akal > a whole <03117 +yowm > month <02320 +chodesh > .

04872 NUM 011 023 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Is the LORD S <03068 +Y@hovah > hand <03027 +yad > waxed short <07114 +qatsar > ? thou shalt see <07200 +ra>ah > now <06258 +<attah > whether my word <01697 +dabar > shall come <07136 +qarah > to pass unto thee or not .

04872 NUM 011 024 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out , and told <01696 +dabar > the people <05971 +<am > the words <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and gathered <00622 +>acaph > the seventy <07657 +shib<iym . > men <00376 +>iysh > of the elders <02205 +zaqen > of the people <05971 +<am > , and set <05975 +<amad > them round <05439 +cabiyb > about the tabernacle <00168 +>ohel > .

04872 NUM 011 027 And there ran <07323 +ruwts > a young <05288 +na<ar > man , and told <05046 +nagad > Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Eldad <00419 +>Eldad > and Medad <04312 +Meydad > do prophesy <05012 +naba> > in the camp <04264 +machaneh > .

04872 NUM 011 028 And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , the servant <08334 +sharath > of Moses <04872 +Mosheh > , [ one ] of his young <00979 +b@churowth > men , answered <06030 +<anah > and said <00559 +>amar > , My lord <00113 +>adown > Moses <{04872} +Mosheh > , forbid <03607 +kala> > them .

04872 NUM 011 028 And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , the servant <08334 +sharath > of Moses <{04872} +Mosheh > , [ one ] of his young <00979 +b@churowth > men , answered <06030 +<anah > and said <00559 +>amar > , My lord <00113 +>adown > Moses <04872 +Mosheh

> , forbid <03607 +kala> > them .

04872 NUM 011 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto him , Enviest <07065 +qana> > thou for my sake ? would God that all <03605 +kol > the LORD S <03068 +Y@hovah > people <05971 +<am > were prophets <05030 +nabiy> > , [ and ] that the LORD <03068 +Y@hovah > would put <05414 +nathan > his spirit <07307 +ruwach > upon them !

04872 NUM 011 030 And Moses <{04872} +Mosheh > gat <00622 +>acaph > him into <00413 +>el > the camp <04264 +machaneh > , he and the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 012 001 . And Miriam <04813 +Miryam > and Aaron <00175 +>Aharown > spake <01696 +dabar > against Moses <{04872} +Mosheh > because of the Ethiopian <03569 +Kuwshiy > woman <00802 +>ishshah > whom <00834 +>aher > he had married <03947 +laqach > : for he had married <03947 +laqach > an Ethiopian <03569 +Kuwshiy > woman <00802 +>ishshah > .

04872 NUM 012 002 And they said <00559 +>amar > , Hath the LORD <03068 +Y@hovah > indeed spoken <01696 +dabar > only <07535 +raq > by Moses <{04872} +Mosheh > ? hath he not spoken <01696 +dabar > also <01571 +gam > by us ? And the LORD <03068 +Y@hovah > heard <08085 +shama< > [ it ] .

04872 NUM 012 003 ( Now the man <00376 +>iysh > Moses <{04872} +Mosheh > [ was ] very <03966 +m@<od > meek <06035 +<anav > , above all the men <00120 +>adam > which <00834 +>aher > [ were ] upon the face <06440 +paniym > of the earth <00127 +>adamah > . )

04872 NUM 012 004 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > suddenly <06597 +pith>owm > unto Moses <{04872} +Mosheh > , and unto Aaron <00175 +>Aharown > , and unto Miriam <04813 +Miryam > , Come <03318 +yatsa> > out ye three <07969 +shalowsh > unto the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > . And they three <07969 +shalowsh > came <03318 +yatsa> > out .

04872 NUM 012 007 My servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > [ is ] not so <03651 +ken > , who <01931 +huw> > [ is ] faithful <00539 +>aman > in all <03605 +kol > mine house <01004 +bayith > .

04872 NUM 012 008 With him will I speak <01696 +dabar > mouth <06310 +peh > to mouth <06310 +peh > , even apparently <04758 +mar>eh > , and not in dark <02420 +chiydah > speeches <02420 +chiydah > ; and the similitude <08544 +t@muwnah > of the LORD <03068 +Y@hovah > shall he behold <05027 +nabat > : wherefore <04069 +madduwa< > then were ye not afraid <03372 +yare> > to speak <01696 +dabar > against my servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > ?

04872 NUM 012 011 And Aaron <00175 +>Aharown > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Alas <00994 +biy > , my lord <00113 +>adown > , I beseech <04994 +na> > thee , lay <07896 +shiyth > not the sin <02403 +chatta>ah > upon us , wherein <00834 +>aher > we have done foolishly <02973 +ya>al > , and wherein <00834 +>aher > we have sinned <02398 +chata> > .

04872 NUM 012 013 And Moses <{04872} +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , Heal <07495 +rapha> > her now <04994 +na> > , O God <00410 +>el > , I beseech <04994 +na> > thee .

04872 NUM 012 014 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559

+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , If her father <1> had but spit <03417 +yaraq > in her face <06440 +paniym > , should she not be ashamed <03637 +kalam > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > ? let her be shut <05462 +cagar > out from the camp <04264 +machaneh > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > , and after <00310 +>achar > that let her be received <00622 +>acaph > in [ again ] .

04872 NUM 013 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 013 003 And Moses <{04872} +Mosheh > by the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > sent <07971 +shalach > them from the wilderness <04057 +midbar > of Paran <06290 +Pa>ran > : all <03605 +kol > those men <00582 +>enowsh > [ were ] heads <07218 +ro>sh > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 013 016 These <00428 +>el - leh > [ are ] the names <08034 +shem > of the men <00582 +>enowsh > which <00834 +>aher > Moses <04872 +Mosheh > sent <07971 +shalach > to spy <08446 +tuwr > out the land <00776 +>erets > . And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > Oshea <01954 +Howshea< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > Jehoshua <03091 +Y@howshuwa< > .

04872 NUM 013 016 These <00428 +>el - leh > [ are ] the names <08034 +shem > of the men <00582 +>enowsh > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > to spy <08446 +tuwr > out the land <00776 +>erets > . And Moses <04872 +Mosheh > called <07121 +qara> > Oshea <01954 +Howshea< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > Jehoshua <03091 +Y@howshuwa< > .

04872 NUM 013 017 And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > them to spy <08446 +tuwr > out the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > , and said <00559 +>amar > unto them , Get <05927 +<alah > you up this <02088 +zeh > [ way ] southward <05045 +negeb > , and go <05927 +<alah > up into the mountain <02022 +har > :

04872 NUM 013 026 . And they went <03212 +yalak > and came <00935 +bow> > to Moses <{04872} +Mosheh> , and to Aaron <00175 +>Aharown > , and to all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , unto the wilderness <04057 +midbar > of Paran <06290 +Pa>ran > , to Kadesh <06946 +Qadesh > ; and brought <07725 +shuwb > back <07725 +shuwb > word <01697 +dabar > unto them , and unto all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > , and shewed <07200 +ra>ah > them the fruit <06529 +p@riy > of the land <00776 +>erets > .

04872 NUM 013 030 And Caleb <03612 +Kaleb > stilled <02013 +hacah > the people <05971 +<am > before <00413 +>el > Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Let us go <05927 +<alah > up at once , and possess <03423 +yarash > it ; for we are well able <03201 +yakol > to overcome <03201 +yakol > it .

04872 NUM 014 002 And all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > murmured <03885 +luwn > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > : and the whole <03605 +kol > congregation <05712 +<edah > said <00559 +>amar > unto them , Would <03863 +luw> > God that we had died <04191 +muwth > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > ! or would <03863 +luw> > God we had died <04191 +muwth > in this <02088 +zeh > wilderness <04057 +midbar > !

04872 NUM 014 005 . Then Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > fell <05307 +naphal > on <05921 +<al > their faces <06440 +paniym > before <06440 +paniym > all <03605 +kol > the assembly <06951 +qahal > of the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 014 011 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , How <05704 +<ad > long <05704 +<ad > will this <02088 +zeh > people <05971 +<am > provoke <05006 +na>ats > me ? and how <05704 +<ad > long <05704 +<ad > will it be ere <03808 +lo> > they believe <00539 +>aman > me , for all <03605 +kol > the signs <00226 +>owth > which <00834 +>aher > I have shewed <06213 +<asah > among <07130 +qereb > them ?

04872 NUM 014 013 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , Then the Egyptians <04714 +Mitsrayim > shall hear <08085 +shama< > [ it ] , ( for thou broughtest <05927 +<alah > up this <02088 +zeh > people <05971 +<am > in thy might <03581 +koach > from among <07130 +qereb > them ; )

04872 NUM 014 026 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 014 036 . And the men <00582 +>enowsh > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > to search <08446 +tuwr > the land <00776 +>erets > , who returned <07725 +shuwb > , and made all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > to murmur <03885 +luwn > against <05921 +<al > him , by bringing <03318 +yatsa> > up a slander <01681 +dibbah > upon the land <00776 +>erets > ,

04872 NUM 014 039 And Moses <{04872} +Mosheh > told <01696 +dabar > these <00428 +>el - leh > sayings <01697 +dabar > unto all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > : and the people <05971 +<am > mourned <56> greatly <03966 +m@<od > .

04872 NUM 014 041 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Wherefore <04100 +mah > now <02088 +zeh > do ye transgress <05674 +<abar > the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > ? but it shall not prosper <06743 +tsalach > .

04872 NUM 014 044 But they presumed <06075 +<aphal > to go <05927 +<alah > up unto the hill <02022 +har > top <07218 +ro>sh > : nevertheless the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and Moses <{04872} +Mosheh > , departed <04185 +muwsh > not out of the camp <04264 +machaneh > .

04872 NUM 015 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 015 017 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 015 022 . And if <03588 +kiy > ye have erred <07683 +shagag > , and not observed <06213 +<asah > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > commandments <04687 +mitsvah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > ,

04872 NUM 015 023 [ Even ] all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > hath commanded <06680 +tsavah > you by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > , from the day <03117 +yowm > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > [ Moses ] , and henceforward <01973 +hal@ah > among your generations <01755 +dowr > ;

04872 NUM 015 033 And they that found <04672 +matsa> > him gathering <07197 +qashash > sticks <06086 +<ets > brought <07126 +qarab > him unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , and unto all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > .

04872 NUM 015 035 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , The man <00376 +>iysh > shall be surely put to death <04191 +muwth > : all <03605 +kol > the congregation shall stone <07275 +ragam > him with stones <68> without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > .

04872 NUM 015 036 And all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > brought <03318 +yatsa> > him without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > , and stoned <07275 +ragam > him with stones <68> , and he died <04191 +muwth > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 015 037 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 002 And they rose <06965 +quwm > up before <06440 +paniym > Moses <{04872} +Mosheh > , with certain <00582 +>enowsh > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , two hundred <03967 +me>ah > and fifty <02572 +chamishshiym > princes <05387 +nasiy> > of the assembly <05712 +<edah > , famous <07149 +qirya> > in the congregation <04150 +mow<ed > , men <00582 +>enowsh > of renown <08034 +shem > :

04872 NUM 016 003 And they gathered <06950 +qahal > themselves together against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > , and said <00559 +>amar > unto them , [ Ye take ] too much <07227 +rab > upon you , seeing <03588 +kiy > all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > [ are ] holy <06918 +qadowsh > , every <03605 +kol > one of them , and the LORD <03068 +Y@hovah > [ is ] among <08432 +tavek > them : wherefore <04069 +madduwa< > then lift <05375 +nasa> > ye up yourselves above <05921 +<al > the congregation <06951 +qahal > of the LORD <03068 +Y@hovah > ?

04872 NUM 016 004 And when Moses <{04872} +Mosheh > heard <08085 +shama< > [ it ] , he fell <05307 +naphal > upon his face <06440 +paniym > :

04872 NUM 016 008 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Korah <07141 +Qorach > , Hear <08085 +shama< > , I pray <04994 +na> > you , ye sons <01121 +ben > of Levi <03878 +Leviy > :

04872 NUM 016 012 . And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > to call <07121 +qara> > Dathan <01885 +Dathan > and Abiram <48> , the sons <01121 +ben > of Eliab <00446 +>Eliy>ab > : which said <00559 +>amar > , We will not come <05927 +<alah > up :

04872 NUM 016 015 And Moses <{04872} +Mosheh > was very <03966 +m@<od > wroth <02734 +charah > , and said <00559 +>amar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , Respect <06437 +panah > not thou

their offering <04503 +minchah > : I have not taken <05375 +nasa> > one <00259 +>echad > ass <02543 +chamowr > from them , neither <03808 +lo> > have I hurt <07489 +ra<a< > one <00259 +>echad > of them .

04872 NUM 016 016 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Korah <07141 +Qorach > , Be thou and all <03605 +kol > thy company <05712 +<edah > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , thou , and they , and Aaron <00175 +>Aharown > , to morrow <04279 +machar > :

04872 NUM 016 018 And they took <03947 +laqach > every man <00376 +>iysh > his censer <04289 +machtah > , and put <05414 +nathan > fire <00784 +>esh > in them , and laid <07760 +suwm > incense <07004 +q@toreth > thereon <05921 +<al > , and stood <05975 +<amad > in the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > with Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 NUM 016 020 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 023 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 025 And Moses <{04872} +Mosheh > rose <06965 +quwm > up and went <03212 +yalak > unto Dathan <01885 +Dathan > and Abiram <48> ; and the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > followed him .

04872 NUM 016 028 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Hereby <02063 +zo>th > ye shall know <03045 +yada< > that the LORD <03068 +Y@hovah > hath sent <07971 +shalach > me to do <06213 +<asah > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > works <04639 +ma<aseh > ; for [ I have ] not [ done them ] of mine own mind <03820 +leb > .

04872 NUM 016 036 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 040 [ To be ] a memorial <02146 +zikrown > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that no <03808 +lo> > stranger , which <00834 +>aher > [ is ] not of the seed <02233 +zera< > of Aaron <00175 +>Aharown > , come <07126 +qarab > near <07126 +qarab > to offer incense <07004 +q@toreth > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ; that he be not as Korah <07141 +Qorach > , and as his company <05712 +<edah > : as the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696 +dabar > to him by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 016 041 . But on the morrow <04283 +mochorath > all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > murmured <03885 +luwn > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > , Ye have killed <04191 +muwth > the people <05971 +<am > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 NUM 016 042 And it came <01961 +hayah > to pass , when the congregation <05712 +<edah > was gathered <06950 +qahal > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > , that they looked <06437 +panah > toward <00413 +>el > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > : and , behold <02009 +hinneh

> , the cloud <06051 +<anan > covered <03680 +kacah > it , and
the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah >
appeared <07200 +ra>ah > .

04872 NUM 016 043 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > came <00935 +bow> > before the tabernacle <00168
+>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 NUM 016 044 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 046 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Take <03947 +laqach > a
censer <04289 +machtah > , and put <05414 +nathan > fire <00784
+>esh > therein <05921 +<al > from off <05921 +<al > the altar
<04196 +mizbeach > , and put <07760 +suwm > on incense <07004
+q@toreth > , and go <03212 +yalak > quickly <04120 +m@herah >
unto the congregation <05712 +<edah > , and make an atonement
<03722 +kaphar > for them : for there is wrath <07110 +qetseph >
gone <03318 +yatsa> > out from the LORD <03068 +Y@hovah > ; the
plague <05063 +negeph > is begun <02490 +chalal > .

04872 NUM 016 047 And Aaron <00175 +>Aharown > took <03947
+laqach > as Moses <{04872} +Mosheh > commanded <01696 +dabar > ,
and ran <07323 +ruwts > into <00413 +>el > the midst <08432
+tavek > of the congregation <06951 +qahal > ; and , behold
<02009 +hinneh > , the plague <05063 +negeph > was begun <02490
+chalal > among the people <05971 +<am > : and he put <05414
+nathan > on incense <07004 +q@toreth > , and made an atonement
<03722 +kaphar > for the people <05971 +<am >

04872 NUM 016 050 And Aaron <00175 +>Aharown > returned <07725
+shuwb > unto Moses <{04872} +Mosheh > unto the door <06607
+pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation
<04150 +mow<ed > : and the plague <04046 +maggephah > was stayed
<06113 +<atsar > .

04872 NUM 017 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 017 006 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696
+dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478
+Yisra>el > , and every <03605 +kol > one of their princes
<05387 +nasiy> > gave <05414 +nathan > him a rod <04294 +matteh
> apiece , for each prince <05387 +nasiy> > one <00259 +>echad >
, according to their fathers <1> houses <01004 +bayith > , [
even ] twelve rods <04294 +matteh > : and the rod <04294 +matteh
> of Aaron <00175 +>Aharown > [ was ] among <08432 +tavek >
their rods <04294 +matteh > .

04872 NUM 017 007 And Moses <{04872} +Mosheh > laid <03241
+Yaniym > up the rods <04294 +matteh > before <06440 +paniym >
the LORD <03068 +Y@hovah > in the tabernacle <00168 +>ohel > of
witness <5715> .

04872 NUM 017 008 . And it came <01961 +hayah > to pass , that
on the morrow <04283 +mochorath > Moses <{04872} +Mosheh > went
<00935 +bow> > into <00413 +>el > the tabernacle <00168 +>ohel >
of witness <5715> ; and , behold <02009 +hinneh > , the rod
<04294 +matteh > of Aaron <00175 +>Aharown > for the house
<01004 +bayith > of Levi <03878 +Leviy > was budded <06524
+parach > , and brought <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> >
buds <06525 +perach > , and bloomed <06692 +tsuwts > blossoms
<06731 +tsiyts > , and yielded <01580 +gamal > almonds <08247
+shaqed > .

04872 NUM 017 009 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <03318 +yatsa> > out all <03605 +kol > the rods <04294 +matteh > from before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > unto all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > : and they looked <07200 +ra>ah > , and took <03947 +laqach > every man <00376 +>iysh > his rod <04294 +matteh > .

04872 NUM 017 011 And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah > [ so ] : as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > he .

04872 NUM 017 012 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > spake <00559 +>amar> unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , Behold <02005 +hen > , we die <01478 +gava< > , we perish <6> , we all <03605 +kol > perish <6> .

04872 NUM 018 025 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 019 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 020 002 And there was no water <04325 +mayim > for the congregation <05712 +<edah > : and they gathered <06950 +qahal > themselves together against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 NUM 020 003 And the people <05971 +<am > chode <07378 +riyb > with Moses <{04872} +Mosheh > , and spake <00559 +>amar > , saying <00559 +>amar > , Would <03863 +luw> > God that we had died <01478 +gava< > when our brethren <00251 +>ach > died <01478 +gava< > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > !

04872 NUM 020 006 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <00935 +bow> > from the presence <06440 +paniym > of the assembly <06951 +qahal > unto the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , and they fell <05307 +naphal > upon their faces <06440 +paniym > : and the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah > appeared <07200 +ra>ah > unto them .

04872 NUM 020 007 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh> , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 020 009 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the rod <04294 +matteh > from before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , as he commanded <06680 +tsavah > him .

04872 NUM 020 010 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > gathered <06950 +qahal > the congregation <06951 +qahal > together before the rock <05553 +cela< > , and he said <00559 +>amar > unto them , Hear <08085 +shama< > now <04994 +na> > , ye rebels <04784 +marah > ; must we fetch <03318 +yatsa> > you water <04325 +mayim > out of this <02088 +zeh > rock <05553 +cela< > ?

04872 NUM 020 011 And Moses <{04872} +Mosheh > lifted <07311 +ruwm > up his hand <03027 +yad > , and with his rod <04294 +matteh > he smote <05221 +nakah > the rock <05553 +cela< > twice <06471 +pa<am > : and the water <04325 +mayim > came <03318 +yatsa> > out abundantly <07227 +rab > , and the congregation <05712 +<edah > drank <08354 +shathah > , and their

beasts <01165 +b@<iyr > [ also ] .

04872 NUM 020 012 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , Because <03282 +ya<an > ye believed <00539 +>aman > me not , to sanctify <06942 +qadash > me in the eyes <05869 +<ayin > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , therefore <03651 +ken > ye shall not bring <00935 +bow> > this <02088 +zeh > congregation <06951 +qahal > into <00413 +>el > the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > I have given <05414 +nathan > them .

04872 NUM 020 014 . And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > messengers <04397 +mal>ak > from Kadesh <06946 +Qadesh > unto the king <04428 +melek > of Edom <00123 +>Edom > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > thy brother <00251 +>ach > Israel <03478 +Yisra>el > , Thou knowest <03045 +yada< > all <03605 +kol > the travail that hath befallen <04672 +matsa> > us :

04872 NUM 020 023 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > in mount <02022 +har > Hor <02023 +Hor > , by the coast <01366 +g@buwl > of the land <00776 +>erets > of Edom <00123 +>Edom > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 020 027 And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > : and they went <05927 +<alah > up into <00413 +>el > mount <02022 +har > Hor <02023 +Hor > in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > .

04872 NUM 020 028 And Moses <04872 +Mosheh > stripped <06584 +pashat > Aaron <00175 +>Aharown > of his garments <00899 +beged > , and put <03847 +labash > them upon Eleazar <00499 +>El<azar > his son <01121 +ben > ; and Aaron <00175 +>Aharown > died <04191 +muwth > there <08033 +sham > in the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > : and Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > .

04872 NUM 020 028 And Moses <{04872} +Mosheh > stripped <06584 +pashat > Aaron <00175 +>Aharown > of his garments <00899 +beged > , and put <03847 +labash > them upon Eleazar <00499 +>El<azar > his son <01121 +ben > ; and Aaron <00175 +>Aharown > died <04191 +muwth > there <08033 +sham > in the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > : and Moses <04872 +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > .

04872 NUM 021 005 And the people <05971 +<am > spake <01696 +dabar > against God <00430 +>elohiym > , and against Moses <{04872} +Mosheh > , Wherefore <04100 +mah > have ye brought <05927 +<alah > us up out of Egypt <04714 +Mitsrayim > to die <04191 +muwth > in the wilderness <04057 +midbar > ? for [ there is ] no <00369 +>ayin > bread <03899 +lechem > , neither <00369 +>ayin > [ is there any ] water <04325 +mayim > ; and our soul <05315 +nephesh > loatheth <06973 +quwts > this light <07052 +q@loqel > bread <03899 +lechem > .

04872 NUM 021 007 Therefore the people <05971 +<am > came <00935 +bow> > to Moses <04872 +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , We have sinned <02398 +chata> > , for we have spoken <01696 +dabar > against the LORD <03068 +Y@hovah > , and against thee ; pray <06419 +palal > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , that he take <05493 +cuwr > away the serpents <05175 +nachash > from us .

And Moses <{04872} +Mosheh > prayed <06419 +palal > for the people <05971 +<am > .

04872 NUM 021 007 Therefore the people <05971 +<am > came <00935 +bow> > to Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , We have sinned <02398 +chata> > , for we have spoken <01696 +dabar > against the LORD <03068 +Y@hovah > , and against thee ; pray <06419 +palal > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , that he take <05493 +cuwr > away the serpents <05175 +nachash > from us . And Moses <04872 +Mosheh > prayed <06419 +palal > for the people <05971 +<am > .

04872 NUM 021 008 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Make <06213 +<asah > thee a fiery <08314 +saraph > serpent <08314 +saraph > , and set <07760 +suwm > it upon a pole <05251 +nec > : and it shall come <01961 +hayah > to pass , that every <03605 +kol > one that is bitten <05391 +nashak > , when he looketh <07200 +ra>ah > upon it , shall live <02425 +chayay > .

04872 NUM 021 009 And Moses <{04872} +Mosheh > made <06213 +<asah > a serpent <05175 +nachash > of brass <05178 +n@chosheth > , and put <07760 +suwm > it upon a pole <05251 +nec > , and it came <01961 +hayah > to pass , that if <00518 +>im > a serpent <05175 +nachash > had bitten <05391 +nashak > any man <00376 +>iysh > , when he beheld <05027 +nabat > the serpent <05175 +nachash > of brass <05178 +n@chosheth > , he lived <02425 +chayay > .

04872 NUM 021 016 And from thence <08033 +sham > [ they went ] to Beer <00876 +B@>er > : that [ is ] the well <00875 +@>er > whereof <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > spake unto Moses <{04872} +Mosheh > , Gather <00622 +>acaph > the people <05971 +<am > together , and I will give <05414 +nathan > them water <04325 +mayim > .

04872 NUM 021 032 And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > to spy <07270 +ragal > out Jaazer <03270 +Ya<azeyr > , and they took <03920 +lakad > the villages <01323 +bath > thereof , and drove <03423 +yarash > out the Amorites <00567 +>Emoriy > that [ were ] there <08033 +sham > .

04872 NUM 021 034 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Fear <03372 +yare> > him not : for I have delivered <05414 +nathan > him into thy hand <03027 +yad > , and all <03605 +kol > his people <05971 +<am > , and his land <00776 +>erets > ; and thou shalt do <06213 +<asah > to him as thou didst <06213 +<asah > unto Sihon <05511 +Ciychown > king <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , which <00834 +>aher > dwelt <03427 +yashab > at Heshbon <02809 +Cheshbown > .

04872 NUM 025 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Take <03947 +laqach > all <03605 +kol > the heads <07218 +ro>sh > of the people <05971 +<am > , and hang <03363 +yaqa< > them up before the LORD <03068 +Y@hovah > against <05048 +neged > the sun <08121 +shemesh > , that the fierce <02740 +charown > anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > may be turned <07725 +shuwb > away from Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 025 005 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the judges <08199 +shaphat > of Israel <03478 +Yisra>el > , Slay <02026 +harag > ye every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > his men <00582 +>enowsh > that were joined <06775 +tsamad > unto Baalpeor <01187 +Ba<al P@<owr > .

04872 NUM 025 006 . And , behold <02009 +hinneh > , one <00376 +>iysh > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > came <00935 +bow> > and brought <07126 +qarab > unto his brethren <00251 +>ach > a Midianitish <04084 +Midyaniy > woman in the sight <05869 +<ayin > of Moses <{04872} +Mosheh > , and in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , who <01992 +hem > [ were ] weeping <01058 +bakah > [ before ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 NUM 025 010 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 025 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 026 001 . And it came <01961 +hayah > to pass after <00310 +>achar > the plague <04046 +maggephah > , that the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Eleazar <00499 +>El<azar > the son <01121 +ben > of Aaron <00175 +>Aharown > the priest <03548 +kohen > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 026 003 And Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > spake <01696 +dabar > with them in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 026 004 [ Take the sum of the people ] , from twenty <06242 +<esriym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > and upward <04605 +ma<al > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , which went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 NUM 026 009 And the sons <01121 +ben > of Eliab <00446 +>Eliy>ab > ; Nemuel <05241 +N@muw>el> , and Dathan <01885 +Dathan > , and Abiram <48> . This <01931 +huw> > [ is that ] Dathan <01885 +Dathan > and Abiram <48> , [ which were ] famous <07121 +qara> > in the congregation <05712 +<edah > , who <00834 +>aher > strove <05327 +natsah > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > in the company <05712 +<edah > of Korah <07141 +Qorach > , when they strove <05327 +natsah > against <05921 +<al > the LORD <03068 +Y@hovah > :

04872 NUM 026 052 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 026 059 And the name <08034 +shem > of Amram s <06019 +<Amram > wife <00802 +>ishshah > [ was ] Jochebed <03115 +Yowkebed > , the daughter <01323 +bath > of Levi <03878 +Leviy > , whom [ her mother ] bare <03205 +yalad > to Levi <03878 +Leviy > in Egypt <04714 +Mitsrayim > : and she bare <03205 +yalad > unto Amram <06019 +<Amram > Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > , and Miriam <04813 +Miryam > their sister <00269 +>achowth > .

04872 NUM 026 063 . These <00428 +>el - leh > [ are ] they that were numbered <06485 +paqad > byMoses <{04872} +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , who <00834 +>aher > numbered <06485 +paqad > the children <01121

+ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > .

04872 NUM 026 064 But among these <00428 +>el - leh > there was not a man <00376 +>iysh > of them whom Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > the priest <03548 +kohen > numbered <06485 +paqad > , when <00834 +>aher > they numbered <06485 +paqad > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 027 002 And they stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > Moses <{04872} +Mosheh > , and before <06440 +paniym > Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and before <06440 +paniym > the princes <05387 +nasiy> > and all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > , [ by ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 027 005 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <07126 +qarab > their cause <04941 +mishpat > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 NUM 027 006 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 027 011 And if <00518 +>im > his father <1> have no <00369 +>ayin > brethren <00251 +>ach > , then ye shall give <05414 +nathan > his inheritance <05159 +nachalah > unto his kinsman <07607 +sh@>er > that is next <07138 +qarowb > to him of his family <04940 +mishpachah > , and he shall possess <03423 +yarash > it : and it shall be unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > a statute <02708 +chuqqah > of judgment <04941 +mishpat > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 027 012 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Get <05927 +<alah > thee up into <00413 +>el > this <02088 +zeh > mount <02022 +har > Abarim <05682 +<Abarim > , and see <07200 +ra>ah > the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > I have given <05414 +nathan > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 027 015 . And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 027 018 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Take <03947 +laqach > thee Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , a man <00376 +>iysh > in whom <00834 +>aher > [ is ] the spirit <07307 +ruwach > , and lay <05564 +camak > thine hand <03027 +yad > upon him ;

04872 NUM 027 022 And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him : and he took <03947 +laqach > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and set <05975 +<amad > him before <06440 +paniym > Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and before <06440 +paniym > all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > :

04872 NUM 027 023 And he laid <05564 +camak > his hands <03027 +yad > upon him , and gave him a charge <06680 +tsavah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <01696 +dabar > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 028 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 029 040 And Moses <04872 +Mosheh > told <00559 +>amar > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 029 040 And Moses <{04872} +Mosheh > told <00559 +>amar > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 030 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the heads <07218 +ro>sh > of the tribes <04294 +matteh > concerning the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , This <02088 +zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath commanded <06680 +tsavah > .

04872 NUM 030 016 These <00428 +>el - leh > [ are ] the statutes <02706 +choq > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , between <00996 +beyn > a man <00376 +>iysh > and his wife <00802 +>ishshah > , between <00996 +beyn > the father <1> and his daughter <01323 +bath > , [ being yet ] in her youth <05271 +na<uwr > in her father s <1> house <01004 +bayith > .

04872 NUM 031 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 031 003 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Arm <02502 +chalats > some <00582 +>enowsh > of yourselves <00853 +>eth > unto the war <06635 +tsaba> > , and let them go <01961 +hayah > against <05921 +<al > the Midianites <04080 +Midyan > , and avenge the LORD <03068 +Y@hovah > of Midian <04080 +Midyan > .

04872 NUM 031 006 And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > them to the war <06635 +tsaba> > , a thousand <00505 +>eleph > of [ every ] tribe <04294 +matteh > , them and Phinehas <06372 +Piyn@chac > the son <01121 +ben > of Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , to the war <06635 +tsaba> > , with the holy <06944 +qodesh > instruments <03627 +k@liy > , and the trumpets <02689 +chatsots@rah > to blow <08643 +t@ruw<ah > in his hand <03027 +yad > .

04872 NUM 031 007 . And they warred <06633 +tsaba> > against <05921 +<al > the Midianites <04080 +Midyan > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > ; and they slew <02026 +harag > all <03605 +kol > the males <02145 +zakar > .

04872 NUM 031 012 And they brought <00935 +bow> > the captives <07628 +sh@biy > , and the prey <04455 +malqowach > , and the spoil <07998 +shalal > , unto Moses <{04872} +Mosheh > , and Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and unto the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , unto the camp <04264 +machaneh > at <00413 +>el > the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > , which <00834 +>aher > [ are ] by Jordan <03383 +Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > .

04872 NUM 031 013 . And Moses <{04872} +Mosheh > , and Eleazar

<00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and all <03605 +kol > the princes <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > , went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > to meet <07125 +qir>ah > them without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > .

04872 NUM 031 014 And Moses <{04872} +Mosheh > was wroth <07107 +qatsaph > with the officers <06485 +paqad > of the host <02428 +chayil > , [ with ] the captains <08269 +sar > over thousands <00505 +>eleph > , and captains <08269 +sar > over hundreds <03967 +me>ah > , which came <00935 +bow> > from the battle .

04872 NUM 031 015 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , Have ye saved <02421 +chayah > all <03605 +kol > the women <05347 +n@qebah > alive <02421 +chayah > ?

04872 NUM 031 021 And Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > said <00559 +>amar > unto the men <00582 +>enowsh > of war <06635 +tsaba> > which went <00935 +bow> > to the battle <04421 +milchamah > , This <02063 +zo>th > [ is ] the ordinance <02708 +chuqqah > of the law <08451 +towrah > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > ;

04872 NUM 031 025 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 031 031 And Moses <04872 +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 031 031 And Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 031 041 And Moses <04872 +Mosheh > gave <05414 +nathan > the tribute <04371 +mekec > , [ which was ] the LORD S <03068 +Y@hovah > heave <08641 +t@ruwmah > offering <08641 +t@ruwmah > , unto Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 031 041 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > the tribute <04371 +mekec > , [ which was ] the LORD S <03068 +Y@hovah > heave <08641 +t@ruwmah > offering <08641 +t@ruwmah > , unto Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 031 042 And of the children <01121 +ben > of Israel s <03478 +Yisra>el > half <04276 +machatsiyth > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > divided <02673 +chatsah > from the men <00582 +>enowsh > that warred <06633 +tsaba> > ,

04872 NUM 031 047 Even of the children <01121 +ben > of Israel s <03478 +Yisra>el > half <04276 +machatsiyth > , Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > one <00259 +>echad > portion <00270 +>achaz > of fifty <02572 +chamishshiym > , [ both ] of man <00120 +>adam > and of beast <00929 +b@hemah > , and gave <05414 +nathan > them unto the Levites <03881 +Leviyiy > , which kept <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the tabernacle <04908 +mishkan > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 031 047 Even of the children <01121 +ben > of Israel s
<03478 +Yisra>el > half <04276 +machatsiyth > , Moses <{04872}
+Mosheh > took <03947 +laqach > one <00259 +>echad > portion
<00270 +>achaz > of fifty <02572 +chamishshiym > , [ both ] of
man <00120 +>adam > and of beast <00929 +b@hemah > , and gave
<05414 +nathan > them unto the Levites <03881 +Leviyiy > , which
kept <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the
tabernacle <04908 +mishkan > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; as
the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses
<04872 +Mosheh > .

04872 NUM 031 048 . And the officers <06485 +paqad > which
<00834 +>aher > [ were ] over thousands <00505 +>eleph > of the
host <06635 +tsaba> > , the captains <08269 +sar > of thousands
<00505 +>eleph > , and captains <08269 +sar > of hundreds <03967
+me>ah > , came <07126 +qarab > near <05066 +nagash > unto Moses
<{04872} +Mosheh > :

04872 NUM 031 049 And they said <00559 +>amar > unto Moses
<{04872} +Mosheh > , Thy servants <05650 +<ebed > have taken
<05375 +nasa> > the sum <07218 +ro>sh > of the men <00582
+>enowsh > of war <04421 +milchamah > which <00834 +>aher > [
are ] under our charge <03027 +yad > , and there lacketh <06485
+paqad > not one man <00376 +>iysh > of us .

04872 NUM 031 051 And Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar
<00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > took <03947
+laqach > the gold <02091 +zahab > of them , [ even ] all <03605
+kol > wrought <04639 +ma<aseh > jewels <03627 +k@liy > .

04872 NUM 031 054 And Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar
<00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > took <03947
+laqach > the gold <02091 +zahab > of the captains <08269 +sar >
of thousands <00505 +>eleph > and of hundreds <03967 +me>ah > ,
and brought <00935 +bow> > it into <00413 +>el > the tabernacle
<00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , [ for ] a
memorial <02146 +zikrown > for the children <01121 +ben > of
Israel <03478 +Yisra>el > before <06440 +paniym > the LORD
<03068 +Y@hovah > .

04872 NUM 032 002 The children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad
> and the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben >
came <00935 +bow> > and spake <00559 +>amar > unto Moses
<{04872} +Mosheh > , and to Eleazar <00499 +>El<azar > the
priest <03548 +kohen > , and unto the princes <05387 +nasiy> >
of the congregation <05712 +<edah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 032 006 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad >
and to the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > ,
Shall your brethren <00251 +>ach > go <00935 +bow> > to war
<04421 +milchamah > , and shall ye sit <03427 +yashab > here
<06311 +poh > ?

04872 NUM 032 020 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto them , If <00518 +>im > ye will do <06213 +<asah >
this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > , if <00518 +>im > ye
will go armed <02502 +chalats > before <06440 +paniym > the LORD
<03068 +Y@hovah > to war <04421 +milchamah > ,

04872 NUM 032 025 And the children <01121 +ben > of Gad <01410
+Gad > and the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben
> spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying
<00559 +>amar > , Thy servants <05650 +<ebed > will do <06213
+<asah > as my lord <00113 +>adown > commandeth <06680 +tsavah >

.

04872 NUM 032 028 . So concerning them Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , and the chief <07218 +ro>sh > fathers <1> of the tribes <04294 +matteh > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 NUM 032 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , If <00518 +>im > the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > and the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > will pass <05674 +<abar > with you over <05674 +<abar > Jordan <03383 +Yarden > , every <03605 +kol > man armed <02502 +chalats > to battle <04421 +milchamah > , before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , and the land <00776 +>erets > shall be subdued <03533 +kabash > before <06440 +paniym > you ; then ye shall give <05414 +nathan > them the land <00776 +>erets > of Gilead <01568 +Gil<ad > for a possession <00272 +>achuzzah > :

04872 NUM 032 033 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > unto them , [ even ] to the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > , and to the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > , and unto half <02677 +chetsiy > the tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > the son <01121 +ben > of Joseph <03130 +Yowceph > , the kingdom <04467 +mamlakah > of Sihon <05511 +Ciychown > king <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , and the kingdom <04467 +mamlakah > of Og <05747 +<Owg > king <04428 +melek > of Bashan <01316 +Bashan > , the land <00776 +>erets > , with the cities <05892 +<iyr > thereof in the coasts <01367 +g@buwlah > , [ even ] the cities <05892 +<iyr > of the country <00776 +>erets > round <05439 +cabiyb > about .

04872 NUM 032 040 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > Gilead <01568 +Gil<ad > unto Machir <04353 +Makiyr > the son <01121 +ben > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > ; and he dwelt <03427 +yashab > therein .

04872 NUM 033 001 . These <00428 +>el - leh > [ are ] the journeys <04550 +macca< > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , which <00834 +>aher > went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > with their armies <06635 +tsaba> > under the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 NUM 033 002 And Moses <{04872} +Mosheh > wrote <03789 +kathab > their goings <04161 +mowtsa> > out according to their journeys <04550 +macca< > by the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > : and these <00428 +>el - leh > [ are ] their journeys <04550 +macca< > according to their goings <04161 +mowtsa> > out .

04872 NUM 033 050 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 034 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 034 013 And Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , This <02063 +zo>th > [ is ] the

land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > ye shall inherit <02157 +Zamzom > by lot <01486 +gowral > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > to give <05414 +nathan > unto the nine <08672 +tesha< > tribes <04294 +matteh > , and to the half <02677 +chetsiy > tribe <04294 +matteh > :

04872 NUM 034 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 035 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 035 009 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 036 001 . And the chief <07218 +ro>sh > fathers <1> of the families <04940 +mishpachah > of the children <01121 +ben > of Gilead <01568 +Gil<ad > , the son <01121 +ben > of Machir <04353 +Makiyr > , the son <01121 +ben > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > , of the families <04940 +mishpachah > of the sons <01121 +ben > of Joseph <03130 +Yowceph > , came <07126 +qarab > near <05066 +nagash > , and spake <01696 +dabar > before <06440 +paniym > Moses <{04872} +Mosheh > , and before <06440 +paniym > the princes <05387 +nasiy> > , the chief <07218 +ro>sh > fathers <1> of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 NUM 036 005 . And Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , The tribe <04294 +matteh > of the sons <01121 +ben > of Joseph <03130 +Yowceph > hath said <01696 +dabar > well <03651 +ken > .

04872 NUM 036 010 Even as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > the daughters <01121 +ben > of Zelophehad <06765 +Ts@lophchad > :

04872 NUM 036 013 These <00428 +>el - leh > [ are ] the commandments <04687 +mitsvah > and the judgments <04941 +mishpat > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > .

04872 DEU 001 001 . These <00428 +>el - leh > [ be ] the words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > in the wilderness <04057 +midbar > , in the plain <06160 +<arabah > over <04136 +muwl > against <04136 +muwl > the Red <05489 +Cuwph > [ sea <03220 +yam > ] , between <00996 +beyn > Paran <06290 +Pa>ran > , and Tophel <08603 +Tophel > , and Laban <03837 +Laban > , and Hazeroth <02698 +Chatserowth > , and Dizahab <01774 +Diy zahab > .

04872 DEU 001 003 And it came <01961 +hayah > to pass in the fortieth <00705 +>arba<iym > year <08141 +shaneh > , in the eleventh month <02320 +chodesh > , on the first <00259 +>echad > [ day ] of the month <02320 +chodesh > , [ that ] Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben >

of Israel <03478 +Yisra>el > , according unto all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > had given him in commandment <06680 +tsavah > unto them ;

04872 DEU 001 005 On this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > , in the land <00776 +>erets > of Moab <04124 +Mow>ab > , began <02974 +ya>al > Moses <{04872} +Mosheh > to declare <00874 +ba>ar > this <02063 +zo>th > law <08451 +towrah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 DEU 004 041 . Then <00227 +>az > Moses <{04872} +Mosheh > severed <00914 +badal > three <07969 +shalowsh > cities <05892 +<iyr > on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > toward the sunrising ;

04872 DEU 004 044 And this <02063 +zo>th > [ is ] the law <08451 +towrah > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > set <07760 +suwm > before <06440 +paniym > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 DEU 004 045 These <00428 +>el - leh > [ are ] the testimonies <05713 +<edah > , and the statutes <02706 +choq > , and the judgments <04941 +mishpat > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , after they came <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > ,

04872 DEU 004 046 On this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > , in the valley <01516 +gay> > over <04136 +muwl > against <04136 +muwl > Bethpeor <01047 +Beyth P@<owr > , in the land <00776 +>erets > of Sihon <05511 +Ciychown > king <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , who <00834 +>aher > dwelt <03427 +yashab > at Heshbon <02809 +Cheshbown > , whom <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > smote <05221 +nakah > , after they were come <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > :

04872 DEU 005 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto them , Hear <08085 +shama< > , O Israel <03478 +Yisra>el > , the statutes <02706 +choq > and judgments <04941 +mishpat > which <00834 +>aher > I speak <01696 +dabar > in your ears <00241 +>ozen > this day <03117 +yowm > , that ye may learn <03925 +lamad > them , and keep <08104 +shamar > , and do <06213 +<asah > them .

04872 DEU 027 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > with the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > commanded <06680 +tsavah > the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Keep <08104 +shamar > all <03605 +kol > the commandments <04687 +mitsvah > which <00834 +>aher > I command <06680 +tsavah > you this day <03117 +yowm > .

04872 DEU 027 009 And Moses <{04872} +Mosheh > and the priests <03548 +kohen > the Levites <03881 +Leviyiy > spake <01696 +dabar > unto all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , Take <05535 +cakath > heed <05535 +cakath > , and hearken <08085 +shama< > , O Israel <03478 +Yisra>el > ; this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > thou art become <01961 +hayah > the people <05971 +<am > of the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > .

04872 DEU 027 011 . And Moses <{04872} +Mosheh > charged <06680 +tsavah > the people <05971 +<am > the same <01931 +huw> > day

<03117 +yowm > , saying <00559 +>amar > ,

04872 DEU 029 001 . These <00428 +>el - leh > [ are ] the words <01697 +dabar > of the covenant <01285 +b@riyth > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > to make <03772 +karath > with the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in the land <00776 +>erets > of Moab <04124 +Mow>ab > , beside <00905 +bad > the covenant <01285 +b@riyth > which <00834 +>aher > he made <03772 +karath > with them in Horeb <02722 +Choreb > .

04872 DEU 029 002 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > unto all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto them , Ye have seen <07200 +ra>ah > all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > did <06213 +<asah > before your eyes <05869 +<ayin > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and unto all <03605 +kol > his servants <05650 +<ebed > , and unto all <03605 +kol > his land <00776 +>erets > ;

04872 DEU 031 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <03212 +yalak > and spake <01696 +dabar > these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > unto all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 DEU 031 007 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and said <00559 +>amar > unto him in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , Be strong <02388 +chazaq > and of a good courage <00553 +>amats > : for thou must go <00935 +bow> > with this <02088 +zeh > people <05971 +<am > unto the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath sworn <07650 +shaba< > unto their fathers <1> to give <05414 +nathan > them ; and thou shalt cause them to inherit <05157 +nachal > it .

04872 DEU 031 009 . And Moses <{04872} +Mosheh > wrote <03789 +kathab > this <02063 +zo>th > law <08451 +towrah > , and delivered <05414 +nathan > it unto the priests <03548 +kohen > the sons <01121 +ben > of Levi <03878 +Leviy > , which bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and unto all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 DEU 031 010 And Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > them , saying <00559 +>amar > , At the end <07093 +qets > of [ every ] seven <07651 +sheba< > years <08141 +shaneh > , in the solemnity <04150 +mow<ed > of the year <08141 +shaneh > of release <08059 +sh@mittah > , in the feast <02282 +chag > of tabernacles <05521 +cukkah > ,

04872 DEU 031 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <04872 +Mosheh > , Behold <02005 +hen > , thy days <03117 +yowm > approach <07126 +qarab > that thou must die <04191 +muwth > : call <07121 +qara> > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and present <03320 +yatsab > yourselves in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , that I may give him a charge <06680 +tsavah > . And Moses <{04872} +Mosheh > and Joshua <03091 +Y@howshuwa< > went <03212 +yalak > , and presented <03320 +yatsab > themselves in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 DEU 031 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Behold <02005 +hen > , thy days <03117 +yowm > approach <07126 +qarab > that thou must die <04191 +muwth > : call <07121 +qara> > Joshua <03091

+Y@howshuwa< > , and present <03320 +yatsab > yourselves in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , that I may give him a charge <06680 +tsavah > . And Moses <04872 +Mosheh > and Joshua <03091 +Y@howshuwa< > went <03212 +yalak > , and presented <03320 +yatsab > themselves in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 DEU 031 016 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Behold <02009 +hinneh > , thou shalt sleep <07901 +shakab > with thy fathers <1> ; and this <02088 +zeh > people <05971 +<am > will rise <06965 +quwm > up , and go a whoring <02181 +zanah > after <00310 +>achar > the gods <00430 +>elohiym > of the strangers <05236 +nekar > of the land <00776 +>erets > , whither they go <00935 +bow> > [ to be ] among <07130 +qereb > them , and will forsake <05800 +<azab > me , and break <06565 +parar > my covenant <01285 +b@riyth > which <00834 +>aher > I have made <03772 +karath > with them .

04872 DEU 031 022 . Moses <{04872} +Mosheh > therefore wrote <03789 +kathab > this <02063 +zo>th > song <07892 +shiyr > the same <01931 +huw> > day <03117 +yowm > , and taught <03925 +lamad > it the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 DEU 031 024 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <{04872} +Mosheh > had made an end <03615 +kalah > of writing <03789 +kathab > the words <01697 +dabar > of this <02063 +zo>th > law <08451 +towrah > in a book <05612 +cepher > , until <05704 +<ad > they were finished <08552 +tamam > ,

04872 DEU 031 025 That Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > the Levites <03881 +Leviyiy > , which <00834 +>aher > bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 DEU 031 030 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > in the ears <00241 +>ozen > of all <03605 +kol > the congregation <04150 +mow<ed > of Israel <03478 +Yisra>el > the words <01697 +dabar > of this <02063 +zo>th > song <07892 +shiyr > , until <05704 +<ad > they were ended <08552 +tamam > .

04872 DEU 032 044 . And Moses <{04872} +Mosheh > came <00935 +bow> > and spake <01696 +dabar > all <03605 +kol > the words <01697 +dabar > of this <02063 +zo>th > song <07892 +shiyr > in the ears <00241 +>ozen > of the people <05971 +<am > , he , and Hoshea <01954 +Howshea< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > .

04872 DEU 032 045 And Moses <{04872} +Mosheh > made an end <03615 +kalah > of speaking <01696 +dabar > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > to all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 DEU 032 048 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > that selfsame day <03117 +yowm > , saying <00559 +>amar > ,

04872 DEU 033 001 . And this <02063 +zo>th > [ is ] the blessing <01293 +B@rakah > , wherewith <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > blessed <01288 +barak > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > before <06440 +paniym > his death <04194 +maveth > .

04872 DEU 033 004 Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680

+tsavah > us a law <08451 +towrah > , [ even ] the inheritance <04181 +mowrashah > of the congregation <06952 +q@hillah > of Jacob <03290 +Ya<aqob > .

04872 DEU 034 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up from the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > unto the mountain <02022 +har > of Nebo <05015 +N@bow > , to the top <07218 +ro>sh > of Pisgah <06449 +Picgah > , that [ is ] over against <06440 +paniym > Jericho <03405 +Y@riychow > . And the LORD <03068 +Y@hovah > shewed <07200 +ra>ah > him all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Gilead <01568 +Gil<ad > , unto Dan <01835 +Dan > ,

04872 DEU 034 005 . So Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > died <04191 +muwth > there <08033 +sham > in the land <00776 +>erets > of Moab <04124 +Mow>ab > , according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 DEU 034 007 And Moses <{04872} +Mosheh > [ was ] an hundred <03967 +me>ah > and twenty <06242 +<esriym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > when he died <04194 +maveth > : his eye <05869 +<ayin > was not dim <03543 +kahah > , nor <03808 +lo> > his natural <03893 +leach > force <03893 +leach > abated <05127 +nuwc > .

04872 DEU 034 008 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > wept <01058 +bakah > for Moses <04872 +Mosheh > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > thirty <07970 +sh@lowshiym > days <03117 +yowm > : so the days <03117 +yowm > of weeping <01065 +B@kiy > [ and ] mourning <60> for Moses <{04872} +Mosheh > were ended <08552 +tamam > .

04872 DEU 034 008 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > wept <01058 +bakah > for Moses <{04872} +Mosheh > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > thirty <07970 +sh@lowshiym > days <03117 +yowm > : so the days <03117 +yowm > of weeping <01065 +B@kiy > [ and ] mourning <60> for Moses <04872 +Mosheh > were ended <08552 +tamam > .

04872 DEU 034 009 . And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > was full <04392 +male> > of the spirit <07307 +ruwach > of wisdom <02451 +chokmah > ; for Moses <04872 +Mosheh > had laid <05564 +camak > his hands <03027 +yad > upon him : and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > hearkened <08085 +shama< > unto him , and did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 DEU 034 009 . And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > was full <04392 +male> > of the spirit <07307 +ruwach > of wisdom <02451 +chokmah > ; for Moses <{04872} +Mosheh > had laid <05564 +camak > his hands <03027 +yad > upon him : and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > hearkened <08085 +shama< > unto him , and did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 DEU 034 010 And there arose <06965 +quwm > not a prophet <05030 +nabiy> > since <05750 +<owd > in Israel <03478 +Yisra>el > like unto Moses <{04872} +Mosheh > , whom <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > knew <03045 +yada< > face <06440 +paniym > to face <06440 +paniym > ,

04872 DEU 034 012 And in all <03605 +kol > that mighty <02389 +chazaq > hand <03027 +yad > , and in all <03605 +kol > the

great <01419 +gadowl > terror <04172 +mowra> > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > shewed <06213 +<asah > in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 JOS 001 001 . Now after <00310 +>achar > the death <04194 +maveth > of Moses <04872 +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > it came <01961 +hayah > to pass , that the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , Moses <{04872} +Mosheh > minister <08334 +sharath > , saying <00559 +>amar > ,

04872 JOS 001 001 . Now after <00310 +>achar > the death <04194 +maveth > of Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > it came <01961 +hayah > to pass , that the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , Moses <04872 +Mosheh > minister <08334 +sharath > , saying <00559 +>amar > ,

04872 JOS 001 002 Moses <{04872} +Mosheh > my servant <05650 +<ebed > is dead <04191 +muwth > ; now <06258 +<attah > therefore arise <06965 +quwm > , go <05674 +<abar > over <05674 +<abar > this Jordan <03383 +Yarden > , thou , and all <03605 +kol > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > , unto the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > I do give <05414 +nathan > to them , [ even ] to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 JOS 001 003 Every <03605 +kol > place <04725 +maqowm > that the sole <03709 +kaph > of your foot <07272 +regel > shall tread <01869 +darak > upon , that have I given <05414 +nathan > unto you , as I said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 001 005 There shall not any man <00376 +>iysh > be able <03320 +yatsab > to stand <03320 +yatsab > before <06440 +paniym > thee all <03605 +kol > the days <03117 +yowm > of thy life <02416 +chay > : as I was with Moses <{04872} +Mosheh > , [ so ] I will be with thee : I will not fail <07503 +raphah > thee , nor <03808 +lo> > forsake <05800 +<azab > thee .

04872 JOS 001 007 Only <07535 +raq > be thou strong <02388 +chazaq > and very <03966 +m@<od > courageous <00553 +>amats > , that thou mayest observe <08104 +shamar > to do <06213 +<asah > according to all <03605 +kol > the law <08451 +towrah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > my servant <05650 +<ebed > commanded <06680 +tsavah > thee : turn <05493 +cuwr > not from it [ to ] the right <03225 +yamiyn > hand <03225 +yamiyn > or [ to ] the left <08040 +s@mo>wl > , that thou mayest prosper <07919 +sakal > whithersoever thou goest <03212 +yalak > .

04872 JOS 001 013 Remember <02142 +zakar > the word <01697 +dabar > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > you , saying <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > hath given you rest <05117 +nuwach > , and hath given <05414 +nathan > you this <02063 +zo>th > land <00776 +>erets > .

04872 JOS 001 014 Your wives <00802 +>ishshah > , your little <02945 +taph > ones , and your cattle <04735 +miqneh > , shall remain <03427 +yashab > in the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan >

you on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > ; but ye shall pass <05674 +<abar > before <06440 +paniym > your brethren <00251 +>ach > armed <02571 +chamush > , all <03605 +kol > the mighty <01368 +gibbowr > men of valour <02428 +chayil > , and help <05826 +<azar > them ;

04872 JOS 001 015 Until <05704 +<ad > the LORD <03068 +Y@hovah > have given your brethren <00251 +>ach > rest <05117 +nuwach > , as [ he hath given ] you , and they also <01571 +gam > have possessed <03423 +yarash > the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > giveth <05414 +nathan > them : then ye shall return <07725 +shuwb > unto the land <00776 +>erets > of your possession <03425 +y@rushah > , and enjoy <03423 +yarash > it , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the LORD S <03068 +Y@hovah > servant <05650 +<ebed > gave <05414 +nathan > you on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > toward the sunrising .

04872 JOS 001 017 According as we hearkened <08085 +shama< > unto Moses <04872 +Mosheh > in all <03605 +kol > things , so <03651 +ken > will we hearken <08085 +shama< > unto thee : only <07535 +raq > the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > be with thee , as he was with Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 001 017 According as we hearkened <08085 +shama< > unto Moses <{04872} +Mosheh > in all <03605 +kol > things , so <03651 +ken > will we hearken <08085 +shama< > unto thee : only <07535 +raq > the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > be with thee , as he was with Moses <04872 +Mosheh > .

04872 JOS 003 007 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , This <02088 +zeh > day <03117 +yowm > will I begin <02490 +chalal > to magnify <01431 +gadal > thee in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , that they may know <03045 +yada< > that , as I was with Moses <{04872} +Mosheh > , [ so ] I will be with thee .

04872 JOS 004 010 . For the priests <03548 +kohen > which bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > stood <05975 +<amad > in the midst <08432 +tavek > of Jordan <03383 +Yarden > , until <05704 +<ad > every <03605 +kol > thing was finished <08552 +tamam > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > to speak <01696 +dabar > unto the people <05971 +<am > , according to all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > : and the people <05971 +<am > hasted <04116 +mahar > and passed <05674 +<abar > over <05674 +<abar > .

04872 JOS 004 012 And the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > , and the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > , and half <02677 +chetsiy > the tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > , passed <05674 +<abar > over <05674 +<abar > armed <02571 +chamush > before <06440 +paniym > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , as Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto them :

04872 JOS 004 014 On that day <03117 +yowm > the LORD <03068 +Y@hovah > magnified <01431 +gadal > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > ; and they feared <03372 +yare> > him , as they feared <03372 +yare> > Moses <{04872} +Mosheh > , all

<03605 +kol > the days <03117 +yowm > of his life <02416 +chay > .

04872 JOS 008 031 As Moses <04872 +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , as it is written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , an altar <04196 +mizbeach > of whole <08003 +shalem > stones <68> , over <05921 +<al > which <00834 +>aher > no <03808 +lo> > man hath lift <05130 +nuwph > up [ any ] iron <01270 +barzel > : and they offered <05927 +<alah > thereon <05921 +<al > burnt <05930 +<olah > offerings unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and sacrificed <02076 +zabach > peace <08002 +shelem > offerings .

04872 JOS 008 031 As Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , as it is written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of Moses <04872 +Mosheh > , an altar <04196 +mizbeach > of whole <08003 +shalem > stones <68> , over <05921 +<al > which <00834 +>aher > no <03808 +lo> > man hath lift <05130 +nuwph > up [ any ] iron <01270 +barzel > : and they offered <05927 +<alah > thereon <05921 +<al > burnt <05930 +<olah > offerings unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and sacrificed <02076 +zabach > peace <08002 +shelem > offerings .

04872 JOS 008 032 And he wrote <03789 +kathab > there <08033 +sham > upon the stones <68> a copy <04932 +mishneh > of the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , which <00834 +>aher > he wrote <03789 +kathab > in the presence <06440 +paniym > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 JOS 008 033 And all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , and their elders <02205 +zaqen > , and officers <07860 +shoter > , and their judges <08199 +shaphat > , stood <05975 +<amad > on this <02088 +zeh > side the ark <00727 +>arown > and on that side before <05048 +neged > the priests <03548 +kohen > the Levites <03881 +Leviyiy > , which bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , as well the stranger <01616 +ger > , as he that was born <00249 +>ezrach > among them ; half <02677 +chetsiy > of them over <00413 +>el > against <04136 +muwl > mount <02022 +har > Gerizim <01630 +G@riziym > , and half <02677 +chetsiy > of them over against <04136 +muwl > mount <02022 +har > Ebal <05858 +<Eybal > ; as Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > before <07223 +ri>shown > , that they should bless <01288 +barak > the people <05971 +<am > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 JOS 008 035 There was not a word <01697 +dabar > of all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > , which <00834 +>aher > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > read <07121 +qara> > not before <05048 +neged > all <03605 +kol > the congregation <06951 +qahal > of Israel <03478 +Yisra>el > , with the women <00802 +>ishshah > , and the little <02945 +taph > ones , and the strangers <01616 +ger > that were conversant <01980 +halak > among <07130 +qereb > them .

04872 JOS 009 024 And they answered <06030 +<anah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and said <00559 +>amar > , Because <03588 +kiy > it was certainly told <05046 +nagad > thy servants <05650 +<ebed > , how that the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > commanded <06680 +tsavah > his servant <05650

+<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > to give <05414 +nathan > you all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > , and to destroy <08045 +shamad > all <03605 +kol > the inhabitants <03427 +yashab > of the land <00776 +>erets > from before <06440 +paniym > you , therefore we were sore <03966 +m@<od > afraid <03372 +yare> > of our lives <05315 +nephesh > because <06440 +paniym > of you , and have done <06213 +<asah > this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > .

04872 JOS 011 012 And all <03605 +kol > the cities <05892 +<iyr > of those <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > , and all <03605 +kol > the kings <04428 +melek > of them , did Joshua <03091 +Y@howshuwa< > take <03920 +lakad > , and smote <05221 +nakah > them with the edge <06310 +peh > of the sword <02719 +chereb > , [ and ] he utterly destroyed <02763 +charam > them , as Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > .

04872 JOS 011 015 . As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Moses <04872 +Mosheh > command <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > ; he left <05493 +cuwr > nothing undone <05493 +cuwr > of all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 011 015 . As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Moses <{04872} +Mosheh > command <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > ; he left <05493 +cuwr > nothing undone <05493 +cuwr > of all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 JOS 011 015 . As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Moses <04872 +Mosheh > command <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > ; he left <05493 +cuwr > nothing undone <05493 +cuwr > of all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 JOS 011 020 For it was of the LORD <03068 +Y@hovah > to harden <02388 +chazaq > their hearts <03820 +leb > , that they should come <07122 +qara> > against <07125 +qir>ah > Israel <03478 +Yisra>el > in battle <04421 +milchamah > , that he might destroy <02763 +charam > them utterly , [ and ] that they might have <01961 +hayah > no <01115 +biltiy > favour <08467 +t@chinnah > , but that he might destroy <08045 +shamad > them , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 011 023 So Joshua <03091 +Y@howshuwa< > took <03947 +laqach > the whole land <00776 +>erets > , according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > ; and Joshua <03091 +Y@howshuwa< > gave <05414 +nathan > it for an inheritance <05159 +nachalah > unto Israel <03478 +Yisra>el > according to their divisions <04256 +machaloqeth > by their tribes <07626 +shebet > . And the land <00776 +>erets > rested <08252 +shaqat > from war <04421 +milchamah > .

04872 JOS 012 006 Them did Moses <04872 +Mosheh > the servant

<05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > smite <05221 +nakah > : and Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > it [ for ] a possession <03425 +y@rushah > unto the Reubenites <07206 +R@>uwbeniy > , and the Gadites <01425 +Gadiy > , and the half <02677 +chetsiy > tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > .

04872 JOS 012 006 Them did Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > smite <05221 +nakah > : and Moses <04872 +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > it [ for ] a possession <03425 +y@rushah > unto the Reubenites <07206 +R@>uwbeniy > , and the Gadites <01425 +Gadiy > , and the half <02677 +chetsiy > tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > .

04872 JOS 013 008 With whom <05973 +<im > the Reubenites <07206 +R@>uwbeniy > and the Gadites <01425 +Gadiy > have received <03947 +laqach > their inheritance <05159 +nachalah > , which <00834 +>aher > Moses <04872 +Mosheh > gave <05414 +nathan > them , beyond <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > eastward <04217 +mizrach > , [ even ] as Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > them ;

04872 JOS 013 008 With whom <05973 +<im > the Reubenites <07206 +R@>uwbeniy > and the Gadites <01425 +Gadiy > have received <03947 +laqach > their inheritance <05159 +nachalah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > them , beyond <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > eastward <04217 +mizrach > , [ even ] as Moses <04872 +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > them ;

04872 JOS 013 012 All <03605 +kol > the kingdom <04468 +mamlakuwth > of Og <05747 +<Owg > in Bashan <01316 +Bashan > , which <00834 +>aher > reigned <04427 +malak > in Ashtaroth <06252 +<Ashtarowth > and in Edrei <00154 +>edre<iy > , who <01931 +huw> > remained <07604 +sha>ar > of the remnant <03499 +yether > of the giants <07497 +rapha> > : for these did Moses <{04872} +Mosheh > smite <05221 +nakah > , and cast <03423 +yarash > them out .

04872 JOS 013 015 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > unto the tribe <04294 +matteh > of the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > [ inheritance ] according to their families <04940 +mishpachah > .

04872 JOS 013 021 And all <03605 +kol > the cities <05892 +<iyr > of the plain <04334 +miyshowr > , and all <03605 +kol > the kingdom <04468 +mamlakuwth > of Sihon <05511 +Ciychown > king <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , which <00834 +>aher > reigned <04427 +malak > in Heshbon <02809 +Cheshbown > , whom <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > smote <05221 +nakah > with the princes <05387 +nasiy> > of Midian <04080 +Midyan > , Evi <00189 +>Eviy > , and Rekem <07552 +Reqem > , and Zur <06698 +Tsuwr > , and Hur <02354 +Chuwr > , and Reba <07254 +Reba< > , [ which were ] dukes <05257 +n@ciyk > of Sihon <05511 +Ciychown > , dwelling <03427 +yashab > in the country <00776 +>erets > .

04872 JOS 013 024 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > [ inheritance ] unto the tribe <04294 +matteh > of Gad

<01410 +Gad > , [ even ] unto the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > according to their families <04940 +mishpachah > .

04872 JOS 013 029 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > [ inheritance ] unto the half <02677 +chetsiy > tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > : and [ this ] was [ the possession ] of the half <02677 +chetsiy > tribe <04294 +matteh > of the children <01121 +ben > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > by their families <04940 +mishpachah > .

04872 JOS 013 032 These <00428 +>el - leh > [ are the countries ] which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > did distribute <05157 +nachal > for inheritance <05157 +nachal > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > , on the other <05676 +<eber > side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > , by Jericho <03405 +Y@riychow > , eastward <04217 +mizrach > .

04872 JOS 013 033 But unto the tribe <07626 +shebet > of Levi <03878 +Leviy > Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > not [ any <03605 +kol > ] inheritance <05159 +nachalah > : the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > [ was ] their inheritance <05159 +nachalah > , as he said <01696 +dabar > unto them .

04872 JOS 014 002 By lot <01486 +gowral > [ was ] their inheritance <05159 +nachalah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > , for the nine <08672 +tesha< > tribes <04294 +matteh > , and [ for ] the half <02677 +chetsiy > tribe <04294 +matteh > .

04872 JOS 014 003 For Moses <{04872} +Mosheh > had given <05414 +nathan > the inheritance <05159 +nachalah > of two <08147 +sh@nayim > tribes <04294 +matteh > and an half <02677 +chetsiy > tribe <04294 +matteh > on the other <05676 +<eber > side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > : but unto the Levites <03881 +Leviyiy > he gave <05414 +nathan > none <03808 +lo> > inheritance <05159 +nachalah > among <08432 +tavek > them .

04872 JOS 014 005 As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > , and they divided <02505 +chalaq > the land <00776 +>erets > .

04872 JOS 014 006 . Then the children <01121 +ben > of Judah <03063 +Y@huwdah > came <05066 +nagash > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > in Gilgal <01537 +Gilgal > : and Caleb <03612 +Kaleb > the son <01121 +ben > of Jephunneh <03312 +Y@phunneh > the Kenezite <07074 +Q@nizziy > said <00559 +>amar > unto him , Thou knowest <03045 +yada< > the thing <01697 +dabar > that the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > concerning me and thee in Kadeshbarnea <06947 +Qadesh Barnea< > .

04872 JOS 014 007 Forty <00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > [ was ] I when Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > sent <07971 +shalach > me from Kadeshbarnea <06947 +Qadesh Barnea< > to espy <07270 +ragal > out the land <00776 +>erets > ; and I brought <07725 +shuwb > him word <01697 +dabar > again <07725 +shuwb > as [ it was ] in mine heart <03824 +lebab > .

04872 JOS 014 009 And Moses <{04872} +Mosheh > sware <07650 +shaba< > on that day <03117 +yowm > , saying <00559 +>amar > , Surely <00518 +>im > the land <00776 +>erets > whereon <00834

+>aher > thy feet <07272 +regel > have trodden <01869 +darak > shall be thine inheritance <05159 +nachalah > , and thy children s <01121 +ben > for ever <05769 +<owlam > , because <03588 +kiy > thou hast wholly <04390 +male> > followed <00310 +>achar > the LORD <03068 +Y@hovah > my God <00430 +>elohiym > .

04872 JOS 014 010 And now <06258 +<attah > , behold <02009 +hinneh > , the LORD <03068 +Y@hovah > hath kept me alive <02421 +chayah > , as he said <01696 +dabar > , these <02088 +zeh > forty <00705 +>arba<iym > and five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > , even since <00227 +>az > the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > this <02088 +zeh > word <01697 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , while <00834 +>aher > [ the children of ] Israel <03478 +Yisra>el > wandered <01980 +halak > in the wilderness <04057 +midbar > : and now <06258 +<attah > , lo <02009 +hinneh > , I [ am ] this day <03117 +yowm > fourscore <08084 +sh@moniym > and five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > .

04872 JOS 014 011 As yet <05750 +<owd > I [ am as ] strong <02389 +chazaq > this day <03117 +yowm > as [ I was ] in the day <03117 +yowm > that Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > me : as my strength <03581 +koach > [ was ] then <00227 +>az > , even so [ is ] my strength <03581 +koach > now <06258 +<attah > , for war <04421 +milchamah > , both to go <03318 +yatsa> > out , and to come <00935 +bow> > in .

04872 JOS 017 004 And they came <07126 +qarab > near <07126 +qarab > before <06440 +paniym > Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and before <06440 +paniym > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , and before <06440 +paniym > the princes <05387 +nasiy> > , saying <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > to give <05414 +nathan > us an inheritance <05159 +nachalah > among <08432 +tavek > our brethren <00251 +>ach > . Therefore according <00413 +>el > to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > he gave <05414 +nathan > them an inheritance <05159 +nachalah > among <08432 +tavek > the brethren <00251 +>ach > of their father <1> .

04872 JOS 018 007 But the Levites <03881 +Leviyiy > have no <03808 +lo> > part <02506 +cheleq > among <07130 +qereb > you ; for the priesthood <03550 +k@hunnah > of the LORD <03068 +Y@hovah > [ is ] their inheritance <05159 +nachalah > : and Gad <01410 +Gad > , and Reuben <07205 +R@>uwben > , and half <02677 +chetsiy > the tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > , have <01961 +hayah > received <03947 +laqach > their inheritance <05159 +nachalah > beyond <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > on the east <04217 +mizrach > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > them .

04872 JOS 020 002 Speak <01696 +dabar > to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , Appoint <05414 +nathan > out for you cities <05892 +<iyr > of refuge <04733 +miqlat > , whereof <00834 +>aher > I spake <01696 +dabar > unto you by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > :

04872 JOS 021 002 And they spake <01696 +dabar > unto them at Shiloh <07887 +Shiyloh > in the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > , saying <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > to give <05414 +nathan > us cities

<05892 +<iyr > to dwell <03427 +yashab > in , with the suburbs <04054 +migrash > thereof for our cattle <00929 +b@hemah > .

04872 JOS 021 008 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > gave <05414 +nathan > by lot <01486 +gowral > unto the Levites <03881 +Leviyiy > these <00428 +>el - leh > cities <05892 +<iyr > with their suburbs <04054 +migrash > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 022 002 And said <00559 +>amar > unto them , Ye have kept <08104 +shamar > all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > you , and have obeyed <08085 +shama< > my voice <06963 +qowl > in all <03605 +kol > that I commanded <06680 +tsavah > you :

04872 JOS 022 004 And now <06258 +<attah > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > hath given rest <05117 +nuwach > unto your brethren <00251 +>ach > , as he promised <01696 +dabar > them : therefore now <06258 +<attah > return <06437 +panah > ye , and get <03212 +yalak > you unto your tents <00168 +>ohel > , [ and ] unto the land <00776 +>erets > of your possession <00272 +>achuzzah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > you on the other <05676 +<eber > side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > .

04872 JOS 022 005 But take diligent <03966 +m@<od > heed <08104 +shamar > to do <06213 +<asah > the commandment <04687 +mitsvah > and the law <08451 +towrah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > charged <06680 +tsavah > you , to love <00157 +>ahab > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > , and to walk <03212 +yalak > in all <03605 +kol > his ways <01870 +derek > , and to keep <08104 +shamar > his commandments <04687 +mitsvah > , and to cleave <01692 +dabaq > unto him , and to serve <05647 +<abad > him with all <03605 +kol > your heart <03824 +lebab > and with all <03605 +kol > your soul <05315 +nephesh > .

04872 JOS 022 007 Now to the [ one ] half <02677 +chetsiy > of the tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > Moses <{04872} +Mosheh > had given <05414 +nathan > [ possession ] in Bashan <01316 +Bashan > : but unto the [ other ] half <02677 +chetsiy > thereof gave <05414 +nathan > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > among <05973 +<im > their brethren <00251 +>ach > on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > westward <03220 +yam > . And when <03588 +kiy > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > sent <07971 +shalach > them away also <01571 +gam > unto their tents <00168 +>ohel > , then he blessed <01288 +barak > them ,

04872 JOS 022 009 And the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > and the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > and the half <02677 +chetsiy > tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > returned <07725 +shuwb > , and departed <03212 +yalak > from the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > out of Shiloh <07887 +Shiyloh > , which <00834 +>aher > [ is ] in the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > , to go <03212 +yalak > unto the country <00776 +>erets > of Gilead <01568 +Gil<ad > , to the land <00776 +>erets > of their possession <00272 +>achuzzah > , whereof <00834 +>aher > they were possessed <00270 +>achaz > , according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872}

+Mosheh > .

04872 JOS 023 006 Be ye therefore very <03966 +m@<od > courageous <02388 +chazaq > to keep <08104 +shamar > and to do <06213 +<asah > all <03605 +kol > that is written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , that ye turn <05493 +cuwr > not aside therefrom [ to ] the right <03225 +yamiyn > hand <03225 +yamiyn > or [ to ] the left <08040 +s@mo>wl > ;

04872 JOS 024 005 I sent <07971 +shalach > Moses <{04872} +Mosheh > also and Aaron <00175 +>Aharown > , and I plagued <05062 +nagaph > Egypt <04714 +Mitsrayim > , according to that which <00834 +>aher > I did <06213 +<asah > among <07130 +qereb > them : and afterward <00310 +>achar > I brought <03318 +yatsa> > you out .

04872 JUDG 001 016 And the children <01121 +ben > of the Kenite <07017 +Qeyniy > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , went <05927 +<alah > up out of the city <05892 +<iyr > of palm <08558 +tamar > trees with the children <01121 +ben > of Judah <03063 +Y@huwdah > into the wilderness <04057 +midbar > of Judah <03063 +Y@huwdah > , which <00834 +>aher > [ lieth ] in the south <05045 +negeb > of Arad <06166 +<Arad > ; and they went <03212 +yalak > and dwelt <03427 +yashab > among <00854 +>eth > the people <05971 +<am > .

04872 JUDG 001 020 And they gave <05414 +nathan > Hebron <02275 +Chebrown > unto Caleb <03612 +Kaleb > , as Moses <{04872} +Mosheh > said <01696 +dabar > : and he expelled <03423 +yarash > thence <08033 +sham > the three <07969 +shalowsh > sons <01121 +ben > of Anak <06061 +<Anaq > .

04872 JUDG 003 004 And they were to prove <05254 +nacah > Israel <03478 +Yisra>el > by them , to know <03045 +yada< > whether they would hearken <08085 +shama< > unto the commandments <04687 +mitsvah > of the LORD <03068 +Y@hovah > , which <00834 +>aher > he commanded <06680 +tsavah > their fathers <1> by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JUDG 004 011 Now Heber <02268 +Cheber > the Kenite <07014 +Qayin > , [ which was ] of the children <01121 +ben > of Hobab <02246 +Chobab > the father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > of Moses <{04872} +Mosheh > , had severed <06504 +parad > himself from the Kenites <07017 +Qeyniy > , and pitched <05186 +natah > his tent <00168 +>ohel > unto the plain <00436 +>elown > of Zaanaim , which <00834 +>aher > [ is ] by Kedesh <06943 +Qedesh > .

04872 1SA 012 006 . And Samuel <08050 +Sh@muw>el > said <00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , [ It is ] the LORD <03068 +Y@hovah > that advanced <06213 +<asah > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , and that brought <05927 +<alah > your fathers <1> up out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 1SA 012 008 When <00834 +>aher > Jacob <03290 +Ya<aqob > was come <00935 +bow> > into Egypt <04714 +Mitsrayim > , and your fathers <1> cried <02199 +za<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , then the LORD <03068 +Y@hovah > sent <07971 +shalach > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , which brought <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > your fathers <1> out of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and made them dwell <03427 +yashab > in this place <04725 +maqowm > .

04872 1KI 002 003 And keep <08104 +shamar > the charge <04931

+mishmereth > of the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > , to walk <03212 +yalak > in his ways <01870 +derek > , to keep <08104 +shamar > his statutes <02708 +chuqqah > , and his commandments <04687 +mitsvah > , and his judgments <04941 +mishpat > , and his testimonies <5715> , as it is written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , that thou mayest prosper <07919 +sakal > in all <03605 +kol > that thou doest <06213 +<asah > , and whithersoever thou turnest <06437 +panah > thyself :

04872 1KI 008 009 [ There was ] nothing <00369 +>ayin > in the ark <00727 +>arown > save <07535 +raq > the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of stone <68> , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > put <03240 +yanach > there <08033 +sham > at Horeb <02722 +Choreb > , when <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > made <03772 +karath > [ a covenant ] with the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , when they came <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 1KI 008 053 For thou didst <06213 +<asah > separate <00914 +badal > them from among all <03605 +kol > the people <05971 +<am > of the earth <00776 +>erets > , [ to be ] thine inheritance <05159 +nachalah > , as thou spakest <01696 +dabar > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > thy servant <05650 +<ebed > , when thou broughtest <03318 +yatsa> > our fathers <1> out of Egypt <04714 +Mitsrayim > , O Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

04872 1KI 008 056 Blessed <01288 +barak > [ be ] the LORD <03068 +Y@hovah > , that hath given <05414 +nathan > rest <04496 +m@nuwchah > unto his people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > , according to all <03605 +kol > that he promised <01696 +dabar > : there hath not failed <05307 +naphal > one <00259 +>echad > word <01697 +dabar > of all <03605 +kol > his good <02896 +towb > promise <01697 +dabar > , which <00834 +>aher > he promised <01696 +dabar > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > .

04872 2KI 014 006 But the children <01121 +ben > of the murderers <05221 +nakah > he slew <04191 +muwth > not : according unto that which is written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , wherein <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > , saying <00559 +>amar > , The fathers <1> shall not be put <04191 +muwth > to death <04191 +muwth > for the children <01121 +ben > , nor <03808 +lo> > the children <01121 +ben > be put <04191 +muwth > to death <04191 +muwth > for the fathers <1> ; but every man <00376 +>iysh > shall be put <04191 +muwth > to death <04191 +muwth > for his own sin <02399 +chet> > .

04872 2KI 018 004 He removed <05493 +cuwr > the high <01116 +bamah > places , and brake <07665 +shabar > the images <04676 +matstsebah > , and cut <03772 +karath > down the groves <00842 +>asherah > , and brake <03807 +kathath > in pieces the brasen <05178 +n@chosheth > serpent <05175 +nachash > that Moses <{04872} +Mosheh > had made <06213 +<asah > : for unto those <01992 +hem > days <03117 +yowm > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did burn <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > to it : and he called <07121 +qara> > it Nehushtan <05180 +N@chushtan > .

04872 2KI 018 006 For he clave <01692 +dabaq > to the LORD <03068 +Y@hovah > , [ and ] departed <05493 +cuwr > not from following <00310 +>achar > him , but kept <08104 +shamar > his

commandments <04687 +mitsvah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 2KI 018 012 Because they obeyed <08085 +shama< > not the voice <06963 +qowl > of the LORD <03068 +Y@hovah > their God <00430 +>elohiym > , but transgressed <05674 +<abar > his covenant <01285 +b@riyth > , [ and ] all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > , and would not hear <08085 +shama< > [ them ] , nor <03808 +lo> > do <06213 +<asah > [ them ] .

04872 1CH 006 003 And the children <01121 +ben > of Amram <06019 +<Amram > ; Aaron <00175 +>Aharown > , and Moses <{04872} +Mosheh > , and Miriam <04813 +Miryam > . The sons <01121 +ben > also of Aaron <00175 +>Aharown > ; Nadab <05070 +Nadab > , and Abihu <30> , Eleazar <00499 +>El<azar > , and Ithamar <00385 +>Iythamar > .

04872 1CH 006 049 But Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > offered <06999 +qatar > upon the altar <04196 +mizbeach > of the burnt <05930 +<olah > offering , and on <05921 +<al > the altar <04196 +mizbeach > of incense <07004 +q@toreth > , [ and were appointed ] for all <03605 +kol > the work <04399 +m@la>kah > of the [ place ] most <06944 +qodesh > holy <06944 +qodesh > , and to make an atonement <03722 +kaphar > for Israel <03478 +Yisra>el > , according to all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of God <00430 +>elohiym > had commanded <06680 +tsavah > .

04872 1CH 015 015 And the children <01121 +ben > of the Levites <03881 +Leviyiy > bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of God <00430 +>elohiym > upon their shoulders <03802 +katheph > with the staves <04133 +mowtah > thereon <05921 +<al > , as Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > according to the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 1CH 021 029 For the tabernacle <04908 +mishkan > of the LORD <03068 +Y@hovah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > made <06213 +<asah > in the wilderness <04057 +midbar > , and the altar <04196 +mizbeach > of the burnt <05930 +<olah > offering , [ were ] at that season <06256 +<eth > in the high <01116 +bamah > place at Gibeon <01391 +Gib<own > .

04872 1CH 022 013 Then <00227 +>az > shalt thou prosper <06743 +tsalach > , if <00518 +>im > thou takest <08104 +shamar > heed <08104 +shamar > to fulfil <06213 +<asah > the statutes <02706 +choq > and judgments <04941 +mishpat > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > charged <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > with concerning <05921 +<al > Israel <03478 +Yisra>el > : be strong <02388 +chazaq > , and of good courage <00553 +>amats > ; dread <03372 +yare> > not , nor <00408 +>al > be dismayed <02865 +chathath > .

04872 1CH 023 013 The sons <01121 +ben > of Amram <06019 +<Amram > ; Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > : and Aaron <00175 +>Aharown > was separated <00914 +badal > , that he should sanctify <06942 +qadash > the most <06944 +qodesh > holy <06944 +qodesh > things , he and his sons <01121 +ben > for ever <05769 +<owlam > , to burn <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , to minister <08334 +sharath > unto him , and to bless <01288 +barak > in his name <08034 +shem > for ever <05769 +<owlam > .

04872 1CH 023 014 Now [ concerning ] Moses <{04872} +Mosheh >

the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > , his sons <01121 +ben > were named <07121 +qara> > of the tribe <07626 +shebet > of Levi <03878 +Leviy > .

04872 1CH 023 015 The sons <01121 +ben > of Moses <{04872} +Mosheh > [ were ] , Gershom <01648 +Ger@shown > , and Eliezer <00461 +>Eliy<ezer > .

04872 1CH 026 024 And Shebuel <07619 +Sh@buw>el > the son <01121 +ben > of Gershom <1648Ger@shown > , the son <01121 +ben > of Moses <{04872} +Mosheh > , [ was ] ruler <05057 +nagiyd > of the treasures <00214 +>owtsar > .

04872 2CH 001 003 So Solomon <08010 +Sh@lomoh > , and all <03605 +kol > the congregation <06951 +qahal > with him , went <03212 +yalak > to the high <01116 +bamah > place that [ was ] at Gibeon <01391 +Gib<own > ; for there <08033 +sham > was the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > of God <00430 +>elohiym > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > had <01961 +hayah > made <06213 +<asah > in the wilderness <04057 +midbar > .

04872 2CH 005 010 [ There was ] nothing <00369 +>ayin > in the ark <00727 +>arown > save <07535 +raq > the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > put <05414 +nathan > [ therein ] at Horeb <02722 +Choreb > , when <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > made <03772 +karath > [ a covenant ] with the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , when they came <03318 +yatsa> > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 2CH 008 013 Even after a certain <01697 +dabar > rate <01697 +dabar > every day <03117 +yowm > , offering <05927 +<alah > according to the commandment <04687 +mitsvah > of Moses <{04872} +Mosheh > , on the sabbaths <07676 +shabbath > , and on the new <02320 +chodesh > moons <02320 +chodesh > , and on the solemn <04150 +mow<ed > feasts <04150 +mow<ed > , three <07969 +shalowsh > times <06471 +pa<am > in the year <08141 +shaneh > , [ even ] in the feast <02282 +chag > of unleavened <04682 +matstsah > bread , and in the feast <02282 +chag > of weeks <07620 +shabuwa< > , and in the feast <02282 +chag > of tabernacles <05521 +cukkah > .

04872 2CH 023 018 Also Jehoiada <03111 +Yowyada< > appointed <07760 +suwm > the offices <06486 +p@quddah > of the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of the priests <03548 +kohen > the Levites <03881 +Leviyiy > , whom <00834 +>aher > David <01732 +David > had distributed <02505 +chalaq > in the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > , to offer <05927 +<alah > the burnt <05930 +<olah > offerings of the LORD <03068 +Y@hovah > , as [ it is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , with rejoicing <08057 +simchah > and with singing <07892 +shiyr > , [ as it was ordained ] by David <01732 +David > .

04872 2CH 024 006 And the king <04428 +melek > called <07121 +qara> > for Jehoiada <03111 +Yowyada< > the chief <07218 +ro>sh > , and said <00559 +>amar > unto him , Why <04069 +madduwa< > hast thou not required <01875 +darash > of the Levites <03881 +Leviyiy > to bring <00935 +bow> > in out of Judah <03063 +Y@huwdah > and out of Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > the collection <04864 +mas>eth > , [ according to the commandment ] of Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and of the congregation <06951 +qahal >

of Israel <03478 +Yisra>el > , for the tabernacle <00168 +>ohel > of witness <5715> ?

04872 2CH 024 009 And they made <05414 +nathan > a proclamation <06963 +qowl > through Judah <03063 +Y@huwdah > and Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , to bring <00935 +bow> > in to the LORD <03068 +Y@hovah > the collection <04864 +mas>eth > [ that ] Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of God <00430 +>elohiym > [ laid ] upon Israel <03478 +Yisra>el > in the wilderness <04057 +midbar > .

04872 2CH 025 004 But he slew <04191 +muwth > not their children <01121 +ben > , but [ did ] as [ it is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > in the book <05612 +cepher > of Moses <{04872} +Mosheh > , where <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > , saying <00559 +>amar > , The fathers <1> shall not die <04191 +muwth > for the children <01121 +ben > , neither <03808 +lo> > shall the children <01121 +ben > die <04191 +muwth > for the fathers <1> , but every man <00376 +>iysh > shall die <04191 +muwth > for his own sin <02399 +chet> > .

04872 2CH 030 016 And they stood <05975 +<amad > in their place <05977 +<omed > after their manner <04941 +mishpat > , according to the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > : the priests <03548 +kohen > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > , [ which they received ] of the hand <03027 +yad > of the Levites <03881 +Leviyiy > .

04872 2CH 033 008 Neither <03808 +lo> > will I any more <03254 +yacaph > remove <05493 +cuwr > the foot <07272 +regel > of Israel <03478 +Yisra>el > from out <05921 +<al > of the land <00127 +>adamah > which I have appointed <05978 +<immad > for your fathers <07535 +raq > ; so <00518 +>im > that they will take heed <08104 +shamar > to do <06213 +<asah > all <03605 +kol > that I have commanded <00834 +>aher > them <04519 +M@nashsheh > , according to the whole <03605 +kol > law <08451 +towrah > and the statutes <02706 +choq > and the ordinances <04941 +mishpat > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 2CH 034 014 . And when they brought <03318 +yatsa> > out the money <03701 +keceph > that was brought <00935 +bow> > into the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > , Hilkiah <02518 +Chilqiyah > the priest <03548 +kohen > found <04672 +matsa> > a book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of the LORD <03068 +Y@hovah > [ given ] by Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 2CH 035 006 So kill <07819 +shachat > the passover <06453 +pecach > , and sanctify <06942 +qadash > yourselves , and prepare <03559 +kuwn > your brethren <00251 +>ach > , that [ they ] may do <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 2CH 035 012 And they removed <05493 +cuwr > the burnt <05930 +<olah > offerings , that they might give <05414 +nathan > according to the divisions <04653 +miphlaggah > of the families <01004 +bayith > of the people , to offer <07126 +qarab > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , as [ it is ] written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of Moses <{04872} +Mosheh > . And so <03651 +ken > [ did they ] with the oxen <01241 +baqar > .

04872 EZR 003 002 Then stood <06965 +quwm > up Jeshua <03442 +Yeshuwa< > the son <01121 +ben > of Jozadak <03136 +Yowtsadaq > , and his brethren <00251 +>ach > the priests <03548 +kohen > , and Zerubbabel <02216 +Z@rubbabel > the son <01121 +ben > of Shealtiel <07597 +Sh@>altiy>el > , and his brethren <00251 +>ach > , and builded <01129 +banah > the altar <04196 +mizbeach > of the God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > , to offer <05927 +<alah > burnt <05930 +<olah > offerings thereon <05921 +<al > , as [ it is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > .

04872 EZR 007 006 This <01931 +huw> > Ezra <05830 +<Ezra> > went <05927 +<alah > up from Babylon<00894 +Babel > ; and he [ was ] a ready <04106 +mahiyr > scribe <05608 +caphar > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > had given <05414 +nathan > : and the king <04428 +melek > granted <05414 +nathan > him all <03605 +kol > his request <01246 +baqqashah > , according to the hand <03027 +yad > of the LORD <03068 +Y@hovah > his God <00430 +>elohiym > upon him .

04872 NEH 001 007 We have dealt very corruptly <02254 +chabal > against thee , and have not kept <08104 +shamar > the commandments <04687 +mitsvah > , nor the statutes <02706 +choq > , nor the judgments <04941 +mishpat > , which <00834 +>aher > thou commandedst <06680 +tsavah > thy servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NEH 001 008 Remember <02142 +zakar > , I beseech <04994 +na> > thee , the word <01697 +dabar > that thou commandedst <06680 +tsavah > thy servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , [ If ] ye transgress <04603 +ma<al > , I will scatter <06327 +puwts > you abroad <06327 +puwts > among the nations <05971 +<am > :

04872 NEH 008 001 . And all <03605 +kol > the people <05971 +<am > gathered <00622 +>acaph > themselves together as one <00259 +>echad > man <00376 +>iysh > into <00413 +>el > the street <07339 +r@chob > that [ was ] before <06440 +paniym > the water <04325 +mayim > gate <08179 +sha<ar > ; and they spake <00559 +>amar > unto Ezra <05830 +<Ezra> > the scribe <05608 +caphar > to bring <00935 +bow> > the book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > to Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NEH 008 014 And they found <04672 +matsa> > written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > by Moses <{04872} +Mosheh > , that the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > should dwell <03427 +yashab > in booths <05521 +cukkah > in the feast <02282 +chag > of the seventh <07637 +sh@biy<iy > month <02320 +chodesh > :

04872 NEH 009 014 And madest <03045 +yada< > known <03045 +yada< > unto them thy holy <06944 +qodesh > sabbath <07676 +shabbath > , and commandedst <06680 +tsavah > them precepts <04687 +mitsvah > , statutes <02706 +choq > , and laws <08451 +towrah > , by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > thy servant <05650 +<ebed > :

04872 NEH 010 029 They clave <02388 +chazaq > to their brethren <00251 +>ach > , their nobles <00117 +>addiyr > , and entered <00935 +bow> > into a curse <00423 +>alah > , and into an oath

<07621 +sh@buw<ah > , to walk <03212 +yalak > in God s <00430 +>elohiym > law <08451 +towrah > , which <00834 +>aher > was given <05414 +nathan > by Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of God <00430 +>elohiym > , and to observe <08104 +shamar > and do <06213 +<asah > all <03605 +kol > the commandments <04687 +mitsvah > of the LORD <03068 +Y@hovah > our Lord <00113 +>adown > , and his judgments <04941 +mishpat > and his statutes <02706 +choq > ;

04872 NEH 013 001 . On that day <03117 +yowm > they read <07121 +qara> > in the book <05612 +cepher > of Moses <{04872} +Mosheh > in the audience <00241 +>ozen > of the people <05971 +<am > ; and therein was found <04672 +matsa> > written <03789 +kathab > , that the Ammonite <05984 +<Ammowniy > and the Moabite <04125 +Mow>abiy > should not come <00935 +bow> > into the congregation <06951 +qahal > of God <00430 +>elohiym > for ever <05769 +<owlam > ;

04872 PSA 077 020 Thou leddest <05148 +nachah > thy people <05971 +<am > like a flock <06629 +tso>n > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 PSA 090 001 . A Prayer <08605 +t@phillah > of Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > . Lord <00136 +>Adonay > , thou hast been <01961 +hayah > our dwelling <04583 +ma<own > place in all generations <01755 +dowr > .

04872 PSA 099 006 . Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > among his priests <03548 +kohen > , and Samuel <08050 +Sh@muw>el > among them that call <07121 +qara> > upon his name <08034 +shem > ; they called <07121 +qara> > upon the LORD <03068 +Y@hovah > , and he answered <06030 +<anah > them .

04872 PSA 103 007 He made known <03045 +yada< > his ways <01870 +derek > unto Moses <{04872} +Mosheh > , his acts <05949 +<aliylah > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 PSA 105 026 He sent <07971 +shalach > Moses <{04872} +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > ; [ and ] Aaron <00175 +>Aharown > whom <00834 +>aher > he had chosen <00977 +bachar > .

04872 PSA 106 016 They envied <07065 +qana> > Moses <{04872} +Mosheh > also in the camp <04264 +machaneh > , [ and ] Aaron <00175 +>Aharown > the saint <06918 +qadowsh > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 PSA 106 023 Therefore he said <00559 +>amar > that he would destroy <08045 +shamad > them , had <03884 +luwle> > not Moses <{04872} +Mosheh > his chosen <00972 +bachiyr > stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > him in the breach <06556 +perets > , to turn <07725 +shuwb > away his wrath <02534 +chemah > , lest he should destroy <07843 +shachath > [ them ] .

04872 PSA 106 032 They angered <07107 +qatsaph > [ him ] also at <05921 +<al > the waters <04325 +mayim > of strife <04808 +m@riybah > , so that it went ill <03415 +yara< > with Moses <{04872} +Mosheh > for their sakes <06616 +pathiyl > :

04872 ISA 063 011 Then he remembered <02142 +zakar > the days <03117 +yowm > of old <05769 +<owlam > , Moses <{04872} +Mosheh > , [ and ] his people <05971 +<am > , [ saying ] , Where <00346 +>ayeh > [ is ] he that brought <05927 +<alah > them up out of the sea <03220 +yam > with the shepherd <07462 +ra<ah > of his flock <06629 +tso>n > ? where <00346 +>ayeh > [ is ] he that put

<07760 +suwm > his holy <06944 +qodesh > Spirit <07307 +ruwach > within <07130 +qereb > him ?

04872 ISA 063 012 That led <03212 +yalak > [ them ] by the right <03225 +yamiyn > hand <03225 +yamiyn > of Moses <{04872} +Mosheh > with his glorious <08597 +tiph>arah > arm <02220 +z@rowa< > , dividing <01234 +baqa< > the water <04325 +mayim > before <06440 +paniym > them , to make <06213 +<asah > himself an everlasting <05769 +<owlam > name <08034 +shem > ?

04872 JER 015 001 . Then said <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > unto me , Though <00518 +>im > Moses <{04872} +Mosheh > and Samuel <08050 +Sh@muw>el > stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > me , [ yet ] my mind <05315 +nephesh > [ could ] not [ be ] toward <00413 +>el > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > : cast <07971 +shalach > [ them ] out of my sight <06440 +paniym > , and let them go <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > .

04872 DAN 009 011 Yea , all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > have transgressed <5674<abar > thy law <08451 +towrah > , even by departing <05493 +cuwr > , that they might not obey <08085 +shama< > thy voice <06963 +qowl > ; therefore the curse <00423 +>alah > is poured <05413 +nathak > upon us , and the oath <07621 +sh@buw<ah > that [ is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of God <00430 +>elohiym > , because <03588 +kiy > we have sinned <02398 +chata> > against him .

04872 DAN 009 013 As [ it is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > evil <07451 +ra< > is come <00935 +bow> > upon us : yet made we not our prayer <02470 +chalah > before the LORD <03068 +Y@hovah > our God <00430 +>elohiym > , that we might turn <07725 +shuwb > from our iniquities <05771 +<avon > , and understand <07919 +sakal > thy truth <00571 +>emeth > .

04872 MIC 006 004 For I brought <05927 +<alah > thee up out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and redeemed <06299 +padah > thee out of the house <01004 +bayith > of servants <05650 +<ebed > ; and I sent <07971 +shalach > before <06440 +paniym > thee Moses <{04872} +Mosheh > , Aaron <00175 +>Aharown > , and Miriam <04813 +Miryam > .

04872 MAL 004 004 . Remember <02142 +zakar > ye the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh >my servant <05650 +<ebed > , which <00834 +>aher > I commanded <06680 +tsavah > unto him in Horeb <02722 +Choreb > for all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , [ with ] the statutes <02706 +choq > and judgments <04941 +mishpat > .

04872 NUM 017 010 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Bring <07725 +shuwb > Aaron s <00175 +>Aharown > rod <04294 +matteh > again <07725 +shuwb > before <06440 +paniym > the testimony <5715> , to be kept <04931 +mishmereth > for a token <00226 +>owth > against the rebels <04805 +m@riy > ; and thou shalt quite <03615 +kalah > take <03615 +kalah > away their murmurings <08519 +t@luwnah > from me , that they die <04191 +muwth > not .

04872 EXO 034 033 And [ till ] Moses <{04872} +Mosheh > had done <03615 +kalah > speaking <01696 +dabar > with them , he put <05414 +nathan > a vail <04533 +macveh > on <05921 +<al > his face <06440 +paniym > .

04872 EXO 034 034 But when Moses <{04872} +Mosheh > went <00935 +bow> > in before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > to speak <01696 +dabar > with him , he took <05493 +cuwr > the vail <04533 +macveh > off , until <05704 +<ad > he came <03318 +yatsa> > out . And he came <03318 +yatsa> > out , and spake <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > [ that ] which <00834 +>aher > he was commanded <06680 +tsavah > .

04872 EXO 034 035 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > the face <06440 +paniym > of Moses <04872 +Mosheh > , that the skin <05785 +<owr > of Moses <04872 +Mosheh > face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > : and Moses <{04872} +Mosheh > put <07725 +shuwb > the vail <04533 +macveh > upon his face <06440 +paniym > again <07725 +shuwb > , until <05704 +<ad > he went <00935 +bow> > in to speak <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 032 031 And Moses <{04872} +Mosheh > returned <07725 +shuwb > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and said <00559 +>amar > , Oh <00577 +>anna> > , this <02088 +zeh > people <05971 +<am > have sinned <02398 +chata> > a great <01419 +gadowl > sin <02401 +chata>ah > , and have made <06213 +<asah > them gods <00430 +>elohiym > of gold <02091 +zahab > .

04872 EXO 032 033 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Whosoever hath sinned <02398 +chata> > against me , him will I blot <04229 +machah > out of my book <05612 +cepher > .

04872 EXO 033 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Depart <03212 +yalak > , [ and ] go <05927 +<alah > up hence <02088 +zeh > , thou and the people <05971 +<am > which <00834 +>aher > thou hast brought <05927 +<alah > up out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , unto the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > I sware <07650 +shaba< > unto Abraham <85> , to Isaac <03327 +Yitschaq > , and to Jacob <03290 +Ya<aqob > , saying <00559 +>amar > , Unto thy seed <02233 +zera< > will I give <05414 +nathan > it :

04872 EXO 033 005 For the LORD <03068 +Y@hovah > had said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Say <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , Ye [ are ] a stiffnecked people <05971 +<am > : I will come <05927 +<alah > up into the midst <07130 +qereb > of thee in a moment <07281 +rega< > , and consume <03615 +kalah > thee : therefore now <06258 +<attah > put <03381 +yarad > off thy ornaments <05716 +<adiy > from thee , that I may know <03045 +yada< > what <04100 +mah > to do <06213 +<asah > unto thee .

04872 EXO 033 007 . And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the tabernacle <00168 +>ohel > , and pitched <05186 +natah > it without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > , afar <07350 +rachowq > off from the camp <04264 +machaneh > , and called <07121 +qara> > it the Tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > . And it came <01961 +hayah > to pass , [ that ] every <03605 +kol > one which sought <01245 +baqash > the LORD <03068 +Y@hovah > went <03318 +yatsa> > out unto the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , which <00834 +>aher > [ was ] without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > .

04872 EXO 033 008 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <04872 +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out unto the

tabernacle <00168 +>ohel > , [ that ] all <03605 +kol > the people <05971 +<am > rose <06965 +quwm > up , and stood <05324 +natsab > every <00376 +>iysh > man <00376 +>iysh > [ at ] his tent <00168 +>ohel > door <06607 +pethach > , and looked <05027 +nabat > after <00310 +>achar > Moses <{04872} +Mosheh > , until <05704 +<ad > he was gone <00935 +bow> > into the tabernacle <00168 +>ohel > .

04872 EXO 033 008 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <{04872} +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out unto the tabernacle <00168 +>ohel > , [ that ] all <03605 +kol > the people <05971 +<am > rose <06965 +quwm > up , and stood <05324 +natsab > every <00376 +>iysh > man <00376 +>iysh > [ at ] his tent <00168 +>ohel > door <06607 +pethach > , and looked <05027 +nabat > after <00310 +>achar > Moses <04872 +Mosheh > , until <05704 +<ad > he was gone <00935 +bow> > into the tabernacle <00168 +>ohel > .

04872 EXO 033 009 And it came <01961 +hayah > to pass , as Moses <04872 +Mosheh > entered <00935 +bow> > into the tabernacle <00168 +>ohel > , the cloudy <06051 +<anan > pillar <05982 +<ammuwd > descended <03381 +yarad > , and stood <05975 +<amad > [ at ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > , and [ the LORD ] talked <01696 +dabar > with Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 033 009 And it came <01961 +hayah > to pass , as Moses <{04872} +Mosheh > entered <00935 +bow> > into the tabernacle <00168 +>ohel > , the cloudy <06051 +<anan > pillar <05982 +<ammuwd > descended <03381 +yarad > , and stood <05975 +<amad > [ at ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > , and [ the LORD ] talked <01696 +dabar > with Moses <04872 +Mosheh > .

04872 EXO 033 011 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > face <06440 +paniym > to face <06440 +paniym > , as a man <00376 +>iysh > speaketh <01696 +dabar > unto his friend <07453 +rea< > . And he turned <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > into <00413 +>el > the camp <04264 +machaneh > : but his servant <08334 +sharath > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , a young <05288 +na<ar > man , departed <04185 +muwsh > not out of the tabernacle <00168 +>ohel > .

04872 EXO 033 012 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , See <07200 +ra>ah > , thou sayest <00559 +>amar > unto me , Bring <05927 +<alah > up this <02088 +zeh > people <05971 +<am > : and thou hast not let me know <03045 +yada< > whom thou wilt send <07971 +shalach > with me . Yet thou hast said <00559 +>amar > , I know <03045 +yada< > thee by name <08034 +shem > , and thou hast also <01571 +gam > found <04672 +matsa> > grace <02580 +chen > in my sight <05869 +<ayin > .

04872 EXO 033 017 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , I will do <06213 +<asah > this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > also <01571 +gam > that thou hast spoken <01696 +dabar > : for thou hast found <04672 +matsa> > grace <02580 +chen > in my sight <05869 +<ayin > , and I know <03045 +yada< > thee by name <08034 +shem > .

04872 EXO 034 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Hew <06458 +pacal > thee two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of stone <68> like unto the first <07223 +ri>shown > : and I will write <03789 +kathab > upon [ these ] tables <03871 +luwach > the

words <01697 +dabar > that were in the first <07223 +ri>shown > tables <03871 +luwach > , which <00834 +>aher > thou brakest <07665 +shabar > .

04872 EXO 034 004 And he hewed <06458 +pacal > two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of stone <68> like unto the first <07223 +ri>shown > ; and Moses <{04872} +Mosheh > rose <07925 +shakam > up early <07925 +shakam > in the morning <01242 +boqer > , and went <05927 +<alah > up unto mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > him , and took <03947 +laqach > in his hand <03027 +yad > the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of stone <68> .

04872 EXO 034 008 And Moses <{04872} +Mosheh > made haste <04116 +mahar > , and bowed <06915 +qadad > his head toward the earth <00776 +>erets > , and worshipped <07812 +shachah > .

04872 EXO 034 027 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Write <03789 +kathab > thou these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > : for after <05921 +<al > the tenor <06310 +peh > of these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > I have made <03772 +karath > a covenant <01285 +b@riyth > with thee and with Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 EXO 034 029 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <04872 +Mosheh > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > with the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of testimony <5715> in Moses <04872 +Mosheh > hand <03027 +yad > , when he came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > , that Moses <{04872} +Mosheh > wist <03045 +yada< > not that the skin <05785 +<owr > of his face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > while he talked <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 034 029 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <04872 +Mosheh > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > with the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of testimony <5715> in Moses <{04872} +Mosheh > hand <03027 +yad > , when he came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > , that Moses <04872 +Mosheh > wist <03045 +yada< > not that the skin <05785 +<owr > of his face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > while he talked <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 034 029 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <{04872} +Mosheh > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > with the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of testimony <5715> in Moses <04872 +Mosheh > hand <03027 +yad > , when he came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > , that Moses <04872 +Mosheh > wist <03045 +yada< > not that the skin <05785 +<owr > of his face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > while he talked <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 034 031 And Moses <04872 +Mosheh > called <07121 +qara> > unto them ; and Aaron <00175 +>Aharown > and all <03605 +kol > the rulers <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > returned <07725 +shuwb > unto him : and Moses <{04872} +Mosheh > talked <01696 +dabar > with them .

04872 EXO 034 031 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > unto them ; and Aaron <00175 +>Aharown > and all <03605 +kol > the rulers <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > returned <07725 +shuwb > unto him : and Moses <04872 +Mosheh > talked <01696 +dabar > with them .

04872 EXO 034 030 And when Aaron <00175 +>Aharown > and all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > Moses <{04872} +Mosheh > , behold <02009 +hinneh > , the skin <05785 +<owr > of his face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > ; and they were afraid <03372 +yare> > to come <05066 +nagash > nigh <05066 +nagash > him .

04872 EXO 002 010 And the child <03206 +yeled > grew <01431 +gadal > , and she brought <00935 +bow> > him unto Pharaoh s <06547 +Par<oh > daughter <01323 +bath > , and he became <01961 +hayah > her son <01121 +ben > . And she called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Moses <{04872} +Mosheh > : and she said <00559 +>amar > , Because <03588 +kiy > I drew <04871 +mashah > him out of the water <04325 +mayim > .

04872 EXO 002 011 . And it came <01961 +hayah > to pass in those <01992 +hem > days <03117 +yowm > , when Moses <{04872} +Mosheh > was grown <01431 +gadal > , that he went <03318 +yatsa> > out unto his brethren <00251 +>ach > , and looked <07200 +ra>ah > on their burdens <05450 +c@balah > : and he spied <07200 +ra>ah > an Egyptian <04713 +Mitsriy > smiting <05221 +nakah > an Hebrew <05680 +<Ibriy > , one of his brethren <00251 +>ach > .

04872 EXO 002 014 And he said <00559 +>amar > , Who <04310 +miy > made <07760 +suwm > thee a prince <08269 +sar > and a judge <08199 +shaphat > over <05921 +<al > us ? intendest <00559 +>amar > thou to kill <02026 +harag > me , as thou killedst <02026 +harag > the Egyptian <04713 +Mitsriy > ? And Moses <{04872} +Mosheh > feared <03372 +yare> > , and said <00559 +>amar > , Surely <00403 +>aken > this thing <01697 +dabar > is known <03045 +yada< > .

04872 EXO 002 015 Now when Pharaoh <06547 +Par<oh > heard <08085 +shama< > this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > , he sought <01245 +baqash > to slay <02026 +harag > Moses <04872 +Mosheh > . But Moses <{04872} +Mosheh > fled <01272 +barach > from the face <06440 +paniym > of Pharaoh <06547 +Par<oh > , and dwelt <03427 +yashab > in the land <00776 +>erets > of Midian <04080 +Midyan > : and he sat <03427 +yashab > down by a well <00875 +@>er > .

04872 EXO 002 015 Now when Pharaoh <06547 +Par<oh > heard <08085 +shama< > this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > , he sought <01245 +baqash > to slay <02026 +harag > Moses <{04872} +Mosheh > . But Moses <04872 +Mosheh > fled <01272 +barach > from the face <06440 +paniym > of Pharaoh <06547 +Par<oh > , and dwelt <03427 +yashab > in the land <00776 +>erets > of Midian <04080 +Midyan > : and he sat <03427 +yashab > down by a well <00875 +@>er > .

04872 EXO 002 017 And the shepherds <07462 +ra<ah > came <00935 +bow> > and drove <01644 +garash > them away : but Moses <{04872} +Mosheh > stood <06965 +quwm > up and helped <03467 +yasha< > them , and watered <08248 +shaqah > their flock <06629 +tso>n > .

04872 EXO 002 021 And Moses <04872 +Mosheh > was content <02974 +ya>al > to dwell <03427 +yashab > with the man <00376 +>iysh > : and he gave <05414 +nathan > Moses <{04872} +Mosheh > Zipporah <03855 +Lahad > his daughter <01323 +bath > .

04872 EXO 002 021 And Moses <{04872} +Mosheh > was content <02974 +ya>al > to dwell <03427 +yashab > with the man <00376 +>iysh > : and he gave <05414 +nathan > Moses <04872 +Mosheh >

Zipporah <03855 +Lahad > his daughter <01323 +bath > .

04872 EXO 003 001 . Now Moses <{04872} +Mosheh > kept <07462 +ra<ah > the flock <06629 +tso>n > of Jethro <03503 +Yithrow > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , the priest <03548 +kohen > of Midian <04080 +Midyan > : and he led <05090 +nahag > the flock <06629 +tso>n > to the backside <00310 +>achar > of the desert <04057 +midbar > , and came <00935 +bow> > to the mountain <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > , [ even ] to Horeb <02722 +Choreb > .

04872 EXO 003 003 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , I will now <04994 +na> > turn <05493 +cuwr > aside , and see <07200 +ra>ah > this <02088 +zeh > great <01419 +gadowl > sight <04758 +mar>eh > , why <04069 +madduwa< > the bush <05572 +c@nah > is not burnt <01197 +ba<ar > .

04872 EXO 003 004 And when the LORD <03068 +Y@hovah > saw <07200 +ra>ah > that he turned <05493 +cuwr > aside to see <07200 +ra>ah > , God <00430 +>elohiym > called <07121 +qara> > unto him out of the midst <08432 +tavek > of the bush <05572 +c@nah > , and said <00559 +>amar > , Moses <04872 +Mosheh > , Moses <{04872} +Mosheh > . And he said <00559 +>amar > , Here <02009 +hinneh > [ am ] I .

04872 EXO 003 004 And when the LORD <03068 +Y@hovah > saw <07200 +ra>ah > that he turned <05493 +cuwr > aside to see <07200 +ra>ah > , God <00430 +>elohiym > called <07121 +qara> > unto him out of the midst <08432 +tavek > of the bush <05572 +c@nah > , and said <00559 +>amar > , Moses <{04872} +Mosheh > , Moses <04872 +Mosheh > . And he said <00559 +>amar > , Here <02009 +hinneh > [ am ] I .

04872 EXO 003 006 Moreover he said <00559 +>amar > , I [ am ] the God <00430 +>elohiym > of thy father <1> , the God <00430 +>elohiym > of Abraham <85> , the God <00430 +>elohiym > of Isaac <03327 +Yitschaq > , and the God <00430 +>elohiym > of Jacob <03290 +Ya<aqob > . And Moses <{04872} +Mosheh > hid <05641 +cathar > his face <06440 +paniym > ; for he was afraid <03372 +yare> > to look <05027 +nabat > upon God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 003 011 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto God <00430 +>elohiym > , Who <04310 +miy > [ am ] I , that I should go <03212 +yalak > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and that I should bring <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > ?

04872 EXO 003 013 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto God <00430 +>elohiym > , Behold <02009 +hinneh > , [ when ] I come <00935 +bow> > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , and shall say <00559 +>amar > unto them , The God <00430 +>elohiym > of your fathers <1> hath sent <07971 +shalach > me unto you ; and they shall say <00559 +>amar > to me , What <04100 +mah > [ is ] his name <08034 +shem > ? what <04100 +mah > shall I say <00559 +>amar > unto them ?

04872 EXO 003 014 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , I AM <01961 +hayah > THAT I AM <01961 +hayah > : and he said <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh > shalt thou say <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , I AM <01961 +hayah > hath sent <07971 +shalach > me unto you .

04872 EXO 003 015 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar

> moreover <05750 +<owd > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Thus <03541 +koh > shalt thou say <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , The LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of your fathers <1> , the God <00430 +>elohiym > of Abraham <85> , the God <00430 +>elohiym > of Isaac <03327 +Yitschaq > , and the God <00430 +>elohiym > of Jacob <03290 +Ya<aqob > , hath sent <07971 +shalach > me unto you : this <02088 +zeh > [ is ] my name <08034 +shem > for ever <05769 +<owlam > , and this <02088 +zeh > [ is ] my memorial <02143 +zeker > unto all generations <01755 +dowr > .

04872 EXO 004 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > answered <06030 +<anah > and said <00559 +>amar > , But , behold <02005 +hen > , they will not believe <00539 +>aman > me , nor <03808 +lo> > hearken <08085 +shama< > unto my voice <06963 +qowl > : for they will say <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > hath not appeared <07200 +ra>ah > unto thee .

04872 EXO 004 003 And he said <00559 +>amar > , Cast <07993 +shalak > it on the ground <00776 +>erets > . And he cast <07993 +shalak > it on the ground <00776 +>erets > , and it became <01961 +hayah > a serpent <05175 +nachash > ; and Moses <{04872} +Mosheh > fled <05127 +nuwc > from before <06440 +paniym > it .

04872 EXO 004 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Put <07971 +shalach > forth <07971 +shalach > thine hand <03027 +yad > , and take <00270 +>achaz > it by the tail <02180 +zanab > . And he put <07971 +shalach > forth <07971 +shalach > his hand <03027 +yad > , and caught <02388 +chazaq > it , and it became <01961 +hayah > a rod <04294 +matteh > in his hand <03709 +kaph > :

04872 EXO 004 010 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the LORD <00136 +>Adonay > , O my Lord <03068 +Y@hovah > , I [ am ] not eloquent <01697 +dabar > , neither <01571 +gam > heretofore <08543 +t@mowl > , nor <01571 +gam > since <00227 +>az > thou hast spoken <01696 +dabar > unto thy servant <05650 +<ebed > : but I [ am ] slow <03515 +kabed > of speech <06310 +peh > , and of a slow <00750 +>arek > tongue <03956 +lashown > .

04872 EXO 004 014 And the anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > was kindled <02734 +charah > against Moses <{04872} +Mosheh > , and he said <00559 +>amar > , [ Is ] not Aaron <00175 +>Aharown > the Levite <03881 +Leviyiy > thy brother <00251 +>ach > ? I know <03045 +yada< > that he can speak <01696 +dabar > well . And also <01571 +gam > , behold <02009 +hinneh > , he cometh <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > to meet <07125 +qir>ah > thee : and when he seeth <07200 +ra>ah > thee , he will be glad <08056 +sameach > in his heart <03820 +leb > .

04872 EXO 004 018 . And Moses <04872 +Mosheh > went <03212 +yalak > and returned <07725 +shuwb > to Jethro <03503 +Yithrow > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and said <00559 +>amar > unto him , Let me go <03212 +yalak > , I pray <04994 +na> > thee , and return <07725 +shuwb > unto my brethren <00251 +>ach > which <00834 +>aher > [ are ] in Egypt <04714 +Mitsrayim > , and see <07200 +ra>ah > whether <05750 +<owd > they be yet <05750 +<owd > alive <02416 +chay > . And Jethro <03503 +Yithrow > said <00559 +>amar > to Moses <{04872} +Mosheh > , Go <03212 +yalak > in peace <07965 +shalowm > .

04872 EXO 004 018 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <03212 +yalak > and returned <07725 +shuwb > to Jethro <03503 +Yithrow > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and

said <00559 +>amar > unto him , Let me go <03212 +yalak > , I pray <04994 +na> > thee , and return <07725 +shuwb > unto my brethren <00251 +>ach > which <00834 +>aher > [ are ] in Egypt <04714 +Mitsrayim > , and see <07200 +ra>ah > whether <05750 +<owd > they be yet <05750 +<owd > alive <02416 +chay > . And Jethro <03503 +Yithrow > said <00559 +>amar > to Moses <04872 +Mosheh > , Go <03212 +yalak > in peace <07965 +shalowm > .

04872 EXO 004 019 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in Midian <04080 +Midyan > , Go <03212 +yalak > , return <07725 +shuwb > into Egypt <04714 +Mitsrayim > : for all <03605 +kol > the men <00582 +>enowsh > are dead <04191 +muwth > which sought <01245 +baqash > thy life <05315 +nephesh > .

04872 EXO 004 020 And Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > his wife <00802 +>ishshah > and his sons <01121 +ben > , and set <07392 +rakab > them upon an ass <02543 +chamowr > , and he returned <07725 +shuwb > to the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > : and Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the rod <04294 +matteh > of God <00430 +>elohiym > in his hand <03027 +yad > .

04872 EXO 004 020 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > his wife <00802 +>ishshah > and his sons <01121 +ben > , and set <07392 +rakab > them upon an ass <02543 +chamowr > , and he returned <07725 +shuwb > to the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > : and Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > the rod <04294 +matteh > of God <00430 +>elohiym > in his hand <03027 +yad > .

04872 EXO 004 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , When thou goest <03212 +yalak > to return <07725 +shuwb > into Egypt <04714 +Mitsrayim > , see <07200 +ra>ah > that thou do <06213 +<asah > all <03605 +kol > those wonders <04159 +mowpheth > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > , which <00834 +>aher > I have put <07760 +suwm > in thine hand <03027 +yad > : but I will harden <02388 +chazaq > his heart <03820 +leb > , that he shall not let the people <05971 +<am > go <07971 +shalach > .

04872 EXO 004 027 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > to Aaron <00175 +>Aharown > , Go <03212 +yalak > into the wilderness <04057 +midbar > to meet <07125 +qir>ah > Moses <{04872} +Mosheh > . And he went <03212 +yalak > , and met <06298 +pagash > him in the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > , and kissed <05401 +nashaq > him .

04872 EXO 004 028 And Moses <{04872} +Mosheh > told <05046 +nagad > Aaron <00175 +>Aharown > all <03605 +kol > the words <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > who <00834 +>aher > had sent <07971 +shalach > him , and all <03605 +kol > the signs <00226 +>owth > which <00834 +>aher > he had commanded <06680 +tsavah > him .

04872 EXO 004 029 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <03212 +yalak > and gathered <00622 +>acaph > together all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 EXO 004 030 And Aaron <00175 +>Aharown > spake <01696 +dabar > all <03605 +kol > the words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had spoken <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , and did <06213 +<asah > the signs <00226 +>owth > in the sight <05869 +<ayin > of the people <05971 +<am > .

04872 EXO 005 001 . And afterward <00310 +>achar > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <00935 +bow> > in , and told <00559 +>amar > Pharaoh <06547 +Par<oh > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > , Let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may hold a feast <02287 +chagag > unto me in the wilderness <04057 +midbar > .

04872 EXO 005 004 And the king <04428 +melek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > said <00559 +>amar > unto them , Wherefore <04100 +mah > do ye , Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , let <06544 +para< > the people <05971 +<am > from their works <04639 +ma<aseh > ? get <03212 +yalak > you unto your burdens <05450 +c@balah > .

04872 EXO 005 020 And they met <06293 +paga< > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , who <04310 +miy > stood <05324 +natsab > in the way <07125 +qir>ah > , as they came <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > from Pharaoh <06547 +Par<oh > :

04872 EXO 005 022 And Moses <{04872} +Mosheh > returned <07725 +shuwb > unto the LORD <00136 +>Adonay > , and said <00559 +>amar > , Lord <03068 +Y@hovah > , wherefore <04100 +mah > hast thou [ so ] evil <07489 +ra<a< > entreated this <02088 +zeh > people <05971 +<am > ? why <04100 +mah > [ is ] it [ that ] thou hast sent <07971 +shalach > me ?

04872 EXO 006 001 . Then the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Now <06258 +<attah > shalt thou see <07200 +ra>ah > what I will do <06213 +<asah > to Pharaoh <06547 +Par<oh > : for with a strong <02389 +chazaq > hand <03027 +yad > shall he let them go <07971 +shalach > , and with a strong <02389 +chazaq > hand <03027 +yad > shall he drive <01644 +garash > them out of his land <00776 +>erets > .

04872 EXO 006 002 And God <00430 +>elohiym > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > unto him , I [ am ] the LORD <03068 +Y@hovah > :

04872 EXO 006 009 And Moses <04872 +Mosheh > spake <01696 +dabar > so <03651 +ken > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > : but they hearkened <08085 +shama< > not unto Moses <{04872} +Mosheh > for anguish <07115 +qotser > of spirit <07307 +ruwach > , and for cruel <07185 +qashah > bondage <05656 +<abodah > .

04872 EXO 006 009 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > so <03651 +ken > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > : but they hearkened <08085 +shama< > not unto Moses <04872 +Mosheh > for anguish <07115 +qotser > of spirit <07307 +ruwach > , and for cruel <07185 +qashah > bondage <05656 +<abodah > .

04872 EXO 006 010 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 006 012 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , Behold <02005 +hen > , the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > have not hearkened <08085 +shama< > unto me ; how then shall Pharaoh <06547 +Par<oh > hear <08085 +shama< > me , who <00589 +>aniy > [ am ] of uncircumcised <06189 +<arel > lips <08193 +saphah > ?

04872 EXO 006 013 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , and gave them a charge <06680 +tsavah > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , and unto Pharaoh <06547 +Par<oh > king <04428 +melek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , to bring <00935 +bow> > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 006 020 And Amram <06019 +<Amram > took <03947 +laqach > him Jochebed <03115 +Yowkebed > his father s <01733 +dowdah > sister <01733 +dowdah > to wife <00802 +>ishshah > ; and she bare <03205 +yalad > him Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > : and the years <08141 +shaneh > of the life <02416 +chay > of Amram <06019 +<Amram > [ were ] an hundred <03967 +me>ah > and thirty <07970 +sh@lowshiym > and seven <07651 +sheba< > years <08141 +shaneh > .

04872 EXO 006 026 These <01931 +huw> > [ are ] that Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > , to whom <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > , Bring <03318 +yatsa> > out the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > from the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > according to their armies <06635 +tsaba> > .

04872 EXO 006 027 These <01992 +hem > [ are ] they which spake <01696 +dabar > to Pharaoh <06547 +Par<oh > king <04428 +melek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , to bring <03318 +yatsa> > out the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > from Egypt <04714 +Mitsrayim > : these [ are ] that Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 EXO 006 028 And it came <01961 +hayah > to pass on the day <03117 +yowm > [ when ] the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > ,

04872 EXO 006 029 That the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , I [ am ] the LORD <03068 +Y@hovah > : speak <01696 +dabar > thou unto Pharaoh <06547 +Par<oh > king <04428 +melek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > all <03605 +kol > that I say <01696 +dabar > unto thee .

04872 EXO 006 030 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , Behold <02005 +hen > , I [ am ] of uncircumcised <06189 +<arel > lips <08193 +saphah > , and how <00349 +>eyk > shall Pharaoh <06547 +Par<oh > hearken <08085 +shama< > unto me ?

04872 EXO 007 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , See <07200 +ra>ah > , I have made <05414 +nathan > thee a god <00430 +>elohiym > to Pharaoh <06547 +Par<oh > : and Aaron <00175 +>Aharown > thy brother <00251 +>ach > shall be thy prophet <05030 +nabiy> > .

04872 EXO 007 006 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > them , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 EXO 007 007 And Moses <{04872} +Mosheh > [ was ] fourscore <08084 +sh@moniym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > , and Aaron <00175 +>Aharown > fourscore <08084 +sh@moniym > and three <07969 +shalowsh > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben

> , when they spake <01696 +dabar > unto Pharaoh <06547 +Par<oh
> .

04872 EXO 007 008 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175
+>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 007 010 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > went <00935 +bow> > in unto Pharaoh <06547 +Par<oh >
, and they did <06213 +<asah > so <03651 +ken > as the LORD
<03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > : and Aaron
<00175 +>Aharown > cast <07993 +shalak > down his rod <04294
+matteh > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > , and
before <06440 +paniym > his servants <05650 +<ebed > , and it
became <01961 +hayah > a serpent <08577 +tanniyn > .

04872 EXO 007 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Pharaoh s <06547
+Par<oh > heart <03820 +leb > [ is ] hardened <03515 +kabed > ,
he refuseth <03985 +ma>en > to let the people <05971 +<am > go
<07971 +shalach > .

04872 EXO 007 019 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Say <00559 +>amar >
unto Aaron <00175 +>Aharown > , Take <03947 +laqach > thy rod
<04294 +matteh > , and stretch <05186 +natah > out thine hand
<03027 +yad > upon the waters <04325 +mayim > of Egypt <04714
+Mitsrayim > , upon their streams <05104 +nahar > , upon their
rivers <02975 +y@<or > , and upon their ponds <98> , and upon
all <03605 +kol > their pools <04723 +miqveh > of water <04325
+mayim > , that they may become <01961 +hayah > blood <01818
+dam > ; and [ that ] there may be blood <01818 +dam >
throughout all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt
<04714 +Mitsrayim > , both <08147 +sh@nayim > in [ vessels of ]
wood <06086 +<ets > , and in [ vessels of ] stone <68> .

04872 EXO 007 020 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > did <06213 +<asah > so <03651 +ken > , as the LORD
<03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > ; and he lifted
<07311 +ruwm > up the rod <04294 +matteh > , and smote <05221
+nakah > the waters <04325 +mayim > that [ were ] in the river
<02975 +y@<or > , in the sight <05869 +<ayin > of Pharaoh <06547
+Par<oh > , and in the sight <05869 +<ayin > of his servants
<05650 +<ebed > ; and all <03605 +kol > the waters <04325 +mayim
> that [ were ] in the river <02975 +y@<or > were turned <02015
+haphak > to blood <01818 +dam > .

04872 EXO 008 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <00935 +bow> > unto
Pharaoh <06547 +Par<oh > , and say <00559 +>amar > unto him ,
Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068
+Y@hovah > , Let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > ,
that they may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 008 005 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Say <00559 +>amar >
unto Aaron <00175 +>Aharown > , Stretch <05186 +natah > forth
thine hand <03027 +yad > with thy rod <04294 +matteh > over
<05921 +<al > the streams <05104 +nahar > , over <05921 +<al >
the rivers <02975 +y@<or > , and over <05921 +<al > the ponds
<98> , and cause frogs <06854 +ts@phardea< > to come <05927
+<alah > up upon the land <00776 +>erets > of Egypt <04714
+Mitsrayim > .

04872 EXO 008 008 Then Pharaoh <06547 +Par<oh > called <07121
+qara> > for Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown

> , and said <00559 +>amar > , Intreat <06279 +<athar > the LORD <03068 +Y@hovah > , that he may take <05493 +cuwr > away the frogs <06854 +ts@phardea< > from me , and from my people <05971 +<am > ; and I will let the people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may do sacrifice <02076 +zabach > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 008 009 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , Glory <06286 +pa>ar > over <05921 +<al > me : when <04970 +mathay > shall I intreat <06279 +<athar > for thee , and for thy servants <05650 +<ebed > , and for thy people <05971 +<am > , to destroy <03772 +karath > the frogs <06854 +ts@phardea< > from thee and thy houses <01004 +bayith > , [ that ] they may remain <07604 +sha>ar > in the river <02975 +y@<or > only ?

04872 EXO 008 012 And Moses <04872 +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <03318 +yatsa> > out from Pharaoh <06547 +Par<oh > : and Moses <{04872} +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > because of the frogs <06854 +ts@phardea< > which <00834 +>aher > he had brought <07760 +suwm > against Pharaoh <06547 +Par<oh > .

04872 EXO 008 012 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <03318 +yatsa> > out from Pharaoh <06547 +Par<oh > : and Moses <04872 +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > because of the frogs <06854 +ts@phardea< > which <00834 +>aher > he had brought <07760 +suwm > against Pharaoh <06547 +Par<oh > .

04872 EXO 008 013 And the LORD <03068 +Y@hovah > did <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar > of Moses <{04872} +Mosheh > ; and the frogs <06854 +ts@phardea< > died <04191 +muwth > out of the houses <01004 +bayith > , out of the villages <02691 +chatser > , and out of the fields <07704 +sadeh > .

04872 EXO 008 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Say <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Stretch <05186 +natah > out thy rod <04294 +matteh > , and smite <05221 +nakah > the dust <06083 +<aphar > of the land <00776 +>erets > , that it may become <01961 +hayah > lice <03654 +ken > throughout all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 008 020 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Rise <07925 +shakam > up early <07925 +shakam > in the morning <01242 +boqer > , and stand <03320 +yatsab > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > ; lo <02009 +hinneh > , he cometh <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > to the water <04325 +mayim > ; and say <00559 +>amar > unto him , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , Let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 008 025 And Pharaoh <06547 +Par<oh > called <07121 +qara> > for Moses <{04872} +Mosheh > and for Aaron <00175 +>Aharown > , and said <00559 +>amar > , Go <03212 +yalak > ye , sacrifice <02076 +zabach > to your God <00430 +>elohiym > in the land <00776 +>erets > .

04872 EXO 008 026 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , It is not meet <03559 +kuwn > so <03651 +ken > to do <06213 +<asah > ; for we shall sacrifice <02076 +zabach > the abomination <08441 +tow<ebah > of the Egyptians <04714 +Mitsrayim > to the LORD <03068 +Y@hovah > our God <00430

+>elohiym > : lo <02005 +hen > , shall we sacrifice <02076 +zabach > the abomination <08441 +tow<ebah > of the Egyptians <04714 +Mitsrayim > before their eyes <05869 +<ayin > , and will they not stone <05619 +caqal > us ?

04872 EXO 008 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , I go<03318 +yatsa> > out from thee , and I will intreat <06279 +<athar > the LORD <03068 +Y@hovah > that the swarms <06157 +<arob > [ of flies ] may depart <05493 +cuwr > from Pharaoh <06547 +Par<oh > , from his servants <05650 +<ebed > , and from his people <05971 +<am > , to morrow <04279 +machar > : but let not Pharaoh <06547 +Par<oh > deal deceitfully <02048 +hathal > any <03254 +yacaph > more <03254 +yacaph > in not letting the people <05971 +<am > go <07971 +shalach > to sacrifice <02076 +zabach > to the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 008 030 And Moses <{04872} +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out from Pharaoh <06547 +Par<oh > , and intreated <06279 +<athar > the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 008 031 And the LORD <03068 +Y@hovah > did <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar > of Moses <{04872} +Mosheh > ; and he removed <05493 +cuwr > the swarms <06157 +<arob > [ of flies ] from Pharaoh <06547 +Par<oh > , from his servants <05650 +<ebed > , and from his people <05971 +<am > ; there remained <07604 +sha>ar > not one <00259 +>echad > .

04872 EXO 009 001 . Then the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <00935 +bow> > in unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and tell <01696 +dabar > him , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of the Hebrews <05680 +<Ibriy > , Let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 009 008 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <04872 +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , Take <03947 +laqach > to you handfuls of ashes <06368 +piyach > of the furnace <03536 +kibshan > , and let Moses <{04872} +Mosheh > sprinkle <02236 +zaraq > it toward the heaven <08064 +shamayim > in the sight <05869 +<ayin > of Pharaoh <06547 +Par<oh > .

04872 EXO 009 008 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , Take <03947 +laqach > to you handfuls of ashes <06368 +piyach > of the furnace <03536 +kibshan > , and let Moses <04872 +Mosheh > sprinkle <02236 +zaraq > it toward the heaven <08064 +shamayim > in the sight <05869 +<ayin > of Pharaoh <06547 +Par<oh > .

04872 EXO 009 010 And they took <03947 +laqach > ashes <06368 +piyach > of the furnace <03536 +kibshan > , and stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > ; and Moses <{04872} +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > it up toward heaven <08064 +shamayim > ; and it became <01961 +hayah > a boil <07822 +sh@chiyn > breaking <06524 +parach > forth [ with ] blains <76> upon man <00120 +>adam > , and upon beast <00929 +b@hemah > .

04872 EXO 009 011 And the magicians <02748 +chartom > could <03201 +yakol > not stand <05975 +<amad > before <06440 +paniym > Moses <{04872} +Mosheh > because <06440 +paniym > of the boils <07822 +sh@chiyn > ; for the boil <07822 +sh@chiyn > was upon the magicians <02748 +chartom > , and upon all <03605 +kol > the

Egyptians <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 009 012 And the LORD <03068 +Y@hovah > hardened <02388 +chazaq > the heart <03820 +leb > of Pharaoh <06547 +Par<oh > , and he hearkened <08085 +shama< > not unto them ; as the LORD <03068 +Y@hovah > had spoken <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 009 013 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Rise <06965 +quwm > up early <07925 +shakam > in the morning <01242 +boqer > , and stand <03320 +yatsab > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > , and say <00559 +>amar > unto him , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of the Hebrews <05680 +<Ibriy > , Let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 009 022 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Stretch <05186 +natah > forth thine hand <03027 +yad > toward heaven <08064 +shamayim > , that there may be hail <01259 +barad > in all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , upon man <00120 +>adam > , and upon beast <00929 +b@hemah > , and upon every <03605 +kol > herb <06212 +<eseb > of the field <07704 +sadeh > , throughout the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 009 023 And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > forth his rod <04294 +matteh > toward heaven <08064 +shamayim > : and the LORD <03068 +Y@hovah > sent <05414 +nathan > thunder <06963 +qowl > and hail <01259 +barad > , and the fire <00784 +>esh > ran <01980 +halak > along upon the ground <00776 +>erets > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > rained <04305 +matar > hail <01259 +barad > upon the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 009 027 And Pharaoh <06547 +Par<oh > sent <07971 +shalach > , and called <07121 +qara> > for Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , and said <00559 +>amar > unto them , I have sinned <02398 +chata> > this time <06471 +pa<am > : the LORD <03068 +Y@hovah > [ is ] righteous <06662 +tsaddiyq > , and I and my people <05971 +<am > [ are ] wicked <07563 +rasha< > .

04872 EXO 009 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto him , As soon as I am gone <03318 +yatsa> > out of the city <05892 +<iyr > , I will spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > my hands <03709 +kaph > unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; [ and ] the thunder <06963 +qowl > shall cease <02308 +chadal > , neither <03808 +lo> > shall there be any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > hail <01259 +barad > ; that thou mayest know <03045 +yada< > how that the earth <00776 +>erets > [ is ] the LORD S <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 009 033 And Moses <{04872} +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out of the city <05892 +<iyr > from Pharaoh <06547 +Par<oh > , and spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > his hands <03709 +kaph > unto the LORD <03068 +Y@hovah > : and the thunders <06963 +qowl > and hail <01259 +barad > ceased <02308 +chadal > , and the rain <04306 +matar > was not poured <05413 +nathak > upon the earth <00776 +>erets > .

04872 EXO 009 035 And the heart <03820 +leb > of Pharaoh <06547 +Par<oh > was hardened <02388 +chazaq > , neither <03808 +lo> > would he let the children <01121 +ben > of Israel <03478

+Yisra>el > go <07971 +shalach > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > had spoken <01696 +dabar > by Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 010 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <00935 +bow> > in unto Pharaoh <06547 +Par<oh > : for I have hardened <03513 +kabad > his heart <03820 +leb > , and the heart <03820 +leb > of his servants <05650 +<ebed > , that I might shew <07896 +shiyth > these <00428 +>el - leh > my signs <00226 +>owth > before <07130 +qereb > him :

04872 EXO 010 003 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > came <00935 +bow> > in unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and said <00559 +>amar > unto him , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of the Hebrews <05680 +<Ibriy > , How <05704 +<ad > long <04970 +mathay > wilt thou refuse <03985 +ma>en > to humble <06031 +<anah > thyself before <06440 +paniym > me ? let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 010 008 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > were brought <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > : and he said <00559 +>amar > unto them , Go <03212 +yalak > , serve <05647 +<abad > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > : [ but ] who <04310 +miy > [ are ] they that shall go <01980 +halak > ?

04872 EXO 010 009 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , We will go <03212 +yalak > with our young <05288 +na<ar > and with our old <02205 +zaqen > , with our sons <01121 +ben > and with our daughters <01121 +ben > , with our flocks <06629 +tso>n > and with our herds <01241 +baqar > will we go <03212 +yalak > ; for we [ must hold ] a feast <02282 +chag > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 010 012 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Stretch <05186 +natah > out thine hand <03027 +yad > over <05921 +<al > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > for the locusts <00697 +>arbeh > , that they may come <05927 +<alah > up upon the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and eat <00398 +>akal > every <03605 +kol > herb <06212 +<eseb > of the land <00776 +>erets > , [ even <00853 +>eth > ] all <03605 +kol > that the hail <01259 +barad > hath left <07604 +sha>ar > .

04872 EXO 010 013 And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > forth his rod <04294 +matteh > over <05921 +<al > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and the LORD <03068 +Y@hovah > brought <05090 +nahag > an east <06921 +qadiym > wind <07307 +ruwach > upon the land <00776 +>erets > all <03605 +kol > that day <03117 +yowm > , and all <03605 +kol > [ that ] night <03915 +layil > ; [ and ] when it was morning <01242 +boqer > , the east <06921 +qadiym > wind <07307 +ruwach > brought <05375 +nasa> > the locusts <00697 +>arbeh > .

04872 EXO 010 016 Then Pharaoh <06547 +Par<oh > called <07121 +qara> > for Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > in haste <04116 +mahar > ; and he said <00559 +>amar > , I have sinned <02398 +chata> > against the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > , and against you .

04872 EXO 010 021 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Stretch <05186 +natah > out thine hand <03027 +yad > toward heaven <08064 +shamayim > , that there may be darkness <02822 +choshek > over <05921 +<al >

the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , even darkness <02822 +choshek > [ which ] may be felt <04959 +mashash > .

04872 EXO 010 022 And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > forth his hand <03027 +yad > toward heaven <08064 +shamayim > ; and there was a thick <00653 +>aphelah > darkness <02822 +choshek > in all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > :

04872 EXO 010 024 And Pharaoh <06547 +Par<oh > called <07121 +qara> > unto Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Go <03212 +yalak > ye , serve <05647 +<abad > the LORD <03068 +Y@hovah > ; only let your flocks <06629 +tso>n > and your herds <01241 +baqar > be stayed <03322 +yatsag > : let your little <02945 +taph > ones also <01571 +gam > go <03212 +yalak > with you .

04872 EXO 010 025 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Thou must give <05414 +nathan > us also <01571 +gam > sacrifices <02077 +zebach > and burnt <05930 +<olah > offerings , that we may sacrifice <02077 +zebach > unto the LORD <03068 +Y@hovah > our God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 010 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Thou hast spoken <01696 +dabar > well <03651 +ken > , I will see <07200 +ra>ah > thy face <06440 +paniym > again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > .

04872 EXO 011 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Yet <05750 +<owd > will I bring <00935 +bow> > one <00259 +>echad > plague <05061 +nega< > [ more ] upon Pharaoh <06547 +Par<oh > , and upon Egypt <04714 +Mitsrayim > ; afterwards he will let you go <07971 +shalach > hence <02088 +zeh > : when he shall let [ you ] go <07971 +shalach > , he shall surely thrust <01644 +garash > you out hence <02088 +zeh > altogether <03617 +kalah > .

04872 EXO 011 003 And the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > the people <05971 +<am > favour <02580 +chen > in the sight <05869 +<ayin > of the Egyptians <04714 +Mitsrayim > . Moreover the man <00376 +>iysh > Moses <{04872} +Mosheh > [ was ] very <03966 +m@<od > great <01419 +gadowl > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , in the sight <05869 +<ayin > of Pharaoh s <06547 +Par<oh > servants <05650 +<ebed > , and in the sight <05869 +<ayin > of the people <05971 +<am > .

04872 EXO 011 004 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , About midnight will I go <03318 +yatsa> > out into the midst <08432 +tavek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > :

04872 EXO 011 009 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Pharaoh <06547 +Par<oh > shall not hearken <08085 +shama< > unto you ; that my wonders <04159 +mowpheth > may be multiplied <07235 +rabah > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 011 010 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > did <06213 +<asah > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > wonders <04159 +mowpheth > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > : and the LORD <03068 +Y@hovah > hardened <02388 +chazaq > Pharaoh s <06547 +Par<oh > heart <03820 +leb > , so that he would not let the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > go <07971 +shalach > out of

his land <00776 +>erets > .

04872 EXO 012 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 012 021 . Then Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > for all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto them , Draw <04900 +mashak > out and take <03947 +laqach > you a lamb <06629 +tso>n > according to your families <04940 +mishpachah > , and kill <07819 +shachat > the passover <06453 +pecach > .

04872 EXO 012 028 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > went <03212 +yalak > away , and did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 EXO 012 031 And he called <07121 +qara> > for Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > by night <03915 +layil > , and said <00559 +>amar > , Rise <06965 +quwm > up , [ and ] get <03318 +yatsa> > you forth <03318 +yatsa> > from among <08432 +tavek > my people <05971 +<am > , both <01571 +gam > ye and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and go <03212 +yalak > , serve <05647 +<abad > the LORD <03068 +Y@hovah > , as ye have said <01696 +dabar > .

04872 EXO 012 035 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar > of Moses <{04872} +Mosheh > ; and they borrowed <07592 +sha>al > of the Egyptians <04714 +Mitsrayim > jewels <03627 +k@liy > of silver <03701 +keceph > , and jewels <03627 +k@liy > of gold <02091 +zahab > , and raiment <08071 +simlah > :

04872 EXO 012 043 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , This [ is ] the ordinance <02708 +chuqqah > of the passover <06453 +pecach > : There shall no <03808 +lo> > stranger eat <00398 +>akal > thereof :

04872 EXO 012 050 Thus did <06213 +<asah > all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 EXO 013 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 013 003 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , Remember <02142 +zakar > this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > , in which <00834 +>aher > ye came <03318 +yatsa> > out from Egypt <04714 +Mitsrayim > , out of the house <01004 +bayith > of bondage <05650 +<ebed > ; for by strength <02392 +chozeq > of hand <03027 +yad > the LORD <03068 +Y@hovah > brought <03318 +yatsa> > you out from this <02088 +zeh > [ place ] : there shall no <03808 +lo> > leavened <02557 +chametz > bread be eaten <00398 +>akal > .

04872 EXO 013 019 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the bones <06106 +<etsem > of Joseph <03130 +Yowceph > with him : for he had straitly sworn <07650 +shaba< > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , God <00430 +>elohiym > will surely visit

<06485 +paqad > you ; and ye shall carry <05927 +<alah > up my bones <06106 +<etsem > away hence <02088 +zeh > with you .

04872 EXO 014 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 014 011 And they said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Because <01115 +biltiy > [ there were ] no <00369 +>ayin > graves <06913 +qeber > in Egypt <04714 +Mitsrayim > , hast thou taken <03947 +laqach > us away to die <04191 +muwth > in the wilderness <04057 +midbar > ? wherefore hast thou dealt <06213 +<asah > thus <02063 +zo>th > with us , to carry <03318 +yatsa> > us forth <03318 +yatsa> > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > ?

04872 EXO 014 013 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , Fear <03372 +yare> > ye not , stand <03320 +yatsab > still , and see <07200 +ra>ah > the salvation <03444 +y@shuw<ah > of the LORD <03068 +Y@hovah > , which <00834 +>aher > he will shew <06213 +<asah > to you to day <03117 +yowm > : for the Egyptians <04714 +Mitsrayim > whom <00834 +>aher > ye have seen <07200 +ra>ah > to day <03117 +yowm > , ye shall see <07200 +ra>ah > them again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > for ever <05769 +<owlam > .

04872 EXO 014 015 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Wherefore <04100 +mah > criest <06817 +tsa<aq > thou unto me ? speak <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that they go <05265 +naca< > forward <05265 +naca< > :

04872 EXO 014 021 . And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > out his hand <03027 +yad > over <05921 +<al > the sea <03220 +yam > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > caused the sea <03220 +yam > to go <03212 +yalak > [ back ] by a strong <05794 +<az > east <06921 +qadiym > wind <07307 +ruwach > all <03605 +kol > that night <03915 +layil > , and made <07760 +suwm > the sea <03220 +yam > dry <02724 +charabah > [ land ] , and the waters <04325 +mayim > were divided <01234 +baqa< > .

04872 EXO 014 026 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Stretch <05186 +natah > out thine hand <03027 +yad > over <05921 +<al > the sea <03220 +yam > , that the waters <04325 +mayim > may come <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > upon the Egyptians <04714 +Mitsrayim > , upon their chariots <07393 +rekeb > , and upon their horsemen <06571 +parash > .

04872 EXO 014 027 And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > forth his hand <03027 +yad > over <05921 +<al > the sea <03220 +yam > , and the sea <03220 +yam > returned <07725 +shuwb > to his strength <00386 +>eythan > when the morning <01242 +boqer > appeared <06437 +panah > ; and the Egyptians <04714 +Mitsrayim > fled <05127 +nuwc > against <07125 +qir>ah > it ; and the LORD <03068 +Y@hovah > overthrew <05287 +na<ar > the Egyptians <04714 +Mitsrayim > in the midst <08432 +tavek > of the sea <03220 +yam > .

04872 EXO 014 031 And Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > that great <01419 +gadowl > work <03027 +yad > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > did <06313 +puwg > upon the Egyptians <04714 +Mitsrayim > : and the people <05971 +<am > feared <03372 +yare> > the LORD <03068 +Y@hovah > , and believed <00539 +>aman > the LORD <03068 +Y@hovah > , and his servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 015 001 . Then <00227 +>az > sang <07891 +shiyr > Moses <{04872} +Mosheh > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > this <02063 +zo>th > song <07892 +shiyr > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and spake <00559 +>amar > , saying <00559 +>amar > , I will sing <07891 +shiyr > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , for he hath triumphed <01342 +ga>ah > gloriously : the horse <05483 +cuwc > and his rider <07392 +rakab > hath he thrown <07411 +ramah > into the sea <03220 +yam > .

04872 EXO 015 022 . So Moses <{04872} +Mosheh > brought <05265 +naca< > Israel <03478 +Yisra>el > from the Red <05488 +cuwph > sea <03220 +yam > , and they went <03318 +yatsa> > out into <00413 +>el > the wilderness <04057 +midbar > of Shur <07793 +Shuwr > ; and they went <03212 +yalak > three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > in the wilderness <04057 +midbar > , and found <04672 +matsa> > no <03808 +lo> > water <04325 +mayim > .

04872 EXO 015 024 And the people <05971 +<am > murmured <03885 +luwn > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , What <04100 +mah > shall we drink <08354 +shathah > ?

04872 EXO 016 002 And the whole <03605 +kol > congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > murmured <03885 +luwn > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > in the wilderness <04057 +midbar > :

04872 EXO 016 004 Then said <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Behold <02005 +hen > , I will rain <04305 +matar > bread <03899 +lechem > from heaven <08064 +shamayim > for you ; and the people <05971 +<am > shall go <03318 +yatsa> > out and gather <03950 +laqat > a certain <01697 +dabar > rate <01697 +dabar > every day <03117 +yowm > , that I may prove <05254 +nacah > them , whether they will walk <03212 +yalak > in my law <08451 +towrah > , or no <03808 +lo> > .

04872 EXO 016 006 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > said <00559 +>amar > unto all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , At even <06153 +<ereb > , then ye shall know <03045 +yada< > that the LORD <03068 +Y@hovah > hath brought <03318 +yatsa> > you out from the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > :

04872 EXO 016 008 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , [ This shall be ] , when the LORD <03068 +Y@hovah > shall give <05414 +nathan > you in the evening <06153 +<ereb > flesh <01320 +basar > to eat <00398 +>akal > , and in the morning <01242 +boqer > bread <03899 +lechem > to the full <07646 +saba< > ; for that the LORD <03068 +Y@hovah > heareth <08085 +shama< > your murmurings <08519 +t@luwnah > which <00834 +>aher > ye murmur <03885 +luwn > against <05921 +<al > him : and what <04100 +mah > [ are ] we ? your murmurings <08519 +t@luwnah > [ are ] not against <05921 +<al > us , but against <05921 +<al > the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 016 009 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Say <00559 +>amar > unto all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , Come <07126 +qarab > near <07126 +qarab > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > : for he hath heard <08085 +shama< > your murmurings <08519 +t@luwnah > .

04872 EXO 016 011 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 016 015 And when the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > [ it ] , they said <00559 +>amar > one <00376 +>iysh > to another <00250 +>Ezrachiy > , It [ is ] manna <04478 +man > : for they wist <03045 +yada< > not what <04100 +mah > it [ was ] . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , This <01931 +huw> > [ is ] the bread <03899 +lechem > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath given <05414 +nathan > you to eat <00402 +>oklah > .

04872 EXO 016 019 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Let no <00408 +>al > man <00376 +>iysh > leave <03498 +yathar > of it till <05704 +<ad > the morning <01242 +boqer > .

04872 EXO 016 020 Notwithstanding they hearkened <08085 +shama< > not unto Moses <04872 +Mosheh > ; but some <00582 +>enowsh > of them left <03498 +yathar > of it until <05704 +<ad > the morning <01242 +boqer > , and it bred <07311 +ruwm > worms <08438 +towla< > , and stank <00887 +ba>ash > : and Moses <{04872} +Mosheh > was wroth <07107 +qatsaph > with them .

04872 EXO 016 020 Notwithstanding they hearkened <08085 +shama< > not unto Moses <{04872} +Mosheh > ; but some <00582 +>enowsh > of them left <03498 +yathar > of it until <05704 +<ad > the morning <01242 +boqer > , and it bred <07311 +ruwm > worms <08438 +towla< > , and stank <00887 +ba>ash > : and Moses <04872 +Mosheh > was wroth <07107 +qatsaph > with them .

04872 EXO 016 022 . And it came <01961 +hayah > to pass , [ that ] on the sixth <08345 +shishshiy > day <03117 +yowm > they gathered <03950 +laqat > twice <04932 +mishneh > as much bread <03899 +lechem > , two <08147 +sh@nayim > omers <06016 +<omer > for one <00259 +>echad > [ man ] : and all <03605 +kol > the rulers <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > came <00935 +bow> > and told <05046 +nagad > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 016 024 And they laid <03241 +Yaniym > it up till <05704 +<ad > the morning <01242 +boqer > , as Moses <{04872} +Mosheh > bade <06680 +tsavah > : and it did not stink <00887 +ba>ash > , neither <03808 +lo> > was there any worm <07415 +rimmah > therein .

04872 EXO 016 025 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Eat <00398 +>akal > that to day <03117 +yowm > ; for to day <03117 +yowm > [ is ] a sabbath <07676 +shabbath > unto the LORD <03068 +Y@hovah > : to day <03117 +yowm > ye shall not find <04672 +matsa> > it in the field <07704 +sadeh > .

04872 EXO 016 028 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , How <05704 +<ad > long <05704 +<ad > refuse <03985 +ma>en > ye to keep <08104 +shamar > my commandments <04687 +mitsvah > and my laws <08451 +towrah > ?

04872 EXO 016 032 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , This <02088 +zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commandeth <06680 +tsavah > , Fill <04393 +m@lo> > an omer <06016 +<omer > of it to be kept <04931 +mishmereth > for your generations <01755 +dowr > ; that they may see <07200 +ra>ah > the bread <03899 +lechem > wherewith <00834 +>aher > I have fed <00398 +>akal > you in the wilderness <04057 +midbar > , when I brought <03318 +yatsa> > you forth <03318 +yatsa> > from the land <00776

+>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 016 033 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Take <03947 +laqach > a pot <06803 +tsintseneth > , and put <05414 +nathan > an omer <06016 +<omer > full <04393 +m@lo> > of manna <04478 +man > therein <08033 +sham > , and lay <03241 +Yaniym > it up before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , to be kept <04931 +mishmereth > for your generations <01755 +dowr > .

04872 EXO 016 034 As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so Aaron <00175 +>Aharown > laid <03241 +Yaniym > it up before <06440 +paniym > the Testimony <5715> , to be kept <04931 +mishmereth > .

04872 EXO 017 002 Wherefore the people <05971 +<am > did chide <07378 +riyb > with Moses <04872 +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Give <05414 +nathan > us water <04325 +mayim > that we may drink <08354 +shathah > . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , Why <04100 +mah > chide <07378 +riyb > ye with me ? wherefore <04100 +mah > do ye tempt <05254 +nacah > the LORD <03068 +Y@hovah > ?

04872 EXO 017 002 Wherefore the people <05971 +<am > did chide <07378 +riyb > with Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Give <05414 +nathan > us water <04325 +mayim > that we may drink <08354 +shathah > . And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , Why <04100 +mah > chide <07378 +riyb > ye with me ? wherefore <04100 +mah > do ye tempt <05254 +nacah > the LORD <03068 +Y@hovah > ?

04872 EXO 017 003 And the people <05971 +<am > thirsted <06770 +tsame> > there <08033 +sham > for water <04325 +mayim > ; and the people <05971 +<am > murmured <03885 +luwn > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Wherefore <04100 +mah > [ is ] this <02088 +zeh > [ that ] thou hast brought <05927 +<alah > us up out of Egypt <04714 +Mitsrayim > , to kill <04191 +muwth > us and our children <01121 +ben > and our cattle <04735 +miqneh > with thirst <06772 +tsama> > ?

04872 EXO 017 004 And Moses <{04872} +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , What <04100 +mah > shall I do <06213 +<asah > unto this <02088 +zeh > people <05971 +<am > ? they be almost <04592 +m@<at > ready <05750 +<owd > to stone <05619 +caqal > me .

04872 EXO 017 005 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <05674 +<abar > on before <06440 +paniym > the people <05971 +<am > , and take <03947 +laqach > with thee of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and thy rod <04294 +matteh > , wherewith <00834 +>aher > thou smotest <05221 +nakah > the river <02975 +y@<or > , take <03947 +laqach > in thine hand <03027 +yad > , and go <01980 +halak > .

04872 EXO 017 006 Behold <02005 +hen > , I will stand <05975 +<amad > before <06440 +paniym > thee there <08033 +sham > upon the rock <06697 +tsuwr > in Horeb <02722 +Choreb > ; and thou shalt smite <05221 +nakah > the rock <06697 +tsuwr > , and there shall come <03318 +yatsa> > water <04325 +mayim > out of it , that the people <05971 +<am > may drink <08354 +shathah > . And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah > so <03651 +ken > in the sight <05869 +<ayin > of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 EXO 017 009 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , Choose <00977
+bachar > us out men <00582 +>enowsh > , and go <03318 +yatsa> >
out , fight <03898 +lacham > with Amalek <06002 +<Amaleq > : to
morrow <04279 +machar > I will stand <05324 +natsab > on <05921
+<al > the top <07218 +ro>sh > of the hill <01389 +gib<ah > with
the rod <04294 +matteh > of God <00430 +>elohiym > in mine hand
<03027 +yad > .

04872 EXO 017 010 So Joshua <03091 +Y@howshuwa< > did <06213
+<asah > as Moses <04872 +Mosheh > had said <00559 +>amar > to
him , and fought <03898 +lacham > with Amalek <06002 +<Amaleq > :
and Moses <{04872} +Mosheh > , Aaron <00175 +>Aharown > , and
Hur <02354 +Chuwr > went <05927 +<alah > up to the top <07218
+ro>sh > of the hill <01389 +gib<ah > .

04872 EXO 017 010 So Joshua <03091 +Y@howshuwa< > did <06213
+<asah > as Moses <{04872} +Mosheh > had said <00559 +>amar > to
him , and fought <03898 +lacham > with Amalek <06002 +<Amaleq > :
and Moses <04872 +Mosheh > , Aaron <00175 +>Aharown > , and Hur
<02354 +Chuwr > went <05927 +<alah > up to the top <07218 +ro>sh
> of the hill <01389 +gib<ah > .

04872 EXO 017 011 And it came <01961 +hayah > to pass , when
<00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > held <07311 +ruwm > up
his hand <03027 +yad > , that Israel <03478 +Yisra>el >
prevailed <01396 +gabar > : and when <00834 +>aher > he let
<05117 +nuwach > down <05117 +nuwach > his hand <03027 +yad > ,
Amalek <06002 +<Amaleq > prevailed <01396 +gabar > .

04872 EXO 017 012 But Moses <{04872} +Mosheh > hands <03027 +yad
> [ were ] heavy <03515 +kabed > ; and they took <03947 +laqach
> a stone <68> , and put <07760 +suwm > [ it ] under <08478
+tachath > him , and he sat <03427 +yashab > thereon <05921 +<al
> ; and Aaron <00175 +>Aharown > and Hur <02354 +Chuwr > stayed
<08551 +tamak > up his hands <03027 +yad > , the one <02088 +zeh
> on the one <02088 +zeh > side , and the other <00259 +>echad >
on the other <02088 +zeh > side ; and his hands <03027 +yad >
were steady <00530 +>emuwnah > until <05704 +<ad > the going
<00935 +bow> > down <00935 +bow> > of the sun <08121 +shemesh > .

04872 EXO 017 014 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Write <03789 +kathab >
this <02063 +zo>th > [ for ] a memorial <02146 +zikrown > in a
book <05612 +cepher > , and rehearse <07760 +suwm > [ it ] in
the ears <00241 +>ozen > of Joshua <03091 +Y@howshuwa< > : for I
will utterly put <04229 +machah > out the remembrance <02143
+zeker > of Amalek <06002 +<Amaleq > from under <08478 +tachath
> heaven <08064 +shamayim > .

04872 EXO 017 015 And Moses <{04872} +Mosheh > built <01129
+banah > an altar <04196 +mizbeach > , and called <07121 +qara>
> the name <08034 +shem > of it Jehovahnissi <03071 +Y@hovah
nicciy > :

04872 EXO 018 001 . When <03588 +kiy > Jethro <03503 +Yithrow > ,
the priest <03548 +kohen > of Midian <04080 +Midyan > , Moses
<04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan
> , heard <08085 +shama< > of all <03605 +kol > that God <00430
+>elohiym > had done <06213 +<asah > for Moses <{04872} +Mosheh
> , and for Israel <03478 +Yisra>el > his people <05971 +<am > ,
[ and ] that the LORD <03068 +Y@hovah > had brought <03318
+yatsa> > Israel <03478 +Yisra>el > out of Egypt <04714
+Mitsrayim > ;

04872 EXO 018 001 . When <03588 +kiy > Jethro <03503 +Yithrow > ,

the priest <03548 +kohen > of Midian <04080 +Midyan > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , heard <08085 +shama< > of all <03605 +kol > that God <00430 +>elohiym > had done <06213 +<asah > for Moses <04872 +Mosheh > , and for Israel <03478 +Yisra>el > his people <05971 +<am > , [ and ] that the LORD <03068 +Y@hovah > had brought <03318 +yatsa> > Israel <03478 +Yisra>el > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > ;

04872 EXO 018 002 Then Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , took <03947 +laqach > Zipporah <03855 +Lahad > , Moses <{04872} +Mosheh > wife <00802 +>ishshah > , after <00310 +>achar > he had sent <07964 +shilluwach > her back ,

04872 EXO 018 002 Then Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , took <03947 +laqach > Zipporah <03855 +Lahad > , Moses <04872 +Mosheh > wife <00802 +>ishshah > , after <00310 +>achar > he had sent <07964 +shilluwach > her back ,

04872 EXO 018 005 And Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , came <00935 +bow> > with his sons <01121 +ben > and his wife <00802 +>ishshah > unto Moses <{04872} +Mosheh > into <00413 +>el > the wilderness <04057 +midbar > , where he encamped <02583 +chanah > at the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > :

04872 EXO 018 005 And Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , came <00935 +bow> > with his sons <01121 +ben > and his wife <00802 +>ishshah > unto Moses <04872 +Mosheh > into <00413 +>el > the wilderness <04057 +midbar > , where he encamped <02583 +chanah > at the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > :

04872 EXO 018 006 And he said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , I thy father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > Jethro <03503 +Yithrow > am come <00935 +bow> > unto thee , and thy wife <00802 +>ishshah > , and her two <08147 +sh@nayim > sons <01121 +ben > with her .

04872 EXO 018 007 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out to meet <07125 +qir>ah > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and did obeisance <07812 +shachah > , and kissed <05401 +nashaq > him ; and they asked <07592 +sha>al > each other <07453 +rea< > of [ their ] welfare <07965 +shalowm > ; and they came <00935 +bow> > into the tent <00168 +>ohel > .

04872 EXO 018 008 And Moses <{04872} +Mosheh > told <05608 +caphar > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > had done <06213 +<asah > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > and to the Egyptians <04714 +Mitsrayim > for Israel s <03478 +Yisra>el > sake <00182 +>owdowth > , [ and ] all <03605 +kol > the travail <08513 +t@la>ah > that had come <04672 +matsa> > upon them by the way <01870 +derek > , and [ how ] the LORD <03068 +Y@hovah > delivered <05337 +natsal > them .

04872 EXO 018 012 And Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , took <03947 +laqach > a burnt <05930 +<olah > offering and sacrifices <02077 +zebach > for God <00430 +>elohiym > : and Aaron <00175 +>Aharown > came <00935 +bow> > , and all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > ,

to eat <00398 +>akal > bread <03899 +lechem > with Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > before <06440 +paniym > God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 018 012 And Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , took <03947 +laqach > a burnt <05930 +<olah > offering and sacrifices <02077 +zebach > for God <00430 +>elohiym > : and Aaron <00175 +>Aharown > came <00935 +bow> > , and all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > , to eat <00398 +>akal > bread <03899 +lechem > with Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > before <06440 +paniym > God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 018 013 . And it came <01961 +hayah > to pass on the morrow <04283 +mochorath > , that Moses <04872 +Mosheh > sat <03427 +yashab > to judge <08199 +shaphat > the people <05971 +<am > : and the people <05971 +<am > stood <05975 +<amad > by Moses <{04872} +Mosheh > from the morning <01242 +boqer > unto the evening <06153 +<ereb > .

04872 EXO 018 013 . And it came <01961 +hayah > to pass on the morrow <04283 +mochorath > , that Moses <{04872} +Mosheh > sat <03427 +yashab > to judge <08199 +shaphat > the people <05971 +<am > : and the people <05971 +<am > stood <05975 +<amad > by Moses <04872 +Mosheh > from the morning <01242 +boqer > unto the evening <06153 +<ereb > .

04872 EXO 018 014 And when Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > saw <07200 +ra>ah > all <03605 +kol > that he did <06213 +<asah > to the people <05971 +<am > , he said <00559 +>amar > , What <04100 +mah > [ is ] this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > that thou doest <06213 +<asah > to the people <05971 +<am > ? why <04069 +madduwa< > sittest <03427 +yashab > thou thyself <00859 +>attah > alone <00905 +bad > , and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > stand <05324 +natsab > by thee from morning <01242 +boqer > unto even <06153 +<ereb > ?

04872 EXO 018 015 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , Because <03588 +kiy > the people <05971 +<am > come <00935 +bow> > unto me to enquire <01875 +darash > of God <00430 +>elohiym > :

04872 EXO 018 017 And Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > said <00559 +>amar > unto him , The thing <01697 +dabar > that thou doest <06213 +<asah > [ is ] not good <02896 +towb > .

04872 EXO 018 024 So Moses <{04872} +Mosheh > hearkened <08085 +shama< > to the voice <06963 +qowl > of his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and did <06213 +<asah > all <03605 +kol > that he had said <00559 +>amar > .

04872 EXO 018 025 And Moses <{04872} +Mosheh > chose <00977 +bachar > able <02428 +chayil > men <00582 +>enowsh > out of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , and made <05414 +nathan > them heads <07218 +ro>sh > over <05921 +<al > the people <05971 +<am > , rulers <08269 +sar > of thousands <00505 +>eleph > , rulers <08269 +sar > of hundreds <03967 +me>ah > , rulers <08269 +sar > of fifties <02572 +chamishshiym > , and rulers <08269 +sar > of tens <06235 +<eser > .

04872 EXO 018 026 And they judged <08199 +shaphat > the people <05971 +<am > at all <03605 +kol > seasons <06256 +<eth > : the

hard <07186 +qasheh > causes <01697 +dabar > they brought <00935 +bow> > unto Moses <{04872} +Mosheh > , but every <03605 +kol > small <06996 +qatan > matter <01697 +dabar > they judged <08199 +shaphat > themselves <01992 +hem > .

04872 EXO 018 027 And Moses <{04872} +Mosheh > let his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > depart <07971 +shalach > ; and he went <03212 +yalak > his way into <00413 +>el > his own land <00776 +>erets > .

04872 EXO 019 003 And Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up unto God <00430 +>elohiym > , and the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121 +qara> > unto him out of the mountain <02022 +har > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh > shalt thou say <00559 +>amar > to the house <01004 +bayith > of Jacob <03290 +Ya<aqob > , and tell <05046 +nagad > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ;

04872 EXO 019 007 And Moses <{04872} +Mosheh > came <00935 +bow> > and called <07121 +qara> > for the elders <02205 +zaqen > of the people <05971 +<am > , and laid <07760 +suwm > before their faces <06440 +paniym > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him .

04872 EXO 019 008 And all <03605 +kol > the people <05971 +<am > answered <06030 +<anah > together <03162 +yachad > , and said <00559 +>amar > , All <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken <01696 +dabar > we will do <06213 +<asah > . And Moses <{04872} +Mosheh > returned <07725 +shuwb > the words <01697 +dabar > of the people <05971 +<am > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 019 009 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <04872 +Mosheh > , Lo <02009 +hinneh > , I come <00935 +bow> > unto thee in a thick <05645 +<ab > cloud <06051 +<anan > , that the people <05971 +<am > may hear <08085 +shama< > when I speak <01696 +dabar > with thee , and believe <00539 +>aman > thee for ever <05769 +<owlam > . And Moses <{04872} +Mosheh > told <05046 +nagad > the words <01697 +dabar > of the people <05971 +<am > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 019 009 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Lo <02009 +hinneh > , I come <00935 +bow> > unto thee in a thick <05645 +<ab > cloud <06051 +<anan > , that the people <05971 +<am > may hear <08085 +shama< > when I speak <01696 +dabar > with thee , and believe <00539 +>aman > thee for ever <05769 +<owlam > . And Moses <04872 +Mosheh > told <05046 +nagad > the words <01697 +dabar > of the people <05971 +<am > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 019 010 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <03212 +yalak > unto the people <05971 +<am > , and sanctify <06942 +qadash > them to day <03117 +yowm > and to morrow <04279 +machar > , and let them wash <03526 +kabac > their clothes <08071 +simlah > ,

04872 EXO 019 014 And Moses <{04872} +Mosheh > went <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > unto the people <05971 +<am > , and sanctified <06942 +qadash > the people <05971 +<am > ; and they washed <03526 +kabac > their clothes <08071 +simlah > .

04872 EXO 019 017 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > the people <05971 +<am > out of the camp <04264 +machaneh > to meet <07125 +qir>ah > with God

<00430 +>elohiym > ; and they stood <03320 +yatsab > at the nether <08482 +tachtiy > part of the mount <02022 +har > .

04872 EXO 019 019 And when <01961 +hayah > the voice <06963 +qowl > of the trumpet <07782 +showphar > sounded long , and waxed louder <03966 +m@<od > and louder <03966 +m@<od > , Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > , and God <00430 +>elohiym > answered <06030 +<anah > him by a voice <06963 +qowl > .

04872 EXO 019 020 And the LORD <03068 +Y@hovah > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > upon mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , on <00413 +>el > the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > : and the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121 +qara> > Moses <04872 +Mosheh > [ up ] to the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > ; and Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up .

04872 EXO 019 020 And the LORD <03068 +Y@hovah > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > upon mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , on <00413 +>el > the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > : and the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121 +qara> > Moses <{04872} +Mosheh > [ up ] to the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > ; and Moses <04872 +Mosheh > went <05927 +<alah > up .

04872 EXO 019 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <03381 +yarad > down <03381 +yarad > , charge <05749 +<uwd > the people <05971 +<am > , lest <06435 +pen > they break <02040 +harac > through unto the LORD <03068 +Y@hovah > to gaze <07200 +ra>ah > , and many <07227 +rab > of them perish <05307 +naphal > .

04872 EXO 024 001 . And he said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Come <05927 +<alah > up unto the LORD <03068 +Y@hovah > , thou , and Aaron <00175 +>Aharown > , Nadab <05070 +Nadab > , and Abihu <30> , and seventy <07657 +shib<iym . > of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and worship <07812 +shachah > ye afar <07350 +rachowq > off .

04872 EXO 024 002 And Moses <{04872} +Mosheh > alone <00905 +bad > shall come <05066 +nagash > near <05066 +nagash > the LORD <03068 +Y@hovah > : but they shall not come <05066 +nagash > nigh <05066 +nagash > ; neither <03808 +lo> > shall the people <05971 +<am > go <05927 +<alah > up with him .

04872 EXO 024 003 And Moses <{04872} +Mosheh > came <00935 +bow> > and told <05608 +caphar > the people <05971 +<am > all <03605 +kol > the words <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and all <03605 +kol > the judgments <04941 +mishpat > : and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > answered <06030 +<anah > with one <00259 +>echad > voice <06963 +qowl > , and said <00559 +>amar > , All <03605 +kol > the words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath said <01696 +dabar > will we do <06213 +<asah > .

04872 EXO 024 004 And Moses <{04872} +Mosheh > wrote <03789 +kathab > all <03605 +kol > the words <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and rose <07925 +shakam > up early <07925 +shakam > in the morning <01242 +boqer > , and builded <01129 +banah > an altar <04196 +mizbeach > under <08478 +tachath > the hill <02022 +har > , and twelve pillars <04676 +matstsebah > , according to the twelve tribes <07626 +shebet > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 EXO 024 006 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947

+laqach > half <02677 +chetsiy > of the blood <01818 +dam > , and put <07760 +suwm > [ it ] in basons <00101 +>aggan > ; and half <02677 +chetsiy > of the blood <01818 +dam > he sprinkled <02236 +zaraq > on <05921 +<al > the altar <04196 +mizbeach > .

04872 EXO 024 008 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the blood <01818 +dam > , and sprinkled <02236 +zaraq > [ it ] on <05921 +<al > the people <05971 +<am > , and said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > the blood <01818 +dam > of the covenant <01285 +b@riyth > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath made <03772 +karath > with you concerning <05921 +<al > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > .

04872 EXO 024 009 . Then went <05927 +<alah > up Moses <{04872} +Mosheh > , and Aaron <00175 +>Aharown > , Nadab <05070 +Nadab > , and Abihu <30> , and seventy <07657 +shib<iym . > of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 EXO 024 012 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Come <05927 +<alah > up to me into the mount <02022 +har > , and be there <08033 +sham > : and I will give <05414 +nathan > thee tables <03871 +luwach > of stone <68> , and a law <08451 +towrah > , and commandments <04687 +mitsvah > which <00834 +>aher > I have written <03789 +kathab > ; that thou mayest teach <03384 +yarah > them .

04872 EXO 024 013 And Moses <04872 +Mosheh > rose <06965 +quwm > up , and his minister <08334 +sharath > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > : and Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 024 013 And Moses <{04872} +Mosheh > rose <06965 +quwm > up , and his minister <08334 +sharath > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > : and Moses <04872 +Mosheh > went <05927 +<alah > up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 024 015 And Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > , and a cloud <06051 +<anan > covered <03680 +kacah > the mount <02022 +har > .

04872 EXO 024 016 And the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah > abode <07931 +shakan > upon mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , and the cloud <06051 +<anan > covered <03680 +kacah > it six <08337 +shesh > days <03117 +yowm > : and the seventh <07637 +sh@biy<iy > day <03117 +yowm > he called <07121 +qara> > unto Moses <{04872} +Mosheh > out of the midst <08432 +tavek > of the cloud <06051 +<anan > .

04872 EXO 024 018 And Moses <04872 +Mosheh > went <00935 +bow> > into the midst <08432 +tavek > of the cloud <06051 +<anan > , and gat <05927 +<alah > him up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > : and Moses <{04872} +Mosheh > was in the mount <02022 +har > forty <00705 +>arba<iym > days <03117 +yowm > and forty <00705 +>arba<iym > nights <03915 +layil > .

04872 EXO 024 018 And Moses <{04872} +Mosheh > went <00935 +bow> > into the midst <08432 +tavek > of the cloud <06051 +<anan > , and gat <05927 +<alah > him up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > : and Moses <04872 +Mosheh > was in the mount <02022 +har > forty <00705 +>arba<iym > days <03117 +yowm > and forty <00705 +>arba<iym > nights <03915 +layil > .

04872 EXO 025 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 030 011 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 030 017 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 030 022 . Moreover the LORD <03068 +Y@hovah > spake
<01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559
+>amar > ,

04872 EXO 030 034 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Take <03947 +laqach >
unto thee sweet <05561 +cam > spices <05561 +cam > , stacte
<05198 +nataph > , and onycha <07827 +sh@cheleth > , and
galbanum <02464 +chelb@nah > ; [ these ] sweet <05561 +cam >
spices <05561 +cam > with pure <02134 +zak > frankincense <03828
+l@bownah > : of each <00905 +bad > shall there be a like [
weight ] :

04872 EXO 031 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 031 012 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 031 018 And he gave <05414 +nathan > unto Moses
<{04872} +Mosheh > , when he had made an end <03615 +kalah > of
communing <01696 +dabar > with him upon mount <02022 +har >
Sinai <05514 +Ciynay > , two <08147 +sh@nayim > tables <03871
+luwach > of testimony <5715> , tables <03871 +luwach > of stone
<68> , written <03789 +kathab > with the finger <00676 +>etsba<
> of God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 032 001 . And when the people <05971 +<am > saw <07200
+ra>ah > that Moses <04872 +Mosheh > delayed <00954 +buwsh > to
come <03381 +yarad > down <03381 +yarad > out of the mount
<02022 +har > , the people <05971 +<am > gathered <06950 +qahal
> themselves together unto Aaron <00175 +>Aharown > , and said
<00559 +>amar > unto him , Up , make <06213 +<asah > us gods
<00430 +>elohiym > , which <00834 +>aher > shall go <03212
+yalak > before <06440 +paniym > us ; for [ as for ] this <02088
+zeh > Moses <{04872} +Mosheh > , the man <00376 +>iysh > that
brought <05927 +<alah > us up out of the land <00776 +>erets >
of Egypt <04714 +Mitsrayim > , we wot <03045 +yada< > not what
<04100 +mah > is become <01961 +hayah > of him .

04872 EXO 032 001 . And when the people <05971 +<am > saw <07200
+ra>ah > that Moses <{04872} +Mosheh > delayed <00954 +buwsh >
to come <03381 +yarad > down <03381 +yarad > out of the mount
<02022 +har > , the people <05971 +<am > gathered <06950 +qahal
> themselves together unto Aaron <00175 +>Aharown > , and said
<00559 +>amar > unto him , Up , make <06213 +<asah > us gods
<00430 +>elohiym > , which <00834 +>aher > shall go <03212
+yalak > before <06440 +paniym > us ; for [ as for ] this <02088
+zeh > Moses <04872 +Mosheh > , the man <00376 +>iysh > that
brought <05927 +<alah > us up out of the land <00776 +>erets >
of Egypt <04714 +Mitsrayim > , we wot <03045 +yada< > not what
<04100 +mah > is become <01961 +hayah > of him .

04872 EXO 032 007 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <03212 +yalak > ,
get <03381 +yarad > thee down <03381 +yarad > ; for thy people
<05971 +<am > , which <00834 +>aher > thou broughtest <05927

+<alah > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714
+Mitsrayim > , have corrupted <07843 +shachath > [ themselves ] :

04872 EXO 032 009 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , I have seen <07200
+ra>ah > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > , and , behold
<02009 +hinneh > , it [ is ] a stiffnecked people <05971 +<am > :

04872 EXO 032 011 And Moses <{04872} +Mosheh > besought <02470
+chalah > the LORD <03068 +Y@hovah > his God <00430 +>elohiym > ,
and said <00559 +>amar > , LORD <03068 +Y@hovah > , why <04100
+mah > doth thy wrath <00639 +>aph > wax hot <02734 +charah >
against thy people <05971 +<am > , which <00834 +>aher > thou
hast brought <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of the
land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > with great
<01419 +gadowl > power <03581 +koach > , and with a mighty
<02389 +chazaq > hand <03027 +yad > ?

04872 EXO 032 015 . And Moses <{04872} +Mosheh > turned <06437
+panah > , and went <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from
the mount <02022 +har > , and the two <08147 +sh@nayim > tables
<03871 +luwach > of the testimony <5715> [ were ] in his hand
<03027 +yad > : the tables <03871 +luwach > [ were ] written
<03789 +kathab > on both <08147 +sh@nayim > their sides <05676
+<eber > ; on the one side and on the other <02088 +zeh > [ were
] they written <03789 +kathab > .

04872 EXO 032 017 And when Joshua <03091 +Y@howshuwa< > heard
<08085 +shama< > the noise <06963 +qowl > of the people <05971
+<am > as they shouted <07452 +rea< > , he said <00559 +>amar >
unto Moses <{04872} +Mosheh > , [ There is ] a noise <06963
+qowl > of war <04421 +milchamah > in the camp <04264 +machaneh
> .

04872 EXO 032 019 And it came <07126 +qarab > to pass , as soon
<00834 +>aher > as he came <00935 +bow> > nigh <07126 +qarab >
unto the camp <04264 +machaneh > , that he saw <07200 +ra>ah >
the calf <05695 +<egel > , and the dancing <04246 +m@chowlah > :
and Moses <{04872} +Mosheh > anger <00639 +>aph > waxed hot
<02734 +charah > , and he cast <07993 +shalak > the tables
<03871 +luwach > out of his hands <03027 +yad > , and brake
<07665 +shabar > them beneath <08478 +tachath > the mount <02022
+har > .

04872 EXO 032 021 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , What <04100 +mah > did
<06213 +<asah > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > unto
thee , that thou hast brought <00935 +bow> > so great <01419
+gadowl > a sin <02401 +chata>ah > upon them ?

04872 EXO 032 023 For they said <00559 +>amar > unto me , Make
<06213 +<asah > us gods <0430>elohiym > , which <00834 +>aher >
shall go <03212 +yalak > before <06440 +paniym > us : for [ as
for ] this <02088 +zeh > Moses <{04872} +Mosheh > , the man
<00376 +>iysh > that brought <05927 +<alah > us up out of the
land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , we wot
<03045 +yada< > not what <04100 +mah > is become <01961 +hayah >
of him .

04872 EXO 032 025 And when Moses <{04872} +Mosheh > saw <07200
+ra>ah > that the people <05971 +<am > [ were ] naked <06544
+para< > ; ( for Aaron <00175 +>Aharown > had made them naked
<06544 +para< > unto [ their ] shame <08103 +shimtsah > among
their enemies <06965 +quwm > : )

04872 EXO 032 026 Then Moses <{04872} +Mosheh > stood <05975

+<amad > in the gate <08179 +sha<ar > of the camp <04264
+machaneh > , and said <00559 +>amar > , Who <04310 +miy > [ is
] on the LORD S <03068 +Y@hovah > side ? [ let him come ] unto
me . And all <03605 +kol > the sons <01121 +ben > of Levi <03878
+Leviy > gathered <00622 +>acaph > themselves together unto him .

04872 EXO 032 028 And the children <01121 +ben > of Levi <03878
+Leviy > did <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar
> of Moses <{04872} +Mosheh > : and there fell <05307 +naphal >
of the people <05971 +<am > that day <03117 +yowm > about three
<07969 +shalowsh > thousand <00505 +>eleph > men <00376 +>iysh >
.

04872 EXO 032 029 For Moses <{04872} +Mosheh > had said <00559
+>amar > , Consecrate yourselves <03027 +yad > to day to the
LORD <03068 +Y@hovah > , even <03588 +kiy > every man <00376
+>iysh > upon his son <01121 +ben > , and upon his brother
<00251 +>ach > ; that he may bestow <05414 +nathan > upon you a
blessing <01293 +B@rakah > this day <03117 +yowm > .

04872 EXO 032 030 . And it came <01961 +hayah > to pass on the
morrow <04283 +mochorath > , that Moses <{04872} +Mosheh > said
<00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , Ye have sinned
<02398 +chata> > a great <01419 +gadowl > sin <02401 +chata>ah >
: and now <06258 +<attah > I will go <05927 +<alah > up unto the
LORD <03068 +Y@hovah > ; peradventure <00194 +>uwlay > I shall
make an atonement <03722 +kaphar > for your sin <02403
+chatta>ah > .

~~~~~~

~~~~~~

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-2:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-2:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-3:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:18 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:18 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-4:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-5:1 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-5:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-5:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-5:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-6:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-7:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:20 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-8:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-8:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-9:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-10:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-11:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-11:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-11:4 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-11:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-11:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:43 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-12:50 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-13:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-13:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-13:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-14:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-15:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-15:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-15:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:20 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-16:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:32 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-16:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-17:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:13 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-18:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-18:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-19:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-20:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-20:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-20:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-20:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-24:12 | Moses |

04872 Mosheh EXO-24:13 Moses

04872 Mosheh EXO-24:13 Moses

04872 Mosheh EXO-24:15 Moses

04872 Mosheh EXO-24:16 Moses

04872 Mosheh EXO-24:18 Moses

04872 Mosheh EXO-24:18 Moses

04872 Mosheh EXO-25:1 Moses

04872 Mosheh EXO-30:11 Moses

04872 Mosheh EXO-30:17 Moses

04872 Mosheh EXO-30:22 Moses

04872 Mosheh EXO-30:34 Moses

04872 Mosheh EXO-31:1 Moses

04872 Mosheh EXO-31:12 Moses

04872 Mosheh EXO-31:18 Moses

04872 Mosheh EXO-32:1 Moses

04872 Mosheh EXO-32:1 Moses

04872 Mosheh EXO-32:7 Moses

04872 Mosheh EXO-32:9 Moses

04872 Mosheh EXO-32:11 Moses

04872 Mosheh EXO-32:15 Moses

04872 Mosheh EXO-32:17 Moses

04872 Mosheh EXO-32:19 Moses

04872 Mosheh EXO-32:21 Moses

04872 Mosheh EXO-32:23 Moses

04872 Mosheh EXO-32:25 Moses

04872 Mosheh EXO-32:26 Moses

04872 Mosheh EXO-32:28 Moses

04872 Mosheh EXO-32:29 Moses

04872 Mosheh EXO-32:30 Moses

04872 Mosheh EXO-32:31 Moses

04872 Mosheh EXO-32:33 Moses

04872 Mosheh EXO-33:1 Moses

04872 Mosheh EXO-33:5 Moses

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | EXO-33:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-33:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-34:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-35:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-36:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-36:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-36:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-36:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | EXO-38:21 | Moses |

04872 Mosheh EXO-38:22 Moses

04872 Mosheh EXO-39:1 Moses

04872 Mosheh EXO-39:5 Moses

04872 Mosheh EXO-39:7 Moses

04872 Mosheh EXO-39:21 Moses

04872 Mosheh EXO-39:26 Moses

04872 Mosheh EXO-39:29 Moses

04872 Mosheh EXO-39:31 Moses

04872 Mosheh EXO-39:32 Moses

04872 Mosheh EXO-39:33 Moses

04872 Mosheh EXO-39:42 Moses

04872 Mosheh EXO-39:43 Moses

04872 Mosheh EXO-39:43 Moses

04872 Mosheh EXO-40:1 Moses

04872 Mosheh EXO-40:16 Moses

04872 Mosheh EXO-40:18 Moses

04872 Mosheh EXO-40:19 Moses

04872 Mosheh EXO-40:21 Moses

04872 Mosheh EXO-40:23 Moses

04872 Mosheh EXO-40:25 Moses

04872 Mosheh EXO-40:27 Moses

04872 Mosheh EXO-40:29 Moses

04872 Mosheh EXO-40:31 Moses

04872 Mosheh EXO-40:32 Moses

04872 Mosheh EXO-40:33 Moses

04872 Mosheh EXO-40:35 Moses

04872 Mosheh LEV-1:1 Moses

04872 Mosheh LEV-4:1 Moses

04872 Mosheh LEV-5:14 Moses

04872 Mosheh LEV-6:1 Moses

04872 Mosheh LEV-6:8 Moses

04872 Mosheh LEV-6:19 Moses

04872 Mosheh LEV-6:24 Moses

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | LEV-7:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-7:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-7:38 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-8:36 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:10 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | LEV-9:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-9:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-10:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-11:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-12:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-13:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-14:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-14:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-15:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-16:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-16:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-16:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-17:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-18:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-19:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-20:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-21:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-21:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-21:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-22:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-22:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-22:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:9 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | LEV-23:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-23:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-24:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-25:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-26:46 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-27:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | LEV-27:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:19 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:48 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-1:54 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-2:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-2:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-2:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:38 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:39 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:42 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:44 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-3:49 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:51 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-3:51 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:37 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:37 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:45 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:45 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:46 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:49 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-4:49 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-5:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-5:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-5:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-5:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-6:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-6:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-7:89 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-8:22 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-8:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-9:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-10:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-11:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:8 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-12:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-12:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-13:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:26 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:36 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:39 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-14:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:35 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:36 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-15:37 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:15 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-16:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:18 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:36 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:42 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:43 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:46 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:47 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-16:50 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-17:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-18:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-19:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:12 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-20:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:27 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-20:28 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:32 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-21:34 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-25:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:52 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:59 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:63 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-26:64 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:18 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-27:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-27:23 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-28:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-29:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-29:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-30:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-30:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:21 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:31 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:42 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:47 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:47 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:48 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:49 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:51 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-31:54 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:6 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:20 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:28 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | NUM-32:29 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:33 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-32:40 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-33:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-33:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-33:50 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-34:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-34:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-34:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-35:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-35:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-36:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-36:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-36:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | NUM-36:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-1:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-1:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-1:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-4:41 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-4:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-4:45 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-4:46 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-5:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-27:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-27:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-27:11 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-29:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-29:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:14 | Moses |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04872 | Mosheh | DEU-31:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:16 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:22 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:24 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:25 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-31:30 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-32:44 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-32:45 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-32:48 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-33:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-33:4 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:8 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:9 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:10 | Moses |
| 04872 | Mosheh | DEU-34:12 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:1 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:2 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:3 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:5 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:13 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:14 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:15 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-1:17 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-3:7 | Moses |
| 04872 | Mosheh | JOS-4:10 | Moses |

04872 Mosheh JOS-4:12 Moses

04872 Mosheh JOS-4:14 Moses

04872 Mosheh JOS-8:31 Moses

04872 Mosheh JOS-8:31 Moses

04872 Mosheh JOS-8:32 Moses

04872 Mosheh JOS-8:33 Moses

04872 Mosheh JOS-8:35 Moses

04872 Mosheh JOS-9:24 Moses

04872 Mosheh JOS-11:12 Moses

04872 Mosheh JOS-11:15 Moses

04872 Mosheh JOS-11:15 Moses

04872 Mosheh JOS-11:15 Moses

04872 Mosheh JOS-11:20 Moses

04872 Mosheh JOS-11:23 Moses

04872 Mosheh JOS-12:6 Moses

04872 Mosheh JOS-12:6 Moses

04872 Mosheh JOS-13:8 Moses

04872 Mosheh JOS-13:8 Moses

04872 Mosheh JOS-13:12 Moses

04872 Mosheh JOS-13:15 Moses

04872 Mosheh JOS-13:21 Moses

04872 Mosheh JOS-13:24 Moses

04872 Mosheh JOS-13:29 Moses

04872 Mosheh JOS-13:32 Moses

04872 Mosheh JOS-13:33 Moses

04872 Mosheh JOS-14:2 Moses

04872 Mosheh JOS-14:3 Moses

04872 Mosheh JOS-14:5 Moses

04872 Mosheh JOS-14:6 Moses

04872 Mosheh JOS-14:7 Moses

04872 Mosheh JOS-14:9 Moses

04872 Mosheh JOS-14:10 Moses

04872 Mosheh JOS-14:11 Moses

04872 Mosheh JOS-17:4 Moses

04872 Mosheh JOS-18:7 Moses

04872 Mosheh JOS-20:2 Moses

04872 Mosheh JOS-21:2 Moses

04872 Mosheh JOS-21:8 Moses

04872 Mosheh JOS-22:2 Moses

04872 Mosheh JOS-22:4 Moses

04872 Mosheh JOS-22:5 Moses

04872 Mosheh JOS-22:7 Moses

04872 Mosheh JOS-22:9 Moses

04872 Mosheh JOS-23:6 Moses

04872 Mosheh JOS-24:5 Moses

04872 Mosheh JUD-1:16 Moses

04872 Mosheh JUD-1:20 Moses

04872 Mosheh JUD-3:4 Moses

04872 Mosheh JUD-4:11 Moses

04872 Mosheh 1SA-12:6 Moses

04872 Mosheh 1SA-12:8 Moses

04872 Mosheh 1KI-2:3 Moses

04872 Mosheh 1KI-8:9 Moses

04872 Mosheh 1KI-8:53 Moses

04872 Mosheh 1KI-8:56 Moses

04872 Mosheh 2KI-14:6 Moses

04872 Mosheh 2KI-18:4 Moses

04872 Mosheh 2KI-18:6 Moses

04872 Mosheh 2KI-18:12 Moses

04872 Mosheh 2KI-21:8 Moses

04872 Mosheh 2KI-23:25 Moses

04872 Mosheh 1CH-6:3 Moses

04872 Mosheh 1CH-6:49 Moses

04872 Mosheh 1CH-15:15 Moses

04872 Mosheh 1CH-21:29 Moses

04872 Mosheh 1CH-22:13 Moses

04872 Mosheh 1CH-23:13 Moses

04872 Mosheh 1CH-23:14 Moses

04872 Mosheh 1CH-23:15 Moses

04872 Mosheh 1CH-26:24 Moses

04872 Mosheh 2CH-1:3 Moses

04872 Mosheh 2CH-5:10 Moses

04872 Mosheh 2CH-8:13 Moses

04872 Mosheh 2CH-23:18 Moses

04872 Mosheh 2CH-24:6 Moses

04872 Mosheh 2CH-24:9 Moses

04872 Mosheh 2CH-25:4 Moses

04872 Mosheh 2CH-30:16 Moses

04872 Mosheh 2CH-33:8 Moses

04872 Mosheh 2CH-34:14 Moses

04872 Mosheh 2CH-35:6 Moses

04872 Mosheh 2CH-35:12 Moses

04872 Mosheh EZR-3:2 Moses

04872 Mosheh EZR-7:6 Moses

04872 Mosheh NEH-1:7 Moses

04872 Mosheh NEH-1:8 Moses

04872 Mosheh NEH-8:1 Moses

04872 Mosheh NEH-8:14 Moses

04872 Mosheh NEH-9:14 Moses

04872 Mosheh NEH-10:29 Moses

04872 Mosheh NEH-13:1 Moses

04872 Mosheh PSA-77:20 Moses

04872 Mosheh PSA-90:1 Moses

04872 Mosheh PSA-99:6 Moses

04872 Mosheh PSA-103:7 Moses

04872 Mosheh PSA-105:26 Moses

04872 Mosheh PSA-106:16 Moses

04872 Mosheh PSA-106:23 Moses

04872 Mosheh PSA-106:32 Moses

04872 Mosheh ISA-63:11 Moses

04872 Mosheh ISA-63:12 Moses

04872 Mosheh JER-15:1 Moses

04872 Mosheh DAN-9:11 Moses

04872 Mosheh DAN-9:13 Moses

04872 Mosheh MIC-6:4 Moses

04872 Mosheh MAL-4:4 Moses

~~~~~~

~~~~~~

04872 LEV 008 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 034 035 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > the face <06440 +paniym > of Moses <{04872} +Mosheh > , that the skin <05785 +<owr > of Moses <04872 +Mosheh > face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > : and Moses <04872 +Mosheh > put <07725 +shuwb > the vail <04533 +macveh > upon his face <06440 +paniym > again <07725 +shuwb > , until <05704 +<ad > he went <00935 +bow> > in to speak <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 035 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > gathered <06950 +qahal > all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > together , and said <00559 +>amar > unto them , These <00428 +>el - leh > [ are ] the words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath commanded <06680 +tsavah > , that [ ye ] should do <06213 +<asah > them .

04872 EXO 035 004 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <00559 +>amar > unto all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , This <02088 +zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 035 020 . And all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > departed <03318 +yatsa> > from the presence <06440 +paniym > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 035 029 The children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > brought <00935 +bow> > a willing <05071 +n@dabah > offering unto the LORD <03068 +Y@hovah > , every <03605 +kol > man <00376 +>iysh > and woman <00802 +>ishshah > , whose <00834 +>aher > heart <03820 +leb > made them willing <05068 +nadab > to bring for all <03605 +kol > manner of work <04399 +m@la>kah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > to be made <06213 +<asah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 035 030 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478

+Yisra>el > , See <07200 +ra>ah > , the LORD <03068 +Y@hovah > hath called <07121 +qara> > by name <08034 +shem > Bezaleel <01212 +B@tsal>el > the son <01121 +ben > of Uri <00221 +>Uwriy > , the son <01121 +ben > of Hur <02354 +Chuwr > , of the tribe <04294 +matteh > of Judah <03063 +Y@huwdah > ;

04872 EXO 036 002 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > Bezaleel <01212 +B@tsal>el > and Aholiab <00171 +>Oholiy>ab > , and every <03605 +kol > wise <02450 +chakam > hearted <03820 +leb > man <00376 +>iysh > , in whose <00834 +>aher > heart <03820 +leb > the LORD <03068 +Y@hovah > had put <05414 +nathan > wisdom <02451 +chokmah > , [ even ] every <03605 +kol > one whose <00834 +>aher > heart <03820 +leb > stirred <05375 +nasa> > him up to come <07126 +qarab > unto the work <04399 +m@la>kah > to do <06213 +<asah > it :

04872 EXO 036 003 And they received <03947 +laqach > of Moses <{04872} +Mosheh > all <03605 +kol > the offering <08641 +t@ruwmah > , which <00834 +>aher > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > had brought <00935 +bow> > for the work <04399 +m@la>kah > of the service <05656 +<abodah > of the sanctuary <06944 +qodesh > , to make <06213 +<asah > it [ withal ] . And they brought <00935 +bow> > yet <05750 +<owd > unto him free <05071 +n@dabah > offerings every morning <01242 +boqer > .

04872 EXO 036 005 And they spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , The people <05971 +<am > bring <00935 +bow> > much <07235 +rabah > more <07235 +rabah > than enough <01767 +day > for the service <05656 +<abodah > of the work <04399 +m@la>kah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > to make <06213 +<asah > .

04872 EXO 036 006 And Moses <{04872} +Mosheh > gave commandment <06680 +tsavah > , and they caused it to be proclaimed <05674 +<abar > throughout the camp <04264 +machaneh > , saying <00559 +>amar > , Let neither <00408 +>al > man <00376 +>iysh > nor <00408 +>al > woman <00802 +>ishshah > make <06213 +<asah > any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > work <04399 +m@la>kah > for the offering <08641 +t@ruwmah > of the sanctuary <06944 +qodesh > . So the people <05971 +<am > were restrained <03607 +kala> > from bringing <00935 +bow> > .

04872 EXO 038 021 . This <00428 +>el - leh > is the sum <06485 +paqad > of the tabernacle <04908 +mishkan > , [ even ] of the tabernacle <04908 +mishkan > of testimony <5715> , as it was counted <06485 +paqad > , according <05921 +<al > to the commandment <06310 +peh > of Moses <{04872} +Mosheh > , [ for ] the service <05656 +<abodah > of the Levites <03881 +Leviyiy > , by the hand <03027 +yad > of Ithamar <00385 +>Iythamar > , son <01121 +ben > to Aaron <00175 +>Aharown > the priest <03548 +kohen > .

04872 EXO 038 022 And Bezaleel <01212 +B@tsal>el > the son <01121 +ben > of Uri <00221 +>Uwriy > , the son <01121 +ben > of Hur <02354 +Chuwr > , of the tribe <04294 +matteh > of Judah <03063 +Y@huwdah > , made <06213 +<asah > all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 001 . And of the blue <08504 +t@keleth > , and purple <00713 +>argaman > , and scarlet , they made <06213 +<asah > cloths <00899 +beged > of service <08278 +s@rad > , to do service <08334 +sharath > in the holy <06944 +qodesh > [ place ] , and made <06213 +<asah > the holy <06944 +qodesh > garments <00899 +beged > for Aaron <00175 +>Aharown > ; as the

LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 005 And the curious girdle <02805 +chesheb > of his ephod <00642 +>ephuddah > , that [ was ] upon it , [ was ] of the same , according to the work <04639 +ma<aseh > thereof ; [ of ] gold <02091 +zahab > , blue <08504 +t@keleth > , and purple <00713 +>argaman > , and scarlet , and fine twined <07806 +shazar > linen <08336 +shesh > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 007 And he put <07760 +suwm > them on <05921 +<al > the shoulders <03802 +katheph > of the ephod <00646 +>ephowd > , [ that they should be ] stones <68> for a memorial <02146 +zikrown > to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 021 And they did bind <07405 +rakac > the breastplate <02833 +choshen > by his rings <02885 +tabba<ath > unto the rings <02885 +tabba<ath > of the ephod <00646 +>ephowd > with a lace <06616 +pathiyl > of blue <08504 +t@keleth > , that it might be above <05921 +<al > the curious girdle <02805 +chesheb > of the ephod <00646 +>ephowd > , and that the breastplate <02833 +choshen > might not be loosed <02118 +zachach > from the ephod <00646 +>ephowd > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 026 A bell <06472 +pa<amon > and a pomegranate <07416 +rimmown > , a bell <06472 +pa<amon > and a pomegranate <07416 +rimmown > , round <05439 +cabiyb > about the hem <07757 +shuwl > of the robe <04598 +m@<iyl > to minister <08334 +sharath > [ in ] ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 029 And a girdle <73> [ of ] fine twined <07806 +shazar > linen <08336 +shesh > , and blue <08504 +t@keleth > , and purple <00713 +>argaman > , and scarlet , [ of ] needlework <07551 +raqam > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 031 And they tied <05414 +nathan > unto it a lace <06616 +pathiyl > of blue <08504 +t@keleth > , to fasten <05414 +nathan > [ it ] on high <04605 +ma<al > upon the mitre <04701 +mitsnepheth > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 039 032 . Thus was all <03605 +kol > the work <05656 +<abodah > of the tabernacle <04908 +mishkan > of the tent <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > finished <03615 +kalah > : and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 EXO 039 033 And they brought <00935 +bow> > the tabernacle <04908 +mishkan > unto Moses <{04872} +Mosheh > , the tent <00168 +>ohel > , and all <03605 +kol > his furniture <03627 +k@liy > , his taches <07165 +qerec > , his boards <07175 +qeresh > , his bars <01280 +b@riyach > , and his pillars <05982 +<ammuwd > , and his sockets <00134 +>eden > ,

04872 EXO 039 042 According to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > the children <01121 +ben > of

Israel <03478 +Yisra>el > made <06213 +<asah > all <03605 +kol > the work <05656 +<abodah > .

04872 EXO 039 043 And Moses <04872 +Mosheh > did look <07200 +ra>ah > upon all <03605 +kol > the work <04399 +m@la>kah > , and , behold <02009 +hinneh > , they had done <06213 +<asah > it as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > , even so <03651 +ken > had they done <06213 +<asah > it : and Moses <{04872} +Mosheh > blessed <01288 +barak > them .

04872 EXO 039 043 And Moses <{04872} +Mosheh > did look <07200 +ra>ah > upon all <03605 +kol > the work <04399 +m@la>kah > , and , behold <02009 +hinneh > , they had done <06213 +<asah > it as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > , even so <03651 +ken > had they done <06213 +<asah > it : and Moses <04872 +Mosheh > blessed <01288 +barak > them .

04872 EXO 040 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 040 016 . Thus did <06213 +<asah > Moses <{04872} +Mosheh > : according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > he .

04872 EXO 040 018 And Moses <{04872} +Mosheh > reared <06965 +quwm > up the tabernacle <04908 +mishkan > , and fastened <05414 +nathan > his sockets <00134 +>eden > , and set <07760 +suwm > up the boards <07175 +qeresh > thereof , and put <05414 +nathan > in the bars <01280 +b@riyach > thereof , and reared <06965 +quwm > up his pillars <05982 +<ammuwd > .

04872 EXO 040 019 And he spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > the tent <00168 +>ohel > over <05921 +<al > the tabernacle <04908 +mishkan > , and put <07760 +suwm > the covering <04372 +mikceh > of the tent <00168 +>ohel > above <04605 +ma<al > upon it ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 021 And he brought <00935 +bow> > the ark <00727 +>arown > into <00413 +>el > thetabernacle <04908 +mishkan > , and set <07760 +suwm > up the vail <06532 +poreketh > of the covering <04539 +macak > , and covered <05526 +cakak > the ark <00727 +>arown > of the testimony <5715> ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 023 And he set <06186 +<arak > the bread <03899 +lechem > in order <06186 +<arak > upon it before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 025 And he lighted <05927 +<alah > the lamps <05216 +niyr > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 027 And he burnt <06999 +qatar > sweet <05561 +cam > incense <07004 +q@toreth > thereon <05921 +<al > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 029 And he put <07760 +suwm > the altar <04196 +mizbeach > of burnt <05930 +<olah > offering [ by ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <04908 +mishkan > of the tent <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , and offered <05927 +<alah > upon it the burnt <05930 +<olah >

offering and the meat offering <04503 +minchah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 031 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > washed <07364 +rachats > their hands <03027 +yad > and their feet <07272 +regel > thereat :

04872 EXO 040 032 When they went <00935 +bow> > into <00413 +>el > the tent <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , and when they came <07126 +qarab > near <07126 +qarab > unto the altar <04196 +mizbeach > , they washed <07364 +rachats > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 040 033 And he reared <06965 +quwm > up the court <02691 +chatser > round <05439 +cabiyb > about the tabernacle <04908 +mishkan > and the altar <04196 +mizbeach > , and set <05414 +nathan > up the hanging <04539 +macak > of the court <02691 +chatser > gate <08179 +sha<ar > . So Moses <{04872} +Mosheh > finished <03615 +kalah > the work <04399 +m@la>kah > .

04872 EXO 040 035 And Moses <{04872} +Mosheh > was not able <03201 +yakol > to enter <00935 +bow> > into <00413 +>el > the tent <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , because <03588 +kiy > the cloud <06051 +<anan > abode <07931 +shakan > thereon <05921 +<al > , and the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah > filled <04390 +male> > the tabernacle <04908 +mishkan > .

04872 LEV 001 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121 +qara> > unto Moses <{04872} +Mosheh > , and spake <01696 +dabar > unto him out of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 004 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 005 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 006 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 006 008 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 006 019 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 006 024 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 007 022 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 007 028 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 007 038 Which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , in the day <03119 +yowmam > that he commanded <06680 +tsavah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > to offer <07126 +qarab > their oblations <07133 +qorban > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , in

the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 EXO 034 035 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > the face <06440 +paniym > of Moses <04872 +Mosheh > , that the skin <05785 +<owr > of Moses <{04872} +Mosheh > face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > : and Moses <04872 +Mosheh > put <07725 +shuwb > the vail <04533 +macveh > upon his face <06440 +paniym > again <07725 +shuwb > , until <05704 +<ad > he went <00935 +bow> > in to speak <01696 +dabar > with him .

04872 LEV 008 004 And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him ; and the assembly <05712 +<edah > was gathered <06950 +qahal > together unto the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 LEV 008 005 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the congregation <05712 +<edah > , This <02088 +zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > to be done <06213 +<asah > .

04872 LEV 008 006 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <07126 +qarab > Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > , and washed <07364 +rachats > them with water <04325 +mayim > .

04872 LEV 008 009 And he put <07760 +suwm > the mitre <04701 +mitsnepheth > upon his head <07218 +ro>sh > ; also upon the mitre <04701 +mitsnepheth > , [ even ] upon his forefront , did he put <07760 +suwm > the golden <02091 +zahab > plate <06731 +tsiyts > , the holy <06944 +qodesh > crown <05145 +nezer > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 010 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the anointing <04888 +mishchah > oil <08081 +shemen > , and anointed <04886 +mashach > the tabernacle <04908 +mishkan > and all <03605 +kol > that [ was ] therein , and sanctified <06942 +qadash > them .

04872 LEV 008 013 And Moses <04872 +Mosheh > brought <07126 +qarab > Aaron s <00175 +>Aharown > sons <01121 +ben > , and put <03847 +labash > coats <03801 +k@thoneth > upon them , and girded <02296 +chagar > them with girdles <73> , and put <02280 +chabash > bonnets <04021 +migba<ah > upon them ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 013 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <07126 +qarab > Aaron s <00175 +>Aharown > sons <01121 +ben > , and put <03847 +labash > coats <03801 +k@thoneth > upon them , and girded <02296 +chagar > them with girdles <73> , and put <02280 +chabash > bonnets <04021 +migba<ah > upon them ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 008 015 And he slew <07819 +shachat > [ it ] ; and Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the blood <01818 +dam > , and put <05414 +nathan > [ it ] upon the horns <07161 +qeren > of the altar <04196 +mizbeach > round <05439 +cabiyb > about with his finger <00676 +>etsba< > , and purified <02398 +chata> > the altar <04196 +mizbeach > , and poured <03332 +yatsaq > the blood <01818 +dam > at <00413 +>el > the bottom <03247 +y@cowd > of the altar <04196 +mizbeach > , and sanctified <06942 +qadash > it , to make reconciliation <03722

+kaphar > upon it .

04872 LEV 008 016 And he took <03947 +laqach > all <03605 +kol > the fat <02459 +cheleb > that [ was ] upon the inwards <07130 +qereb > , and the caul <03508 +yothereth > [ above ] the liver <03516 +kabed > , and the two <08147 +sh@nayim > kidneys <03629 +kilyah > , and their fat <02459 +cheleb > , and Moses <{04872} +Mosheh > burned <06999 +qatar > [ it ] upon the altar <04196 +mizbeach > .

04872 LEV 008 017 But the bullock <06499 +par > , and his hide <05785 +<owr > , his flesh <01320 +basar > , and his dung <06569 +peresh > , he burnt <08313 +saraph > with fire <00784 +>esh > without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 019 And he killed <07819 +shachat > [ it ] ; and Moses <{04872} +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the altar <04196 +mizbeach > round <05439 +cabiyb > about .

04872 LEV 008 020 And he cut <05408 +nathach > the ram <00352 +>ayil > into pieces <05409 +nethach > ; and Moses <{04872} +Mosheh > burnt <06999 +qatar > the head <07218 +ro>sh > , and the pieces <05409 +nethach > , and the fat <06309 +peder > .

04872 LEV 008 021 And he washed <07364 +rachats > the inwards <07130 +qereb > and the legs <03767 +kara< > in water <04325 +mayim > ; and Moses <04872 +Mosheh > burnt <06999 +qatar > the whole ram <00352 +>ayil > upon the altar <04196 +mizbeach > : it [ was ] a burnt <05930 +<olah > sacrifice for a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > , [ and ] an offering made by fire unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 021 And he washed <07364 +rachats > the inwards <07130 +qereb > and the legs <03767 +kara< > in water <04325 +mayim > ; and Moses <{04872} +Mosheh > burnt <06999 +qatar > the whole ram <00352 +>ayil > upon the altar <04196 +mizbeach > : it [ was ] a burnt <05930 +<olah > sacrifice for a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > , [ and ] an offering made by fire unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 008 023 And he slew <07819 +shachat > [ it ] ; and Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > of the blood <01818 +dam > of it , and put <05414 +nathan > [ it ] upon the tip <08571 +t@nuwk > of Aaron s <00175 +>Aharown > right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <07272 +regel > .

04872 LEV 008 024 And he brought <07126 +qarab > Aaron s <00175 +>Aharown > sons <01121 +ben > , and Moses <04872 +Mosheh > put <05414 +nathan > of the blood <01818 +dam > upon the tip <08571 +t@nuwk > of their right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumbs <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > hands <03027 +yad > , and upon the great toes <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > feet <07272 +regel > : and Moses <{04872} +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the altar <04196 +mizbeach > round <05439 +cabiyb > about .

04872 LEV 008 024 And he brought <07126 +qarab > Aaron s <00175

+>Aharown > sons <01121 +ben > , and Moses <{04872} +Mosheh > put <05414 +nathan > of the blood <01818 +dam > upon the tip <08571 +t@nuwk > of their right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumbs <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > hands <03027 +yad > , and upon the great toes <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > feet <07272 +regel > : and Moses <04872 +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the altar <04196 +mizbeach > round <05439 +cabiyb > about .

04872 LEV 008 028 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > them from off <05921 +<al > their hands <03709 +kaph > , and burnt <06999 +qatar > [ them ] on the altar <04196 +mizbeach > upon the burnt <05930 +<olah > offering : they [ were ] consecrations <04394 +millu> > for a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > : it [ is ] an offering made by fire unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 LEV 008 029 And Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > the breast <02373 +chazeh > , and waved <05130 +nuwph > it [ for ] a wave <08573 +t@nuwphah > offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > : [ for ] of the ram <00352 +>ayil > of consecration <04394 +millu> > it was Moses <04872 +Mosheh > part <04940 +mishpachah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 008 029 And Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > the breast <02373 +chazeh > , and waved <05130 +nuwph > it [ for ] a wave <08573 +t@nuwphah > offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > : [ for ] of the ram <00352 +>ayil > of consecration <04394 +millu> > it was Moses <{04872} +Mosheh > part <04940 +mishpachah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 008 029 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the breast <02373 +chazeh > , and waved <05130 +nuwph > it [ for ] a wave <08573 +t@nuwphah > offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > : [ for ] of the ram <00352 +>ayil > of consecration <04394 +millu> > it was Moses <04872 +Mosheh > part <04940 +mishpachah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 008 030 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > of the anointing <04888 +mishchah > oil <08081 +shemen > , and of the blood <01818 +dam > which <00834 +>aher > [ was ] upon the altar <04196 +mizbeach > , and sprinkled <05137 +nazah > [ it ] upon Aaron <00175 +>Aharown > , [ and ] upon his garments <00899 +beged > , and upon his sons <01121 +ben > , and upon his sons <01121 +ben > garments <00899 +beged > with him ; and sanctified <06942 +qadash > Aaron <00175 +>Aharown > , [ and ] his garments <00899 +beged > , and his sons <01121 +ben > , and his sons <01121 +ben > garments <00899 +beged > with him .

04872 LEV 008 031 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > and to his sons <01121 +ben > , Boil <01310 +bashal > the flesh <01320 +basar > [ at ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > : and there <08033 +sham > eat <00398 +>akal > it with the bread <03899 +lechem > that [ is ] in the basket <05536 +cal > of consecrations <04394 +millu> > , as I commanded <06680 +tsavah > , saying <00559 +>amar > , Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > shall eat <00398 +>akal > it .

04872 LEV 008 036 So Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > did <06213 +<asah > all <03605 +kol > things

<01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 009 001 . And it came <00935 +bow> > to pass on the eighth <08066 +sh@miyniy > day <03117 +yowm > , [ that ] Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > , and the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > ;

04872 LEV 009 005 And they brought <03947 +laqach > [ that ] which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > before the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > : and all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > drew near <07126 +qarab > and stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 LEV 009 006 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , This <02088 +zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > that ye should do <06213 +<asah > : and the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah > shall appear <07200 +ra>ah > unto you .

04872 LEV 009 007 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Go <07126 +qarab > unto the altar <04196 +mizbeach > , and offer <06213 +<asah > thy sin <02403 +chatta>ah > offering , and thy burnt <05930 +<olah > offering , and make an atonement <03722 +kaphar > for thyself , and for the people <05971 +<am > : and offer <06213 +<asah > the offering <07133 +qorban > of the people <05971 +<am > , and make an atonement <03722 +kaphar > for them ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > .

04872 LEV 009 010 But the fat <02459 +cheleb > , and the kidneys <03629 +kilyah > , and the caul <03508 +yothereth > above <04480 +min > the liver <03516 +kabed > of the sin <02403 +chatta>ah > offering , he burnt <05930 +<olah > upon the altar <04196 +mizbeach > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 009 021 And the breasts <02373 +chazeh > and the right <03225 +yamiyn > shoulder <07785 +showq > Aaron <00175 +>Aharown > waved <05130 +nuwph > [ for ] a wave <08573 +t@nuwphah > offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ; as Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > .

04872 LEV 009 023 . And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <00935 +bow> > into <00413 +>el > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , and came <03318 +yatsa> > out , and blessed <01288 +barak > the people <05971 +<am > : and the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah > appeared <07200 +ra>ah > unto all <03605 +kol > the people <05971 +<am > .

04872 LEV 010 003 . Then Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , This <01931 +huw> > [ is it ] that the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > , saying <00559 +>amar > , I will be sanctified <06942 +qadash > in them that come <07138 +qarowb > nigh <07138 +qarowb > me , and before all <03605 +kol > the people <05971 +<am > I will be glorified <03513 +kabad > . And Aaron <00175 +>Aharown > held <01826 +damam > his peace <01826 +damam > .

04872 LEV 010 004 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121

+qara> > Mishael <04332 +Miysha>el > and Elzaphan <00469
+>Eliytsaphan > , the sons <01121 +ben > of Uzziel <05816
+<Uzziy>el > the uncle <01730 +dowd > of Aaron <00175 +>Aharown
> , and said <00559 +>amar > unto them , Come <00935 +bow> >
near <07126 +qarab > , carry <05375 +nasa> > your brethren
<00251 +>ach > from before <06440 +paniym > the sanctuary <06944
+qodesh > out of the camp <04264 +machaneh > .

04872 LEV 010 005 So they went <07126 +qarab > near <07126
+qarab > , and carried <05375 +nasa> > them in their coats
<03801 +k@thoneth > out of the camp <04264 +machaneh > ; as
Moses <{04872} +Mosheh > had said <01696 +dabar > .

04872 LEV 010 006 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , and unto Eleazar <00499
+>El<azar > and unto Ithamar <00385 +>Iythamar > , his sons
<01121 +ben > , Uncover <06544 +para< > not your heads <07218
+ro>sh > , neither <03808 +lo> > rend <06533 +param > your
clothes <00899 +beged > ; lest <03808 +lo> > ye die <04191
+muwth > , and lest wrath <07107 +qatsaph > come upon all <03605
+kol > the people <05712 +<edah > : but let your brethren <00251
+>ach > , the whole <03605 +kol > house <01004 +bayith > of
Israel <03478 +Yisra>el > , bewail <01058 +bakah > the burning
<08316 +s@rephah > which <00834 +>aher > the LORD <03068
+Y@hovah > hath kindled <08313 +saraph > .

04872 LEV 010 007 And ye shall not go <03318 +yatsa> > out from
the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of
the congregation <04150 +mow<ed > , lest <06435 +pen > ye die
<04191 +muwth > : for the anointing <04888 +mishchah > oil
<08081 +shemen > of the LORD <03068 +Y@hovah > [ is ] upon you .
And they did <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar
> of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 010 011 And that ye may teach <03384 +yarah > the
children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > all <03605
+kol > the statutes <02706 +choq > which <00834 +>aher > the
LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken <01696 +dabar > unto them by
the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 010 012 . And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696
+dabar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , and unto Eleazar <00499
+>El<azar > and unto Ithamar <00385 +>Iythamar > , his sons
<01121 +ben > that were left <03498 +yathar > , Take <03947
+laqach > the meat offering <04503 +minchah > that remaineth
<03498 +yathar > of the offerings of the LORD <03068 +Y@hovah >
made by fire , and eat <00398 +>akal > it without <04682
+matstsah > leaven <04682 +matstsah > beside <00681 +>etsel >
the altar <04196 +mizbeach > : for it [ is ] most <06944 +qodesh
> holy <06944 +qodesh > :

04872 LEV 010 016 And Moses <{04872} +Mosheh > diligently sought
<01875 +darash > the goat <08163 +sa<iyr > of the sin <02403
+chatta>ah > offering , and , behold <02009 +hinneh > , it was
burnt <08313 +saraph > : and he was angry <07107 +qatsaph > with
Eleazar <00499 +>El<azar > and Ithamar <00385 +>Iythamar > , the
sons <01121 +ben > of Aaron <00175 +>Aharown > [ which were ]
left <03498 +yathar > [ alive ] , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 010 019 And Aaron <00175 +>Aharown > said <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Behold <02005 +hen > ,
this day <03117 +yowm > have they offered <07126 +qarab > their
sin <02403 +chatta>ah > offering and their burnt <05930 +<olah >
offering before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ;
and such <00428 +>el - leh > things have befallen <07122 +qara>
> me : and [ if ] I had eaten <00398 +>akal > the sin <02403

+chatta>ah > offering to day <03117 +yowm > , should it have
been accepted <03190 +yatab > in the sight <05869 +<ayin > of
the LORD <03068 +Y@hovah > ?

04872 LEV 010 020 And when Moses <{04872} +Mosheh > heard <08085
+shama< > [ that ] , he was content .

04872 LEV 011 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and to Aaron <00175
+>Aharown > , saying <00559 +>amar > unto them ,

04872 LEV 012 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 013 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 014 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 014 033 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175
+>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 015 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and to Aaron <00175
+>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 016 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > after <00310 +>achar >
the death <04194 +maveth > of the two <08147 +sh@nayim > sons
<01121 +ben > of Aaron <00175 +>Aharown > , when they offered
<07126 +qarab > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah
> , and died <04191 +muwth > ;

04872 LEV 016 002 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Speak <01696 +dabar >
unto Aaron <00175 +>Aharown > thy brother <00251 +>ach > , that
he come <00935 +bow> > not at all <03605 +kol > times <06256
+<eth > into <00413 +>el > the holy <06944 +qodesh > [ place ]
within <01004 +bayith > the vail <06532 +poreketh > before the
mercy <03727 +kapporeth > seat , which <00834 +>aher > [ is ]
upon the ark <00727 +>arown > ; that he die <04191 +muwth > not :
 for I will appear <07200 +ra>ah > in the cloud <06051 +<anan >
upon the mercy <03727 +kapporeth > seat .

04872 LEV 016 034 And this <02063 +zo>th > shall be an
everlasting <05769 +<owlam > statute <02708 +chuqqah > unto you ,
 to make an atonement <03722 +kaphar > for the children <01121
+ben > of Israel <03478 +Yisra>el > for all <03605 +kol > their
sins <02403 +chatta>ah > once <00259 +>echad > a year <08141
+shaneh > . And he did <06213 +<asah > as the LORD <03068
+Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 017 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 018 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 019 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 020 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 021 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Speak <00559 +>amar > unto the priests <03548 +kohen > the sons <01121 +ben > of Aaron <00175 +>Aharown > , and say <00559 +>amar > unto them , There shall none <03808 +lo> > be defiled <02930 +tame> > for the dead <05315 +nephesh > among his people <05971 +<am > :

04872 LEV 021 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 021 024 And Moses <{04872} +Mosheh > told <01696 +dabar > [ it ] unto Aaron <00175 +>Aharown > , and to his sons <01121 +ben > , and unto all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 LEV 022 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 022 017 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 022 026 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 009 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 023 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 026 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 033 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 023 044 And Moses <{04872} +Mosheh > declared <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > the feasts <04150 +mow<ed > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 LEV 024 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 024 011 And the Israelitish <03482 +Yisr@>eliyth > woman s <00802 +>ishshah > son <01121 +ben > blasphemed <05344 +naqab > the name <08034 +shem > [ of the LORD ] , and cursed <07043 +qalal > . And they brought <00935 +bow> > him unto Moses <{04872} +Mosheh > : ( and his mother s <00517 +>em > name <08034 +shem > [ was ] Shelomith <08019 +Sh@lomiyth > , the daughter <01323 +bath > of Dibri <01704 +Dibriy > , of the tribe <04294 +matteh > of Dan <01835 +Dan > : )

04872 LEV 024 013 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh> , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 024 023 And Moses <04872 +Mosheh > spake <01696 +dabar > to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that they should bring <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > him that had cursed <07043 +qalal > out of the camp <04264 +machaneh > , and stone <07275 +ragam > him with stones <68> . And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did

<06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 024 023 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that they should bring <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > him that had cursed <07043 +qalal > out of the camp <04264 +machaneh > , and stone <07275 +ragam > him with stones <68> . And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 LEV 025 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 026 046 These <00428 +>el - leh > [ are ] the statutes <02708 +chuqqah > and judgments <04941 +mishpat > and laws <08451 +towrah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > made <05414 +nathan > between <00996 +beyn > him and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 LEV 027 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 LEV 027 034 These <00428 +>el - leh > [ are ] the commandments <04687 +mitsvah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > for the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 001 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > , in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , on the first <00259 +>echad > [ day ] of the second <08145 +sheniy > month <02320 +chodesh > , in the second <08145 +sheniy > year <08141 +shaneh > after they were come <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 001 017 . And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > took <03947 +laqach > these <00428 +>el - leh > men <00582 +>enowsh > which <00834 +>aher > are expressed <05344 +naqab > by [ their ] names <08034 +shem > :

04872 NUM 001 019 As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so he numbered <06485 +paqad > them in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 001 044 . These <00428 +>el - leh > [ are ] those that were numbered <06485 +paqad > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > numbered <06485 +paqad > , and the princes <05387 +nasiy> > of Israel <03478 +Yisra>el > , [ being ] twelve men <00376 +>iysh > : each <00376 +>iysh > one <00259 +>echad > was for the house <01004 +bayith > of his fathers <1> .

04872 NUM 001 048 For the LORD <03068 +Y@hovah > had spoken <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 001 054 And the children <01121 +ben > of Israel

<03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 NUM 002 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 002 033 But the Levites <03881 +Leviyiy > were not numbered <06485 +paqad > among <08432 +tavek > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 002 034 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > : so <03651 +ken > they pitched <02583 +chanah > by their standards <01714 +degel > , and so <03651 +ken > they set <05265 +naca< > forward <05265 +naca< > , every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > after their families <04940 +mishpachah > , according <05921 +<al > to the house <01004 +bayith > of their fathers <1> .

04872 NUM 003 001 . These <00428 +>el - leh > also [ are ] the generations <08435 +towl@dah > of Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <04872 +Mosheh > in the day <03117 +yowm > [ that ] the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > with Moses <{04872} +Mosheh > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 003 001 . These <00428 +>el - leh > also [ are ] the generations <08435 +towl@dah > of Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > in the day <03117 +yowm > [ that ] the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > with Moses <04872 +Mosheh > in mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 003 005 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 003 011 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 003 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 003 016 And Moses <{04872} +Mosheh > numbered <06485 +paqad > them according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , as he was commanded <06680 +tsavah > .

04872 NUM 003 038 But those that encamp <02583 +chanah > before <06440 +paniym > the tabernacle <04908 +mishkan > toward the east <06924 +qedem > , [ even ] before <06440 +paniym > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > eastward <04217 +mizrach > , [ shall be ] Moses <{04872} +Mosheh > , and Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > , keeping <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the sanctuary <04720 +miqdash > for the charge <04931 +mishmereth > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and the stranger <02114 +zuwr > that cometh <07131 +qareb > nigh <07126 +qarab > shall be put to death <04191 +muwth > .

04872 NUM 003 039 All <03605 +kol > that were numbered <06485 +paqad > of the Levites <03881 +Leviyiy > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > numbered

<06485 +paqad > at <05921 +<al > the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , throughout their families <04940 +mishpachah > , all <03605 +kol > the males <02145 +zakar > from a month <02320 +chodesh > old <01121 +ben > and upward <04605 +ma<al > , [ were ] twenty <06242 +<esriym > and two <08147 +sh@nayim > thousand <00505 +>eleph > .

04872 NUM 003 040 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Number <06485 +paqad > all <03605 +kol > the firstborn <01060 +b@kowr > of the males <02145 +zakar > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > from a month <02320 +chodesh > old <01121 +ben > and upward <04605 +ma<al > , and take <05375 +nasa> > the number <04557 +micpar > of their names <08034 +shem > .

04872 NUM 003 042 And Moses <{04872} +Mosheh > numbered <06485 +paqad > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him , all <03605 +kol > the firstborn <01060 +b@kowr > among the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 003 044 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 003 049 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the redemption <06306 +pidyowm > money <03701 +keceph > of them that were over <05736 +<adaph > and above <05921 +<al > them that were redeemed <06306 +pidyowm > by the Levites <03881 +Leviyiy > :

04872 NUM 003 051 And Moses <04872 +Mosheh > gave <05414 +nathan > the money <03701 +keceph > of them that were redeemed <06306 +pidyowm > unto Aaron <00175 +>Aharown > and to his sons <01121 +ben > , according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 003 051 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > the money <03701 +keceph > of them that were redeemed <06306 +pidyowm > unto Aaron <00175 +>Aharown > and to his sons <01121 +ben > , according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 004 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 004 017 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 004 021 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh> , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 004 034 . And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > and the chief <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > numbered <06485 +paqad > the sons <01121 +ben > of the Kohathites <06956 +Qohathiy > after their families <04940 +mishpachah > , and after the house <01004 +bayith > of their fathers <1> ,

04872 NUM 004 037 These <00428 +>el - leh > [ were ] they that were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah > of the Kohathites <06956 +Qohathiy > , all <03605 +kol > that might do <05647 +<abad > service <05647 +<abad > in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > ,

which <00834 +>aher > Moses <04872 +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > did number <06485 +paqad > according <05921 +<al >
to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah >
by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 004 037 These <00428 +>el - leh > [ were ] they that
were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah
> of the Kohathites <06956 +Qohathiy > , all <03605 +kol > that
might do <05647 +<abad > service <05647 +<abad > in the
tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > ,
which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > did number <06485 +paqad > according <05921 +<al >
to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah >
by the hand <03027 +yad > of Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 004 041 These <00428 +>el - leh > [ are ] they that
were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah
> of the sons <01121 +ben > of Gershon , of all <03605 +kol >
that might do <05647 +<abad > service <05647 +<abad > in the
tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > ,
whom <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > did number <06485 +paqad > according <05921 +<al >
to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 NUM 004 045 These <00428 +>el - leh > [ be ] those that
were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah
> of the sons <01121 +ben > of Merari <04847 +M@rariy > , whom
<00834 +>aher > Moses <04872 +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > numbered <06485 +paqad > according <05921 +<al > to
the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand
<03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 004 045 These <00428 +>el - leh > [ be ] those that
were numbered <06485 +paqad > of the families <04940 +mishpachah
> of the sons <01121 +ben > of Merari <04847 +M@rariy > , whom
<00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > numbered <06485 +paqad > according <05921 +<al > to
the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand
<03027 +yad > of Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 004 046 All <03605 +kol > those that were numbered
<06485 +paqad > of the Levites <03881 +Leviyiy > , whom <00834
+>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown >
and the chief <05387 +nasiy> > of Israel <03478 +Yisra>el >
numbered <06485 +paqad > , after their families <04940
+mishpachah > , and after the house <01004 +bayith > of their
fathers <1> ,

04872 NUM 004 049 According <05921 +<al > to the commandment
<06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > they were numbered
<06485 +paqad > by the hand <03027 +yad > of Moses <04872
+Mosheh > , every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > according
<05921 +<al > to his service <05656 +<abodah > , and according
<05921 +<al > to his burden <04853 +massa> > : thus were they
numbered <06485 +paqad > of him , as the LORD <03068 +Y@hovah >
commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 004 049 According <05921 +<al > to the commandment
<06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > they were numbered
<06485 +paqad > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872}
+Mosheh > , every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > according
<05921 +<al > to his service <05656 +<abodah > , and according
<05921 +<al > to his burden <04853 +massa> > : thus were they
numbered <06485 +paqad > of him , as the LORD <03068 +Y@hovah >
commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 005 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 005 004 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > so <03651 +ken > , and put <07971 +shalach > them out without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > : as the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 005 005 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 005 011 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 006 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 006 022 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 007 001 . And it came <01961 +hayah > to pass on the day <03117 +yowm > that Moses<{04872} +Mosheh > had fully <03615 +kalah > set <06965 +quwm > up the tabernacle <04908 +mishkan > , and had anointed <04886 +mashach > it , and sanctified <06942 +qadash > it , and all <03605 +kol > the instruments <03627 +k@liy > thereof , both the altar <04196 +mizbeach > and all <03605 +kol > the vessels <03627 +k@liy > thereof , and had anointed <04886 +mashach > them , and sanctified <06942 +qadash > them ;

04872 NUM 007 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 007 006 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the wagons <05699 +<agalah > and the oxen <01241 +baqar > , and gave <05414 +nathan > them unto the Levites <03881 +Leviyiy > .

04872 NUM 007 011 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , They shall offer <07126 +qarab > their offering <07133 +qorban > , each <00259 +>echad > prince <05387 +nasiy> > on his day <03117 +yowm > , for the dedicating <02598 +chanukkah > of the altar <04196 +mizbeach > .

04872 NUM 007 089 And when Moses <{04872} +Mosheh > was gone <00935 +bow> > into <00413 +>el > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > to speak <01696 +dabar > with him , then he heard <08085 +shama< > the voice <06963 +qowl > of one speaking <01696 +dabar > unto him from off <05921 +<al > the mercy <03727 +kapporeth > seat that [ was ] upon the ark <00727 +>arown > of testimony <5715> , from between <00996 +beyn > the two <08147 +sh@nayim > cherubims <03742 +k@ruwb > : and he spake <01696 +dabar > unto him .

04872 NUM 008 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 008 003 And Aaron <00175 +>Aharown > did <06213 +<asah > so ; he lighted <05927 +<alah > the lamps <05216 +niyr > thereof over against the candlestick <04501 +m@nowrah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 008 004 And this <02088 +zeh > work <04639 +ma<aseh > of the candlestick <04501 +m@nowrah > [ was of ] beaten <04749 +miqshah > gold <02091 +zahab > , unto the shaft <03409 +yarek > thereof , unto the flowers <06525 +perach > thereof , [ was ] beaten <04749 +miqshah > work : according unto the pattern <04758 +mar>eh > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had shewed <07200 +ra>ah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > he made <06213 +<asah > the candlestick <04501 +m@nowrah > .

04872 NUM 008 005 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 008 020 And Moses <04872 +Mosheh > , and Aaron <00175 +>Aharown > , and all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , did <06213 +<asah > to the Levites <03881 +Leviyiy > according unto all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > concerning the Levites <03881 +Leviyiy > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > unto them .

04872 NUM 008 020 And Moses <{04872} +Mosheh > , and Aaron <00175 +>Aharown > , and all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , did <06213 +<asah > to the Levites <03881 +Leviyiy > according unto all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > concerning the Levites <03881 +Leviyiy > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > unto them .

04872 NUM 008 022 And after <00310 +>achar > that went <00935 +bow> > the Levites <03881 +Leviyiy > in to do <05647 +<abad > their service <05656 +<abodah > in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > before <06440 +paniym > Aaron <00175 +>Aharown > , and before <06440 +paniym > his sons <01121 +ben > : as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > concerning <05921 +<al > the Levites <03881 +Leviyiy > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they unto them .

04872 NUM 008 023 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 009 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > , in the first <07223 +ri>shown > month <02320 +chodesh > of the second <08145 +sheniy > year <08141 +shaneh > after they were come <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 009 004 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that they should keep <06213 +<asah > the passover <06453 +pecach > .

04872 NUM 009 005 And they kept <06213 +<asah > the passover <06453 +pecach > on the fourteenth day <03117 +yowm > of the first <07223 +ri>shown > month <02320 +chodesh > at <00996 +beyn > even <06153 +<ereb > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > : according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > the children

<01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 009 006 And there were certain men <00582 +>enowsh > , who <00834 +>aher > were defiled <02931 +tame> > by the dead <05315 +nephesh > body <05315 +nephesh > of a man <00120 +>adam > , that they could <03201 +yakol > not keep <06213 +<asah > the passover <06453 +pecach > on that day <03117 +yowm > : and they came <07126 +qarab > before <06440 +paniym > Moses <{04872} +Mosheh > and before <06440 +paniym > Aaron <00175 +>Aharown > on that day <03117 +yowm > :

04872 NUM 009 008 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , Stand <05975 +<amad > still , and I will hear <08085 +shama< > what <04100 +mah > the LORD <03068 +Y@hovah > will command <06680 +tsavah > concerning you .

04872 NUM 009 009 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 009 023 At <05921 +<al > the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > they rested <02583 +chanah > in the tents , and at <05921 +<al > the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > they journeyed <05265 +naca< > : they kept <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , at <05921 +<al > the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 010 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 010 013 And they first <07223 +ri>shown > took their journey <05265 +naca< > according <05921 +<al > to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 010 029 . And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Hobab <02246 +Chobab > , the son <01121 +ben > of Raguel <07467 +R@<uw>el > the Midianite <04084 +Midyaniy > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , We are journeying <05265 +naca< > unto the place <04725 +maqowm > of which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > , I will give <05414 +nathan > it you : come <03212 +yalak > thou with us , and we will do thee good <02895 +towb > : for the LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken <01696 +dabar > good <02896 +towb > concerning <05921 +<al > Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 010 029 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Hobab <02246 +Chobab > , the son <01121 +ben > of Raguel <07467 +R@<uw>el > the Midianite <04084 +Midyaniy > , Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , We are journeying <05265 +naca< > unto the place <04725 +maqowm > of which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > , I will give <05414 +nathan > it you : come <03212 +yalak > thou with us , and we will do thee good <02895 +towb > : for the LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken <01696 +dabar > good <02896 +towb > concerning <05921 +<al > Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 010 035 And it came <01961 +hayah > to pass , when the ark <00727 +>arown > set <05265 +naca< > forward <05265 +naca< > , that Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Rise <06965 +quwm > up , LORD <03068 +Y@hovah > , and let thine enemies <00341 +>oyeb > be scattered <06327 +puwts > ; and let them that hate <08130 +sane> > thee flee <05127 +nuwc > before

<06440 +paniym > thee .

04872 NUM 011 002 And the people <05971 +<am > cried <06817 +tsa<aq > unto Moses <04872 +Mosheh > ; and when Moses <{04872} +Mosheh > prayed <06419 +palal > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , the fire <00784 +>esh > was quenched <08257 +shaqa< > .

04872 NUM 011 002 And the people <05971 +<am > cried <06817 +tsa<aq > unto Moses <{04872} +Mosheh > ; and when Moses <04872 +Mosheh > prayed <06419 +palal > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , the fire <00784 +>esh > was quenched <08257 +shaqa< > .

04872 NUM 011 010 Then Moses <04872 +Mosheh > heard <08085 +shama< > the people <05971 +<am > weep <01058 +bakah > throughout their families <04940 +mishpachah > , every man <00376 +>iysh > in the door <06607 +pethach > of his tent <00168 +>ohel > : and the anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > was kindled <02734 +charah > greatly <03966 +m@<od > ; Moses <{04872} +Mosheh > also was displeased .

04872 NUM 011 010 Then Moses <{04872} +Mosheh > heard <08085 +shama< > the people <05971 +<am > weep <01058 +bakah > throughout their families <04940 +mishpachah > , every man <00376 +>iysh > in the door <06607 +pethach > of his tent <00168 +>ohel > : and the anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > was kindled <02734 +charah > greatly <03966 +m@<od > ; Moses <04872 +Mosheh > also was displeased .

04872 NUM 011 011 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , Wherefore <04100 +mah > hast thou afflicted <07489 +ra<a< > thy servant <05650 +<ebed > ? and wherefore <04100 +mah > have I not found <04672 +matsa> > favour <02580 +chen > in thy sight <05869 +<ayin > , that thou layest <07760 +suwm > the burden <04853 +massa> > of all <03605 +kol > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > upon me ?

04872 NUM 011 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh> , Gather <00622 +>acaph > unto me seventy <07657 +shib<iym . > men <00376 +>iysh > of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > , whom <00834 +>aher > thou knowest <03045 +yada< > to be the elders <02205 +zaqen > of the people <05971 +<am > , and officers <07860 +shoter > over them ; and bring <03947 +laqach > them unto the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , that they may stand <03320 +yatsab > there <08033 +sham > with thee .

04872 NUM 011 021 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , The people <05971 +<am > , among <07130 +qereb > whom <00834 +>aher > I [ am ] , [ are ] six <08337 +shesh > hundred <03967 +me>ah > thousand <00505 +>eleph > footmen <07273 +ragliy > ; and thou hast said <00559 +>amar > , I will give <05414 +nathan > them flesh <01320 +basar > , that they may eat <00398 +>akal > a whole <03117 +yowm > month <02320 +chodesh > .

04872 NUM 011 023 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Is the LORD S <03068 +Y@hovah > hand <03027 +yad > waxed short <07114 +qatsar > ? thou shalt see <07200 +ra>ah > now <06258 +<attah > whether my word <01697 +dabar > shall come <07136 +qarah > to pass unto thee or not .

04872 NUM 011 024 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out , and told <01696 +dabar > the people <05971 +<am > the words <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and gathered <00622 +>acaph > the seventy <07657 +shib<iym . > men

<00376 +>iysh > of the elders <02205 +zaqen > of the people
<05971 +<am > , and set <05975 +<amad > them round <05439
+cabiyb > about the tabernacle <00168 +>ohel > .

04872 NUM 011 027 And there ran <07323 +ruwts > a young <05288
+na<ar > man , and told <05046 +nagad > Moses <{04872} +Mosheh >
, and said <00559 +>amar > , Eldad <00419 +>Eldad > and Medad
<04312 +Meydad > do prophesy <05012 +naba> > in the camp <04264
+machaneh > .

04872 NUM 011 028 And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son
<01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , the servant <08334
+sharath > of Moses <04872 +Mosheh > , [ one ] of his young
<00979 +b@churowth > men , answered <06030 +<anah > and said
<00559 +>amar > , My lord <00113 +>adown > Moses <{04872}
+Mosheh > , forbid <03607 +kala> > them .

04872 NUM 011 028 And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son
<01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , the servant <08334
+sharath > of Moses <{04872} +Mosheh > , [ one ] of his young
<00979 +b@churowth > men , answered <06030 +<anah > and said
<00559 +>amar > , My lord <00113 +>adown > Moses <04872 +Mosheh
> , forbid <03607 +kala> > them .

04872 NUM 011 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto him , Enviest <07065 +qana> > thou for my sake ?
would God that all <03605 +kol > the LORD S <03068 +Y@hovah >
people <05971 +<am > were prophets <05030 +nabiy> > , [ and ]
that the LORD <03068 +Y@hovah > would put <05414 +nathan > his
spirit <07307 +ruwach > upon them !

04872 NUM 011 030 And Moses <{04872} +Mosheh > gat <00622
+>acaph > him into <00413 +>el > the camp <04264 +machaneh > ,
he and the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 012 001 . And Miriam <04813 +Miryam > and Aaron <00175
+>Aharown > spake <01696 +dabar > against Moses <{04872} +Mosheh
> because of the Ethiopian <03569 +Kuwshiy > woman <00802
+>ishshah > whom <00834 +>aher > he had married <03947 +laqach >
: for he had married <03947 +laqach > an Ethiopian <03569
+Kuwshiy > woman <00802 +>ishshah > .

04872 NUM 012 002 And they said <00559 +>amar > , Hath the LORD
<03068 +Y@hovah > indeed spoken <01696 +dabar > only <07535 +raq
> by Moses <{04872} +Mosheh > ? hath he not spoken <01696 +dabar
> also <01571 +gam > by us ? And the LORD <03068 +Y@hovah >
heard <08085 +shama< > [ it ] .

04872 NUM 012 003 ( Now the man <00376 +>iysh > Moses <{04872}
+Mosheh > [ was ] very <03966 +m@<od > meek <06035 +<anav > ,
above all the men <00120 +>adam > which <00834 +>aher > [ were ]
upon the face <06440 +paniym > of the earth <00127 +>adamah > . )

04872 NUM 012 004 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559
+>amar > suddenly <06597 +pith>owm > unto Moses <{04872} +Mosheh
> , and unto Aaron <00175 +>Aharown > , and unto Miriam <04813
+Miryam > , Come <03318 +yatsa> > out ye three <07969 +shalowsh
> unto the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150
+mow<ed > . And they three <07969 +shalowsh > came <03318
+yatsa> > out .

04872 NUM 012 007 My servant <05650 +<ebed > Moses <{04872}
+Mosheh > [ is ] not so <03651 +ken > , who <01931 +huw> > [ is
] faithful <00539 +>aman > in all <03605 +kol > mine house
<01004 +bayith > .

04872 NUM 012 008 With him will I speak <01696 +dabar > mouth <06310 +peh > to mouth <06310 +peh > , even apparently <04758 +mar>eh > , and not in dark <02420 +chiydah > speeches <02420 +chiydah > ; and the similitude <08544 +t@muwnah > of the LORD <03068 +Y@hovah > shall he behold <05027 +nabat > : wherefore <04069 +madduwa< > then were ye not afraid <03372 +yare> > to speak <01696 +dabar > against my servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > ?

04872 NUM 012 011 And Aaron <00175 +>Aharown > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Alas <00994 +biy > , my lord <00113 +>adown > , I beseech <04994 +na> > thee , lay <07896 +shiyth > not the sin <02403 +chatta>ah > upon us , wherein <00834 +>aher > we have done foolishly <02973 +ya>al > , and wherein <00834 +>aher > we have sinned <02398 +chata> > .

04872 NUM 012 013 And Moses <{04872} +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , Heal <07495 +rapha> > her now <04994 +na> > , O God <00410 +>el > , I beseech <04994 +na> > thee .

04872 NUM 012 014 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , If her father <1> had but spit <03417 +yaraq > in her face <06440 +paniym > , should she not be ashamed <03637 +kalam > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > ? let her be shut <05462 +cagar > out from the camp <04264 +machaneh > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > , and after <00310 +>achar > that let her be received <00622 +>acaph > in [ again ] .

04872 NUM 013 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 013 003 And Moses <{04872} +Mosheh > by the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > sent <07971 +shalach > them from the wilderness <04057 +midbar > of Paran <06290 +Pa>ran > : all <03605 +kol > those men <00582 +>enowsh > [ were ] heads <07218 +ro>sh > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 013 016 These <00428 +>el - leh > [ are ] the names <08034 +shem > of the men <00582 +>enowsh > which <00834 +>aher > Moses <04872 +Mosheh > sent <07971 +shalach > to spy <08446 +tuwr > out the land <00776 +>erets > . And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > Oshea <01954 +Howshea< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > Jehoshua <03091 +Y@howshuwa< > .

04872 NUM 013 016 These <00428 +>el - leh > [ are ] the names <08034 +shem > of the men <00582 +>enowsh > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > to spy <08446 +tuwr > out the land <00776 +>erets > . And Moses <04872 +Mosheh > called <07121 +qara> > Oshea <01954 +Howshea< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > Jehoshua <03091 +Y@howshuwa< > .

04872 NUM 013 017 And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > them to spy <08446 +tuwr > out the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > , and said <00559 +>amar > unto them , Get <05927 +<alah > you up this <02088 +zeh > [ way ] southward <05045 +negeb > , and go <05927 +<alah > up into the mountain <02022 +har > :

04872 NUM 013 026 . And they went <03212 +yalak > and came <00935 +bow> > to Moses <{04872} +Mosheh> , and to Aaron <00175 +>Aharown > , and to all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478

+Yisra>el > , unto the wilderness <04057 +midbar > of Paran <06290 +Pa>ran > , to Kadesh <06946 +Qadesh > ; and brought <07725 +shuwb > back <07725 +shuwb > word <01697 +dabar > unto them , and unto all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > , and shewed <07200 +ra>ah > them the fruit <06529 +p@riy > of the land <00776 +>erets > .

04872 NUM 013 030 And Caleb <03612 +Kaleb > stilled <02013 +hacah > the people <05971 +<am > before <00413 +>el > Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Let us go <05927 +<alah > up at once , and possess <03423 +yarash > it ; for we are well able <03201 +yakol > to overcome <03201 +yakol > it .

04872 NUM 014 002 And all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > murmured <03885 +luwn > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > : and the whole <03605 +kol > congregation <05712 +<edah > said <00559 +>amar > unto them , Would <03863 +luw> > God that we had died <04191 +muwth > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > ! or would <03863 +luw> > God we had died <04191 +muwth > in this <02088 +zeh > wilderness <04057 +midbar > !

04872 NUM 014 005 . Then Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > fell <05307 +naphal > on <05921 +<al > their faces <06440 +paniym > before <06440 +paniym > all <03605 +kol > the assembly <06951 +qahal > of the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 014 011 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , How <05704 +<ad > long <05704 +<ad > will this <02088 +zeh > people <05971 +<am > provoke <05006 +na>ats > me ? and how <05704 +<ad > long <05704 +<ad > will it be ere <03808 +lo> > they believe <00539 +>aman > me , for all <03605 +kol > the signs <00226 +>owth > which <00834 +>aher > I have shewed <06213 +<asah > among <07130 +qereb > them ?

04872 NUM 014 013 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , Then the Egyptians <04714 +Mitsrayim > shall hear <08085 +shama< > [ it ] , ( for thou broughtest <05927 +<alah > up this <02088 +zeh > people <05971 +<am > in thy might <03581 +koach > from among <07130 +qereb > them ; )

04872 NUM 014 026 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 014 036 . And the men <00582 +>enowsh > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > to search <08446 +tuwr > the land <00776 +>erets > , who returned <07725 +shuwb > , and made all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > to murmur <03885 +luwn > against <05921 +<al > him , by bringing <03318 +yatsa> > up a slander <01681 +dibbah > upon the land <00776 +>erets > ,

04872 NUM 014 039 And Moses <{04872} +Mosheh > told <01696 +dabar > these <00428 +>el - leh > sayings <01697 +dabar > unto all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > : and the people <05971 +<am > mourned <56> greatly <03966 +m@<od > .

04872 NUM 014 041 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Wherefore <04100 +mah > now <02088 +zeh > do ye transgress <05674 +<abar > the commandment <06310 +peh > of the

LORD <03068 +Y@hovah > ? but it shall not prosper <06743 +tsalach > .

04872 NUM 014 044 But they presumed <06075 +<aphal > to go <05927 +<alah > up unto the hill <02022 +har > top <07218 +ro>sh > : nevertheless the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and Moses <{04872} +Mosheh > , departed <04185 +muwsh > not out of the camp <04264 +machaneh > .

04872 NUM 015 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 015 017 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 015 022 . And if <03588 +kiy > ye have erred <07683 +shagag > , and not observed <06213 +<asah > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > commandments <04687 +mitsvah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > ,

04872 NUM 015 023 [ Even ] all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > hath commanded <06680 +tsavah > you by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > , from the day <03117 +yowm > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > [ Moses ] , and henceforward <01973 +hal@ah > among your generations <01755 +dowr > ;

04872 NUM 015 033 And they that found <04672 +matsa> > him gathering <07197 +qashash > sticks <06086 +<ets > brought <07126 +qarab > him unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , and unto all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > .

04872 NUM 015 035 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , The man <00376 +>iysh > shall be surely put to death <04191 +muwth > : all <03605 +kol > the congregation shall stone <07275 +ragam > him with stones <68> without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > .

04872 NUM 015 036 And all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > brought <03318 +yatsa> > him without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > , and stoned <07275 +ragam > him with stones <68> , and he died <04191 +muwth > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 015 037 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 002 And they rose <06965 +quwm > up before <06440 +paniym > Moses <{04872} +Mosheh > , with certain <00582 +>enowsh > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , two hundred <03967 +me>ah > and fifty <02572 +chamishshiym > princes <05387 +nasiy> > of the assembly <05712 +<edah > , famous <07149 +qirya> > in the congregation <04150 +mow<ed > , men <00582 +>enowsh > of renown <08034 +shem > :

04872 NUM 016 003 And they gathered <06950 +qahal > themselves together against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > , and said <00559 +>amar > unto them , [ Ye take ] too much <07227 +rab > upon you , seeing <03588 +kiy > all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > [ are ] holy <06918 +qadowsh > , every <03605 +kol > one of them , and the LORD <03068 +Y@hovah > [ is ] among <08432

+tavek > them : wherefore <04069 +madduwa< > then lift <05375 +nasa> > ye up yourselves above <05921 +<al > the congregation <06951 +qahal > of the LORD <03068 +Y@hovah > ?

04872 NUM 016 004 And when Moses <{04872} +Mosheh > heard <08085 +shama< > [ it ] , he fell <05307 +naphal > upon his face <06440 +paniym > :

04872 NUM 016 008 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Korah <07141 +Qorach > , Hear <08085 +shama< > , I pray <04994 +na> > you , ye sons <01121 +ben > of Levi <03878 +Leviy > :

04872 NUM 016 012 . And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > to call <07121 +qara> > Dathan <01885 +Dathan > and Abiram <48> , the sons <01121 +ben > of Eliab <00446 +>Eliy>ab > : which said <00559 +>amar > , We will not come <05927 +<alah > up :

04872 NUM 016 015 And Moses <{04872} +Mosheh > was very <03966 +m@<od > wroth <02734 +charah > , and said <00559 +>amar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , Respect <06437 +panah > not thou their offering <04503 +minchah > : I have not taken <05375 +nasa> > one <00259 +>echad > ass <02543 +chamowr > from them , neither <03808 +lo> > have I hurt <07489 +ra<a< > one <00259 +>echad > of them .

04872 NUM 016 016 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Korah <07141 +Qorach > , Be thou and all <03605 +kol > thy company <05712 +<edah > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , thou , and they , and Aaron <00175 +>Aharown > , to morrow <04279 +machar > :

04872 NUM 016 018 And they took <03947 +laqach > every man <00376 +>iysh > his censer <04289 +machtah > , and put <05414 +nathan > fire <00784 +>esh > in them , and laid <07760 +suwm > incense <07004 +q@toreth > thereon <05921 +<al > , and stood <05975 +<amad > in the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > with Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 NUM 016 020 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 023 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 025 And Moses <{04872} +Mosheh > rose <06965 +quwm > up and went <03212 +yalak > unto Dathan <01885 +Dathan > and Abiram <48> ; and the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > followed him .

04872 NUM 016 028 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Hereby <02063 +zo>th > ye shall know <03045 +yada< > that the LORD <03068 +Y@hovah > hath sent <07971 +shalach > me to do <06213 +<asah > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > works <04639 +ma<aseh > ; for [ I have ] not [ done them ] of mine own mind <03820 +leb > .

04872 NUM 016 036 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 040 [ To be ] a memorial <02146 +zikrown > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that no <03808 +lo> > stranger , which <00834 +>aher > [ is ] not of

the seed <02233 +zera< > of Aaron <00175 +>Aharown > , come
<07126 +qarab > near <07126 +qarab > to offer incense <07004
+q@toreth > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > ;
that he be not as Korah <07141 +Qorach > , and as his company
<05712 +<edah > : as the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696
+dabar > to him by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872}
+Mosheh > .

04872 NUM 016 041 . But on the morrow <04283 +mochorath > all
<03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children
<01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > murmured <03885 +luwn
> against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against
<05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,
Ye have killed <04191 +muwth > the people <05971 +<am > of the
LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 NUM 016 042 And it came <01961 +hayah > to pass , when the
congregation <05712 +<edah > was gathered <06950 +qahal >
against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against
<05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > , that they looked <06437
+panah > toward <00413 +>el > the tabernacle <00168 +>ohel > of
the congregation <04150 +mow<ed > : and , behold <02009 +hinneh
> , the cloud <06051 +<anan > covered <03680 +kacah > it , and
the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah >
appeared <07200 +ra>ah > .

04872 NUM 016 043 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > came <00935 +bow> > before the tabernacle <00168
+>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 NUM 016 044 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 016 046 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Take <03947 +laqach > a
censer <04289 +machtah > , and put <05414 +nathan > fire <00784
+>esh > therein <05921 +<al > from off <05921 +<al > the altar
<04196 +mizbeach > , and put <07760 +suwm > on incense <07004
+q@toreth > , and go <03212 +yalak > quickly <04120 +m@herah >
unto the congregation <05712 +<edah > , and make an atonement
<03722 +kaphar > for them : for there is wrath <07110 +qetseph >
gone <03318 +yatsa> > out from the LORD <03068 +Y@hovah > ; the
plague <05063 +negeph > is begun <02490 +chalal > .

04872 NUM 016 047 And Aaron <00175 +>Aharown > took <03947
+laqach > as Moses <{04872} +Mosheh > commanded <01696 +dabar > ,
and ran <07323 +ruwts > into <00413 +>el > the midst <08432
+tavek > of the congregation <06951 +qahal > ; and , behold
<02009 +hinneh > , the plague <05063 +negeph > was begun <02490
+chalal > among the people <05971 +<am > : and he put <05414
+nathan > on incense <07004 +q@toreth > , and made an atonement
<03722 +kaphar > for the people <05971 +<am >

04872 NUM 016 050 And Aaron <00175 +>Aharown > returned <07725
+shuwb > unto Moses <{04872} +Mosheh > unto the door <06607
+pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation
<04150 +mow<ed > : and the plague <04046 +maggephah > was stayed
<06113 +<atsar > .

04872 NUM 017 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 017 006 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696
+dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478
+Yisra>el > , and every <03605 +kol > one of their princes
<05387 +nasiy> > gave <05414 +nathan > him a rod <04294 +matteh

> apiece , for each prince <05387 +nasiy> > one <00259 +>echad > , according to their fathers <1> houses <01004 +bayith > , [ even ] twelve rods <04294 +matteh > : and the rod <04294 +matteh > of Aaron <00175 +>Aharown > [ was ] among <08432 +tavek > their rods <04294 +matteh > .

04872 NUM 017 007 And Moses <{04872} +Mosheh > laid <03241 +Yaniym > up the rods <04294 +matteh > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > in the tabernacle <00168 +>ohel > of witness <5715> .

04872 NUM 017 008 . And it came <01961 +hayah > to pass , that on the morrow <04283 +mochorath > Moses <{04872} +Mosheh > went <00935 +bow> > into <00413 +>el > the tabernacle <00168 +>ohel > of witness <5715> ; and , behold <02009 +hinneh > , the rod <04294 +matteh > of Aaron <00175 +>Aharown > for the house <01004 +bayith > of Levi <03878 +Leviy > was budded <06524 +parach > , and brought <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > buds <06525 +perach > , and bloomed <06692 +tsuwts > blossoms <06731 +tsiyts > , and yielded <01580 +gamal > almonds <08247 +shaqed > .

04872 NUM 017 009 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <03318 +yatsa> > out all <03605 +kol > the rods <04294 +matteh > from before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > unto all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > : and they looked <07200 +ra>ah > , and took <03947 +laqach > every man <00376 +>iysh > his rod <04294 +matteh > .

04872 NUM 017 011 And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah > [ so ] : as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > he .

04872 NUM 017 012 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > spake <00559 +>amar> unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , Behold <02005 +hen > , we die <01478 +gava< > , we perish <6> , we all <03605 +kol > perish <6> .

04872 NUM 018 025 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 019 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 020 002 And there was no water <04325 +mayim > for the congregation <05712 +<edah > : and they gathered <06950 +qahal > themselves together against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 NUM 020 003 And the people <05971 +<am > chode <07378 +riyb > with Moses <{04872} +Mosheh > , and spake <00559 +>amar > , saying <00559 +>amar > , Would <03863 +luw> > God that we had died <01478 +gava< > when our brethren <00251 +>ach > died <01478 +gava< > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > !

04872 NUM 020 006 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <00935 +bow> > from the presence <06440 +paniym > of the assembly <06951 +qahal > unto the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , and they fell <05307 +naphal > upon their faces <06440 +paniym > : and the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah > appeared <07200 +ra>ah > unto them .

04872 NUM 020 007 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh> , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 020 009 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the rod <04294 +matteh > from before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , as he commanded <06680 +tsavah > him .

04872 NUM 020 010 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > gathered <06950 +qahal > the congregation <06951 +qahal > together before the rock <05553 +cela< > , and he said <00559 +>amar > unto them , Hear <08085 +shama< > now <04994 +na> > , ye rebels <04784 +marah > ; must we fetch <03318 +yatsa> > you water <04325 +mayim > out of this <02088 +zeh > rock <05553 +cela< > ?

04872 NUM 020 011 And Moses <{04872} +Mosheh > lifted <07311 +ruwm > up his hand <03027 +yad > , and with his rod <04294 +matteh > he smote <05221 +nakah > the rock <05553 +cela< > twice <06471 +pa<am > : and the water <04325 +mayim > came <03318 +yatsa> > out abundantly <07227 +rab > , and the congregation <05712 +<edah > drank <08354 +shathah > , and their beasts <01165 +b@<iyr > [ also ] .

04872 NUM 020 012 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , Because <03282 +ya<an > ye believed <00539 +>aman > me not , to sanctify <06942 +qadash > me in the eyes <05869 +<ayin > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , therefore <03651 +ken > ye shall not bring <00935 +bow> > this <02088 +zeh > congregation <06951 +qahal > into <00413 +>el > the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > I have given <05414 +nathan > them .

04872 NUM 020 014 . And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > messengers <04397 +mal>ak > from Kadesh <06946 +Qadesh > unto the king <04428 +melek > of Edom <00123 +>Edom > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > thy brother <00251 +>ach > Israel <03478 +Yisra>el > , Thou knowest <03045 +yada< > all <03605 +kol > the travail that hath befallen <04672 +matsa> > us :

04872 NUM 020 023 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > in mount <02022 +har > Hor <02023 +Hor > , by the coast <01366 +g@buwl > of the land <00776 +>erets > of Edom <00123 +>Edom > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 020 027 And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > : and they went <05927 +<alah > up into <00413 +>el > mount <02022 +har > Hor <02023 +Hor > in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > .

04872 NUM 020 028 And Moses <04872 +Mosheh > stripped <06584 +pashat > Aaron <00175 +>Aharown > of his garments <00899 +beged > , and put <03847 +labash > them upon Eleazar <00499 +>El<azar > his son <01121 +ben > ; and Aaron <00175 +>Aharown > died <04191 +muwth > there <08033 +sham > in the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > : and Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > .

04872 NUM 020 028 And Moses <{04872} +Mosheh > stripped <06584 +pashat > Aaron <00175 +>Aharown > of his garments <00899 +beged > , and put <03847 +labash > them upon Eleazar <00499 +>El<azar

> his son <01121 +ben > ; and Aaron <00175 +>Aharown > died
<04191 +muwth > there <08033 +sham > in the top <07218 +ro>sh >
of the mount <02022 +har > : and Moses <04872 +Mosheh > and
Eleazar <00499 +>El<azar > came <03381 +yarad > down <03381
+yarad > from the mount <02022 +har > .

04872 NUM 021 005 And the people <05971 +<am > spake <01696
+dabar > against God <00430 +>elohiym > , and against Moses
<{04872} +Mosheh > , Wherefore <04100 +mah > have ye brought
<05927 +<alah > us up out of Egypt <04714 +Mitsrayim > to die
<04191 +muwth > in the wilderness <04057 +midbar > ? for [ there
is ] no <00369 +>ayin > bread <03899 +lechem > , neither <00369
+>ayin > [ is there any ] water <04325 +mayim > ; and our soul
<05315 +nephesh > loatheth <06973 +quwts > this light <07052
+q@loqel > bread <03899 +lechem > .

04872 NUM 021 007 Therefore the people <05971 +<am > came <00935
+bow> > to Moses <04872 +Mosheh > , and said <00559 +>amar > ,
We have sinned <02398 +chata> > , for we have spoken <01696
+dabar > against the LORD <03068 +Y@hovah > , and against thee ;
pray <06419 +palal > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , that he
take <05493 +cuwr > away the serpents <05175 +nachash > from us .
 And Moses <{04872} +Mosheh > prayed <06419 +palal > for the
people <05971 +<am > .

04872 NUM 021 007 Therefore the people <05971 +<am > came <00935
+bow> > to Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > ,
We have sinned <02398 +chata> > , for we have spoken <01696
+dabar > against the LORD <03068 +Y@hovah > , and against thee ;
pray <06419 +palal > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , that he
take <05493 +cuwr > away the serpents <05175 +nachash > from us .
 And Moses <04872 +Mosheh > prayed <06419 +palal > for the
people <05971 +<am > .

04872 NUM 021 008 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Make <06213 +<asah >
thee a fiery <08314 +saraph > serpent <08314 +saraph > , and set
<07760 +suwm > it upon a pole <05251 +nec > : and it shall come
<01961 +hayah > to pass , that every <03605 +kol > one that is
bitten <05391 +nashak > , when he looketh <07200 +ra>ah > upon
it , shall live <02425 +chayay > .

04872 NUM 021 009 And Moses <{04872} +Mosheh > made <06213
+<asah > a serpent <05175 +nachash > of brass <05178 +n@chosheth
> , and put <07760 +suwm > it upon a pole <05251 +nec > , and it
came <01961 +hayah > to pass , that if <00518 +>im > a serpent
<05175 +nachash > had bitten <05391 +nashak > any man <00376
+>iysh > , when he beheld <05027 +nabat > the serpent <05175
+nachash > of brass <05178 +n@chosheth > , he lived <02425
+chayay > .

04872 NUM 021 016 And from thence <08033 +sham > [ they went ]
to Beer <00876 +B@>er > : that [ is ] the well <00875 +@>er >
whereof <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > spake unto
Moses <{04872} +Mosheh > , Gather <00622 +>acaph > the people
<05971 +<am > together , and I will give <05414 +nathan > them
water <04325 +mayim > .

04872 NUM 021 032 And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971
+shalach > to spy <07270 +ragal > out Jaazer <03270 +Ya<azeyr > ,
 and they took <03920 +lakad > the villages <01323 +bath >
thereof , and drove <03423 +yarash > out the Amorites <00567
+>Emoriy > that [ were ] there <08033 +sham > .

04872 NUM 021 034 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Fear <03372 +yare> >

him not : for I have delivered <05414 +nathan > him into thy hand <03027 +yad > , and all <03605 +kol > his people <05971 +<am > , and his land <00776 +>erets > ; and thou shalt do <06213 +<asah > to him as thou didst <06213 +<asah > unto Sihon <05511 +Ciychown > king <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , which <00834 +>aher > dwelt <03427 +yashab > at Heshbon <02809 +Cheshbown > .

04872 NUM 025 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Take <03947 +laqach > all <03605 +kol > the heads <07218 +ro>sh > of the people <05971 +<am > , and hang <03363 +yaqa< > them up before the LORD <03068 +Y@hovah > against <05048 +neged > the sun <08121 +shemesh > , that the fierce <02740 +charown > anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > may be turned <07725 +shuwb > away from Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 025 005 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the judges <08199 +shaphat > of Israel <03478 +Yisra>el > , Slay <02026 +harag > ye every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > his men <00582 +>enowsh > that were joined <06775 +tsamad > unto Baalpeor <01187 +Ba<al P@<owr > .

04872 NUM 025 006 . And , behold <02009 +hinneh > , one <00376 +>iysh > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > came <00935 +bow> > and brought <07126 +qarab > unto his brethren <00251 +>ach > a Midianitish <04084 +Midyaniy > woman in the sight <05869 +<ayin > of Moses <{04872} +Mosheh > , and in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , who <01992 +hem > [ were ] weeping <01058 +bakah > [ before ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 NUM 025 010 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 025 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 026 001 . And it came <01961 +hayah > to pass after <00310 +>achar > the plague <04046 +maggephah > , that the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Eleazar <00499 +>El<azar > the son <01121 +ben > of Aaron <00175 +>Aharown > the priest <03548 +kohen > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 026 003 And Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > spake <01696 +dabar > with them in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 026 004 [ Take the sum of the people ] , from twenty <06242 +<esriym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > and upward <04605 +ma<al > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , which went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 NUM 026 009 And the sons <01121 +ben > of Eliab <00446 +>Eliy>ab > ; Nemuel <05241 +N@muw>el> , and Dathan <01885 +Dathan > , and Abiram <48> . This <01931 +huw> > [ is that ] Dathan <01885 +Dathan > and Abiram <48> , [ which were ] famous <07121 +qara> > in the congregation <05712 +<edah > , who <00834

+>aher > strove <05327 +natsah > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and against <05921 +<al > Aaron <00175 +>Aharown > in the company <05712 +<edah > of Korah <07141 +Qorach > , when they strove <05327 +natsah > against <05921 +<al > the LORD <03068 +Y@hovah > :

04872 NUM 026 052 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 026 059 And the name <08034 +shem > of Amram s <06019 +<Amram > wife <00802 +>ishshah > [ was ] Jochebed <03115 +Yowkebed > , the daughter <01323 +bath > of Levi <03878 +Leviy > , whom [ her mother ] bare <03205 +yalad > to Levi <03878 +Leviy > in Egypt <04714 +Mitsrayim > : and she bare <03205 +yalad > unto Amram <06019 +<Amram > Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > , and Miriam <04813 +Miryam > their sister <00269 +>achowth > .

04872 NUM 026 063 . These <00428 +>el - leh > [ are ] they that were numbered <06485 +paqad > byMoses <{04872} +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , who <00834 +>aher > numbered <06485 +paqad > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > .

04872 NUM 026 064 But among these <00428 +>el - leh > there was not a man <00376 +>iysh > of them whom Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > the priest <03548 +kohen > numbered <06485 +paqad > , when <00834 +>aher > they numbered <06485 +paqad > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in the wilderness <04057 +midbar > of Sinai <05514 +Ciynay > .

04872 NUM 027 002 And they stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > Moses <{04872} +Mosheh > , and before <06440 +paniym > Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and before <06440 +paniym > the princes <05387 +nasiy> > and all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > , [ by ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 027 005 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <07126 +qarab > their cause <04941 +mishpat > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 NUM 027 006 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 027 011 And if <00518 +>im > his father <1> have no <00369 +>ayin > brethren <00251 +>ach > , then ye shall give <05414 +nathan > his inheritance <05159 +nachalah > unto his kinsman <07607 +sh@>er > that is next <07138 +qarowb > to him of his family <04940 +mishpachah > , and he shall possess <03423 +yarash > it : and it shall be unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > a statute <02708 +chuqqah > of judgment <04941 +mishpat > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 027 012 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Get <05927 +<alah > thee up into <00413 +>el > this <02088 +zeh > mount <02022 +har > Abarim <05682 +<Abarim > , and see <07200 +ra>ah > the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > I have given <05414 +nathan > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NUM 027 015 . And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 027 018 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Take <03947 +laqach > thee Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , a man <00376 +>iysh > in whom <00834 +>aher > [ is ] the spirit <07307 +ruwach > , and lay <05564 +camak > thine hand <03027 +yad > upon him ;

04872 NUM 027 022 And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him : and he took <03947 +laqach > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and set <05975 +<amad > him before <06440 +paniym > Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and before <06440 +paniym > all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > :

04872 NUM 027 023 And he laid <05564 +camak > his hands <03027 +yad > upon him , and gave him a charge <06680 +tsavah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <01696 +dabar > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 028 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 029 040 And Moses <04872 +Mosheh > told <00559 +>amar > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 029 040 And Moses <{04872} +Mosheh > told <00559 +>amar > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 030 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the heads <07218 +ro>sh > of the tribes <04294 +matteh > concerning the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , This <02088 +zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath commanded <06680 +tsavah > .

04872 NUM 030 016 These <00428 +>el - leh > [ are ] the statutes <02706 +choq > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , between <00996 +beyn > a man <00376 +>iysh > and his wife <00802 +>ishshah > , between <00996 +beyn > the father <1> and his daughter <01323 +bath > , [ being yet ] in her youth <05271 +na<uwr > in her father s <1> house <01004 +bayith > .

04872 NUM 031 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 031 003 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Arm <02502 +chalats > some <00582 +>enowsh > of yourselves <00853 +>eth > unto the war <06635 +tsaba> > , and let them go <01961 +hayah > against <05921 +<al > the Midianites <04080 +Midyan > , and avenge the LORD <03068 +Y@hovah > of Midian <04080 +Midyan > .

04872 NUM 031 006 And Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > them to the war <06635 +tsaba> > , a thousand <00505 +>eleph > of [ every ] tribe <04294 +matteh > , them and Phinehas <06372 +Piyn@chac > the son <01121 +ben > of Eleazar

<00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , to the war
<06635 +tsaba> > , with the holy <06944 +qodesh > instruments
<03627 +k@liy > , and the trumpets <02689 +chatsots@rah > to
blow <08643 +t@ruw<ah > in his hand <03027 +yad > .

04872 NUM 031 007 . And they warred <06633 +tsaba> > against
<05921 +<al > the Midianites <04080 +Midyan > , as the LORD
<03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872}
+Mosheh > ; and they slew <02026 +harag > all <03605 +kol > the
males <02145 +zakar > .

04872 NUM 031 012 And they brought <00935 +bow> > the captives
<07628 +sh@biy > , and the prey <04455 +malqowach > , and the
spoil <07998 +shalal > , unto Moses <{04872} +Mosheh > , and
Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and unto
the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben >
of Israel <03478 +Yisra>el > , unto the camp <04264 +machaneh >
at <00413 +>el > the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124
+Mow>ab > , which <00834 +>aher > [ are ] by Jordan <03383
+Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > .

04872 NUM 031 013 . And Moses <{04872} +Mosheh > , and Eleazar
<00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and all <03605
+kol > the princes <05387 +nasiy> > of the congregation <05712
+<edah > , went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > to meet
<07125 +qir>ah > them without <02351 +chuwts > the camp <04264
+machaneh > .

04872 NUM 031 014 And Moses <{04872} +Mosheh > was wroth <07107
+qatsaph > with the officers <06485 +paqad > of the host <02428
+chayil > , [ with ] the captains <08269 +sar > over thousands
<00505 +>eleph > , and captains <08269 +sar > over hundreds
<03967 +me>ah > , which came <00935 +bow> > from the battle .

04872 NUM 031 015 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > unto them , Have ye saved <02421 +chayah > all <03605
+kol > the women <05347 +n@qebah > alive <02421 +chayah > ?

04872 NUM 031 021 And Eleazar <00499 +>El<azar > the priest
<03548 +kohen > said <00559 +>amar > unto the men <00582
+>enowsh > of war <06635 +tsaba> > which went <00935 +bow> > to
the battle <04421 +milchamah > , This <02063 +zo>th > [ is ] the
ordinance <02708 +chuqqah > of the law <08451 +towrah > which
<00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680
+tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > ;

04872 NUM 031 025 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 031 031 And Moses <04872 +Mosheh > and Eleazar <00499
+>El<azar > the priest <03548 +kohen > did <06213 +<asah > as
the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses
<{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 031 031 And Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar
<00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > did <06213 +<asah
> as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses
<04872 +Mosheh > .

04872 NUM 031 041 And Moses <04872 +Mosheh > gave <05414 +nathan
> the tribute <04371 +mekec > , [ which was ] the LORD S <03068
+Y@hovah > heave <08641 +t@ruwmah > offering <08641 +t@ruwmah > ,
unto Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , as
the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses
<{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 031 041 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > the tribute <04371 +mekec > , [ which was ] the LORD S <03068 +Y@hovah > heave <08641 +t@ruwmah > offering <08641 +t@ruwmah > , unto Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 031 042 And of the children <01121 +ben > of Israel s <03478 +Yisra>el > half <04276 +machatsiyth > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > divided <02673 +chatsah > from the men <00582 +>enowsh > that warred <06633 +tsaba> > ,

04872 NUM 031 047 Even of the children <01121 +ben > of Israel s <03478 +Yisra>el > half <04276 +machatsiyth > , Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > one <00259 +>echad > portion <00270 +>achaz > of fifty <02572 +chamishshiym > , [ both ] of man <00120 +>adam > and of beast <00929 +b@hemah > , and gave <05414 +nathan > them unto the Levites <03881 +Leviyiy > , which kept <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the tabernacle <04908 +mishkan > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NUM 031 047 Even of the children <01121 +ben > of Israel s <03478 +Yisra>el > half <04276 +machatsiyth > , Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > one <00259 +>echad > portion <00270 +>achaz > of fifty <02572 +chamishshiym > , [ both ] of man <00120 +>adam > and of beast <00929 +b@hemah > , and gave <05414 +nathan > them unto the Levites <03881 +Leviyiy > , which kept <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the tabernacle <04908 +mishkan > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 NUM 031 048 . And the officers <06485 +paqad > which <00834 +>aher > [ were ] over thousands <00505 +>eleph > of the host <06635 +tsaba> > , the captains <08269 +sar > of thousands <00505 +>eleph > , and captains <08269 +sar > of hundreds <03967 +me>ah > , came <07126 +qarab > near <05066 +nagash > unto Moses <{04872} +Mosheh > :

04872 NUM 031 049 And they said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Thy servants <05650 +<ebed > have taken <05375 +nasa> > the sum <07218 +ro>sh > of the men <00582 +>enowsh > of war <04421 +milchamah > which <00834 +>aher > [ are ] under our charge <03027 +yad > , and there lacketh <06485 +paqad > not one man <00376 +>iysh > of us .

04872 NUM 031 051 And Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > took <03947 +laqach > the gold <02091 +zahab > of them , [ even ] all <03605 +kol > wrought <04639 +ma<aseh > jewels <03627 +k@liy > .

04872 NUM 031 054 And Moses <{04872} +Mosheh > and Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > took <03947 +laqach > the gold <02091 +zahab > of the captains <08269 +sar > of thousands <00505 +>eleph > and of hundreds <03967 +me>ah > , and brought <00935 +bow> > it into <00413 +>el > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , [ for ] a memorial <02146 +zikrown > for the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 NUM 032 002 The children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > and the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > came <00935 +bow> > and spake <00559 +>amar > unto Moses

<{04872} +Mosheh > , and to Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and unto the princes <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 032 006 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > and to the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > , Shall your brethren <00251 +>ach > go <00935 +bow> > to war <04421 +milchamah > , and shall ye sit <03427 +yashab > here <06311 +poh > ?

04872 NUM 032 020 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , If <00518 +>im > ye will do <06213 +<asah > this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > , if <00518 +>im > ye will go armed <02502 +chalats > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > to war <04421 +milchamah > ,

04872 NUM 032 025 And the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > and the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , Thy servants <05650 +<ebed > will do <06213 +<asah > as my lord <00113 +>adown > commandeth <06680 +tsavah > .

04872 NUM 032 028 . So concerning them Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , and the chief <07218 +ro>sh > fathers <1> of the tribes <04294 +matteh > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 NUM 032 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , If <00518 +>im > the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > and the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > will pass <05674 +<abar > with you over <05674 +<abar > Jordan <03383 +Yarden > , every <03605 +kol > man armed <02502 +chalats > to battle <04421 +milchamah > , before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , and the land <00776 +>erets > shall be subdued <03533 +kabash > before <06440 +paniym > you ; then ye shall give <05414 +nathan > them the land <00776 +>erets > of Gilead <01568 +Gil<ad > for a possession <00272 +>achuzzah > :

04872 NUM 032 033 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > unto them , [ even ] to the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > , and to the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > , and unto half <02677 +chetsiy > the tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > the son <01121 +ben > of Joseph <03130 +Yowceph > , the kingdom <04467 +mamlakah > of Sihon <05511 +Ciychown > king <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , and the kingdom <04467 +mamlakah > of Og <05747 +<Owg > king <04428 +melek > of Bashan <01316 +Bashan > , the land <00776 +>erets > , with the cities <05892 +<iyr > thereof in the coasts <01367 +g@buwlah > , [ even ] the cities <05892 +<iyr > of the country <00776 +>erets > round <05439 +cabiyb > about .

04872 NUM 032 040 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > Gilead <01568 +Gil<ad > unto Machir <04353 +Makiyr > the son <01121 +ben > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > ; and he dwelt <03427 +yashab > therein .

04872 NUM 033 001 . These <00428 +>el - leh > [ are ] the journeys <04550 +macca< > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , which <00834 +>aher > went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets

> of Egypt <04714 +Mitsrayim > with their armies <06635 +tsaba>
> under the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > and
Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 NUM 033 002 And Moses <{04872} +Mosheh > wrote <03789
+kathab > their goings <04161 +mowtsa> > out according to their
journeys <04550 +macca< > by the commandment <06310 +peh > of
the LORD <03068 +Y@hovah > : and these <00428 +>el - leh > [ are
] their journeys <04550 +macca< > according to their goings
<04161 +mowtsa> > out .

04872 NUM 033 050 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the plains <06160
+<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [
near ] Jericho <03405 +Y@riychow > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 034 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 034 013 And Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680
+tsavah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el
> , saying <00559 +>amar > , This <02063 +zo>th > [ is ] the
land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > ye shall inherit
<02157 +Zamzom > by lot <01486 +gowral > , which <00834 +>aher >
the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > to give
<05414 +nathan > unto the nine <08672 +tesha< > tribes <04294
+matteh > , and to the half <02677 +chetsiy > tribe <04294
+matteh > :

04872 NUM 034 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 035 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the plains <06160
+<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [
near ] Jericho <03405 +Y@riychow > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 035 009 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696
+dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 NUM 036 001 . And the chief <07218 +ro>sh > fathers <1> of
the families <04940 +mishpachah > of the children <01121 +ben >
of Gilead <01568 +Gil<ad > , the son <01121 +ben > of Machir
<04353 +Makiyr > , the son <01121 +ben > of Manasseh <04519
+M@nashsheh > , of the families <04940 +mishpachah > of the sons
<01121 +ben > of Joseph <03130 +Yowceph > , came <07126 +qarab >
near <05066 +nagash > , and spake <01696 +dabar > before <06440
+paniym > Moses <{04872} +Mosheh > , and before <06440 +paniym >
the princes <05387 +nasiy> > , the chief <07218 +ro>sh > fathers
<1> of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 NUM 036 005 . And Moses <{04872} +Mosheh > commanded
<06680 +tsavah > the children <01121 +ben > of Israel <03478
+Yisra>el > according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of
the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , The tribe
<04294 +matteh > of the sons <01121 +ben > of Joseph <03130
+Yowceph > hath said <01696 +dabar > well <03651 +ken > .

04872 NUM 036 010 Even as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded
<06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > did
<06213 +<asah > the daughters <01121 +ben > of Zelophehad <06765
+Ts@lophchad > :

04872 NUM 036 013 These <00428 +>el - leh > [ are ] the
commandments <04687 +mitsvah > and the judgments <04941 +mishpat
> , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded

<06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > by Jordan <03383 +Yarden > [ near ] Jericho <03405 +Y@riychow > .

04872 DEU 001 001 . These <00428 +>el - leh > [ be ] the words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > in the wilderness <04057 +midbar > , in the plain <06160 +<arabah > over <04136 +muwl > against <04136 +muwl > the Red <05489 +Cuwph > [ sea <03220 +yam > ] , between <00996 +beyn > Paran <06290 +Pa>ran > , and Tophel <08603 +Tophel > , and Laban <03837 +Laban > , and Hazeroth <02698 +Chatserowth > , and Dizahab <01774 +Diy zahab > .

04872 DEU 001 003 And it came <01961 +hayah > to pass in the fortieth <00705 +>arba<iym > year <08141 +shaneh > , in the eleventh month <02320 +chodesh > , on the first <00259 +>echad > [ day ] of the month <02320 +chodesh > , [ that ] Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , according unto all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > had given him in commandment <06680 +tsavah > unto them ;

04872 DEU 001 005 On this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > , in the land <00776 +>erets > of Moab <04124 +Mow>ab > , began <02974 +ya>al > Moses <{04872} +Mosheh > to declare <00874 +ba>ar > this <02063 +zo>th > law <08451 +towrah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 DEU 004 041 . Then <00227 +>az > Moses <{04872} +Mosheh > severed <00914 +badal > three <07969 +shalowsh > cities <05892 +<iyr > on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > toward the sunrising ;

04872 DEU 004 044 And this <02063 +zo>th > [ is ] the law <08451 +towrah > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > set <07760 +suwm > before <06440 +paniym > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 DEU 004 045 These <00428 +>el - leh > [ are ] the testimonies <05713 +<edah > , and the statutes <02706 +choq > , and the judgments <04941 +mishpat > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , after they came <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > ,

04872 DEU 004 046 On this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > , in the valley <01516 +gay> > over <04136 +muwl > against <04136 +muwl > Bethpeor <01047 +Beyth P@<owr > , in the land <00776 +>erets > of Sihon <05511 +Ciychown > king <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , who <00834 +>aher > dwelt <03427 +yashab > at Heshbon <02809 +Cheshbown > , whom <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > smote <05221 +nakah > , after they were come <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > :

04872 DEU 005 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto them , Hear <08085 +shama< > , O Israel <03478 +Yisra>el > , the statutes <02706 +choq > and judgments <04941 +mishpat > which <00834 +>aher > I speak <01696 +dabar >

in your ears <00241 +>ozen > this day <03117 +yowm > , that ye may learn <03925 +lamad > them , and keep <08104 +shamar > , and do <06213 +<asah > them .

04872 DEU 027 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > with the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > commanded <06680 +tsavah > the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Keep <08104 +shamar > all <03605 +kol > the commandments <04687 +mitsvah > which <00834 +>aher > I command <06680 +tsavah > you this day <03117 +yowm > .

04872 DEU 027 009 And Moses <{04872} +Mosheh > and the priests <03548 +kohen > the Levites <03881 +Leviyiy > spake <01696 +dabar > unto all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , Take <05535 +cakath > heed <05535 +cakath > , and hearken <08085 +shama< > , O Israel <03478 +Yisra>el > ; this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > thou art become <01961 +hayah > the people <05971 +<am > of the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > .

04872 DEU 027 011 . And Moses <{04872} +Mosheh > charged <06680 +tsavah > the people <05971 +<am > the same <01931 +huw> > day <03117 +yowm > , saying <00559 +>amar > ,

04872 DEU 029 001 . These <00428 +>el - leh > [ are ] the words <01697 +dabar > of the covenant <01285 +b@riyth > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > to make <03772 +karath > with the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > in the land <00776 +>erets > of Moab <04124 +Mow>ab > , beside <00905 +bad > the covenant <01285 +b@riyth > which <00834 +>aher > he made <03772 +karath > with them in Horeb <02722 +Choreb > .

04872 DEU 029 002 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > unto all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto them , Ye have seen <07200 +ra>ah > all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > did <06213 +<asah > before your eyes <05869 +<ayin > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and unto all <03605 +kol > his servants <05650 +<ebed > , and unto all <03605 +kol > his land <00776 +>erets > ;

04872 DEU 031 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <03212 +yalak > and spake <01696 +dabar > these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > unto all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 DEU 031 007 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and said <00559 +>amar > unto him in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , Be strong <02388 +chazaq > and of a good courage <00553 +>amats > : for thou must go <00935 +bow> > with this <02088 +zeh > people <05971 +<am > unto the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath sworn <07650 +shaba< > unto their fathers <1> to give <05414 +nathan > them ; and thou shalt cause them to inherit <05157 +nachal > it .

04872 DEU 031 009 . And Moses <{04872} +Mosheh > wrote <03789 +kathab > this <02063 +zo>th > law <08451 +towrah > , and delivered <05414 +nathan > it unto the priests <03548 +kohen > the sons <01121 +ben > of Levi <03878 +Leviy > , which bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and unto all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 DEU 031 010 And Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > them , saying <00559 +>amar > , At the end <07093 +qets > of [ every ] seven <07651 +sheba< > years <08141 +shaneh > , in the solemnity <04150 +mow<ed > of the year <08141 +shaneh > of release <08059 +sh@mittah > , in the feast <02282 +chag > of tabernacles <05521 +cukkah > ,

04872 DEU 031 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <04872 +Mosheh > , Behold <02005 +hen > , thy days <03117 +yowm > approach <07126 +qarab > that thou must die <04191 +muwth > : call <07121 +qara> > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and present <03320 +yatsab > yourselves in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , that I may give him a charge <06680 +tsavah > . And Moses <{04872} +Mosheh > and Joshua <03091 +Y@howshuwa< > went <03212 +yalak > , and presented <03320 +yatsab > themselves in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 DEU 031 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Behold <02005 +hen > , thy days <03117 +yowm > approach <07126 +qarab > that thou must die <04191 +muwth > : call <07121 +qara> > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and present <03320 +yatsab > yourselves in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , that I may give him a charge <06680 +tsavah > . And Moses <04872 +Mosheh > and Joshua <03091 +Y@howshuwa< > went <03212 +yalak > , and presented <03320 +yatsab > themselves in the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > .

04872 DEU 031 016 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Behold <02009 +hinneh > , thou shalt sleep <07901 +shakab > with thy fathers <1> ; and this <02088 +zeh > people <05971 +<am > will rise <06965 +quwm > up , and go a whoring <02181 +zanah > after <00310 +>achar > the gods <00430 +>elohiym > of the strangers <05236 +nekar > of the land <00776 +>erets > , whither they go <00935 +bow> > [ to be ] among <07130 +qereb > them , and will forsake <05800 +<azab > me , and break <06565 +parar > my covenant <01285 +b@riyth > which <00834 +>aher > I have made <03772 +karath > with them .

04872 DEU 031 022 . Moses <{04872} +Mosheh > therefore wrote <03789 +kathab > this <02063 +zo>th > song <07892 +shiyr > the same <01931 +huw> > day <03117 +yowm > , and taught <03925 +lamad > it the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 DEU 031 024 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <{04872} +Mosheh > had made an end <03615 +kalah > of writing <03789 +kathab > the words <01697 +dabar > of this <02063 +zo>th > law <08451 +towrah > in a book <05612 +cepher > , until <05704 +<ad > they were finished <08552 +tamam > ,

04872 DEU 031 025 That Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > the Levites <03881 +Leviyiy > , which <00834 +>aher > bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > ,

04872 DEU 031 030 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > in the ears <00241 +>ozen > of all <03605 +kol > the congregation <04150 +mow<ed > of Israel <03478 +Yisra>el > the words <01697 +dabar > of this <02063 +zo>th > song <07892 +shiyr > , until <05704 +<ad > they were ended <08552 +tamam > .

04872 DEU 032 044 . And Moses <{04872} +Mosheh > came <00935 +bow> > and spake <01696 +dabar > all <03605 +kol > the words

<01697 +dabar > of this <02063 +zo>th > song <07892 +shiyr > in the ears <00241 +>ozen > of the people <05971 +<am > , he , and Hoshea <01954 +Howshea< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > .

04872 DEU 032 045 And Moses <{04872} +Mosheh > made an end <03615 +kalah > of speaking <01696 +dabar > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > to all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 DEU 032 048 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > that selfsame day <03117 +yowm > , saying <00559 +>amar > ,

04872 DEU 033 001 . And this <02063 +zo>th > [ is ] the blessing <01293 +B@rakah > , wherewith <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > blessed <01288 +barak > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > before <06440 +paniym > his death <04194 +maveth > .

04872 DEU 033 004 Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > us a law <08451 +towrah > , [ even ] the inheritance <04181 +mowrashah > of the congregation <06952 +q@hillah > of Jacob <03290 +Ya<aqob > .

04872 DEU 034 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up from the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > unto the mountain <02022 +har > of Nebo <05015 +N@bow > , to the top <07218 +ro>sh > of Pisgah <06449 +Picgah > , that [ is ] over against <06440 +paniym > Jericho <03405 +Y@riychow > . And the LORD <03068 +Y@hovah > shewed <07200 +ra>ah > him all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Gilead <01568 +Gil<ad > , unto Dan <01835 +Dan > ,

04872 DEU 034 005 . So Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > died <04191 +muwth > there <08033 +sham > in the land <00776 +>erets > of Moab <04124 +Mow>ab > , according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 DEU 034 007 And Moses <{04872} +Mosheh > [ was ] an hundred <03967 +me>ah > and twenty <06242 +<esriym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > when he died <04194 +maveth > : his eye <05869 +<ayin > was not dim <03543 +kahah > , nor <03808 +lo> > his natural <03893 +leach > force <03893 +leach > abated <05127 +nuwc > .

04872 DEU 034 008 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > wept <01058 +bakah > for Moses <04872 +Mosheh > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > thirty <07970 +sh@lowshiym > days <03117 +yowm > : so the days <03117 +yowm > of weeping <01065 +B@kiy > [ and ] mourning <60> for Moses <{04872} +Mosheh > were ended <08552 +tamam > .

04872 DEU 034 008 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > wept <01058 +bakah > for Moses <{04872} +Mosheh > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > thirty <07970 +sh@lowshiym > days <03117 +yowm > : so the days <03117 +yowm > of weeping <01065 +B@kiy > [ and ] mourning <60> for Moses <04872 +Mosheh > were ended <08552 +tamam > .

04872 DEU 034 009 . And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > was full <04392 +male> > of the spirit <07307 +ruwach > of wisdom <02451 +chokmah > ; for Moses <04872 +Mosheh > had laid <05564 +camak > his hands <03027

+yad > upon him : and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > hearkened <08085 +shama< > unto him , and did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 DEU 034 009 . And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > was full <04392 +male> > of the spirit <07307 +ruwach > of wisdom <02451 +chokmah > ; for Moses <{04872} +Mosheh > had laid <05564 +camak > his hands <03027 +yad > upon him : and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > hearkened <08085 +shama< > unto him , and did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 DEU 034 010 And there arose <06965 +quwm > not a prophet <05030 +nabiy> > since <05750 +<owd > in Israel <03478 +Yisra>el > like unto Moses <{04872} +Mosheh > , whom <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > knew <03045 +yada< > face <06440 +paniym > to face <06440 +paniym > ,

04872 DEU 034 012 And in all <03605 +kol > that mighty <02389 +chazaq > hand <03027 +yad > , and in all <03605 +kol > the great <01419 +gadowl > terror <04172 +mowra> > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > shewed <06213 +<asah > in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 JOS 001 001 . Now after <00310 +>achar > the death <04194 +maveth > of Moses <04872 +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > it came <01961 +hayah > to pass , that the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , Moses <{04872} +Mosheh > minister <08334 +sharath > , saying <00559 +>amar > ,

04872 JOS 001 001 . Now after <00310 +>achar > the death <04194 +maveth > of Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > it came <01961 +hayah > to pass , that the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , Moses <04872 +Mosheh > minister <08334 +sharath > , saying <00559 +>amar > ,

04872 JOS 001 002 Moses <{04872} +Mosheh > my servant <05650 +<ebed > is dead <04191 +muwth > ; now <06258 +<attah > therefore arise <06965 +quwm > , go <05674 +<abar > over <05674 +<abar > this Jordan <03383 +Yarden > , thou , and all <03605 +kol > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > , unto the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > I do give <05414 +nathan > to them , [ even ] to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 JOS 001 003 Every <03605 +kol > place <04725 +maqowm > that the sole <03709 +kaph > of your foot <07272 +regel > shall tread <01869 +darak > upon , that have I given <05414 +nathan > unto you , as I said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 001 005 There shall not any man <00376 +>iysh > be able <03320 +yatsab > to stand <03320 +yatsab > before <06440 +paniym > thee all <03605 +kol > the days <03117 +yowm > of thy life <02416 +chay > : as I was with Moses <{04872} +Mosheh > , [ so ] I will be with thee : I will not fail <07503 +raphah > thee , nor <03808 +lo> > forsake <05800 +<azab > thee .

04872 JOS 001 007 Only <07535 +raq > be thou strong <02388

+chazaq > and very <03966 +m@<od > courageous <00553 +>amats > , that thou mayest observe <08104 +shamar > to do <06213 +<asah > according to all <03605 +kol > the law <08451 +towrah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > my servant <05650 +<ebed > commanded <06680 +tsavah > thee : turn <05493 +cuwr > not from it [ to ] the right <03225 +yamiyn > hand <03225 +yamiyn > or [ to ] the left <08040 +s@mo>wl > , that thou mayest prosper <07919 +sakal > whithersoever thou goest <03212 +yalak > .

04872 JOS 001 013 Remember <02142 +zakar > the word <01697 +dabar > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > you , saying <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > hath given you rest <05117 +nuwach > , and hath given <05414 +nathan > you this <02063 +zo>th > land <00776 +>erets > .

04872 JOS 001 014 Your wives <00802 +>ishshah > , your little <02945 +taph > ones , and your cattle <04735 +miqneh > , shall remain <03427 +yashab > in the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > you on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > ; but ye shall pass <05674 +<abar > before <06440 +paniym > your brethren <00251 +>ach > armed <02571 +chamush > , all <03605 +kol > the mighty <01368 +gibbowr > men of valour <02428 +chayil > , and help <05826 +<azar > them ;

04872 JOS 001 015 Until <05704 +<ad > the LORD <03068 +Y@hovah > have given your brethren <00251 +>ach > rest <05117 +nuwach > , as [ he hath given ] you , and they also <01571 +gam > have possessed <03423 +yarash > the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > giveth <05414 +nathan > them : then ye shall return <07725 +shuwb > unto the land <00776 +>erets > of your possession <03425 +y@rushah > , and enjoy <03423 +yarash > it , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the LORD S <03068 +Y@hovah > servant <05650 +<ebed > gave <05414 +nathan > you on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > toward the sunrising .

04872 JOS 001 017 According as we hearkened <08085 +shama< > unto Moses <04872 +Mosheh > in all <03605 +kol > things , so <03651 +ken > will we hearken <08085 +shama< > unto thee : only <07535 +raq > the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > be with thee , as he was with Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 001 017 According as we hearkened <08085 +shama< > unto Moses <{04872} +Mosheh > in all <03605 +kol > things , so <03651 +ken > will we hearken <08085 +shama< > unto thee : only <07535 +raq > the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > be with thee , as he was with Moses <04872 +Mosheh > .

04872 JOS 003 007 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , This <02088 +zeh > day <03117 +yowm > will I begin <02490 +chalal > to magnify <01431 +gadal > thee in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , that they may know <03045 +yada< > that , as I was with Moses <{04872} +Mosheh > , [ so ] I will be with thee .

04872 JOS 004 010 . For the priests <03548 +kohen > which bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > stood <05975 +<amad > in the midst <08432 +tavek > of Jordan <03383 +Yarden > , until

<05704 +<ad > every <03605 +kol > thing was finished <08552 +tamam > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > to speak <01696 +dabar > unto the people <05971 +<am > , according to all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > : and the people <05971 +<am > hasted <04116 +mahar > and passed <05674 +<abar > over <05674 +<abar > .

04872 JOS 004 012 And the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > , and the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > , and half <02677 +chetsiy > the tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > , passed <05674 +<abar > over <05674 +<abar > armed <02571 +chamush > before <06440 +paniym > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , as Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > unto them :

04872 JOS 004 014 On that day <03117 +yowm > the LORD <03068 +Y@hovah > magnified <01431 +gadal > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > in the sight <05869 +<ayin > of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > ; and they feared <03372 +yare> > him , as they feared <03372 +yare> > Moses <{04872} +Mosheh > , all <03605 +kol > the days <03117 +yowm > of his life <02416 +chay > .

04872 JOS 008 031 As Moses <04872 +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , as it is written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , an altar <04196 +mizbeach > of whole <08003 +shalem > stones <68> , over <05921 +<al > which <00834 +>aher > no <03808 +lo> > man hath lift <05130 +nuwph > up [ any ] iron <01270 +barzel > : and they offered <05927 +<alah > thereon <05921 +<al > burnt <05930 +<olah > offerings unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and sacrificed <02076 +zabach > peace <08002 +shelem > offerings .

04872 JOS 008 031 As Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , as it is written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of Moses <04872 +Mosheh > , an altar <04196 +mizbeach > of whole <08003 +shalem > stones <68> , over <05921 +<al > which <00834 +>aher > no <03808 +lo> > man hath lift <05130 +nuwph > up [ any ] iron <01270 +barzel > : and they offered <05927 +<alah > thereon <05921 +<al > burnt <05930 +<olah > offerings unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and sacrificed <02076 +zabach > peace <08002 +shelem > offerings .

04872 JOS 008 032 And he wrote <03789 +kathab > there <08033 +sham > upon the stones <68> a copy <04932 +mishneh > of the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , which <00834 +>aher > he wrote <03789 +kathab > in the presence <06440 +paniym > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 JOS 008 033 And all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , and their elders <02205 +zaqen > , and officers <07860 +shoter > , and their judges <08199 +shaphat > , stood <05975 +<amad > on this <02088 +zeh > side the ark <00727 +>arown > and on that side before <05048 +neged > the priests <03548 +kohen > the Levites <03881 +Leviyiy > , which bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , as well the stranger <01616 +ger > , as he that was born <00249 +>ezrach > among them ; half <02677 +chetsiy > of them over <00413 +>el > against <04136 +muwl >

mount <02022 +har > Gerizim <01630 +G@riziym > , and half <02677 +chetsiy > of them over against <04136 +muwl > mount <02022 +har > Ebal <05858 +<Eybal > ; as Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > before <07223 +ri>shown > , that they should bless <01288 +barak > the people <05971 +<am > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 JOS 008 035 There was not a word <01697 +dabar > of all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > , which <00834 +>aher > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > read <07121 +qara> > not before <05048 +neged > all <03605 +kol > the congregation <06951 +qahal > of Israel <03478 +Yisra>el > , with the women <00802 +>ishshah > , and the little <02945 +taph > ones , and the strangers <01616 +ger > that were conversant <01980 +halak > among <07130 +qereb > them .

04872 JOS 009 024 And they answered <06030 +<anah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and said <00559 +>amar > , Because <03588 +kiy > it was certainly told <05046 +nagad > thy servants <05650 +<ebed > , how that the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > commanded <06680 +tsavah > his servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > to give <05414 +nathan > you all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > , and to destroy <08045 +shamad > all <03605 +kol > the inhabitants <03427 +yashab > of the land <00776 +>erets > from before <06440 +paniym > you , therefore we were sore <03966 +m@<od > afraid <03372 +yare> > of our lives <05315 +nephesh > because <06440 +paniym > of you , and have done <06213 +<asah > this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > .

04872 JOS 011 012 And all <03605 +kol > the cities <05892 +<iyr > of those <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > , and all <03605 +kol > the kings <04428 +melek > of them , did Joshua <03091 +Y@howshuwa< > take <03920 +lakad > , and smote <05221 +nakah > them with the edge <06310 +peh > of the sword <02719 +chereb > , [ and ] he utterly destroyed <02763 +charam > them , as Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > .

04872 JOS 011 015 . As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Moses <04872 +Mosheh > command <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > ; he left <05493 +cuwr > nothing undone <05493 +cuwr > of all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 011 015 . As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Moses <{04872} +Mosheh > command <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > ; he left <05493 +cuwr > nothing undone <05493 +cuwr > of all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 JOS 011 015 . As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Moses <04872 +Mosheh > command <06680 +tsavah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , and so <03651 +ken > did <06213 +<asah > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > ; he left <05493 +cuwr > nothing undone <05493 +cuwr > of all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <04872 +Mosheh > .

04872 JOS 011 020 For it was of the LORD <03068 +Y@hovah > to harden <02388 +chazaq > their hearts <03820 +leb > , that they should come <07122 +qara> > against <07125 +qir>ah > Israel <03478 +Yisra>el > in battle <04421 +milchamah > , that he might destroy <02763 +charam > them utterly , [ and ] that they might have <01961 +hayah > no <01115 +biltiy > favour <08467 +t@chinnah > , but that he might destroy <08045 +shamad > them , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 011 023 So Joshua <03091 +Y@howshuwa< > took <03947 +laqach > the whole land <00776 +>erets > , according to all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > ; and Joshua <03091 +Y@howshuwa< > gave <05414 +nathan > it for an inheritance <05159 +nachalah > unto Israel <03478 +Yisra>el > according to their divisions <04256 +machaloqeth > by their tribes <07626 +shebet > . And the land <00776 +>erets > rested <08252 +shaqat > from war <04421 +milchamah > .

04872 JOS 012 006 Them did Moses <04872 +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > smite <05221 +nakah > : and Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > it [ for ] a possession <03425 +y@rushah > unto the Reubenites <07206 +R@>uwbeniy > , and the Gadites <01425 +Gadiy > , and the half <02677 +chetsiy > tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > .

04872 JOS 012 006 Them did Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > smite <05221 +nakah > : and Moses <04872 +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > it [ for ] a possession <03425 +y@rushah > unto the Reubenites <07206 +R@>uwbeniy > , and the Gadites <01425 +Gadiy > , and the half <02677 +chetsiy > tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > .

04872 JOS 013 008 With whom <05973 +<im > the Reubenites <07206 +R@>uwbeniy > and the Gadites <01425 +Gadiy > have received <03947 +laqach > their inheritance <05159 +nachalah > , which <00834 +>aher > Moses <04872 +Mosheh > gave <05414 +nathan > them , beyond <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > eastward <04217 +mizrach > , [ even ] as Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > them ;

04872 JOS 013 008 With whom <05973 +<im > the Reubenites <07206 +R@>uwbeniy > and the Gadites <01425 +Gadiy > have received <03947 +laqach > their inheritance <05159 +nachalah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > them , beyond <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > eastward <04217 +mizrach > , [ even ] as Moses <04872 +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > them ;

04872 JOS 013 012 All <03605 +kol > the kingdom <04468 +mamlakuwth > of Og <05747 +<Owg > in Bashan <01316 +Bashan > , which <00834 +>aher > reigned <04427 +malak > in Ashtaroth <06252 +<Ashtarowth > and in Edrei <00154 +>edre<iy > , who <01931 +huw> > remained <07604 +sha>ar > of the remnant <03499 +yether > of the giants <07497 +rapha> > : for these did Moses <{04872} +Mosheh > smite <05221 +nakah > , and cast <03423

+yarash > them out .

04872 JOS 013 015 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > unto the tribe <04294 +matteh > of the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > [ inheritance ] according to their families <04940 +mishpachah > .

04872 JOS 013 021 And all <03605 +kol > the cities <05892 +<iyr > of the plain <04334 +miyshowr > , and all <03605 +kol > the kingdom <04468 +mamlakuwth > of Sihon <05511 +Ciychown > king <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , which <00834 +>aher > reigned <04427 +malak > in Heshbon <02809 +Cheshbown > , whom <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > smote <05221 +nakah > with the princes <05387 +nasiy> > of Midian <04080 +Midyan > , Evi <00189 +>Eviy > , and Rekem <07552 +Reqem > , and Zur <06698 +Tsuwr > , and Hur <02354 +Chuwr > , and Reba <07254 +Reba< > , [ which were ] dukes <05257 +n@ciyk > of Sihon <05511 +Ciychown > , dwelling <03427 +yashab > in the country <00776 +>erets > .

04872 JOS 013 024 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > [ inheritance ] unto the tribe <04294 +matteh > of Gad <01410 +Gad > , [ even ] unto the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > according to their families <04940 +mishpachah > .

04872 JOS 013 029 And Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > [ inheritance ] unto the half <02677 +chetsiy > tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > : and [ this ] was [ the possession ] of the half <02677 +chetsiy > tribe <04294 +matteh > of the children <01121 +ben > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > by their families <04940 +mishpachah > .

04872 JOS 013 032 These <00428 +>el - leh > [ are the countries ] which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > did distribute <05157 +nachal > for inheritance <05157 +nachal > in the plains <06160 +<arabah > of Moab <04124 +Mow>ab > , on the other <05676 +<eber > side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > , by Jericho <03405 +Y@riychow > , eastward <04217 +mizrach > .

04872 JOS 013 033 But unto the tribe <07626 +shebet > of Levi <03878 +Leviy > Moses <{04872} +Mosheh > gave <05414 +nathan > not [ any <03605 +kol > ] inheritance <05159 +nachalah > : the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > [ was ] their inheritance <05159 +nachalah > , as he said <01696 +dabar > unto them .

04872 JOS 014 002 By lot <01486 +gowral > [ was ] their inheritance <05159 +nachalah > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > , for the nine <08672 +tesha< > tribes <04294 +matteh > , and [ for ] the half <02677 +chetsiy > tribe <04294 +matteh > .

04872 JOS 014 003 For Moses <{04872} +Mosheh > had given <05414 +nathan > the inheritance <05159 +nachalah > of two <08147 +sh@nayim > tribes <04294 +matteh > and an half <02677 +chetsiy > tribe <04294 +matteh > on the other <05676 +<eber > side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > : but unto the Levites <03881 +Leviyiy > he gave <05414 +nathan > none <03808 +lo> > inheritance <05159 +nachalah > among <08432 +tavek > them .

04872 JOS 014 005 As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so <03651 +ken > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > , and they divided <02505 +chalaq > the land <00776 +>erets > .

04872 JOS 014 006 . Then the children <01121 +ben > of Judah <03063 +Y@huwdah > came <05066 +nagash > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > in Gilgal <01537 +Gilgal > : and Caleb <03612 +Kaleb > the son <01121 +ben > of Jephunneh <03312 +Y@phunneh > the Kenezite <07074 +Q@nizziy > said <00559 +>amar > unto him , Thou knowest <03045 +yada< > the thing <01697 +dabar > that the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > concerning me and thee in Kadeshbarnea <06947 +Qadesh Barnea< > .

04872 JOS 014 007 Forty <00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > [ was ] I when Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > sent <07971 +shalach > me from Kadeshbarnea <06947 +Qadesh Barnea< > to espy <07270 +ragal > out the land <00776 +>erets > ; and I brought <07725 +shuwb > him word <01697 +dabar > again <07725 +shuwb > as [ it was ] in mine heart <03824 +lebab > .

04872 JOS 014 009 And Moses <{04872} +Mosheh > sware <07650 +shaba< > on that day <03117 +yowm > , saying <00559 +>amar > , Surely <00518 +>im > the land <00776 +>erets > whereon <00834 +>aher > thy feet <07272 +regel > have trodden <01869 +darak > shall be thine inheritance <05159 +nachalah > , and thy children s <01121 +ben > for ever <05769 +<owlam > , because <03588 +kiy > thou hast wholly <04390 +male> > followed <00310 +>achar > the LORD <03068 +Y@hovah > my God <00430 +>elohiym > .

04872 JOS 014 010 And now <06258 +<attah > , behold <02009 +hinneh > , the LORD <03068 +Y@hovah > hath kept me alive <02421 +chayah > , as he said <01696 +dabar > , these <02088 +zeh > forty <00705 +>arba<iym > and five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > , even since <00227 +>az > the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > this <02088 +zeh > word <01697 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , while <00834 +>aher > [ the children of ] Israel <03478 +Yisra>el > wandered <01980 +halak > in the wilderness <04057 +midbar > : and now <06258 +<attah > , lo <02009 +hinneh > , I [ am ] this day <03117 +yowm > fourscore <08084 +sh@moniym > and five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > .

04872 JOS 014 011 As yet <05750 +<owd > I [ am as ] strong <02389 +chazaq > this day <03117 +yowm > as [ I was ] in the day <03117 +yowm > that Moses <{04872} +Mosheh > sent <07971 +shalach > me : as my strength <03581 +koach > [ was ] then <00227 +>az > , even so [ is ] my strength <03581 +koach > now <06258 +<attah > , for war <04421 +milchamah > , both to go <03318 +yatsa> > out , and to come <00935 +bow> > in .

04872 JOS 017 004 And they came <07126 +qarab > near <07126 +qarab > before <06440 +paniym > Eleazar <00499 +>El<azar > the priest <03548 +kohen > , and before <06440 +paniym > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , and before <06440 +paniym > the princes <05387 +nasiy> > , saying <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > to give <05414 +nathan > us an inheritance <05159 +nachalah > among <08432 +tavek > our brethren <00251 +>ach > . Therefore according <00413 +>el > to the commandment <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > he gave <05414 +nathan > them an inheritance <05159 +nachalah > among <08432 +tavek > the brethren <00251 +>ach > of their father <1> .

04872 JOS 018 007 But the Levites <03881 +Leviyiy > have no <03808 +lo> > part <02506 +cheleq > among <07130 +qereb > you ; for the priesthood <03550 +k@hunnah > of the LORD <03068

+Y@hovah > [ is ] their inheritance <05159 +nachalah > : and Gad <01410 +Gad > , and Reuben <07205 +R@>uwben > , and half <02677 +chetsiy > the tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > , have <01961 +hayah > received <03947 +laqach > their inheritance <05159 +nachalah > beyond <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > on the east <04217 +mizrach > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > them .

04872 JOS 020 002 Speak <01696 +dabar > to the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , Appoint <05414 +nathan > out for you cities <05892 +<iyr > of refuge <04733 +miqlat > , whereof <00834 +>aher > I spake <01696 +dabar > unto you by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > :

04872 JOS 021 002 And they spake <01696 +dabar > unto them at Shiloh <07887 +Shiyloh > in the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > , saying <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > to give <05414 +nathan > us cities <05892 +<iyr > to dwell <03427 +yashab > in , with the suburbs <04054 +migrash > thereof for our cattle <00929 +b@hemah > .

04872 JOS 021 008 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > gave <05414 +nathan > by lot <01486 +gowral > unto the Levites <03881 +Leviyiy > these <00428 +>el - leh > cities <05892 +<iyr > with their suburbs <04054 +migrash > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 022 002 And said <00559 +>amar > unto them , Ye have kept <08104 +shamar > all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > you , and have obeyed <08085 +shama< > my voice <06963 +qowl > in all <03605 +kol > that I commanded <06680 +tsavah > you :

04872 JOS 022 004 And now <06258 +<attah > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > hath given rest <05117 +nuwach > unto your brethren <00251 +>ach > , as he promised <01696 +dabar > them : therefore now <06258 +<attah > return <06437 +panah > ye , and get <03212 +yalak > you unto your tents <00168 +>ohel > , [ and ] unto the land <00776 +>erets > of your possession <00272 +>achuzzah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > you on the other <05676 +<eber > side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > .

04872 JOS 022 005 But take diligent <03966 +m@<od > heed <08104 +shamar > to do <06213 +<asah > the commandment <04687 +mitsvah > and the law <08451 +towrah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > charged <06680 +tsavah > you , to love <00157 +>ahab > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > , and to walk <03212 +yalak > in all <03605 +kol > his ways <01870 +derek > , and to keep <08104 +shamar > his commandments <04687 +mitsvah > , and to cleave <01692 +dabaq > unto him , and to serve <05647 +<abad > him with all <03605 +kol > your heart <03824 +lebab > and with all <03605 +kol > your soul <05315 +nephesh > .

04872 JOS 022 007 Now to the [ one ] half <02677 +chetsiy > of the tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > Moses <{04872} +Mosheh > had given <05414 +nathan > [ possession

] in Bashan <01316 +Bashan > : but unto the [ other ] half <02677 +chetsiy > thereof gave <05414 +nathan > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > among <05973 +<im > their brethren <00251 +>ach > on this side <05676 +<eber > Jordan <03383 +Yarden > westward <03220 +yam > . And when <03588 +kiy > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > sent <07971 +shalach > them away also <01571 +gam > unto their tents <00168 +>ohel > , then he blessed <01288 +barak > them ,

04872 JOS 022 009 And the children <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > and the children <01121 +ben > of Gad <01410 +Gad > and the half <02677 +chetsiy > tribe <07626 +shebet > of Manasseh <04519 +M@nashsheh > returned <07725 +shuwb > , and departed <03212 +yalak > from the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > out of Shiloh <07887 +Shiyloh > , which <00834 +>aher > [ is ] in the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > , to go <03212 +yalak > unto the country <00776 +>erets > of Gilead <01568 +Gil<ad > , to the land <00776 +>erets > of their possession <00272 +>achuzzah > , whereof <00834 +>aher > they were possessed <00270 +>achaz > , according <05921 +<al > to the word <06310 +peh > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JOS 023 006 Be ye therefore very <03966 +m@<od > courageous <02388 +chazaq > to keep <08104 +shamar > and to do <06213 +<asah > all <03605 +kol > that is written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , that ye turn <05493 +cuwr > not aside therefrom [ to ] the right <03225 +yamiyn > hand <03225 +yamiyn > or [ to ] the left <08040 +s@mo>wl > ;

04872 JOS 024 005 I sent <07971 +shalach > Moses <{04872} +Mosheh > also and Aaron <00175 +>Aharown > , and I plagued <05062 +nagaph > Egypt <04714 +Mitsrayim > , according to that which <00834 +>aher > I did <06213 +<asah > among <07130 +qereb > them : and afterward <00310 +>achar > I brought <03318 +yatsa> > you out .

04872 JUDG 001 016 And the children <01121 +ben > of the Kenite <07017 +Qeyniy > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , went <05927 +<alah > up out of the city <05892 +<iyr > of palm <08558 +tamar > trees with the children <01121 +ben > of Judah <03063 +Y@huwdah > into the wilderness <04057 +midbar > of Judah <03063 +Y@huwdah > , which <00834 +>aher > [ lieth ] in the south <05045 +negeb > of Arad <06166 +<Arad > ; and they went <03212 +yalak > and dwelt <03427 +yashab > among <00854 +>eth > the people <05971 +<am > .

04872 JUDG 001 020 And they gave <05414 +nathan > Hebron <02275 +Chebrown > unto Caleb <03612 +Kaleb > , as Moses <{04872} +Mosheh > said <01696 +dabar > : and he expelled <03423 +yarash > thence <08033 +sham > the three <07969 +shalowsh > sons <01121 +ben > of Anak <06061 +<Anaq > .

04872 JUDG 003 004 And they were to prove <05254 +nacah > Israel <03478 +Yisra>el > by them , to know <03045 +yada< > whether they would hearken <08085 +shama< > unto the commandments <04687 +mitsvah > of the LORD <03068 +Y@hovah > , which <00834 +>aher > he commanded <06680 +tsavah > their fathers <1> by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 JUDG 004 011 Now Heber <02268 +Cheber > the Kenite <07014 +Qayin > , [ which was ] of the children <01121 +ben > of Hobab <02246 +Chobab > the father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > of Moses <{04872} +Mosheh > , had severed <06504

+parad > himself from the Kenites <07017 +Qeyniy > , and pitched <05186 +natah > his tent <00168 +>ohel > unto the plain <00436 +>elown > of Zaanaim , which <00834 +>aher > [ is ] by Kedesh <06943 +Qedesh > .

04872 1SA 012 006 . And Samuel <08050 +Sh@muw>el > said <00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , [ It is ] the LORD <03068 +Y@hovah > that advanced <06213 +<asah > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , and that brought <05927 +<alah > your fathers <1> up out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 1SA 012 008 When <00834 +>aher > Jacob <03290 +Ya<aqob > was come <00935 +bow> > into Egypt <04714 +Mitsrayim > , and your fathers <1> cried <02199 +za<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , then the LORD <03068 +Y@hovah > sent <07971 +shalach > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , which brought <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > your fathers <1> out of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and made them dwell <03427 +yashab > in this place <04725 +maqowm > .

04872 1KI 002 003 And keep <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > , to walk <03212 +yalak > in his ways <01870 +derek > , to keep <08104 +shamar > his statutes <02708 +chuqqah > , and his commandments <04687 +mitsvah > , and his judgments <04941 +mishpat > , and his testimonies <5715> , as it is written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , that thou mayest prosper <07919 +sakal > in all <03605 +kol > that thou doest <06213 +<asah > , and whithersoever thou turnest <06437 +panah > thyself :

04872 1KI 008 009 [ There was ] nothing <00369 +>ayin > in the ark <00727 +>arown > save <07535 +raq > the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of stone <68> , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > put <03240 +yanach > there <08033 +sham > at Horeb <02722 +Choreb > , when <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > made <03772 +karath > [ a covenant ] with the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , when they came <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 1KI 008 053 For thou didst <06213 +<asah > separate <00914 +badal > them from among all <03605 +kol > the people <05971 +<am > of the earth <00776 +>erets > , [ to be ] thine inheritance <05159 +nachalah > , as thou spakest <01696 +dabar > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > thy servant <05650 +<ebed > , when thou broughtest <03318 +yatsa> > our fathers <1> out of Egypt <04714 +Mitsrayim > , O Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

04872 1KI 008 056 Blessed <01288 +barak > [ be ] the LORD <03068 +Y@hovah > , that hath given <05414 +nathan > rest <04496 +m@nuwchah > unto his people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > , according to all <03605 +kol > that he promised <01696 +dabar > : there hath not failed <05307 +naphal > one <00259 +>echad > word <01697 +dabar > of all <03605 +kol > his good <02896 +towb > promise <01697 +dabar > , which <00834 +>aher > he promised <01696 +dabar > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > .

04872 2KI 014 006 But the children <01121 +ben > of the murderers <05221 +nakah > he slew <04191 +muwth > not : according unto that which is written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , wherein <00834 +>aher > the LORD <03068

+Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > , saying <00559 +>amar > , The fathers <1> shall not be put <04191 +muwth > to death <04191 +muwth > for the children <01121 +ben > , nor <03808 +lo> > the children <01121 +ben > be put <04191 +muwth > to death <04191 +muwth > for the fathers <1> ; but every man <00376 +>iysh > shall be put <04191 +muwth > to death <04191 +muwth > for his own sin <02399 +chet> > .

04872 2KI 018 004 He removed <05493 +cuwr > the high <01116 +bamah > places , and brake <07665 +shabar > the images <04676 +matstsebah > , and cut <03772 +karath > down the groves <00842 +>asherah > , and brake <03807 +kathath > in pieces the brasen <05178 +n@chosheth > serpent <05175 +nachash > that Moses <{04872} +Mosheh > had made <06213 +<asah > : for unto those <01992 +hem > days <03117 +yowm > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > did burn <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > to it : and he called <07121 +qara> > it Nehushtan <05180 +N@chushtan > .

04872 2KI 018 006 For he clave <01692 +dabaq > to the LORD <03068 +Y@hovah > , [ and ] departed <05493 +cuwr > not from following <00310 +>achar > him , but kept <08104 +shamar > his commandments <04687 +mitsvah > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 2KI 018 012 Because they obeyed <08085 +shama< > not the voice <06963 +qowl > of the LORD <03068 +Y@hovah > their God <00430 +>elohiym > , but transgressed <05674 +<abar > his covenant <01285 +b@riyth > , [ and ] all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > , and would not hear <08085 +shama< > [ them ] , nor <03808 +lo> > do <06213 +<asah > [ them ] .

04872 1CH 006 003 And the children <01121 +ben > of Amram <06019 +<Amram > ; Aaron <00175 +>Aharown > , and Moses <{04872} +Mosheh > , and Miriam <04813 +Miryam > . The sons <01121 +ben > also of Aaron <00175 +>Aharown > ; Nadab <05070 +Nadab > , and Abihu <30> , Eleazar <00499 +>El<azar > , and Ithamar <00385 +>Iythamar > .

04872 1CH 006 049 But Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > offered <06999 +qatar > upon the altar <04196 +mizbeach > of the burnt <05930 +<olah > offering , and on <05921 +<al > the altar <04196 +mizbeach > of incense <07004 +q@toreth > , [ and were appointed ] for all <03605 +kol > the work <04399 +m@la>kah > of the [ place ] most <06944 +qodesh > holy <06944 +qodesh > , and to make an atonement <03722 +kaphar > for Israel <03478 +Yisra>el > , according to all <03605 +kol > that Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of God <00430 +>elohiym > had commanded <06680 +tsavah > .

04872 1CH 015 015 And the children <01121 +ben > of the Levites <03881 +Leviyiy > bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of God <00430 +>elohiym > upon their shoulders <03802 +katheph > with the staves <04133 +mowtah > thereon <05921 +<al > , as Moses <{04872} +Mosheh > commanded <06680 +tsavah > according to the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 1CH 021 029 For the tabernacle <04908 +mishkan > of the LORD <03068 +Y@hovah > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > made <06213 +<asah > in the wilderness <04057 +midbar > , and the altar <04196 +mizbeach > of the burnt <05930 +<olah > offering , [ were ] at that season <06256 +<eth > in the high <01116 +bamah > place at Gibeon <01391 +Gib<own > .

04872 1CH 022 013 Then <00227 +>az > shalt thou prosper <06743 +tsalach > , if <00518 +>im > thou takest <08104 +shamar > heed <08104 +shamar > to fulfil <06213 +<asah > the statutes <02706 +choq > and judgments <04941 +mishpat > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > charged <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > with concerning <05921 +<al > Israel <03478 +Yisra>el > : be strong <02388 +chazaq > , and of good courage <00553 +>amats > ; dread <03372 +yare> > not , nor <00408 +>al > be dismayed <02865 +chathath > .

04872 1CH 023 013 The sons <01121 +ben > of Amram <06019 +<Amram > ; Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > : and Aaron <00175 +>Aharown > was separated <00914 +badal > , that he should sanctify <06942 +qadash > the most <06944 +qodesh > holy <06944 +qodesh > things , he and his sons <01121 +ben > for ever <05769 +<owlam > , to burn <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , to minister <08334 +sharath > unto him , and to bless <01288 +barak > in his name <08034 +shem > for ever <05769 +<owlam > .

04872 1CH 023 014 Now [ concerning ] Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > , his sons <01121 +ben > were named <07121 +qara> > of the tribe <07626 +shebet > of Levi <03878 +Leviy > .

04872 1CH 023 015 The sons <01121 +ben > of Moses <{04872} +Mosheh > [ were ] , Gershom <01648 +Ger@shown > , and Eliezer <00461 +>Eliy<ezer > .

04872 1CH 026 024 And Shebuel <07619 +Sh@buw>el > the son <01121 +ben > of Gershom <1648Ger@shown > , the son <01121 +ben > of Moses <{04872} +Mosheh > , [ was ] ruler <05057 +nagiyd > of the treasures <00214 +>owtsar > .

04872 2CH 001 003 So Solomon <08010 +Sh@lomoh > , and all <03605 +kol > the congregation <06951 +qahal > with him , went <03212 +yalak > to the high <01116 +bamah > place that [ was ] at Gibeon <01391 +Gib<own > ; for there <08033 +sham > was the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > of God <00430 +>elohiym > , which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > had <01961 +hayah > made <06213 +<asah > in the wilderness <04057 +midbar > .

04872 2CH 005 010 [ There was ] nothing <00369 +>ayin > in the ark <00727 +>arown > save <07535 +raq > the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > which <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > put <05414 +nathan > [ therein ] at Horeb <02722 +Choreb > , when <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > made <03772 +karath > [ a covenant ] with the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , when they came <03318 +yatsa> > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 2CH 008 013 Even after a certain <01697 +dabar > rate <01697 +dabar > every day <03117 +yowm > , offering <05927 +<alah > according to the commandment <04687 +mitsvah > of Moses <{04872} +Mosheh > , on the sabbaths <07676 +shabbath > , and on the new <02320 +chodesh > moons <02320 +chodesh > , and on the solemn <04150 +mow<ed > feasts <04150 +mow<ed > , three <07969 +shalowsh > times <06471 +pa<am > in the year <08141 +shaneh > , [ even ] in the feast <02282 +chag > of unleavened <04682 +matstsah > bread , and in the feast <02282 +chag > of weeks <07620 +shabuwa< > , and in the feast <02282 +chag > of tabernacles <05521 +cukkah > .

04872 2CH 023 018 Also Jehoiada <03111 +Yowyada< > appointed <07760 +suwm > the offices <06486 +p@quddah > of the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of the priests <03548 +kohen > the Levites <03881 +Leviyiy > , whom <00834 +>aher > David <01732 +David > had distributed <02505 +chalaq > in the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > , to offer <05927 +<alah > the burnt <05930 +<olah > offerings of the LORD <03068 +Y@hovah > , as [ it is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , with rejoicing <08057 +simchah > and with singing <07892 +shiyr > , [ as it was ordained ] by David <01732 +David > .

04872 2CH 024 006 And the king <04428 +melek > called <07121 +qara> > for Jehoiada <03111 +Yowyada< > the chief <07218 +ro>sh > , and said <00559 +>amar > unto him , Why <04069 +madduwa< > hast thou not required <01875 +darash > of the Levites <03881 +Leviyiy > to bring <00935 +bow> > in out of Judah <03063 +Y@huwdah > and out of Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > the collection <04864 +mas>eth > , [ according to the commandment ] of Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and of the congregation <06951 +qahal > of Israel <03478 +Yisra>el > , for the tabernacle <00168 +>ohel > of witness <5715> ?

04872 2CH 024 009 And they made <05414 +nathan > a proclamation <06963 +qowl > through Judah <03063 +Y@huwdah > and Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , to bring <00935 +bow> > in to the LORD <03068 +Y@hovah > the collection <04864 +mas>eth > [ that ] Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of God <00430 +>elohiym > [ laid ] upon Israel <03478 +Yisra>el > in the wilderness <04057 +midbar > .

04872 2CH 025 004 But he slew <04191 +muwth > not their children <01121 +ben > , but [ did ] as [ it is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > in the book <05612 +cepher > of Moses <{04872} +Mosheh > , where <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > , saying <00559 +>amar > , The fathers <1> shall not die <04191 +muwth > for the children <01121 +ben > , neither <03808 +lo> > shall the children <01121 +ben > die <04191 +muwth > for the fathers <1> , but every man <00376 +>iysh > shall die <04191 +muwth > for his own sin <02399 +chet> > .

04872 2CH 030 016 And they stood <05975 +<amad > in their place <05977 +<omed > after their manner <04941 +mishpat > , according to the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > : the priests <03548 +kohen > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > , [ which they received ] of the hand <03027 +yad > of the Levites <03881 +Leviyiy > .

04872 2CH 033 008 Neither <03808 +lo> > will I any more <03254 +yacaph > remove <05493 +cuwr > the foot <07272 +regel > of Israel <03478 +Yisra>el > from out <05921 +<al > of the land <00127 +>adamah > which I have appointed <05978 +<immad > for your fathers <07535 +raq > ; so <00518 +>im > that they will take heed <08104 +shamar > to do <06213 +<asah > all <03605 +kol > that I have commanded <00834 +>aher > them <04519 +M@nashsheh > , according to the whole <03605 +kol > law <08451 +towrah > and the statutes <02706 +choq > and the ordinances <04941 +mishpat > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 2CH 034 014 . And when they brought <03318 +yatsa> > out the money <03701 +keceph > that was brought <00935 +bow> > into

the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > , Hilkiah <02518 +Chilqiyah > the priest <03548 +kohen > found <04672 +matsa> > a book <05612 +cepher > of the law <08451 +towrah > of the LORD <03068 +Y@hovah > [ given ] by Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 2CH 035 006 So kill <07819 +shachat > the passover <06453 +pecach > , and sanctify <06942 +qadash > yourselves , and prepare <03559 +kuwn > your brethren <00251 +>ach > , that [ they ] may do <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 2CH 035 012 And they removed <05493 +cuwr > the burnt <05930 +<olah > offerings , that they might give <05414 +nathan > according to the divisions <04653 +miphlaggah > of the families <01004 +bayith > of the people , to offer <07126 +qarab > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , as [ it is ] written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of Moses <{04872} +Mosheh > . And so <03651 +ken > [ did they ] with the oxen <01241 +baqar > .

04872 EZR 003 002 Then stood <06965 +quwm > up Jeshua <03442 +Yeshuwa< > the son <01121 +ben > of Jozadak <03136 +Yowtsadaq > , and his brethren <00251 +>ach > the priests <03548 +kohen > , and Zerubbabel <02216 +Z@rubbabel > the son <01121 +ben > of Shealtiel <07597 +Sh@>altiy>el > , and his brethren <00251 +>ach > , and builded <01129 +banah > the altar <04196 +mizbeach > of the God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > , to offer <05927 +<alah > burnt <05930 +<olah > offerings thereon <05921 +<al > , as [ it is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > .

04872 EZR 007 006 This <01931 +huw> > Ezra <05830 +<Ezra> > went <05927 +<alah > up from Babylon<00894 +Babel > ; and he [ was ] a ready <04106 +mahiyr > scribe <05608 +caphar > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > had given <05414 +nathan > : and the king <04428 +melek > granted <05414 +nathan > him all <03605 +kol > his request <01246 +baqqashah > , according to the hand <03027 +yad > of the LORD <03068 +Y@hovah > his God <00430 +>elohiym > upon him .

04872 NEH 001 007 We have dealt very corruptly <02254 +chabal > against thee , and have not kept <08104 +shamar > the commandments <04687 +mitsvah > , nor the statutes <02706 +choq > , nor the judgments <04941 +mishpat > , which <00834 +>aher > thou commandedst <06680 +tsavah > thy servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 NEH 001 008 Remember <02142 +zakar > , I beseech <04994 +na> > thee , the word <01697 +dabar > that thou commandedst <06680 +tsavah > thy servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , [ If ] ye transgress <04603 +ma<al > , I will scatter <06327 +puwts > you abroad <06327 +puwts > among the nations <05971 +<am > :

04872 NEH 008 001 . And all <03605 +kol > the people <05971 +<am > gathered <00622 +>acaph > themselves together as one <00259 +>echad > man <00376 +>iysh > into <00413 +>el > the street <07339 +r@chob > that [ was ] before <06440 +paniym > the water <04325 +mayim > gate <08179 +sha<ar > ; and they spake <00559 +>amar > unto Ezra <05830 +<Ezra> > the scribe <05608 +caphar > to bring <00935 +bow> > the book <05612 +cepher > of the law

<08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > to Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 NEH 008 014 And they found <04672 +matsa> > written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > by Moses <{04872} +Mosheh > , that the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > should dwell <03427 +yashab > in booths <05521 +cukkah > in the feast <02282 +chag > of the seventh <07637 +sh@biy<iy > month <02320 +chodesh > :

04872 NEH 009 014 And madest <03045 +yada< > known <03045 +yada< > unto them thy holy <06944 +qodesh > sabbath <07676 +shabbath > , and commandedst <06680 +tsavah > them precepts <04687 +mitsvah > , statutes <02706 +choq > , and laws <08451 +towrah > , by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > thy servant <05650 +<ebed > :

04872 NEH 010 029 They clave <02388 +chazaq > to their brethren <00251 +>ach > , their nobles <00117 +>addiyr > , and entered <00935 +bow> > into a curse <00423 +>alah > , and into an oath <07621 +sh@buw<ah > , to walk <03212 +yalak > in God s <00430 +>elohiym > law <08451 +towrah > , which <00834 +>aher > was given <05414 +nathan > by Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of God <00430 +>elohiym > , and to observe <08104 +shamar > and do <06213 +<asah > all <03605 +kol > the commandments <04687 +mitsvah > of the LORD <03068 +Y@hovah > our Lord <00113 +>adown > , and his judgments <04941 +mishpat > and his statutes <02706 +choq > ;

04872 NEH 013 001 . On that day <03117 +yowm > they read <07121 +qara> > in the book <05612 +cepher > of Moses <{04872} +Mosheh > in the audience <00241 +>ozen > of the people <05971 +<am > ; and therein was found <04672 +matsa> > written <03789 +kathab > , that the Ammonite <05984 +<Ammowniy > and the Moabite <04125 +Mow>abiy > should not come <00935 +bow> > into the congregation <06951 +qahal > of God <00430 +>elohiym > for ever <05769 +<owlam > ;

04872 PSA 077 020 Thou leddest <05148 +nachah > thy people <05971 +<am > like a flock <06629 +tso>n > by the hand <03027 +yad > of Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 PSA 090 001 . A Prayer <08605 +t@phillah > of Moses <{04872} +Mosheh > the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > . Lord <00136 +>Adonay > , thou hast been <01961 +hayah > our dwelling <04583 +ma<own > place in all generations <01755 +dowr > .

04872 PSA 099 006 . Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > among his priests <03548 +kohen > , and Samuel <08050 +Sh@muw>el > among them that call <07121 +qara> > upon his name <08034 +shem > ; they called <07121 +qara> > upon the LORD <03068 +Y@hovah > , and he answered <06030 +<anah > them .

04872 PSA 103 007 He made known <03045 +yada< > his ways <01870 +derek > unto Moses <{04872} +Mosheh > , his acts <05949 +<aliylah > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 PSA 105 026 He sent <07971 +shalach > Moses <{04872} +Mosheh > his servant <05650 +<ebed > ; [ and ] Aaron <00175 +>Aharown > whom <00834 +>aher > he had chosen <00977 +bachar > .

04872 PSA 106 016 They envied <07065 +qana> > Moses <{04872}

+Mosheh > also in the camp <04264 +machaneh > , [ and ] Aaron <00175 +>Aharown > the saint <06918 +qadowsh > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 PSA 106 023 Therefore he said <00559 +>amar > that he would destroy <08045 +shamad > them , had <03884 +luwle> > not Moses <{04872} +Mosheh > his chosen <00972 +bachiyr > stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > him in the breach <06556 +perets > , to turn <07725 +shuwb > away his wrath <02534 +chemah > , lest he should destroy <07843 +shachath > [ them ] .

04872 PSA 106 032 They angered <07107 +qatsaph > [ him ] also at <05921 +<al > the waters <04325 +mayim > of strife <04808 +m@riybah > , so that it went ill <03415 +yara< > with Moses <{04872} +Mosheh > for their sakes <06616 +pathiyl > :

04872 ISA 063 011 Then he remembered <02142 +zakar > the days <03117 +yowm > of old <05769 +<owlam > , Moses <{04872} +Mosheh > , [ and ] his people <05971 +<am > , [ saying ] , Where <00346 +>ayeh > [ is ] he that brought <05927 +<alah > them up out of the sea <03220 +yam > with the shepherd <07462 +ra<ah > of his flock <06629 +tso>n > ? where <00346 +>ayeh > [ is ] he that put <07760 +suwm > his holy <06944 +qodesh > Spirit <07307 +ruwach > within <07130 +qereb > him ?

04872 ISA 063 012 That led <03212 +yalak > [ them ] by the right <03225 +yamiyn > hand <03225 +yamiyn > of Moses <{04872} +Mosheh > with his glorious <08597 +tiph>arah > arm <02220 +z@rowa< > , dividing <01234 +baqa< > the water <04325 +mayim > before <06440 +paniym > them , to make <06213 +<asah > himself an everlasting <05769 +<owlam > name <08034 +shem > ?

04872 JER 015 001 . Then said <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > unto me , Though <00518 +>im > Moses <{04872} +Mosheh > and Samuel <08050 +Sh@muw>el > stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > me , [ yet ] my mind <05315 +nephesh > [ could ] not [ be ] toward <00413 +>el > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > : cast <07971 +shalach > [ them ] out of my sight <06440 +paniym > , and let them go <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > .

04872 DAN 009 011 Yea , all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > have transgressed <5674<abar > thy law <08451 +towrah > , even by departing <05493 +cuwr > , that they might not obey <08085 +shama< > thy voice <06963 +qowl > ; therefore the curse <00423 +>alah > is poured <05413 +nathak > upon us , and the oath <07621 +sh@buw<ah > that [ is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > the servant <05650 +<ebed > of God <00430 +>elohiym > , because <03588 +kiy > we have sinned <02398 +chata> > against him .

04872 DAN 009 013 As [ it is ] written <03789 +kathab > in the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh > , all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > evil <07451 +ra< > is come <00935 +bow> > upon us : yet made we not our prayer <02470 +chalah > before the LORD <03068 +Y@hovah > our God <00430 +>elohiym > , that we might turn <07725 +shuwb > from our iniquities <05771 +<avon > , and understand <07919 +sakal > thy truth <00571 +>emeth > .

04872 MIC 006 004 For I brought <05927 +<alah > thee up out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and redeemed <06299 +padah > thee out of the house <01004 +bayith > of servants <05650 +<ebed > ; and I sent <07971 +shalach > before <06440 +paniym > thee Moses <{04872} +Mosheh > , Aaron

<00175 +>Aharown > , and Miriam <04813 +Miryam > .

04872 MAL 004 004 . Remember <02142 +zakar > ye the law <08451 +towrah > of Moses <{04872} +Mosheh >my servant <05650 +<ebed > , which <00834 +>aher > I commanded <06680 +tsavah > unto him in Horeb <02722 +Choreb > for all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , [ with ] the statutes <02706 +choq > and judgments <04941 +mishpat > .

04872 NUM 017 010 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Bring <07725 +shuwb > Aaron s <00175 +>Aharown > rod <04294 +matteh > again <07725 +shuwb > before <06440 +paniym > the testimony <5715> , to be kept <04931 +mishmereth > for a token <00226 +>owth > against the rebels <04805 +m@riy > ; and thou shalt quite <03615 +kalah > take <03615 +kalah > away their murmurings <08519 +t@luwnah > from me , that they die <04191 +muwth > not .

04872 EXO 034 033 And [ till ] Moses <{04872} +Mosheh > had done <03615 +kalah > speaking <01696 +dabar > with them , he put <05414 +nathan > a vail <04533 +macveh > on <05921 +<al > his face <06440 +paniym > .

04872 EXO 034 034 But when Moses <{04872} +Mosheh > went <00935 +bow> > in before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > to speak <01696 +dabar > with him , he took <05493 +cuwr > the vail <04533 +macveh > off , until <05704 +<ad > he came <03318 +yatsa> > out . And he came <03318 +yatsa> > out , and spake <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > [ that ] which <00834 +>aher > he was commanded <06680 +tsavah > .

04872 EXO 034 035 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > the face <06440 +paniym > of Moses <04872 +Mosheh > , that the skin <05785 +<owr > of Moses <04872 +Mosheh > face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > : and Moses <{04872} +Mosheh > put <07725 +shuwb > the vail <04533 +macveh > upon his face <06440 +paniym > again <07725 +shuwb > , until <05704 +<ad > he went <00935 +bow> > in to speak <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 032 031 And Moses <{04872} +Mosheh > returned <07725 +shuwb > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and said <00559 +>amar > , Oh <00577 +>anna> > , this <02088 +zeh > people <05971 +<am > have sinned <02398 +chata> > a great <01419 +gadowl > sin <02401 +chata>ah > , and have made <06213 +<asah > them gods <00430 +>elohiym > of gold <02091 +zahab > .

04872 EXO 032 033 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Whosoever hath sinned <02398 +chata> > against me , him will I blot <04229 +machah > out of my book <05612 +cepher > .

04872 EXO 033 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Depart <03212 +yalak > , [ and ] go <05927 +<alah > up hence <02088 +zeh > , thou and the people <05971 +<am > which <00834 +>aher > thou hast brought <05927 +<alah > up out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , unto the land <00776 +>erets > which <00834 +>aher > I sware <07650 +shaba< > unto Abraham <85> , to Isaac <03327 +Yitschaq > , and to Jacob <03290 +Ya<aqob > , saying <00559 +>amar > , Unto thy seed <02233 +zera< > will I give <05414 +nathan > it :

04872 EXO 033 005 For the LORD <03068 +Y@hovah > had said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Say <00559 +>amar >

unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , Ye [ are ] a stiffnecked people <05971 +<am > : I will come <05927 +<alah > up into the midst <07130 +qereb > of thee in a moment <07281 +rega< > , and consume <03615 +kalah > thee : therefore now <06258 +<attah > put <03381 +yarad > off thy ornaments <05716 +<adiy > from thee , that I may know <03045 +yada< > what <04100 +mah > to do <06213 +<asah > unto thee .

04872 EXO 033 007 . And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the tabernacle <00168 +>ohel > , and pitched <05186 +natah > it without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > , afar <07350 +rachowq > off from the camp <04264 +machaneh > , and called <07121 +qara> > it the Tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > . And it came <01961 +hayah > to pass , [ that ] every <03605 +kol > one which sought <01245 +baqash > the LORD <03068 +Y@hovah > went <03318 +yatsa> > out unto the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , which <00834 +>aher > [ was ] without <02351 +chuwts > the camp <04264 +machaneh > .

04872 EXO 033 008 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <04872 +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out unto the tabernacle <00168 +>ohel > , [ that ] all <03605 +kol > the people <05971 +<am > rose <06965 +quwm > up , and stood <05324 +natsab > every <00376 +>iysh > man <00376 +>iysh > [ at ] his tent <00168 +>ohel > door <06607 +pethach > , and looked <05027 +nabat > after <00310 +>achar > Moses <{04872} +Mosheh > , until <05704 +<ad > he was gone <00935 +bow> > into the tabernacle <00168 +>ohel > .

04872 EXO 033 008 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <{04872} +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out unto the tabernacle <00168 +>ohel > , [ that ] all <03605 +kol > the people <05971 +<am > rose <06965 +quwm > up , and stood <05324 +natsab > every <00376 +>iysh > man <00376 +>iysh > [ at ] his tent <00168 +>ohel > door <06607 +pethach > , and looked <05027 +nabat > after <00310 +>achar > Moses <04872 +Mosheh > , until <05704 +<ad > he was gone <00935 +bow> > into the tabernacle <00168 +>ohel > .

04872 EXO 033 009 And it came <01961 +hayah > to pass , as Moses <04872 +Mosheh > entered <00935 +bow> > into the tabernacle <00168 +>ohel > , the cloudy <06051 +<anan > pillar <05982 +<ammuwd > descended <03381 +yarad > , and stood <05975 +<amad > [ at ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > , and [ the LORD ] talked <01696 +dabar > with Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 033 009 And it came <01961 +hayah > to pass , as Moses <{04872} +Mosheh > entered <00935 +bow> > into the tabernacle <00168 +>ohel > , the cloudy <06051 +<anan > pillar <05982 +<ammuwd > descended <03381 +yarad > , and stood <05975 +<amad > [ at ] the door <06607 +pethach > of the tabernacle <00168 +>ohel > , and [ the LORD ] talked <01696 +dabar > with Moses <04872 +Mosheh > .

04872 EXO 033 011 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > face <06440 +paniym > to face <06440 +paniym > , as a man <00376 +>iysh > speaketh <01696 +dabar > unto his friend <07453 +rea< > . And he turned <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > into <00413 +>el > the camp <04264 +machaneh > : but his servant <08334 +sharath > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , the son <01121 +ben > of Nun <05126 +Nuwn > , a young <05288 +na<ar > man , departed <04185 +muwsh > not out of the tabernacle <00168 +>ohel > .

04872 EXO 033 012 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , See <07200 +ra>ah > , thou sayest <00559 +>amar > unto me , Bring <05927 +<alah > up this <02088 +zeh > people <05971 +<am > : and thou hast not let me know <03045 +yada< > whom thou wilt send <07971 +shalach > with me . Yet thou hast said <00559 +>amar > , I know <03045 +yada< > thee by name <08034 +shem > , and thou hast also <01571 +gam > found <04672 +matsa> > grace <02580 +chen > in my sight <05869 +<ayin > .

04872 EXO 033 017 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , I will do <06213 +<asah > this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > also <01571 +gam > that thou hast spoken <01696 +dabar > : for thou hast found <04672 +matsa> > grace <02580 +chen > in my sight <05869 +<ayin > , and I know <03045 +yada< > thee by name <08034 +shem > .

04872 EXO 034 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Hew <06458 +pacal > thee two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of stone <68> like unto the first <07223 +ri>shown > : and I will write <03789 +kathab > upon [ these ] tables <03871 +luwach > the words <01697 +dabar > that were in the first <07223 +ri>shown > tables <03871 +luwach > , which <00834 +>aher > thou brakest <07665 +shabar > .

04872 EXO 034 004 And he hewed <06458 +pacal > two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of stone <68> like unto the first <07223 +ri>shown > ; and Moses <{04872} +Mosheh > rose <07925 +shakam > up early <07925 +shakam > in the morning <01242 +boqer > , and went <05927 +<alah > up unto mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > him , and took <03947 +laqach > in his hand <03027 +yad > the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of stone <68> .

04872 EXO 034 008 And Moses <{04872} +Mosheh > made haste <04116 +mahar > , and bowed <06915 +qadad > his head toward the earth <00776 +>erets > , and worshipped <07812 +shachah > .

04872 EXO 034 027 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Write <03789 +kathab > thou these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > : for after <05921 +<al > the tenor <06310 +peh > of these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > I have made <03772 +karath > a covenant <01285 +b@riyth > with thee and with Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 EXO 034 029 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <04872 +Mosheh > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > with the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of testimony <5715> in Moses <04872 +Mosheh > hand <03027 +yad > , when he came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > , that Moses <{04872} +Mosheh > wist <03045 +yada< > not that the skin <05785 +<owr > of his face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > while he talked <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 034 029 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <04872 +Mosheh > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > with the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of testimony <5715> in Moses <{04872} +Mosheh > hand <03027 +yad > , when he came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > , that Moses <04872 +Mosheh > wist <03045 +yada< > not that the skin <05785 +<owr > of his face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > while he talked <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 034 029 And it came <01961 +hayah > to pass , when Moses <{04872} +Mosheh > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > with the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of testimony <5715> in Moses <04872 +Mosheh > hand <03027 +yad > , when he came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > , that Moses <04872 +Mosheh > wist <03045 +yada< > not that the skin <05785 +<owr > of his face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > while he talked <01696 +dabar > with him .

04872 EXO 034 031 And Moses <04872 +Mosheh > called <07121 +qara> > unto them ; and Aaron <00175 +>Aharown > and all <03605 +kol > the rulers <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > returned <07725 +shuwb > unto him : and Moses <{04872} +Mosheh > talked <01696 +dabar > with them .

04872 EXO 034 031 And Moses <{04872} +Mosheh > called <07121 +qara> > unto them ; and Aaron <00175 +>Aharown > and all <03605 +kol > the rulers <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > returned <07725 +shuwb > unto him : and Moses <04872 +Mosheh > talked <01696 +dabar > with them .

04872 EXO 034 030 And when Aaron <00175 +>Aharown > and all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > Moses <{04872} +Mosheh > , behold <02009 +hinneh > , the skin <05785 +<owr > of his face <06440 +paniym > shone <07160 +qaran > ; and they were afraid <03372 +yare> > to come <05066 +nagash > nigh <05066 +nagash > him .

04872 EXO 002 010 And the child <03206 +yeled > grew <01431 +gadal > , and she brought <00935 +bow> > him unto Pharaoh s <06547 +Par<oh > daughter <01323 +bath > , and he became <01961 +hayah > her son <01121 +ben > . And she called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Moses <{04872} +Mosheh > : and she said <00559 +>amar > , Because <03588 +kiy > I drew <04871 +mashah > him out of the water <04325 +mayim > .

04872 EXO 002 011 . And it came <01961 +hayah > to pass in those <01992 +hem > days <03117 +yowm > , when Moses <{04872} +Mosheh > was grown <01431 +gadal > , that he went <03318 +yatsa> > out unto his brethren <00251 +>ach > , and looked <07200 +ra>ah > on their burdens <05450 +c@balah > : and he spied <07200 +ra>ah > an Egyptian <04713 +Mitsriy > smiting <05221 +nakah > an Hebrew <05680 +<Ibriy > , one of his brethren <00251 +>ach > .

04872 EXO 002 014 And he said <00559 +>amar > , Who <04310 +miy > made <07760 +suwm > thee a prince <08269 +sar > and a judge <08199 +shaphat > over <05921 +<al > us ? intendest <00559 +>amar > thou to kill <02026 +harag > me , as thou killedst <02026 +harag > the Egyptian <04713 +Mitsriy > ? And Moses <{04872} +Mosheh > feared <03372 +yare> > , and said <00559 +>amar > , Surely <00403 +>aken > this thing <01697 +dabar > is known <03045 +yada< > .

04872 EXO 002 015 Now when Pharaoh <06547 +Par<oh > heard <08085 +shama< > this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > , he sought <01245 +baqash > to slay <02026 +harag > Moses <04872 +Mosheh > . But Moses <{04872} +Mosheh > fled <01272 +barach > from the face <06440 +paniym > of Pharaoh <06547 +Par<oh > , and dwelt <03427 +yashab > in the land <00776 +>erets > of Midian <04080 +Midyan > : and he sat <03427 +yashab > down by a well <00875 +@>er > .

04872 EXO 002 015 Now when Pharaoh <06547 +Par<oh > heard <08085

+shama< > this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > , he sought <01245 +baqash > to slay <02026 +harag > Moses <{04872} +Mosheh > . But Moses <04872 +Mosheh > fled <01272 +barach > from the face <06440 +paniym > of Pharaoh <06547 +Par<oh > , and dwelt <03427 +yashab > in the land <00776 +>erets > of Midian <04080 +Midyan > : and he sat <03427 +yashab > down by a well <00875 +@>er > .

04872 EXO 002 017 And the shepherds <07462 +ra<ah > came <00935 +bow> > and drove <01644 +garash > them away : but Moses <{04872} +Mosheh > stood <06965 +quwm > up and helped <03467 +yasha< > them , and watered <08248 +shaqah > their flock <06629 +tso>n > .

04872 EXO 002 021 And Moses <04872 +Mosheh > was content <02974 +ya>al > to dwell <03427 +yashab > with the man <00376 +>iysh > : and he gave <05414 +nathan > Moses <{04872} +Mosheh > Zipporah <03855 +Lahad > his daughter <01323 +bath > .

04872 EXO 002 021 And Moses <{04872} +Mosheh > was content <02974 +ya>al > to dwell <03427 +yashab > with the man <00376 +>iysh > : and he gave <05414 +nathan > Moses <04872 +Mosheh > Zipporah <03855 +Lahad > his daughter <01323 +bath > .

04872 EXO 003 001 . Now Moses <{04872} +Mosheh > kept <07462 +ra<ah > the flock <06629 +tso>n > of Jethro <03503 +Yithrow > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , the priest <03548 +kohen > of Midian <04080 +Midyan > : and he led <05090 +nahag > the flock <06629 +tso>n > to the backside <00310 +>achar > of the desert <04057 +midbar > , and came <00935 +bow> > to the mountain <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > , [ even ] to Horeb <02722 +Choreb > .

04872 EXO 003 003 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , I will now <04994 +na> > turn <05493 +cuwr > aside , and see <07200 +ra>ah > this <02088 +zeh > great <01419 +gadowl > sight <04758 +mar>eh > , why <04069 +madduwa< > the bush <05572 +c@nah > is not burnt <01197 +ba<ar > .

04872 EXO 003 004 And when the LORD <03068 +Y@hovah > saw <07200 +ra>ah > that he turned <05493 +cuwr > aside to see <07200 +ra>ah > , God <00430 +>elohiym > called <07121 +qara> > unto him out of the midst <08432 +tavek > of the bush <05572 +c@nah > , and said <00559 +>amar > , Moses <04872 +Mosheh > , Moses <{04872} +Mosheh > . And he said <00559 +>amar > , Here <02009 +hinneh > [ am ] I .

04872 EXO 003 004 And when the LORD <03068 +Y@hovah > saw <07200 +ra>ah > that he turned <05493 +cuwr > aside to see <07200 +ra>ah > , God <00430 +>elohiym > called <07121 +qara> > unto him out of the midst <08432 +tavek > of the bush <05572 +c@nah > , and said <00559 +>amar > , Moses <{04872} +Mosheh > , Moses <04872 +Mosheh > . And he said <00559 +>amar > , Here <02009 +hinneh > [ am ] I .

04872 EXO 003 006 Moreover he said <00559 +>amar > , I [ am ] the God <00430 +>elohiym > of thy father <1> , the God <00430 +>elohiym > of Abraham <85> , the God <00430 +>elohiym > of Isaac <03327 +Yitschaq > , and the God <00430 +>elohiym > of Jacob <03290 +Ya<aqob > . And Moses <{04872} +Mosheh > hid <05641 +cathar > his face <06440 +paniym > ; for he was afraid <03372 +yare> > to look <05027 +nabat > upon God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 003 011 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto God <00430 +>elohiym > , Who <04310 +miy > [ am ]

I , that I should go <03212 +yalak > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and that I should bring <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > ?

04872 EXO 003 013 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto God <00430 +>elohiym > , Behold <02009 +hinneh > , [ when ] I come <00935 +bow> > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , and shall say <00559 +>amar > unto them , The God <00430 +>elohiym > of your fathers <1> hath sent <07971 +shalach > me unto you ; and they shall say <00559 +>amar > to me , What <04100 +mah > [ is ] his name <08034 +shem > ? what <04100 +mah > shall I say <00559 +>amar > unto them ?

04872 EXO 003 014 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , I AM <01961 +hayah > THAT I AM <01961 +hayah > : and he said <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh > shalt thou say <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , I AM <01961 +hayah > hath sent <07971 +shalach > me unto you .

04872 EXO 003 015 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > moreover <05750 +<owd > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Thus <03541 +koh > shalt thou say <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , The LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of your fathers <1> , the God <00430 +>elohiym > of Abraham <85> , the God <00430 +>elohiym > of Isaac <03327 +Yitschaq > , and the God <00430 +>elohiym > of Jacob <03290 +Ya<aqob > , hath sent <07971 +shalach > me unto you : this <02088 +zeh > [ is ] my name <08034 +shem > for ever <05769 +<owlam > , and this <02088 +zeh > [ is ] my memorial <02143 +zeker > unto all generations <01755 +dowr > .

04872 EXO 004 001 . And Moses <{04872} +Mosheh > answered <06030 +<anah > and said <00559 +>amar > , But , behold <02005 +hen > , they will not believe <00539 +>aman > me , nor <03808 +lo> > hearken <08085 +shama< > unto my voice <06963 +qowl > : for they will say <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > hath not appeared <07200 +ra>ah > unto thee .

04872 EXO 004 003 And he said <00559 +>amar > , Cast <07993 +shalak > it on the ground <00776 +>erets > . And he cast <07993 +shalak > it on the ground <00776 +>erets > , and it became <01961 +hayah > a serpent <05175 +nachash > ; and Moses <{04872} +Mosheh > fled <05127 +nuwc > from before <06440 +paniym > it .

04872 EXO 004 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Put <07971 +shalach > forth <07971 +shalach > thine hand <03027 +yad > , and take <00270 +>achaz > it by the tail <02180 +zanab > . And he put <07971 +shalach > forth <07971 +shalach > his hand <03027 +yad > , and caught <02388 +chazaq > it , and it became <01961 +hayah > a rod <04294 +matteh > in his hand <03709 +kaph > :

04872 EXO 004 010 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the LORD <00136 +>Adonay > , O my Lord <03068 +Y@hovah > , I [ am ] not eloquent <01697 +dabar > , neither <01571 +gam > heretofore <08543 +t@mowl > , nor <01571 +gam > since <00227 +>az > thou hast spoken <01696 +dabar > unto thy servant <05650 +<ebed > : but I [ am ] slow <03515 +kabed > of speech <06310 +peh > , and of a slow <00750 +>arek > tongue <03956 +lashown > .

04872 EXO 004 014 And the anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > was kindled <02734 +charah > against Moses <{04872} +Mosheh > , and he said <00559 +>amar > , [ Is ] not

Aaron <00175 +>Aharown > the Levite <03881 +Leviyiy > thy brother <00251 +>ach > ? I know <03045 +yada< > that he can speak <01696 +dabar > well . And also <01571 +gam > , behold <02009 +hinneh > , he cometh <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > to meet <07125 +qir>ah > thee : and when he seeth <07200 +ra>ah > thee , he will be glad <08056 +sameach > in his heart <03820 +leb > .

04872 EXO 004 018 . And Moses <04872 +Mosheh > went <03212 +yalak > and returned <07725 +shuwb > to Jethro <03503 +Yithrow > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and said <00559 +>amar > unto him , Let me go <03212 +yalak > , I pray <04994 +na> > thee , and return <07725 +shuwb > unto my brethren <00251 +>ach > which <00834 +>aher > [ are ] in Egypt <04714 +Mitsrayim > , and see <07200 +ra>ah > whether <05750 +<owd > they be yet <05750 +<owd > alive <02416 +chay > . And Jethro <03503 +Yithrow > said <00559 +>amar > to Moses <{04872} +Mosheh > , Go <03212 +yalak > in peace <07965 +shalowm > .

04872 EXO 004 018 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <03212 +yalak > and returned <07725 +shuwb > to Jethro <03503 +Yithrow > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and said <00559 +>amar > unto him , Let me go <03212 +yalak > , I pray <04994 +na> > thee , and return <07725 +shuwb > unto my brethren <00251 +>ach > which <00834 +>aher > [ are ] in Egypt <04714 +Mitsrayim > , and see <07200 +ra>ah > whether <05750 +<owd > they be yet <05750 +<owd > alive <02416 +chay > . And Jethro <03503 +Yithrow > said <00559 +>amar > to Moses <04872 +Mosheh > , Go <03212 +yalak > in peace <07965 +shalowm > .

04872 EXO 004 019 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in Midian <04080 +Midyan > , Go <03212 +yalak > , return <07725 +shuwb > into Egypt <04714 +Mitsrayim > : for all <03605 +kol > the men <00582 +>enowsh > are dead <04191 +muwth > which sought <01245 +baqash > thy life <05315 +nephesh > .

04872 EXO 004 020 And Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > his wife <00802 +>ishshah > and his sons <01121 +ben > , and set <07392 +rakab > them upon an ass <02543 +chamowr > , and he returned <07725 +shuwb > to the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > : and Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the rod <04294 +matteh > of God <00430 +>elohiym > in his hand <03027 +yad > .

04872 EXO 004 020 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > his wife <00802 +>ishshah > and his sons <01121 +ben > , and set <07392 +rakab > them upon an ass <02543 +chamowr > , and he returned <07725 +shuwb > to the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > : and Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > the rod <04294 +matteh > of God <00430 +>elohiym > in his hand <03027 +yad > .

04872 EXO 004 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , When thou goest <03212 +yalak > to return <07725 +shuwb > into Egypt <04714 +Mitsrayim > , see <07200 +ra>ah > that thou do <06213 +<asah > all <03605 +kol > those wonders <04159 +mowpheth > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > , which <00834 +>aher > I have put <07760 +suwm > in thine hand <03027 +yad > : but I will harden <02388 +chazaq > his heart <03820 +leb > , that he shall not let the people <05971 +<am > go <07971 +shalach > .

04872 EXO 004 027 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > to Aaron <00175 +>Aharown > , Go <03212 +yalak > into the wilderness <04057 +midbar > to meet <07125 +qir>ah > Moses

<{04872} +Mosheh > . And he went <03212 +yalak > , and met <06298 +pagash > him in the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > , and kissed <05401 +nashaq > him .

04872 EXO 004 028 And Moses <{04872} +Mosheh > told <05046 +nagad > Aaron <00175 +>Aharown > all <03605 +kol > the words <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > who <00834 +>aher > had sent <07971 +shalach > him , and all <03605 +kol > the signs <00226 +>owth > which <00834 +>aher > he had commanded <06680 +tsavah > him .

04872 EXO 004 029 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <03212 +yalak > and gathered <00622 +>acaph > together all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 EXO 004 030 And Aaron <00175 +>Aharown > spake <01696 +dabar > all <03605 +kol > the words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > had spoken <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , and did <06213 +<asah > the signs <00226 +>owth > in the sight <05869 +<ayin > of the people <05971 +<am > .

04872 EXO 005 001 . And afterward <00310 +>achar > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <00935 +bow> > in , and told <00559 +>amar > Pharaoh <06547 +Par<oh > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > , Let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may hold a feast <02287 +chagag > unto me in the wilderness <04057 +midbar > .

04872 EXO 005 004 And the king <04428 +melek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > said <00559 +>amar > unto them , Wherefore <04100 +mah > do ye , Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , let <06544 +para< > the people <05971 +<am > from their works <04639 +ma<aseh > ? get <03212 +yalak > you unto your burdens <05450 +c@balah > .

04872 EXO 005 020 And they met <06293 +paga< > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , who <04310 +miy > stood <05324 +natsab > in the way <07125 +qir>ah > , as they came <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > from Pharaoh <06547 +Par<oh > :

04872 EXO 005 022 And Moses <{04872} +Mosheh > returned <07725 +shuwb > unto the LORD <00136 +>Adonay > , and said <00559 +>amar > , Lord <03068 +Y@hovah > , wherefore <04100 +mah > hast thou [ so ] evil <07489 +ra<a< > entreated this <02088 +zeh > people <05971 +<am > ? why <04100 +mah > [ is ] it [ that ] thou hast sent <07971 +shalach > me ?

04872 EXO 006 001 . Then the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Now <06258 +<attah > shalt thou see <07200 +ra>ah > what I will do <06213 +<asah > to Pharaoh <06547 +Par<oh > : for with a strong <02389 +chazaq > hand <03027 +yad > shall he let them go <07971 +shalach > , and with a strong <02389 +chazaq > hand <03027 +yad > shall he drive <01644 +garash > them out of his land <00776 +>erets > .

04872 EXO 006 002 And God <00430 +>elohiym > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > unto him , I [ am ] the LORD <03068 +Y@hovah > :

04872 EXO 006 009 And Moses <04872 +Mosheh > spake <01696 +dabar > so <03651 +ken > unto the children <01121 +ben > of Israel

<03478 +Yisra>el > : but they hearkened <08085 +shama< > not unto Moses <{04872} +Mosheh > for anguish <07115 +qotser > of spirit <07307 +ruwach > , and for cruel <07185 +qashah > bondage <05656 +<abodah > .

04872 EXO 006 009 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > so <03651 +ken > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > : but they hearkened <08085 +shama< > not unto Moses <04872 +Mosheh > for anguish <07115 +qotser > of spirit <07307 +ruwach > , and for cruel <07185 +qashah > bondage <05656 +<abodah > .

04872 EXO 006 010 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 006 012 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , Behold <02005 +hen > , the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > have not hearkened <08085 +shama< > unto me ; how then shall Pharaoh <06547 +Par<oh > hear <08085 +shama< > me , who <00589 +>aniy > [ am ] of uncircumcised <06189 +<arel > lips <08193 +saphah > ?

04872 EXO 006 013 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , and gave them a charge <06680 +tsavah > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , and unto Pharaoh <06547 +Par<oh > king <04428 +melek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , to bring <00935 +bow> > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 006 020 And Amram <06019 +<Amram > took <03947 +laqach > him Jochebed <03115 +Yowkebed > his father s <01733 +dowdah > sister <01733 +dowdah > to wife <00802 +>ishshah > ; and she bare <03205 +yalad > him Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > : and the years <08141 +shaneh > of the life <02416 +chay > of Amram <06019 +<Amram > [ were ] an hundred <03967 +me>ah > and thirty <07970 +sh@lowshiym > and seven <07651 +sheba< > years <08141 +shaneh > .

04872 EXO 006 026 These <01931 +huw> > [ are ] that Aaron <00175 +>Aharown > and Moses <{04872} +Mosheh > , to whom <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > , Bring <03318 +yatsa> > out the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > from the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > according to their armies <06635 +tsaba> > .

04872 EXO 006 027 These <01992 +hem > [ are ] they which spake <01696 +dabar > to Pharaoh <06547 +Par<oh > king <04428 +melek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , to bring <03318 +yatsa> > out the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > from Egypt <04714 +Mitsrayim > : these [ are ] that Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > .

04872 EXO 006 028 And it came <01961 +hayah > to pass on the day <03117 +yowm > [ when ] the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > ,

04872 EXO 006 029 That the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , I [ am ] the LORD <03068 +Y@hovah > : speak <01696 +dabar > thou unto Pharaoh <06547 +Par<oh > king <04428 +melek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > all <03605 +kol > that I say <01696 +dabar > unto thee .

04872 EXO 006 030 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , Behold <02005 +hen > , I [ am ] of uncircumcised <06189 +<arel > lips <08193 +saphah > , and how <00349 +>eyk > shall Pharaoh <06547 +Par<oh > hearken <08085 +shama< > unto me ?

04872 EXO 007 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , See <07200 +ra>ah > , I have made <05414 +nathan > thee a god <00430 +>elohiym > to Pharaoh <06547 +Par<oh > : and Aaron <00175 +>Aharown > thy brother <00251 +>ach > shall be thy prophet <05030 +nabiy> > .

04872 EXO 007 006 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > did <06213 +<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > them , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 EXO 007 007 And Moses <{04872} +Mosheh > [ was ] fourscore <08084 +sh@moniym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > , and Aaron <00175 +>Aharown > fourscore <08084 +sh@moniym > and three <07969 +shalowsh > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > , when they spake <01696 +dabar > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > .

04872 EXO 007 008 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 007 010 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <00935 +bow> > in unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and they did <06213 +<asah > so <03651 +ken > as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680 +tsavah > : and Aaron <00175 +>Aharown > cast <07993 +shalak > down his rod <04294 +matteh > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > , and before <06440 +paniym > his servants <05650 +<ebed > , and it became <01961 +hayah > a serpent <08577 +tanniyn > .

04872 EXO 007 014 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Pharaoh s <06547 +Par<oh > heart <03820 +leb > [ is ] hardened <03515 +kabed > , he refuseth <03985 +ma>en > to let the people <05971 +<am > go <07971 +shalach > .

04872 EXO 007 019 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Say <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Take <03947 +laqach > thy rod <04294 +matteh > , and stretch <05186 +natah > out thine hand <03027 +yad > upon the waters <04325 +mayim > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , upon their streams <05104 +nahar > , upon their rivers <02975 +y@<or > , and upon their ponds <98> , and upon all <03605 +kol > their pools <04723 +miqveh > of water <04325 +mayim > , that they may become <01961 +hayah > blood <01818 +dam > ; and [ that ] there may be blood <01818 +dam > throughout all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , both <08147 +sh@nayim > in [ vessels of ] wood <06086 +<ets > , and in [ vessels of ] stone <68> .

04872 EXO 007 020 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > did <06213 +<asah > so <03651 +ken > , as the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > ; and he lifted <07311 +ruwm > up the rod <04294 +matteh > , and smote <05221 +nakah > the waters <04325 +mayim > that [ were ] in the river <02975 +y@<or > , in the sight <05869 +<ayin > of Pharaoh <06547 +Par<oh > , and in the sight <05869 +<ayin > of his servants <05650 +<ebed > ; and all <03605 +kol > the waters <04325 +mayim

> that [ were ] in the river <02975 +y@<or > were turned <02015 +haphak > to blood <01818 +dam > .

04872 EXO 008 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <00935 +bow> > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and say <00559 +>amar > unto him , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , Let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 008 005 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Say <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Stretch <05186 +natah > forth thine hand <03027 +yad > with thy rod <04294 +matteh > over <05921 +<al > the streams <05104 +nahar > , over <05921 +<al > the rivers <02975 +y@<or > , and over <05921 +<al > the ponds <98> , and cause frogs <06854 +ts@phardea< > to come <05927 +<alah > up upon the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 008 008 Then Pharaoh <06547 +Par<oh > called <07121 +qara> > for Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , and said <00559 +>amar > , Intreat <06279 +<athar > the LORD <03068 +Y@hovah > , that he may take <05493 +cuwr > away the frogs <06854 +ts@phardea< > from me , and from my people <05971 +<am > ; and I will let the people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may do sacrifice <02076 +zabach > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 008 009 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , Glory <06286 +pa>ar > over <05921 +<al > me : when <04970 +mathay > shall I intreat <06279 +<athar > for thee , and for thy servants <05650 +<ebed > , and for thy people <05971 +<am > , to destroy <03772 +karath > the frogs <06854 +ts@phardea< > from thee and thy houses <01004 +bayith > , [ that ] they may remain <07604 +sha>ar > in the river <02975 +y@<or > only ?

04872 EXO 008 012 And Moses <04872 +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <03318 +yatsa> > out from Pharaoh <06547 +Par<oh > : and Moses <{04872} +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > because of the frogs <06854 +ts@phardea< > which <00834 +>aher > he had brought <07760 +suwm > against Pharaoh <06547 +Par<oh > .

04872 EXO 008 012 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > went <03318 +yatsa> > out from Pharaoh <06547 +Par<oh > : and Moses <04872 +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > because of the frogs <06854 +ts@phardea< > which <00834 +>aher > he had brought <07760 +suwm > against Pharaoh <06547 +Par<oh > .

04872 EXO 008 013 And the LORD <03068 +Y@hovah > did <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar > of Moses <{04872} +Mosheh > ; and the frogs <06854 +ts@phardea< > died <04191 +muwth > out of the houses <01004 +bayith > , out of the villages <02691 +chatser > , and out of the fields <07704 +sadeh > .

04872 EXO 008 016 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Say <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Stretch <05186 +natah > out thy rod <04294 +matteh > , and smite <05221 +nakah > the dust <06083 +<aphar > of the land <00776 +>erets > , that it may become <01961 +hayah > lice <03654 +ken > throughout all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 008 020 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Rise <07925 +shakam >
up early <07925 +shakam > in the morning <01242 +boqer > , and
stand <03320 +yatsab > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547
+Par<oh > ; lo <02009 +hinneh > , he cometh <03318 +yatsa> >
forth <03318 +yatsa> > to the water <04325 +mayim > ; and say
<00559 +>amar > unto him , Thus <03541 +koh > saith <00559
+>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , Let my people <05971 +<am
> go <07971 +shalach > , that they may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 008 025 And Pharaoh <06547 +Par<oh > called <07121
+qara> > for Moses <{04872} +Mosheh > and for Aaron <00175
+>Aharown > , and said <00559 +>amar > , Go <03212 +yalak > ye ,
sacrifice <02076 +zabach > to your God <00430 +>elohiym > in the
land <00776 +>erets > .

04872 EXO 008 026 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > , It is not meet <03559 +kuwn > so <03651 +ken > to do
<06213 +<asah > ; for we shall sacrifice <02076 +zabach > the
abomination <08441 +tow<ebah > of the Egyptians <04714
+Mitsrayim > to the LORD <03068 +Y@hovah > our God <00430
+>elohiym > : lo <02005 +hen > , shall we sacrifice <02076
+zabach > the abomination <08441 +tow<ebah > of the Egyptians
<04714 +Mitsrayim > before their eyes <05869 +<ayin > , and will
they not stone <05619 +caqal > us ?

04872 EXO 008 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > , Behold <02009 +hinneh > , I go<03318 +yatsa> > out
from thee , and I will intreat <06279 +<athar > the LORD <03068
+Y@hovah > that the swarms <06157 +<arob > [ of flies ] may
depart <05493 +cuwr > from Pharaoh <06547 +Par<oh > , from his
servants <05650 +<ebed > , and from his people <05971 +<am > ,
to morrow <04279 +machar > : but let not Pharaoh <06547 +Par<oh
> deal deceitfully <02048 +hathal > any <03254 +yacaph > more
<03254 +yacaph > in not letting the people <05971 +<am > go
<07971 +shalach > to sacrifice <02076 +zabach > to the LORD
<03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 008 030 And Moses <{04872} +Mosheh > went <03318
+yatsa> > out from Pharaoh <06547 +Par<oh > , and intreated
<06279 +<athar > the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 008 031 And the LORD <03068 +Y@hovah > did <06213
+<asah > according to the word <01697 +dabar > of Moses <{04872}
+Mosheh > ; and he removed <05493 +cuwr > the swarms <06157
+<arob > [ of flies ] from Pharaoh <06547 +Par<oh > , from his
servants <05650 +<ebed > , and from his people <05971 +<am > ;
there remained <07604 +sha>ar > not one <00259 +>echad > .

04872 EXO 009 001 . Then the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <00935 +bow> > in
unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and tell <01696 +dabar > him ,
Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068
+Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of the Hebrews <05680 +<Ibriy
> , Let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they
may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 009 008 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <04872 +Mosheh > and unto Aaron <00175
+>Aharown > , Take <03947 +laqach > to you handfuls of ashes
<06368 +piyach > of the furnace <03536 +kibshan > , and let
Moses <{04872} +Mosheh > sprinkle <02236 +zaraq > it toward the
heaven <08064 +shamayim > in the sight <05869 +<ayin > of
Pharaoh <06547 +Par<oh > .

04872 EXO 009 008 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and unto Aaron <00175 +>Aharown > , Take <03947 +laqach > to you handfuls of ashes <06368 +piyach > of the furnace <03536 +kibshan > , and let Moses <04872 +Mosheh > sprinkle <02236 +zaraq > it toward the heaven <08064 +shamayim > in the sight <05869 +<ayin > of Pharaoh <06547 +Par<oh > .

04872 EXO 009 010 And they took <03947 +laqach > ashes <06368 +piyach > of the furnace <03536 +kibshan > , and stood <05975 +<amad > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > ; and Moses <{04872} +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > it up toward heaven <08064 +shamayim > ; and it became <01961 +hayah > a boil <07822 +sh@chiyn > breaking <06524 +parach > forth [ with ] blains <76> upon man <00120 +>adam > , and upon beast <00929 +b@hemah > .

04872 EXO 009 011 And the magicians <02748 +chartom > could <03201 +yakol > not stand <05975 +<amad > before <06440 +paniym > Moses <{04872} +Mosheh > because <06440 +paniym > of the boils <07822 +sh@chiyn > ; for the boil <07822 +sh@chiyn > was upon the magicians <02748 +chartom > , and upon all <03605 +kol > the Egyptians <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 009 012 And the LORD <03068 +Y@hovah > hardened <02388 +chazaq > the heart <03820 +leb > of Pharaoh <06547 +Par<oh > , and he hearkened <08085 +shama< > not unto them ; as the LORD <03068 +Y@hovah > had spoken <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 009 013 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Rise <06965 +quwm > up early <07925 +shakam > in the morning <01242 +boqer > , and stand <03320 +yatsab > before <06440 +paniym > Pharaoh <06547 +Par<oh > , and say <00559 +>amar > unto him , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of the Hebrews <05680 +<Ibriy > , Let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 009 022 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Stretch <05186 +natah > forth thine hand <03027 +yad > toward heaven <08064 +shamayim > , that there may be hail <01259 +barad > in all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , upon man <00120 +>adam > , and upon beast <00929 +b@hemah > , and upon every <03605 +kol > herb <06212 +<eseb > of the field <07704 +sadeh > , throughout the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 009 023 And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > forth his rod <04294 +matteh > toward heaven <08064 +shamayim > : and the LORD <03068 +Y@hovah > sent <05414 +nathan > thunder <06963 +qowl > and hail <01259 +barad > , and the fire <00784 +>esh > ran <01980 +halak > along upon the ground <00776 +>erets > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > rained <04305 +matar > hail <01259 +barad > upon the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 009 027 And Pharaoh <06547 +Par<oh > sent <07971 +shalach > , and called <07121 +qara> > for Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , and said <00559 +>amar > unto them , I have sinned <02398 +chata> > this time <06471 +pa<am > : the LORD <03068 +Y@hovah > [ is ] righteous <06662 +tsaddiyq > , and I and my people <05971 +<am > [ are ] wicked <07563 +rasha< > .

04872 EXO 009 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto him , As soon as I am gone <03318 +yatsa> > out of the city <05892 +<iyr > , I will spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > my hands <03709 +kaph > unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; [ and ] the thunder <06963 +qowl > shall cease <02308 +chadal > , neither <03808 +lo> > shall there be any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > hail <01259 +barad > ; that thou mayest know <03045 +yada< > how that the earth <00776 +>erets > [ is ] the LORD S <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 009 033 And Moses <{04872} +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out of the city <05892 +<iyr > from Pharaoh <06547 +Par<oh > , and spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > his hands <03709 +kaph > unto the LORD <03068 +Y@hovah > : and the thunders <06963 +qowl > and hail <01259 +barad > ceased <02308 +chadal > , and the rain <04306 +matar > was not poured <05413 +nathak > upon the earth <00776 +>erets > .

04872 EXO 009 035 And the heart <03820 +leb > of Pharaoh <06547 +Par<oh > was hardened <02388 +chazaq > , neither <03808 +lo> > would he let the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > go <07971 +shalach > ; as the LORD <03068 +Y@hovah > had spoken <01696 +dabar > by Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 010 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <00935 +bow> > in unto Pharaoh <06547 +Par<oh > : for I have hardened <03513 +kabad > his heart <03820 +leb > , and the heart <03820 +leb > of his servants <05650 +<ebed > , that I might shew <07896 +shiyth > these <00428 +>el - leh > my signs <00226 +>owth > before <07130 +qereb > him :

04872 EXO 010 003 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > came <00935 +bow> > in unto Pharaoh <06547 +Par<oh > , and said <00559 +>amar > unto him , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of the Hebrews <05680 +<Ibriy > , How <05704 +<ad > long <04970 +mathay > wilt thou refuse <03985 +ma>en > to humble <06031 +<anah > thyself before <06440 +paniym > me ? let my people <05971 +<am > go <07971 +shalach > , that they may serve <05647 +<abad > me .

04872 EXO 010 008 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > were brought <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > : and he said <00559 +>amar > unto them , Go <03212 +yalak > , serve <05647 +<abad > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > : [ but ] who <04310 +miy > [ are ] they that shall go <01980 +halak > ?

04872 EXO 010 009 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , We will go <03212 +yalak > with our young <05288 +na<ar > and with our old <02205 +zaqen > , with our sons <01121 +ben > and with our daughters <01121 +ben > , with our flocks <06629 +tso>n > and with our herds <01241 +baqar > will we go <03212 +yalak > ; for we [ must hold ] a feast <02282 +chag > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 010 012 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Stretch <05186 +natah > out thine hand <03027 +yad > over <05921 +<al > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > for the locusts <00697 +>arbeh > , that they may come <05927 +<alah > up upon the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and eat <00398 +>akal > every <03605 +kol > herb <06212 +<eseb > of the land <00776 +>erets > , [ even <00853 +>eth > ] all <03605 +kol >

that the hail <01259 +barad > hath left <07604 +sha>ar > .

04872 EXO 010 013 And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > forth his rod <04294 +matteh > over <05921 +<al > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and the LORD <03068 +Y@hovah > brought <05090 +nahag > an east <06921 +qadiym > wind <07307 +ruwach > upon the land <00776 +>erets > all <03605 +kol > that day <03117 +yowm > , and all <03605 +kol > [ that ] night <03915 +layil > ; [ and ] when it was morning <01242 +boqer > , the east <06921 +qadiym > wind <07307 +ruwach > brought <05375 +nasa> > the locusts <00697 +>arbeh > .

04872 EXO 010 016 Then Pharaoh <06547 +Par<oh > called <07121 +qara> > for Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > in haste <04116 +mahar > ; and he said <00559 +>amar > , I have sinned <02398 +chata> > against the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > , and against you .

04872 EXO 010 021 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Stretch <05186 +natah > out thine hand <03027 +yad > toward heaven <08064 +shamayim > , that there may be darkness <02822 +choshek > over <05921 +<al > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , even darkness <02822 +choshek > [ which ] may be felt <04959 +mashash > .

04872 EXO 010 022 And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > forth his hand <03027 +yad > toward heaven <08064 +shamayim > ; and there was a thick <00653 +>aphelah > darkness <02822 +choshek > in all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > :

04872 EXO 010 024 And Pharaoh <06547 +Par<oh > called <07121 +qara> > unto Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Go <03212 +yalak > ye , serve <05647 +<abad > the LORD <03068 +Y@hovah > ; only let your flocks <06629 +tso>n > and your herds <01241 +baqar > be stayed <03322 +yatsag > : let your little <02945 +taph > ones also <01571 +gam > go <03212 +yalak > with you .

04872 EXO 010 025 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Thou must give <05414 +nathan > us also <01571 +gam > sacrifices <02077 +zebach > and burnt <05930 +<olah > offerings , that we may sacrifice <02077 +zebach > unto the LORD <03068 +Y@hovah > our God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 010 029 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Thou hast spoken <01696 +dabar > well <03651 +ken > , I will see <07200 +ra>ah > thy face <06440 +paniym > again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > .

04872 EXO 011 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Yet <05750 +<owd > will I bring <00935 +bow> > one <00259 +>echad > plague <05061 +nega< > [ more ] upon Pharaoh <06547 +Par<oh > , and upon Egypt <04714 +Mitsrayim > ; afterwards he will let you go <07971 +shalach > hence <02088 +zeh > : when he shall let [ you ] go <07971 +shalach > , he shall surely thrust <01644 +garash > you out hence <02088 +zeh > altogether <03617 +kalah > .

04872 EXO 011 003 And the LORD <03068 +Y@hovah > gave <05414 +nathan > the people <05971 +<am > favour <02580 +chen > in the sight <05869 +<ayin > of the Egyptians <04714 +Mitsrayim > . Moreover the man <00376 +>iysh > Moses <{04872} +Mosheh > [ was ] very <03966 +m@<od > great <01419 +gadowl > in the land <00776

+>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , in the sight <05869
+<ayin > of Pharaoh s <06547 +Par<oh > servants <05650 +<ebed > ,
and in the sight <05869 +<ayin > of the people <05971 +<am > .

04872 EXO 011 004 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559
+>amar > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD
<03068 +Y@hovah > , About midnight will I go <03318 +yatsa> >
out into the midst <08432 +tavek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > :

04872 EXO 011 009 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Pharaoh <06547 +Par<oh
> shall not hearken <08085 +shama< > unto you ; that my wonders
<04159 +mowpheth > may be multiplied <07235 +rabah > in the land
<00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 011 010 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > did <06213 +<asah > all <03605 +kol > these <00428
+>el - leh > wonders <04159 +mowpheth > before <06440 +paniym >
Pharaoh <06547 +Par<oh > : and the LORD <03068 +Y@hovah >
hardened <02388 +chazaq > Pharaoh s <06547 +Par<oh > heart
<03820 +leb > , so that he would not let the children <01121
+ben > of Israel <03478 +Yisra>el > go <07971 +shalach > out of
his land <00776 +>erets > .

04872 EXO 012 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714
+Mitsrayim > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 012 021 . Then Moses <{04872} +Mosheh > called <07121
+qara> > for all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of
Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto them ,
Draw <04900 +mashak > out and take <03947 +laqach > you a lamb
<06629 +tso>n > according to your families <04940 +mishpachah > ,
and kill <07819 +shachat > the passover <06453 +pecach > .

04872 EXO 012 028 And the children <01121 +ben > of Israel
<03478 +Yisra>el > went <03212 +yalak > away , and did <06213
+<asah > as the LORD <03068 +Y@hovah > had commanded <06680
+tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > ,
so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 EXO 012 031 And he called <07121 +qara> > for Moses
<{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > by night <03915
+layil > , and said <00559 +>amar > , Rise <06965 +quwm > up , [
and ] get <03318 +yatsa> > you forth <03318 +yatsa> > from among
<08432 +tavek > my people <05971 +<am > , both <01571 +gam > ye
and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ;
and go <03212 +yalak > , serve <05647 +<abad > the LORD <03068
+Y@hovah > , as ye have said <01696 +dabar > .

04872 EXO 012 035 And the children <01121 +ben > of Israel
<03478 +Yisra>el > did <06213 +<asah > according to the word
<01697 +dabar > of Moses <{04872} +Mosheh > ; and they borrowed
<07592 +sha>al > of the Egyptians <04714 +Mitsrayim > jewels
<03627 +k@liy > of silver <03701 +keceph > , and jewels <03627
+k@liy > of gold <02091 +zahab > , and raiment <08071 +simlah > :

04872 EXO 012 043 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175
+>Aharown > , This [ is ] the ordinance <02708 +chuqqah > of the
passover <06453 +pecach > : There shall no <03808 +lo> >
stranger eat <00398 +>akal > thereof :

04872 EXO 012 050 Thus did <06213 +<asah > all <03605 +kol > the
children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ; as the

LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > , so <03651 +ken > did <06213 +<asah > they .

04872 EXO 013 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 013 003 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , Remember <02142 +zakar > this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > , in which <00834 +>aher > ye came <03318 +yatsa> > out from Egypt <04714 +Mitsrayim > , out of the house <01004 +bayith > of bondage <05650 +<ebed > ; for by strength <02392 +chozeq > of hand <03027 +yad > the LORD <03068 +Y@hovah > brought <03318 +yatsa> > you out from this <02088 +zeh > [ place ] : there shall no <03808 +lo> > leavened <02557 +chametz > bread be eaten <00398 +>akal > .

04872 EXO 013 019 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the bones <06106 +<etsem > of Joseph <03130 +Yowceph > with him : for he had straitly sworn <07650 +shaba< > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , saying <00559 +>amar > , God <00430 +>elohiym > will surely visit <06485 +paqad > you ; and ye shall carry <05927 +<alah > up my bones <06106 +<etsem > away hence <02088 +zeh > with you .

04872 EXO 014 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 014 011 And they said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Because <01115 +biltiy > [ there were ] no <00369 +>ayin > graves <06913 +qeber > in Egypt <04714 +Mitsrayim > , hast thou taken <03947 +laqach > us away to die <04191 +muwth > in the wilderness <04057 +midbar > ? wherefore hast thou dealt <06213 +<asah > thus <02063 +zo>th > with us , to carry <03318 +yatsa> > us forth <03318 +yatsa> > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > ?

04872 EXO 014 013 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , Fear <03372 +yare> > ye not , stand <03320 +yatsab > still , and see <07200 +ra>ah > the salvation <03444 +y@shuw<ah > of the LORD <03068 +Y@hovah > , which <00834 +>aher > he will shew <06213 +<asah > to you to day <03117 +yowm > : for the Egyptians <04714 +Mitsrayim > whom <00834 +>aher > ye have seen <07200 +ra>ah > to day <03117 +yowm > , ye shall see <07200 +ra>ah > them again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > for ever <05769 +<owlam > .

04872 EXO 014 015 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Wherefore <04100 +mah > criest <06817 +tsa<aq > thou unto me ? speak <01696 +dabar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , that they go <05265 +naca< > forward <05265 +naca< > :

04872 EXO 014 021 . And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > out his hand <03027 +yad > over <05921 +<al > the sea <03220 +yam > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > caused the sea <03220 +yam > to go <03212 +yalak > [ back ] by a strong <05794 +<az > east <06921 +qadiym > wind <07307 +ruwach > all <03605 +kol > that night <03915 +layil > , and made <07760 +suwm > the sea <03220 +yam > dry <02724 +charabah > [ land ] , and the waters <04325 +mayim > were divided <01234 +baqa< > .

04872 EXO 014 026 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Stretch <05186 +natah > out thine hand <03027 +yad > over <05921 +<al > the sea <03220 +yam > , that the waters <04325 +mayim > may come <07725 +shuwb

> again <07725 +shuwb > upon the Egyptians <04714 +Mitsrayim > , upon their chariots <07393 +rekeb > , and upon their horsemen <06571 +parash > .

04872 EXO 014 027 And Moses <{04872} +Mosheh > stretched <05186 +natah > forth his hand <03027 +yad > over <05921 +<al > the sea <03220 +yam > , and the sea <03220 +yam > returned <07725 +shuwb > to his strength <00386 +>eythan > when the morning <01242 +boqer > appeared <06437 +panah > ; and the Egyptians <04714 +Mitsrayim > fled <05127 +nuwc > against <07125 +qir>ah > it ; and the LORD <03068 +Y@hovah > overthrew <05287 +na<ar > the Egyptians <04714 +Mitsrayim > in the midst <08432 +tavek > of the sea <03220 +yam > .

04872 EXO 014 031 And Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > that great <01419 +gadowl > work <03027 +yad > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > did <06313 +puwg > upon the Egyptians <04714 +Mitsrayim > : and the people <05971 +<am > feared <03372 +yare> > the LORD <03068 +Y@hovah > , and believed <00539 +>aman > the LORD <03068 +Y@hovah > , and his servant <05650 +<ebed > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 015 001 . Then <00227 +>az > sang <07891 +shiyr > Moses <{04872} +Mosheh > and the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > this <02063 +zo>th > song <07892 +shiyr > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and spake <00559 +>amar > , saying <00559 +>amar > , I will sing <07891 +shiyr > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , for he hath triumphed <01342 +ga>ah > gloriously : the horse <05483 +cuwc > and his rider <07392 +rakab > hath he thrown <07411 +ramah > into the sea <03220 +yam > .

04872 EXO 015 022 . So Moses <{04872} +Mosheh > brought <05265 +naca< > Israel <03478 +Yisra>el > from the Red <05488 +cuwph > sea <03220 +yam > , and they went <03318 +yatsa> > out into <00413 +>el > the wilderness <04057 +midbar > of Shur <07793 +Shuwr > ; and they went <03212 +yalak > three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > in the wilderness <04057 +midbar > , and found <04672 +matsa> > no <03808 +lo> > water <04325 +mayim > .

04872 EXO 015 024 And the people <05971 +<am > murmured <03885 +luwn > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > , What <04100 +mah > shall we drink <08354 +shathah > ?

04872 EXO 016 002 And the whole <03605 +kol > congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > murmured <03885 +luwn > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > in the wilderness <04057 +midbar > :

04872 EXO 016 004 Then said <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Behold <02005 +hen > , I will rain <04305 +matar > bread <03899 +lechem > from heaven <08064 +shamayim > for you ; and the people <05971 +<am > shall go <03318 +yatsa> > out and gather <03950 +laqat > a certain <01697 +dabar > rate <01697 +dabar > every day <03117 +yowm > , that I may prove <05254 +nacah > them , whether they will walk <03212 +yalak > in my law <08451 +towrah > , or no <03808 +lo> > .

04872 EXO 016 006 And Moses <{04872} +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > said <00559 +>amar > unto all <03605 +kol > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , At even <06153 +<ereb > , then ye shall know <03045 +yada< > that the LORD <03068 +Y@hovah > hath brought <03318 +yatsa> > you out

from the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > :

04872 EXO 016 008 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , [ This shall be ] , when the LORD <03068 +Y@hovah > shall give <05414 +nathan > you in the evening <06153 +<ereb > flesh <01320 +basar > to eat <00398 +>akal > , and in the morning <01242 +boqer > bread <03899 +lechem > to the full <07646 +saba< > ; for that the LORD <03068 +Y@hovah > heareth <08085 +shama< > your murmurings <08519 +t@luwnah > which <00834 +>aher > ye murmur <03885 +luwn > against <05921 +<al > him : and what <04100 +mah > [ are ] we ? your murmurings <08519 +t@luwnah > [ are ] not against <05921 +<al > us , but against <05921 +<al > the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 016 009 And Moses <{04872} +Mosheh > spake <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Say <00559 +>amar > unto all <03605 +kol > the congregation <05712 +<edah > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , Come <07126 +qarab > near <07126 +qarab > before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > : for he hath heard <08085 +shama< > your murmurings <08519 +t@luwnah > .

04872 EXO 016 011 And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 016 015 And when the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > saw <07200 +ra>ah > [ it ] , they said <00559 +>amar > one <00376 +>iysh > to another <00250 +>Ezrachiy > , It [ is ] manna <04478 +man > : for they wist <03045 +yada< > not what <04100 +mah > it [ was ] . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , This <01931 +huw> > [ is ] the bread <03899 +lechem > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath given <05414 +nathan > you to eat <00402 +>oklah > .

04872 EXO 016 019 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Let no <00408 +>al > man <00376 +>iysh > leave <03498 +yathar > of it till <05704 +<ad > the morning <01242 +boqer > .

04872 EXO 016 020 Notwithstanding they hearkened <08085 +shama< > not unto Moses <04872 +Mosheh > ; but some <00582 +>enowsh > of them left <03498 +yathar > of it until <05704 +<ad > the morning <01242 +boqer > , and it bred <07311 +ruwm > worms <08438 +towla< > , and stank <00887 +ba>ash > : and Moses <{04872} +Mosheh > was wroth <07107 +qatsaph > with them .

04872 EXO 016 020 Notwithstanding they hearkened <08085 +shama< > not unto Moses <{04872} +Mosheh > ; but some <00582 +>enowsh > of them left <03498 +yathar > of it until <05704 +<ad > the morning <01242 +boqer > , and it bred <07311 +ruwm > worms <08438 +towla< > , and stank <00887 +ba>ash > : and Moses <04872 +Mosheh > was wroth <07107 +qatsaph > with them .

04872 EXO 016 022 . And it came <01961 +hayah > to pass , [ that ] on the sixth <08345 +shishshiy > day <03117 +yowm > they gathered <03950 +laqat > twice <04932 +mishneh > as much bread <03899 +lechem > , two <08147 +sh@nayim > omers <06016 +<omer > for one <00259 +>echad > [ man ] : and all <03605 +kol > the rulers <05387 +nasiy> > of the congregation <05712 +<edah > came <00935 +bow> > and told <05046 +nagad > Moses <{04872} +Mosheh > .

04872 EXO 016 024 And they laid <03241 +Yaniym > it up till <05704 +<ad > the morning <01242 +boqer > , as Moses <{04872} +Mosheh > bade <06680 +tsavah > : and it did not stink <00887 +ba>ash > , neither <03808 +lo> > was there any worm <07415

+rimmah > therein .

04872 EXO 016 025 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , Eat <00398 +>akal > that to day <03117 +yowm > ; for to day <03117 +yowm > [ is ] a sabbath <07676 +shabbath > unto the LORD <03068 +Y@hovah > : to day <03117 +yowm > ye shall not find <04672 +matsa> > it in the field <07704 +sadeh > .

04872 EXO 016 028 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , How <05704 +<ad > long <05704 +<ad > refuse <03985 +ma>en > ye to keep <08104 +shamar > my commandments <04687 +mitsvah > and my laws <08451 +towrah > ?

04872 EXO 016 032 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > , This <02088 +zeh > [ is ] the thing <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commandeth <06680 +tsavah > , Fill <04393 +m@lo> > an omer <06016 +<omer > of it to be kept <04931 +mishmereth > for your generations <01755 +dowr > ; that they may see <07200 +ra>ah > the bread <03899 +lechem > wherewith <00834 +>aher > I have fed <00398 +>akal > you in the wilderness <04057 +midbar > , when I brought <03318 +yatsa> > you forth <03318 +yatsa> > from the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

04872 EXO 016 033 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , Take <03947 +laqach > a pot <06803 +tsintseneth > , and put <05414 +nathan > an omer <06016 +<omer > full <04393 +m@lo> > of manna <04478 +man > therein <08033 +sham > , and lay <03241 +Yaniym > it up before <06440 +paniym > the LORD <03068 +Y@hovah > , to be kept <04931 +mishmereth > for your generations <01755 +dowr > .

04872 EXO 016 034 As the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > Moses <{04872} +Mosheh > , so Aaron <00175 +>Aharown > laid <03241 +Yaniym > it up before <06440 +paniym > the Testimony <5715> , to be kept <04931 +mishmereth > .

04872 EXO 017 002 Wherefore the people <05971 +<am > did chide <07378 +riyb > with Moses <04872 +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Give <05414 +nathan > us water <04325 +mayim > that we may drink <08354 +shathah > . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , Why <04100 +mah > chide <07378 +riyb > ye with me ? wherefore <04100 +mah > do ye tempt <05254 +nacah > the LORD <03068 +Y@hovah > ?

04872 EXO 017 002 Wherefore the people <05971 +<am > did chide <07378 +riyb > with Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Give <05414 +nathan > us water <04325 +mayim > that we may drink <08354 +shathah > . And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > unto them , Why <04100 +mah > chide <07378 +riyb > ye with me ? wherefore <04100 +mah > do ye tempt <05254 +nacah > the LORD <03068 +Y@hovah > ?

04872 EXO 017 003 And the people <05971 +<am > thirsted <06770 +tsame> > there <08033 +sham > for water <04325 +mayim > ; and the people <05971 +<am > murmured <03885 +luwn > against <05921 +<al > Moses <{04872} +Mosheh > , and said <00559 +>amar > , Wherefore <04100 +mah > [ is ] this <02088 +zeh > [ that ] thou hast brought <05927 +<alah > us up out of Egypt <04714 +Mitsrayim > , to kill <04191 +muwth > us and our children <01121 +ben > and our cattle <04735 +miqneh > with thirst <06772 +tsama> > ?

04872 EXO 017 004 And Moses <{04872} +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , What <04100 +mah > shall I do <06213 +<asah > unto this

<02088 +zeh > people <05971 +<am > ? they be almost <04592 +m@<at > ready <05750 +<owd > to stone <05619 +caqal > me .

04872 EXO 017 005 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <05674 +<abar > on before <06440 +paniym > the people <05971 +<am > , and take <03947 +laqach > with thee of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and thy rod <04294 +matteh > , wherewith <00834 +>aher > thou smotest <05221 +nakah > the river <02975 +y@<or > , take <03947 +laqach > in thine hand <03027 +yad > , and go <01980 +halak > .

04872 EXO 017 006 Behold <02005 +hen > , I will stand <05975 +<amad > before <06440 +paniym > thee there <08033 +sham > upon the rock <06697 +tsuwr > in Horeb <02722 +Choreb > ; and thou shalt smite <05221 +nakah > the rock <06697 +tsuwr > , and there shall come <03318 +yatsa> > water <04325 +mayim > out of it , that the people <05971 +<am > may drink <08354 +shathah > . And Moses <{04872} +Mosheh > did <06213 +<asah > so <03651 +ken > in the sight <05869 +<ayin > of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 EXO 017 009 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , Choose <00977 +bachar > us out men <00582 +>enowsh > , and go <03318 +yatsa> > out , fight <03898 +lacham > with Amalek <06002 +<Amaleq > : to morrow <04279 +machar > I will stand <05324 +natsab > on <05921 +<al > the top <07218 +ro>sh > of the hill <01389 +gib<ah > with the rod <04294 +matteh > of God <00430 +>elohiym > in mine hand <03027 +yad > .

04872 EXO 017 010 So Joshua <03091 +Y@howshuwa< > did <06213 +<asah > as Moses <04872 +Mosheh > had said <00559 +>amar > to him , and fought <03898 +lacham > with Amalek <06002 +<Amaleq > : and Moses <{04872} +Mosheh > , Aaron <00175 +>Aharown > , and Hur <02354 +Chuwr > went <05927 +<alah > up to the top <07218 +ro>sh > of the hill <01389 +gib<ah > .

04872 EXO 017 010 So Joshua <03091 +Y@howshuwa< > did <06213 +<asah > as Moses <{04872} +Mosheh > had said <00559 +>amar > to him , and fought <03898 +lacham > with Amalek <06002 +<Amaleq > : and Moses <04872 +Mosheh > , Aaron <00175 +>Aharown > , and Hur <02354 +Chuwr > went <05927 +<alah > up to the top <07218 +ro>sh > of the hill <01389 +gib<ah > .

04872 EXO 017 011 And it came <01961 +hayah > to pass , when <00834 +>aher > Moses <{04872} +Mosheh > held <07311 +ruwm > up his hand <03027 +yad > , that Israel <03478 +Yisra>el > prevailed <01396 +gabar > : and when <00834 +>aher > he let <05117 +nuwach > down <05117 +nuwach > his hand <03027 +yad > , Amalek <06002 +<Amaleq > prevailed <01396 +gabar > .

04872 EXO 017 012 But Moses <{04872} +Mosheh > hands <03027 +yad > [ were ] heavy <03515 +kabed > ; and they took <03947 +laqach > a stone <68> , and put <07760 +suwm > [ it ] under <08478 +tachath > him , and he sat <03427 +yashab > thereon <05921 +<al > ; and Aaron <00175 +>Aharown > and Hur <02354 +Chuwr > stayed <08551 +tamak > up his hands <03027 +yad > , the one <02088 +zeh > on the one <02088 +zeh > side , and the other <00259 +>echad > on the other <02088 +zeh > side ; and his hands <03027 +yad > were steady <00530 +>emuwnah > until <05704 +<ad > the going <00935 +bow> > down <00935 +bow> > of the sun <08121 +shemesh > .

04872 EXO 017 014 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Write <03789 +kathab > this <02063 +zo>th > [ for ] a memorial <02146 +zikrown > in a

book <05612 +cepher > , and rehearse <07760 +suwm > [ it ] in the ears <00241 +>ozen > of Joshua <03091 +Y@howshuwa< > : for I will utterly put <04229 +machah > out the remembrance <02143 +zeker > of Amalek <06002 +<Amaleq > from under <08478 +tachath > heaven <08064 +shamayim > .

04872 EXO 017 015 And Moses <{04872} +Mosheh > built <01129 +banah > an altar <04196 +mizbeach > , and called <07121 +qara> > the name <08034 +shem > of it Jehovahnissi <03071 +Y@hovah nicciy > :

04872 EXO 018 001 . When <03588 +kiy > Jethro <03503 +Yithrow > , the priest <03548 +kohen > of Midian <04080 +Midyan > , Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , heard <08085 +shama< > of all <03605 +kol > that God <00430 +>elohiym > had done <06213 +<asah > for Moses <{04872} +Mosheh > , and for Israel <03478 +Yisra>el > his people <05971 +<am > , [ and ] that the LORD <03068 +Y@hovah > had brought <03318 +yatsa> > Israel <03478 +Yisra>el > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > ;

04872 EXO 018 001 . When <03588 +kiy > Jethro <03503 +Yithrow > , the priest <03548 +kohen > of Midian <04080 +Midyan > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , heard <08085 +shama< > of all <03605 +kol > that God <00430 +>elohiym > had done <06213 +<asah > for Moses <04872 +Mosheh > , and for Israel <03478 +Yisra>el > his people <05971 +<am > , [ and ] that the LORD <03068 +Y@hovah > had brought <03318 +yatsa> > Israel <03478 +Yisra>el > out of Egypt <04714 +Mitsrayim > ;

04872 EXO 018 002 Then Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , took <03947 +laqach > Zipporah <03855 +Lahad > , Moses <{04872} +Mosheh > wife <00802 +>ishshah > , after <00310 +>achar > he had sent <07964 +shilluwach > her back ,

04872 EXO 018 002 Then Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , took <03947 +laqach > Zipporah <03855 +Lahad > , Moses <04872 +Mosheh > wife <00802 +>ishshah > , after <00310 +>achar > he had sent <07964 +shilluwach > her back ,

04872 EXO 018 005 And Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , came <00935 +bow> > with his sons <01121 +ben > and his wife <00802 +>ishshah > unto Moses <{04872} +Mosheh > into <00413 +>el > the wilderness <04057 +midbar > , where he encamped <02583 +chanah > at the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > :

04872 EXO 018 005 And Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , came <00935 +bow> > with his sons <01121 +ben > and his wife <00802 +>ishshah > unto Moses <04872 +Mosheh > into <00413 +>el > the wilderness <04057 +midbar > , where he encamped <02583 +chanah > at the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > :

04872 EXO 018 006 And he said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , I thy father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > Jethro <03503 +Yithrow > am come <00935 +bow> > unto thee , and thy wife <00802 +>ishshah > , and her two <08147 +sh@nayim > sons <01121 +ben > with her .

04872 EXO 018 007 . And Moses <{04872} +Mosheh > went <03318 +yatsa> > out to meet <07125 +qir>ah > his father <02859

+chathan > in law <02859 +chathan > , and did obeisance <07812 +shachah > , and kissed <05401 +nashaq > him ; and they asked <07592 +sha>al > each other <07453 +rea< > of [ their ] welfare <07965 +shalowm > ; and they came <00935 +bow> > into the tent <00168 +>ohel > .

04872 EXO 018 008 And Moses <{04872} +Mosheh > told <05608 +caphar > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > all <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > had done <06213 +<asah > unto Pharaoh <06547 +Par<oh > and to the Egyptians <04714 +Mitsrayim > for Israel s <03478 +Yisra>el > sake <00182 +>owdowth > , [ and ] all <03605 +kol > the travail <08513 +t@la>ah > that had come <04672 +matsa> > upon them by the way <01870 +derek > , and [ how ] the LORD <03068 +Y@hovah > delivered <05337 +natsal > them .

04872 EXO 018 012 And Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , took <03947 +laqach > a burnt <05930 +<olah > offering and sacrifices <02077 +zebach > for God <00430 +>elohiym > : and Aaron <00175 +>Aharown > came <00935 +bow> > , and all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > , to eat <00398 +>akal > bread <03899 +lechem > with Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > before <06440 +paniym > God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 018 012 And Jethro <03503 +Yithrow > , Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , took <03947 +laqach > a burnt <05930 +<olah > offering and sacrifices <02077 +zebach > for God <00430 +>elohiym > : and Aaron <00175 +>Aharown > came <00935 +bow> > , and all <03605 +kol > the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > , to eat <00398 +>akal > bread <03899 +lechem > with Moses <04872 +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > before <06440 +paniym > God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 018 013 . And it came <01961 +hayah > to pass on the morrow <04283 +mochorath > , that Moses <04872 +Mosheh > sat <03427 +yashab > to judge <08199 +shaphat > the people <05971 +<am > : and the people <05971 +<am > stood <05975 +<amad > by Moses <{04872} +Mosheh > from the morning <01242 +boqer > unto the evening <06153 +<ereb > .

04872 EXO 018 013 . And it came <01961 +hayah > to pass on the morrow <04283 +mochorath > , that Moses <{04872} +Mosheh > sat <03427 +yashab > to judge <08199 +shaphat > the people <05971 +<am > : and the people <05971 +<am > stood <05975 +<amad > by Moses <04872 +Mosheh > from the morning <01242 +boqer > unto the evening <06153 +<ereb > .

04872 EXO 018 014 And when Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > saw <07200 +ra>ah > all <03605 +kol > that he did <06213 +<asah > to the people <05971 +<am > , he said <00559 +>amar > , What <04100 +mah > [ is ] this <02088 +zeh > thing <01697 +dabar > that thou doest <06213 +<asah > to the people <05971 +<am > ? why <04069 +madduwa< > sittest <03427 +yashab > thou thyself <00859 +>attah > alone <00905 +bad > , and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > stand <05324 +natsab > by thee from morning <01242 +boqer > unto even <06153 +<ereb > ?

04872 EXO 018 015 And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , Because <03588 +kiy > the people <05971 +<am > come <00935 +bow> > unto me to enquire <01875 +darash > of God <00430 +>elohiym > :

04872 EXO 018 017 And Moses <{04872} +Mosheh > father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > said <00559 +>amar > unto him , The thing <01697 +dabar > that thou doest <06213 +<asah > [ is ] not good <02896 +towb > .

04872 EXO 018 024 So Moses <{04872} +Mosheh > hearkened <08085 +shama< > to the voice <06963 +qowl > of his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and did <06213 +<asah > all <03605 +kol > that he had said <00559 +>amar > .

04872 EXO 018 025 And Moses <{04872} +Mosheh > chose <00977 +bachar > able <02428 +chayil > men <00582 +>enowsh > out of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > , and made <05414 +nathan > them heads <07218 +ro>sh > over <05921 +<al > the people <05971 +<am > , rulers <08269 +sar > of thousands <00505 +>eleph > , rulers <08269 +sar > of hundreds <03967 +me>ah > , rulers <08269 +sar > of fifties <02572 +chamishshiym > , and rulers <08269 +sar > of tens <06235 +<eser > .

04872 EXO 018 026 And they judged <08199 +shaphat > the people <05971 +<am > at all <03605 +kol > seasons <06256 +<eth > : the hard <07186 +qasheh > causes <01697 +dabar > they brought <00935 +bow> > unto Moses <{04872} +Mosheh > , but every <03605 +kol > small <06996 +qatan > matter <01697 +dabar > they judged <08199 +shaphat > themselves <01992 +hem > .

04872 EXO 018 027 And Moses <{04872} +Mosheh > let his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > depart <07971 +shalach > ; and he went <03212 +yalak > his way into <00413 +>el > his own land <00776 +>erets > .

04872 EXO 019 003 And Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up unto God <00430 +>elohiym > , and the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121 +qara> > unto him out of the mountain <02022 +har > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh > shalt thou say <00559 +>amar > to the house <01004 +bayith > of Jacob <03290 +Ya<aqob > , and tell <05046 +nagad > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > ;

04872 EXO 019 007 And Moses <{04872} +Mosheh > came <00935 +bow> > and called <07121 +qara> > for the elders <02205 +zaqen > of the people <05971 +<am > , and laid <07760 +suwm > before their faces <06440 +paniym > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > commanded <06680 +tsavah > him .

04872 EXO 019 008 And all <03605 +kol > the people <05971 +<am > answered <06030 +<anah > together <03162 +yachad > , and said <00559 +>amar > , All <03605 +kol > that the LORD <03068 +Y@hovah > hath spoken <01696 +dabar > we will do <06213 +<asah > . And Moses <{04872} +Mosheh > returned <07725 +shuwb > the words <01697 +dabar > of the people <05971 +<am > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 019 009 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <04872 +Mosheh > , Lo <02009 +hinneh > , I come <00935 +bow> > unto thee in a thick <05645 +<ab > cloud <06051 +<anan > , that the people <05971 +<am > may hear <08085 +shama< > when I speak <01696 +dabar > with thee , and believe <00539 +>aman > thee for ever <05769 +<owlam > . And Moses <{04872} +Mosheh > told <05046 +nagad > the words <01697 +dabar > of the people <05971 +<am > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 019 009 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Lo <02009 +hinneh > , I

come <00935 +bow> > unto thee in a thick <05645 +<ab > cloud <06051 +<anan > , that the people <05971 +<am > may hear <08085 +shama< > when I speak <01696 +dabar > with thee , and believe <00539 +>aman > thee for ever <05769 +<owlam > . And Moses <04872 +Mosheh > told <05046 +nagad > the words <01697 +dabar > of the people <05971 +<am > unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

04872 EXO 019 010 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <03212 +yalak > unto the people <05971 +<am > , and sanctify <06942 +qadash > them to day <03117 +yowm > and to morrow <04279 +machar > , and let them wash <03526 +kabac > their clothes <08071 +simlah > ,

04872 EXO 019 014 And Moses <{04872} +Mosheh > went <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > unto the people <05971 +<am > , and sanctified <06942 +qadash > the people <05971 +<am > ; and they washed <03526 +kabac > their clothes <08071 +simlah > .

04872 EXO 019 017 And Moses <{04872} +Mosheh > brought <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > the people <05971 +<am > out of the camp <04264 +machaneh > to meet <07125 +qir>ah > with God <00430 +>elohiym > ; and they stood <03320 +yatsab > at the nether <08482 +tachtiy > part of the mount <02022 +har > .

04872 EXO 019 019 And when <01961 +hayah > the voice <06963 +qowl > of the trumpet <07782 +showphar > sounded long , and waxed louder <03966 +m@<od > and louder <03966 +m@<od > , Moses <{04872} +Mosheh > spake <01696 +dabar > , and God <00430 +>elohiym > answered <06030 +<anah > him by a voice <06963 +qowl > .

04872 EXO 019 020 And the LORD <03068 +Y@hovah > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > upon mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , on <00413 +>el > the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > : and the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121 +qara> > Moses <04872 +Mosheh > [ up ] to the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > ; and Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up .

04872 EXO 019 020 And the LORD <03068 +Y@hovah > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > upon mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , on <00413 +>el > the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > : and the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121 +qara> > Moses <{04872} +Mosheh > [ up ] to the top <07218 +ro>sh > of the mount <02022 +har > ; and Moses <04872 +Mosheh > went <05927 +<alah > up .

04872 EXO 019 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <03381 +yarad > down <03381 +yarad > , charge <05749 +<uwd > the people <05971 +<am > , lest <06435 +pen > they break <02040 +harac > through unto the LORD <03068 +Y@hovah > to gaze <07200 +ra>ah > , and many <07227 +rab > of them perish <05307 +naphal > .

04872 EXO 024 001 . And he said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Come <05927 +<alah > up unto the LORD <03068 +Y@hovah > , thou , and Aaron <00175 +>Aharown > , Nadab <05070 +Nadab > , and Abihu <30> , and seventy <07657 +shib<iym . > of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and worship <07812 +shachah > ye afar <07350 +rachowq > off .

04872 EXO 024 002 And Moses <{04872} +Mosheh > alone <00905 +bad > shall come <05066 +nagash > near <05066 +nagash > the LORD <03068 +Y@hovah > : but they shall not come <05066 +nagash > nigh <05066 +nagash > ; neither <03808 +lo> > shall the people

<05971 +<am > go <05927 +<alah > up with him .

04872 EXO 024 003 And Moses <{04872} +Mosheh > came <00935 +bow> > and told <05608 +caphar > the people <05971 +<am > all <03605 +kol > the words <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and all <03605 +kol > the judgments <04941 +mishpat > : and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > answered <06030 +<anah > with one <00259 +>echad > voice <06963 +qowl > , and said <00559 +>amar > , All <03605 +kol > the words <01697 +dabar > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath said <01696 +dabar > will we do <06213 +<asah > .

04872 EXO 024 004 And Moses <{04872} +Mosheh > wrote <03789 +kathab > all <03605 +kol > the words <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and rose <07925 +shakam > up early <07925 +shakam > in the morning <01242 +boqer > , and builded <01129 +banah > an altar <04196 +mizbeach > under <08478 +tachath > the hill <02022 +har > , and twelve pillars <04676 +matstsebah > , according to the twelve tribes <07626 +shebet > of Israel <03478 +Yisra>el > .

04872 EXO 024 006 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > half <02677 +chetsiy > of the blood <01818 +dam > , and put <07760 +suwm > [ it ] in basons <00101 +>aggan > ; and half <02677 +chetsiy > of the blood <01818 +dam > he sprinkled <02236 +zaraq > on <05921 +<al > the altar <04196 +mizbeach > .

04872 EXO 024 008 And Moses <{04872} +Mosheh > took <03947 +laqach > the blood <01818 +dam > , and sprinkled <02236 +zaraq > [ it ] on <05921 +<al > the people <05971 +<am > , and said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > the blood <01818 +dam > of the covenant <01285 +b@riyth > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath made <03772 +karath > with you concerning <05921 +<al > all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > words <01697 +dabar > .

04872 EXO 024 009 . Then went <05927 +<alah > up Moses <{04872} +Mosheh > , and Aaron <00175 +>Aharown > , Nadab <05070 +Nadab > , and Abihu <30> , and seventy <07657 +shib<iym . > of the elders <02205 +zaqen > of Israel <03478 +Yisra>el > :

04872 EXO 024 012 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Come <05927 +<alah > up to me into the mount <02022 +har > , and be there <08033 +sham > : and I will give <05414 +nathan > thee tables <03871 +luwach > of stone <68> , and a law <08451 +towrah > , and commandments <04687 +mitsvah > which <00834 +>aher > I have written <03789 +kathab > ; that thou mayest teach <03384 +yarah > them .

04872 EXO 024 013 And Moses <04872 +Mosheh > rose <06965 +quwm > up , and his minister <08334 +sharath > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > : and Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 024 013 And Moses <{04872} +Mosheh > rose <06965 +quwm > up , and his minister <08334 +sharath > Joshua <03091 +Y@howshuwa< > : and Moses <04872 +Mosheh > went <05927 +<alah > up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > of God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 024 015 And Moses <{04872} +Mosheh > went <05927 +<alah > up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > , and a cloud <06051 +<anan > covered <03680 +kacah > the mount <02022 +har > .

04872 EXO 024 016 And the glory <03519 +kabowd > of the LORD <03068 +Y@hovah > abode <07931 +shakan > upon mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , and the cloud <06051 +<anan > covered <03680 +kacah > it six <08337 +shesh > days <03117 +yowm > : and the seventh <07637 +sh@biy<iy > day <03117 +yowm > he called <07121 +qara> > unto Moses <{04872} +Mosheh > out of the midst <08432 +tavek > of the cloud <06051 +<anan > .

04872 EXO 024 018 And Moses <04872 +Mosheh > went <00935 +bow> > into the midst <08432 +tavek > of the cloud <06051 +<anan > , and gat <05927 +<alah > him up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > : and Moses <{04872} +Mosheh > was in the mount <02022 +har > forty <00705 +>arba<iym > days <03117 +yowm > and forty <00705 +>arba<iym > nights <03915 +layil > .

04872 EXO 024 018 And Moses <{04872} +Mosheh > went <00935 +bow> > into the midst <08432 +tavek > of the cloud <06051 +<anan > , and gat <05927 +<alah > him up into <00413 +>el > the mount <02022 +har > : and Moses <04872 +Mosheh > was in the mount <02022 +har > forty <00705 +>arba<iym > days <03117 +yowm > and forty <00705 +>arba<iym > nights <03915 +layil > .

04872 EXO 025 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 030 011 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 030 017 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 030 022 . Moreover the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 030 034 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Take <03947 +laqach > unto thee sweet <05561 +cam > spices <05561 +cam > , stacte <05198 +nataph > , and onycha <07827 +sh@cheleth > , and galbanum <02464 +chelb@nah > ; [ these ] sweet <05561 +cam > spices <05561 +cam > with pure <02134 +zak > frankincense <03828 +l@bownah > : of each <00905 +bad > shall there be a like [ weight ] :

04872 EXO 031 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 031 012 . And the LORD <03068 +Y@hovah > spake <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , saying <00559 +>amar > ,

04872 EXO 031 018 And he gave <05414 +nathan > unto Moses <{04872} +Mosheh > , when he had made an end <03615 +kalah > of communing <01696 +dabar > with him upon mount <02022 +har > Sinai <05514 +Ciynay > , two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of testimony <5715> , tables <03871 +luwach > of stone <68> , written <03789 +kathab > with the finger <00676 +>etsba< > of God <00430 +>elohiym > .

04872 EXO 032 001 . And when the people <05971 +<am > saw <07200 +ra>ah > that Moses <04872 +Mosheh > delayed <00954 +buwsh > to come <03381 +yarad > down <03381 +yarad > out of the mount <02022 +har > , the people <05971 +<am > gathered <06950 +qahal > themselves together unto Aaron <00175 +>Aharown > , and said <00559 +>amar > unto him , Up , make <06213 +<asah > us gods <00430 +>elohiym > , which <00834 +>aher > shall go <03212 +yalak > before <06440 +paniym > us ; for [ as for ] this <02088

+zeh > Moses <{04872} +Mosheh > , the man <00376 +>iysh > that brought <05927 +<alah > us up out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , we wot <03045 +yada< > not what <04100 +mah > is become <01961 +hayah > of him .

04872 EXO 032 001 . And when the people <05971 +<am > saw <07200 +ra>ah > that Moses <{04872} +Mosheh > delayed <00954 +buwsh > to come <03381 +yarad > down <03381 +yarad > out of the mount <02022 +har > , the people <05971 +<am > gathered <06950 +qahal > themselves together unto Aaron <00175 +>Aharown > , and said <00559 +>amar > unto him , Up , make <06213 +<asah > us gods <00430 +>elohiym > , which <00834 +>aher > shall go <03212 +yalak > before <06440 +paniym > us ; for [ as for ] this <02088 +zeh > Moses <04872 +Mosheh > , the man <00376 +>iysh > that brought <05927 +<alah > us up out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , we wot <03045 +yada< > not what <04100 +mah > is become <01961 +hayah > of him .

04872 EXO 032 007 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <01696 +dabar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , Go <03212 +yalak > , get <03381 +yarad > thee down <03381 +yarad > ; for thy people <05971 +<am > , which <00834 +>aher > thou broughtest <05927 +<alah > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , have corrupted <07843 +shachath > [ themselves ] :

04872 EXO 032 009 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , I have seen <07200 +ra>ah > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > , and , behold <02009 +hinneh > , it [ is ] a stiffnecked people <05971 +<am > :

04872 EXO 032 011 And Moses <{04872} +Mosheh > besought <02470 +chalah > the LORD <03068 +Y@hovah > his God <00430 +>elohiym > , and said <00559 +>amar > , LORD <03068 +Y@hovah > , why <04100 +mah > doth thy wrath <00639 +>aph > wax hot <02734 +charah > against thy people <05971 +<am > , which <00834 +>aher > thou hast brought <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > with great <01419 +gadowl > power <03581 +koach > , and with a mighty <02389 +chazaq > hand <03027 +yad > ?

04872 EXO 032 015 . And Moses <{04872} +Mosheh > turned <06437 +panah > , and went <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from the mount <02022 +har > , and the two <08147 +sh@nayim > tables <03871 +luwach > of the testimony <5715> [ were ] in his hand <03027 +yad > : the tables <03871 +luwach > [ were ] written <03789 +kathab > on both <08147 +sh@nayim > their sides <05676 +<eber > ; on the one side and on the other <02088 +zeh > [ were ] they written <03789 +kathab > .

04872 EXO 032 017 And when Joshua <03091 +Y@howshuwa< > heard <08085 +shama< > the noise <06963 +qowl > of the people <05971 +<am > as they shouted <07452 +rea< > , he said <00559 +>amar > unto Moses <{04872} +Mosheh > , [ There is ] a noise <06963 +qowl > of war <04421 +milchamah > in the camp <04264 +machaneh > .

04872 EXO 032 019 And it came <07126 +qarab > to pass , as soon <00834 +>aher > as he came <00935 +bow> > nigh <07126 +qarab > unto the camp <04264 +machaneh > , that he saw <07200 +ra>ah > the calf <05695 +<egel > , and the dancing <04246 +m@chowlah > : and Moses <{04872} +Mosheh > anger <00639 +>aph > waxed hot <02734 +charah > , and he cast <07993 +shalak > the tables <03871 +luwach > out of his hands <03027 +yad > , and brake <07665 +shabar > them beneath <08478 +tachath > the mount <02022 +har > .

04872 EXO 032 021 . And Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto Aaron <00175 +>Aharown > , What <04100 +mah > did <06213 +<asah > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > unto thee , that thou hast brought <00935 +bow> > so great <01419 +gadowl > a sin <02401 +chata>ah > upon them ?

04872 EXO 032 023 For they said <00559 +>amar > unto me , Make <06213 +<asah > us gods <0430>elohiym > , which <00834 +>aher > shall go <03212 +yalak > before <06440 +paniym > us : for [ as for ] this <02088 +zeh > Moses <{04872} +Mosheh > , the man <00376 +>iysh > that brought <05927 +<alah > us up out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , we wot <03045 +yada< > not what <04100 +mah > is become <01961 +hayah > of him .

04872 EXO 032 025 And when Moses <{04872} +Mosheh > saw <07200 +ra>ah > that the people <05971 +<am > [ were ] naked <06544 +para< > ; ( for Aaron <00175 +>Aharown > had made them naked <06544 +para< > unto [ their ] shame <08103 +shimtsah > among their enemies <06965 +quwm > : )

04872 EXO 032 026 Then Moses <{04872} +Mosheh > stood <05975 +<amad > in the gate <08179 +sha<ar > of the camp <04264 +machaneh > , and said <00559 +>amar > , Who <04310 +miy > [ is ] on the LORD S <03068 +Y@hovah > side ? [ let him come ] unto me . And all <03605 +kol > the sons <01121 +ben > of Levi <03878 +Leviy > gathered <00622 +>acaph > themselves together unto him .

04872 EXO 032 028 And the children <01121 +ben > of Levi <03878 +Leviy > did <06213 +<asah > according to the word <01697 +dabar > of Moses <{04872} +Mosheh > : and there fell <05307 +naphal > of the people <05971 +<am > that day <03117 +yowm > about three <07969 +shalowsh > thousand <00505 +>eleph > men <00376 +>iysh > .

04872 EXO 032 029 For Moses <{04872} +Mosheh > had said <00559 +>amar > , Consecrate yourselves <03027 +yad > to day to the LORD <03068 +Y@hovah > , even <03588 +kiy > every man <00376 +>iysh > upon his son <01121 +ben > , and upon his brother <00251 +>ach > ; that he may bestow <05414 +nathan > upon you a blessing <01293 +B@rakah > this day <03117 +yowm > .

04872 EXO 032 030 . And it came <01961 +hayah > to pass on the morrow <04283 +mochorath > , that Moses <{04872} +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , Ye have sinned <02398 +chata> > a great <01419 +gadowl > sin <02401 +chata>ah > : and now <06258 +<attah > I will go <05927 +<alah > up unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; peradventure <00194 +>uwlay > I shall make an atonement <03722 +kaphar > for your sin <02403 +chatta>ah > .

~~~~~~

~~~~~~